# गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
## (केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित

## बिलासपुर, (छत्तीसगढ़) भारत

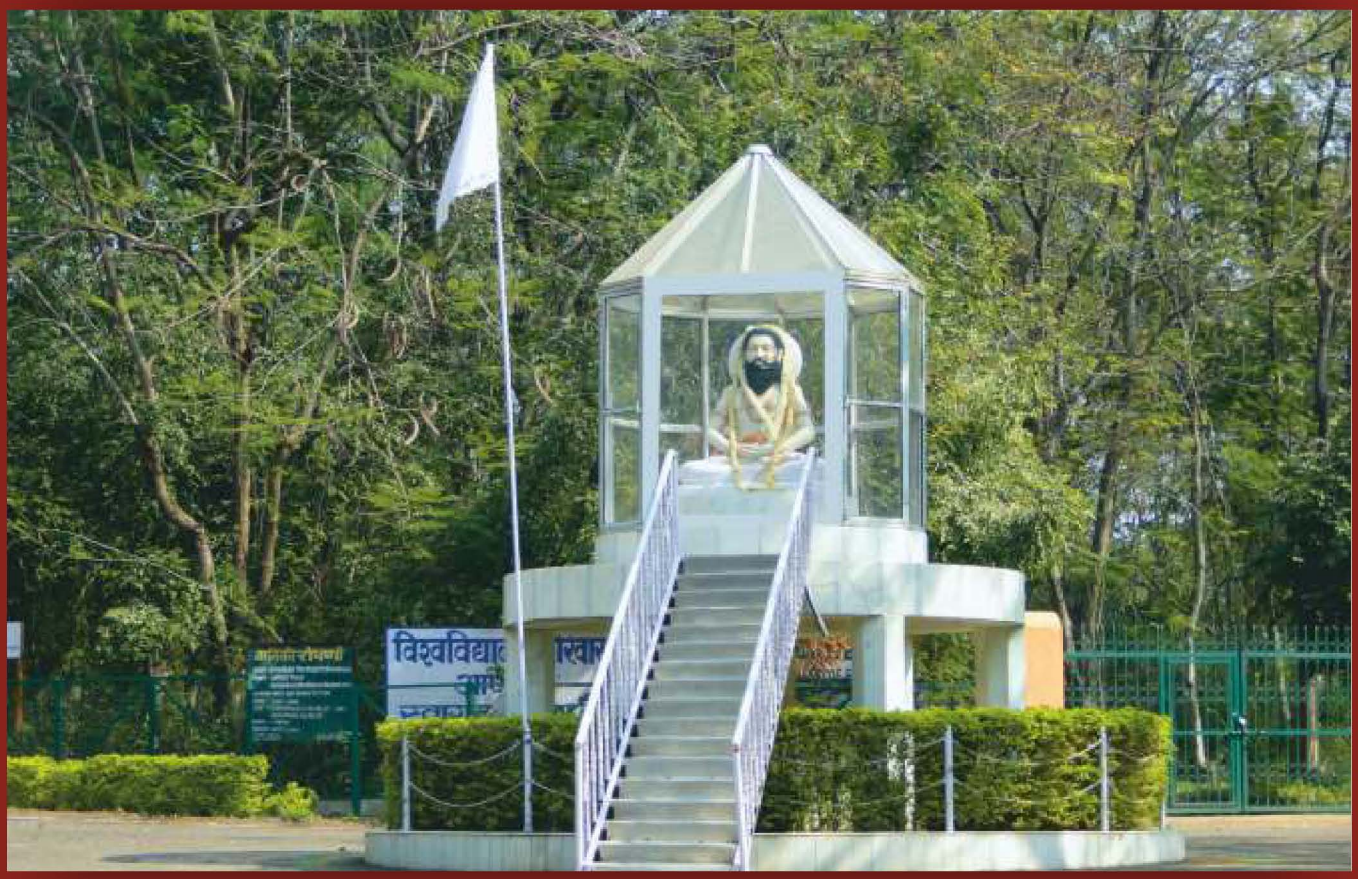

## वार्षिक प्रतिवेदन
## 2015—16

Workshop
on
Intellectual Property Rights, IP Commercialization
& Prevention of Plagiarism

# वार्षिक प्रतिवेदन
## (01.04.2015 से 31.03.2016 तक)


## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर, (छत्तीसगढ़) भारत –495009

दूरभाष :07752-260209, फैक्स :07752-260148

वेबसाईट : www.ggu.ac.in ई–मेल : centraluniv@ggu.ac.in

**प्रो. अंजिला गुप्ता**
**कुलपति**

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.), 495009, भारत

ई.मेलः–vicechancellorggv@gmail.com
फोनः 07752–260283, 260353

फैक्सः 07752–260148

# प्रस्तावना

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, के सत्र 2015–16 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह वार्षिक प्रतिवेदन हमारे वर्ष भर की योजनाओं एवं प्राथमिकताओं पर संकेद्रित है। इसका प्रत्येक अनुभाग सत्र के दौरान तय प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करता है एवं प्रत्येक पृष्ठ हमारे निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है।

वर्ष 1983 ई. में राज्य विश्वविद्यालय के रूप में स्थापति एवं तदुपरांत वर्ष 2009 में केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उत्क्रमित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट शिक्षा एवं शोध की सतत् परंपरा रही है। यहाँ लगभग 200 अध्यापकों के सहयोग से बेहद आत्मीय एवं संरक्षित वातावरण में विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते हैं।

6000 से अधिक विद्यार्थियों की संख्या से समृद्ध यह विश्वविद्यालय मुख्य शहर से मात्र छः किलोमीटर दूर स्थित है जहाँ आसानी से उपलब्ध बस या टैक्सी की सहायता से पहुंचा जा सकता है। यहाँ का स्थानीय समुदाय जातीय, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आर्थिक रूप से वैविध्यपूर्ण है जिसे विश्वविद्यालय से विशेष अपेक्षाएँ हैं।

हमारे विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य है "ज्ञान पंथ कृपाण के धारा" जो कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। यह इस विश्वास को दृढ़ करता है कि ज्ञान का पथ तलवार की धार की तरह तीक्ष्ण होता है। इस मार्ग पर एकनिष्ठ रूप से अनुगमित व्यक्ति सशक्त बनकर मोक्ष को प्राप्त करता है।

सत्र के दौरान विश्वविद्यालय अपनी बहुआयामी नीति के तहत आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की मूल प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए सतत् कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय की शोध अभिरूचियों, कार्यविधियों, प्रकाशन एवं शोध पत्रों के अपार वैविध्य पर आधारित प्रतिवेदन मे प्रदत्त सूचनाएँ पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं पेशेवर क्षमता के सकारात्मक विवरण हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं भारत सरकार के अन्य विभागों द्वारा आरम्भ की गयी विभिन्न योजनाओं यथा, इंस्पायर्ड टीचर्स क्लब, इंडस्ट्री इंटरफेस प्रकोष्ठ का निर्माण, स्वच्छ भारत अभियान एवं उन्नत भारत अभियान, ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडेमिक नेटवर्क आदि का सफल क्रियान्वयन विश्वविद्यालय में किया जा रहा है।

वैधानिक दस्तावेज के रूप में इस प्रतिवेदन के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक, वित्तीय एवं आधारभूत संरचनात्मक स्थिति को दर्शाने का महत्तर प्रयास किया गया है। यह शिक्षा जगत में हमारी प्रतिबद्धता, पारदर्शिता एवं दायित्वबोध को उजागर करता है।

अंततोगत्वा, मैं वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सभी सदस्यों द्वारा की गयी कड़ी मेहनत की सराहना करती हूँ, जिन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को दर्शाने में अपना विशेष योगदान दिया।

(प्रो. अंजिला गुप्ता)

# विश्वविद्यालय : दृष्टि एवं उद्देश्य

## दृष्टि

17वीं शताब्दी के महान् सतनामी संत गुरु घासीदास के विचारों एवं शिक्षा से प्रेरित होकर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा की सहायता से सामाजिक सशक्तिकरण, विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का मुख्य ध्यान विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के उभरते अंतर–अनुशासनात्मक क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण नवीन अकादमिक पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराने एवं इसे सुदृढ़ करने पर है, जिससे न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि अकादमिक जगत के ज्ञान भण्डार का भी निरंतर विकास हो। विश्वविद्यालय का उद्देश्य मूल्य आधारित संपूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिससे मानवता की सेवा हेतु सुशिक्षित समुदाय की अभिवृद्धि एवं विकास किया जा सके।

## उद्देश्य

- निर्देशात्मक एवं शोध सुविधाओं के माध्यम से ज्ञान का विकास एवं प्रसार।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकीकृत पाठ्यक्रम हेतु विशेष प्रावधान।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एवं अंतर–अनुशासनात्मक अध्ययन तथा शोध में नवीन ज्ञान को प्रोत्साहित करने हेतु यथोचित उपाय।
- राष्ट्र के विकास हेतु मानव शक्ति का शिक्षण एवं प्रशिक्षण।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास हेतु उद्योगों से संबंध स्थापित करना।
- ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का निरूपण एवं आरंभ, जो व्यक्तियों, विशेषतः आवश्यक सुविधा से वंचित व्यक्तियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार कर सके तथा उनके बौद्धिक, अकादमिक व सांस्कृतिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके।

# प्रेरणास्त्रोत

# गुरु घासीदास

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का नामकरण दूरदर्शी समाज सुधारक संत गुरु घासीदास (1756–1836 ई.) के नाम पर हुआ है, जिन्होंने तत्कालीन भेदभाव पूर्ण सामाजिक व्यवस्था को चुनौती दी और शोषण मुक्त एवं वंषानुगत जाति–व्यवस्था का खंडन कर सामाजिक समरसता को महत्व प्रदान किया । गुरु घासीदास जी ने सर्वग्राही दृष्टि एवं चरणबद्ध सुधार के माध्यम से प्रचलित सामाजिक अन्याय एवं असमानता को दूर करने में योगदान दिया । सतनाम पंथ 'सत्य ही ईश्वर है' में विष्वास करता है जो निर्गुण निराकार और अनन्त है। उनके द्वारा मदिरा–मांस के निषेध द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास किया गया । गुरु घासीदास के सिद्धांतों में चर–अचर के प्रति प्रेम एवं प्राणी मात्र के प्रति हिंसा निषेध प्रमुख हैं। सतनाम पंथ के अनुयायी सैकड़ों वर्षों से इन उपदेशों का अनुकरण करते आ रहे हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के उपरांत गुरूजी के विचारों को जीवन में उतारने के लिये विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनेक कदम उठाये हैं। वर्तमान में हमारा विश्वविद्यालय परिसर मदिरा एवं तम्बाकू से पूर्णतः मुक्त है। गुरूजी के शिक्षाओं के अनुरूप भारत भर से आये विभिन्न वर्गों एवं जातियों के विद्यार्थियों को समानता धर्मी वातावरण विश्वविद्यालय के जीवंत परिसर में उपलब्ध है।

# संपादन समिति

| | |
|---|---|
| प्रो. अनुपमा सक्सेना<br>अधिष्ठाता,<br>समाज विज्ञान अध्ययनशाला | अध्यक्ष |
| श्री मुरली मनोहर सिंह<br>हिन्दी विभाग | अध्यक्ष (हिन्दी संपादन समिति) |
| डॉ. रमेश कुमार गोहे<br>हिन्दी विभाग | सदस्य |
| डॉ. वंदना तिवारी<br>हिन्दी विभाग | सदस्य |
| सुश्री शोभा बिसेन<br>हिन्दी विभाग | सदस्य |

## आँकड़ा संकलन

| | |
|---|---|
| डॉ. सम्पूर्णानन्द झा<br>उप कुलसचिव (विकास शाखा) | समन्वयक |
| डॉ. विनय कुमार सिंह<br>वरिष्ठ सहायक कम्प्यूटर प्रोग्रामर | |
| श्री जय प्रकाश एक्का<br>कम्प्यूटर आपरेटर | |
| श्री जीतेन्द्र कुमार सिंह<br>जैव प्रौघोगिकी विभाग | |

### छायाचित्र संकलन

| | |
|---|---|
| सत्येश भट्ट | जनसंपर्क अधिकारी |

# कुलगीत

गुरु कृपा के पुण्य परस से, विद्या का वरदान है।
घासीदास विश्वविद्यालय, हम सब का अभिमान है।

महानदी, शिवनाथ, नर्मदा, हसदो पावन धारा है।
अंतःसलिला अरपा का, सतत् प्रवाह हमारा है।
छत्तीसगढ़ की माटी का, यह अभिषेक महान् है।

भोरमदेव, सरगुजा, शिवरी, रतनपुर, मल्हार यहीं।
कालीदास का आम्रकूट है, अमर काव्य श्रृंगार यहीं।
धरती, गगन, सघन वन गूंजे, जीवन का नवगान है।

शस्य श्यामला धरती है, खेतों में हरियाली है।
नये भगीरथ कोरबा जैसी, लोक–शक्ति की लाली है।
जाग उठे हैं गांव हमारे, जागे सभी किसान हैं।

ज्ञान सभ्यता से आलोकित, विद्वत्जन सम्मान यहां।
माधव, लोचन, मुकुटधर पाण्डेय, बख्शी जी अरू भानु यहां।
राव, विप्र, रविशंकर, छेदी, कुंवर वीर का गान है।

मानव मूल्यों का सृजन करें हम, समता, ममता, शांति भरे।
हर्षित, पुलकित हो भारत मां, सुख–समृद्धि सर्वत्र झरे।
विद्या–मंदिर के प्रांगण से, नव–युग का अभियान है।

गुरु कृपा के पुण्य परस से .....

(यह कुलगीत प्रसिद्ध राजनेता, साहित्यकार एवं कवि स्वर्गीय पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल, प्रथम अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा रचित है।)

# अनुक्रमणिका


**भाग–1**

**1. प्रस्तावना**

1.1 विश्वविद्यालय : एक दृष्टि 16

1.2 शैक्षणिक पाठ्यक्रम 17

**2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग**

2.1 अध्ययनशालाएँ 22
2.1.1 कला 22
2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी 29
2.1.3 विधि 36
2.1.4 जीव विज्ञान 39
2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययन 43
2.1.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान 45
2.1.7 प्राकृतिक संसाधन 46
2.1.8 भौतिकि विज्ञान 53
2.1.9 सामाजिक विज्ञान 56

2.2 सूचना संचार तकनीकी एवं अभिकलन सुविधायें 61

2.3 मानव संसाधन विकास केंद्र 62

2.4 राष्ट्रीय त्वरक आधारित राष्ट्रीय षोध केन्द्र 64

**3. मानव संसाधन**

3.1 शिक्षक सदस्य 70

3.2 गैर–शैक्षणिक कर्मचारी 70

**4. वित्तीय संसाधन**

4.1 वित्तीय विवरण 72

4.2 वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु आय व्यय खाता (01.04.15 से 31.03.16) 72

4.3 अनुसूची 3 : चालू देयताएं एवं प्रावधान 73

4.4 अनुसूची 3(a) : प्रायोजित परियोजनाएँ 74

4.5 अनुसूची 3(b) : परियोजनाएँ/प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति 74

4.6 अनुसूची 3(c) : भारत सरकार, यूजीसी एवं राज्य सरकार से प्राप्त एवं उपयोग किया गया अनुदान 81

4.7 01 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 की अवधि हेतु प्राप्ति एवं भुगतान खाता 83

**5. छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएं**

5.1 छात्र संख्या 86
5.1.1 कुल छात्र संख्या 86
5.1.2 नए नामांकन 86
5.1.3 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की छात्र संख्या 86
5.1.4 प्रतिवेदन वर्ष में विभिन्न विभागों में शोधार्थियों की संख्या 92

5.2 परीक्षा परिणाम, प्रदत्त उपाधि एवं पत्रोपाधि 92

5.2.1 विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम 92

5.2.2 प्रदत्त उपाधि एवं पत्रोपाधि 92
5.2.2.1 कला अध्ययनशाला 92
5.2.2.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला 93
5.2.2.3 विधि अध्ययनशाला 93
5.2.2.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला 94
5.2.2.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला 94
5.2.2.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला 94
5.2.2.7 प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला 95
5.2.2.8 भौतिक विज्ञान अध्ययनशाला 95
5.2.2.9 सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला 95
5.2.2.10 चिकित्सा विज्ञान अध्ययनशाला 96

5.2.3 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात प्रदत्त उपाधियां 96
5.2.4 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी द्वितीय प्रति अंकपत्र 96
5.2.5 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी ट्रांसक्रिप्ट 96
5.2.6 कुल प्रव्रजन प्रमाण पत्र जारी 96
5.2.7 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी अस्थायी उपाधि 97
5.2.8 कुल अभिप्रमाणीकरण 97

| | | |
|---|---|---|
| 5.2.9 | कुल विभूषित शोध उपाधि 2015–2016 | 97 |
| 5.3 | छात्र सुविधाएँ | 98 |
| 5.3.1 | अधिष्ठाता, छात्र कल्याण | 98 |
| 5.3.2 | कुलानुशासक मण्डल | 103 |
| 5.3.3 | अध्येतावृत्तियां | 104 |
| 5.3.4 | आवासीय सुविधाएँ | 104 |
| 5.3.5 | व्यायामशाला | 106 |
| 5.3.6 | केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ | 106 |
| 5.3.7 | उड़ान (गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की कार्यालयीन पत्रिका) | 107 |

**6. सामान्य सुविधाएँ**

| | | |
|---|---|---|
| 6.1 | आवासीय सुविधाएँ | 110 |
| 6.2 | सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह | 111 |
| 6.3 | केन्द्रीय ग्रंथालय | 111 |
| 6.4 | कैफेटेरिया | 113 |
| 6.5 | केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग | 114 |
| 6.6 | स्वास्थ्य केन्द्र | 114 |
| 6.7 | आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ | 114 |
| 6.8 | मीडिया प्रकोष्ठ | 114 |
| 6.9 | राजभाषा प्रकोष्ठ | 114 |
| 6.10 | डाकघर एवं बैंक | 115 |
| 6.11 | सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (आर.टी.आई.) | 115 |
| 6.12 | खेलकूद सुविधाएं | 116 |
| 6.13 | अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ | 116 |
| 6.14 | एस.टी.डी./पी.सी.ओ./फोटोकापी कार्नर | 117 |
| 6.15 | यातायात सुविधाएं | 117 |
| 6.16 | उपकरणों के रख–रखाव से संबंधित सुविधाएँ | 117 |
| 6.17 | एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (आई.यू.एम.एस.) | 117 |

6.18 विश्वविद्यालय मुद्रणालय 119

**7. यूजीसी / एमएचआरडी निर्देशित विविध योजनायें / परियोजनायें / प्रकोष्ठ**

7.1 अकादमिक पीठ का सृजन (निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की साझेदारी उपक्रम के अंतर्गत) 122

7.2 गुरु घासीदास विश्वविद्यालय पूर्व छात्र सम्मेलन (जीजीवी एलुमनी) 122

7.3 ग्लोबल इनिशियेटिव ऑफ अकादमिक नेटवर्क (जीआईएन) 122

7.4 ऊष्मा नियंत्रक प्रकोष्ठ (इंक्यूबेटर सेल) 122

7.5 मैसिव ओपन ऑनलाईन कोर्स 123

7.6 ऑनलाईन छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ 124

7.7 अच्छे कार्यों की साझेदारी 125

7.8 कौशल विकास प्रकोष्ठ 125

7.9 स्वच्छ भारत अभियान 127

7.10 उन्नत भारत अभियान 127

**Part – II : परिशिष्ट**

**परिशिष्ट I: विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय**

अ. विश्वविद्यालय का कोर्ट 132

ब. कार्यपरिषद 135

स. विद्यापरिषद् के सदस्य 136

द. वित्त समिति 140

ई. सत्र (01.04.2015 से 31.03.2016) के दौरान आहूत बैठक 141

**परिशिष्ट – 2 विश्वविद्यालय के अधिकारीगण**

अ. विश्वविद्यालय के अधिकारीगण 142

ब. अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण 142

स. विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण 143
द. विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्षगण 144

**परिशिष्ट – 3 विश्वविद्यालय के शिक्षकगण (31.03. 2016 की स्थिति में)** 146

**परिशिष्ट – 4 विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अकादमिक योगदान**

अ. प्रकाशन 164
ब. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता 174
स. शोध परियोजनाएँ
I. संचालित शोध परियोजनाएं 180
ii. स्वीकृत शोध परियोजनाएं 185
iii. प्रस्तुत शोध परियोजनाएं 186

# भाग–1

प्रस्तावना
शैक्षणिक अंग
मानव संसाधन
वित्तीय संसाधन
छात्र सांख्यिकी एवं सुविधायें
सामान्य सुविधायें
यूजीसी / एमएचआरडी निर्देशित विविध योजनायें / परियोजनायें / प्रकोष्ठ

# 1. प्रस्तावना

## 1.1 विश्वविद्यालय : एक दृष्टि

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, सन् 1983 में स्थापित आवासीय विश्वविद्यालय है। 18वीं – 19वीं सदी के महान् सतनामी संत गुरु घासीदास के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय का उन्नयन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, ग्यारहवी पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत हुआ। यह विश्वविद्यालय इण्डियन यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन और कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन का सक्रिय सदस्य है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा बी 'B' मान्यता प्राप्त है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय नगर के बाह्य हिस्से में अवस्थित है। बिलासपुर बहु–संस्कृतियों वाला नगर है जो न्यायधानी तथा संस्कार धानी के नाम से लोकप्रिय है। यहाँ दक्षिण–पूर्व–मध्य रेलवे और दक्षिण–पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड के मुख्यालय हैं। विश्वविद्यालय का आरंभ कुछ विभागों के साथ, बिलासपुर नगर के अस्थायी भवनों में, बहुत सामान्य–सी स्थितियों में हुआ। तदुपरांत, यह कोनी क्षेत्र में स्थित द्वितीय विश्व युद्ध के आर्मी बैरकों में स्थानांतरित हुआ जो कि अरपा नदी के बायीं ओर स्थित है। विश्वविद्यालय परिसर 656 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। परिसर प्राकृतिक रूप से हरा–भरा, जलश्रोतों एवं अछूती हरियाली के कारण अतुलनीय सौंदर्यशाली है।

विश्वविद्यालय युवा प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करता है और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सरलतापूर्वक कौशल संपन्न करने के साथ–साथ ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देता है। विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी संस्थान सन्निहित है। 32 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग हैं। यहाँ कई स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ–साथ डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। इन सभी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। प्रौद्योगिकी संस्थान एवं प्रबंध अध्ययन विभाग में प्रवेश क्रमशः ऑल इंडिया इंजीनियरिंग इंट्रेंस एक्जामिनेशन (ए.आई.ई.ई.ई.) और मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (मैट) के माध्यम से होता है। शैक्षणिक सत्र 2015–16 के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में 6767 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

छत्तीसगढ़ लंबे समय से पिछड़ा क्षेत्र रहा है। वर्तमान में यह देश के सर्वाधिक तेजी से विकास कर रहे राज्यों में से है। इस राज्य को बड़ी संख्या में कौशल संपन्न श्रमशक्ति की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के लोग गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से इस अवसर का लाभ बेहतर ढ़ंग से प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान में वैश्विक मानकों के अनुरूप, शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को, बनाने के लिए कृत संकल्प है। विश्वविद्यालय शिक्षण की गुणवत्ता वृद्धि हेतु, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त, नए शिक्षक सदस्यों की नियुक्ति कर रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थी –शिक्षक अनुपात को आदर्श स्थिति में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। अध्ययन कक्षों को अच्छे फर्नीचर, वातानुकूलन तथा एल सी डी प्राजेक्टर जैसी सुविधाओं से आधुनिकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, एसाइनमेंट और सेमेस्टर परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पारदर्शिता हेतु कक्षाओं में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा की उत्तर–पुस्तिकाओं को दिखाया जाता है एवं विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार हेतु उनकी सहायता की जाती है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की क्षमता की अभिवृद्धि के लिए समुचित सुविधा उपलब्ध कराता है जिसमें छात्रावास, कैफेटेरिया, व्यायामशाला, एमीनिटी सेंटर, वाई–फाई आदि हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न उपचारात्मक कक्षाओं, स्पोकेन इंग्लिश, व्यक्तित्व विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से पराम्परागत रूप से पिछड़े अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सौहार्द्रपूर्ण एवं उपयुक्त वातावरण के लिए आवश्यक कदम उठाए गये हैं। केन्द्रीय ग्रंथालय में एक लाख से अधिक पुस्तकों के संस्करण उपलब्ध हैं और अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं की खरीदी की गयी है। केन्द्रीय ग्रंथालय के अतिरिक्त ज्यादातर विभागों के पास अपना पुस्तकालय है। परिसर एवं छात्रावास में बेहतरीन खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की योजना एक नये स्टेडियम, तरणताल और टेनिस कोर्ट के निर्माण के द्वारा खेलकूद सुविधाओं में वृद्धि की है। परिसर को जीवन्त रखने के लिए वर्ष पर्यन्त गतिविधियाँ आयोजित की गयी जिसमें गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षा दिवस, विवेकानंद जयंती, शिक्षक दिवस, गुरु घासीदास जयंती आदि प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों को सामाजिक –सामुदायिक भागीदारी हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। इन गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थी जीवन की प्रतियोगी संस्कृति के अभ्यस्त होते हैं। समय–समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण व्यक्तियों के विभिन्न जीवाननुभवों संबंधी नए विचार प्राप्त होते हैं।

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों द्वारा विद्यार्थियों के प्रयोगिक ज्ञान के लिए फील्ड वर्क, औद्योगिक इकाइयों की यात्रा एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु विश्वविद्यालय ने छात्र परिषद् का गठन सफलतापूर्वक किया। छात्र परिषद् विश्वविद्यालय के सभी छात्रों का प्रतिनिधित्व करता है और निर्णयगत प्रक्रियाओं में विद्यार्थियों के स्वर के रूप में काम करता है।

विकासगत प्रक्रियाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय गुणवत्तायुक्त शोध एवं विकास के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से बेहतर सामाजिक योगदान के लिए तत्पर है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, वन्य प्रबंधन और विकासगत नीतियां प्रमुख हैं। शिक्षकों की अभिवृद्धि के लिए एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज नियमित ढ़ंग से उन्मुखीकरण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। इन पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सहायता ली जाती है।

यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में केन्द्रीय–विश्वविद्यालय के लिए आदर्श प्रस्तुत करने हेतु सकारात्मक रूप से क्रियाशील है तथा इस क्षेत्र के क्षमतावान विद्यार्थियों के विकास हेतु शैक्षिक अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों ''उच्च शिक्षा को ज्ञान–समाज की आवश्यकताओं एवं अवसरों के अनुरूप प्रासंगिक बनाना'' तथा ''उच्च शिक्षा को समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सर्वग्राह्य बनाना'' की ओर विश्वविद्यालय सतत् अग्रसर है।

### 1.2 शैक्षणिक पाठ्यक्रम

प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो इस प्रकार हैं –

#### 1.2.1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

| संकाय / अध्ययनशाला | विभाग | पाठ्यक्रम | सीटों की संख्या | अवधि (वर्ष में) |
|---|---|---|---|---|
| कला | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | स्नातकोत्तर | 60 | 02 |
| | | डिप्लोमा इन फ्रेंच लैग्वेज | 25 | 01 |
| | | डिप्लोमा इन जर्मन लैग्वेज | 25 | 01 |
| | | पीएच.डी. | 13 | 04 |
| | हिन्दी | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | स्नातकोत्तर | 20 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 05 | 04 |
| | पत्रकारिता एवं जनसंचार | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.एम.सी.जे.) | 30 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 02 | 04 |
| | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (बी.लिब.) | 60 | 01 |
| | | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.लिब.) | 50 | 01 |
| | | पीएच.डी. | 06 | 04 |
| | शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद | बी.पी.एड | 50 | 01 |
| | | एम.पी.एड. | 40 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 14 | 04 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | बी.टेक | 60 | 04 |
| | | एम.टेक. | 18 | 02 |
| | | पीएच.डी. | * | 04 |
| | सिविल अभियांत्रिकी | बी.टेक | 40 | 04 |
| | | पीएच.डी. | 2 | 04 |
| | संगणक विज्ञान एवं | बी.टेक | 60 | 04 |
| | | पीएच.डी. | 02 | 04 |
| | इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड संचार अभियांत्रिकी | बी.टेक | 60 | 04 |
| | | पीएच.डी. | 01 | 04 |
| | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | बी.टेक | 60 | 04 |
| | | पीएच.डी. | * | 04 |
| | सूचना अभियांत्रिकी | बी.टेक | 60 | 04 |
| | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | बी.टेक | 60 | 04 |
| | | एम.टेक | 18 | 02 |
| जीव विज्ञान | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | एम.ए. / एम.एस.सी. | 40 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 05 | 04 |
| | जैव प्रौद्योगिकी | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 17 | 04 |
| | वनस्पतिशास्त्र | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | स्नातकोत्तर | 40 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 22 | 04 |
| | प्राणीविज्ञान | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक | 40 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 18 | 04 |
| | न्यायालयिक विज्ञान | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 30 | 05 |
| | | परास्नातक | 20 | 02 |
| प्रबंध एवं वाणिज्य | वाणिज्य | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 120 | 05 |
| | | परास्नातक (एम.कॉम.) | 75 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 01 | 04 |
| | प्रबंध अध्ययन | एम.बी.ए. | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 15 | 04 |
| गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | एम.एस.सी. आई.टी. | 60 | 02 |
| | | एम.सी.ए. | 60 | 03 |
| | | पीएच.डी. | 05 | 04 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | एम.एस.सी. | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 05 | 04 |
| प्राकृतिक संसाधन | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | स्नातक (बी.एस.सी.) | 60 | 03 |
| | | परास्नातक (एम.एस.सी.) | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 12 | 04 |
| | भैषजिक विज्ञान | डिप्लोमा (फार्मेसी) | 60 | 02 |
| | | बी.फार्मा | 60 | 04 |
| | | एम.फार्मा | 36 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 34 | 04 |
| | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक (एम.एस.सी.) | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 07 | 04 |
| भौतिक विज्ञान | रसायन | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 22 | 4 |
| | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | एकीकृत स्नातक / परास्नातक (भौतिकी) | 60 | 05 |
| | | एकीकृत स्नातक / परास्नातक (इलेक्ट्रॉनिक्स) | 60 | 05 |
| | | परास्नातक (भौतिकी) | 60 | 02 |
| | | परास्नातक (इलेक्ट्रॉनिक्स) | 60 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 07 | 04 |
| सामाजिक विज्ञान | अर्थशास्त्र | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक | 30 | 2 |
| | | पीएच.डी. | 07 | 04 |
| | शिक्षाशास्त्र | बी.एड. | 50 | 02 |
| | | बी.एड.(एस.ई.एल.) | 25 | 02 |
| | | बी.एड.(एस.ई.एच.) | 25 | 02 |
| | | एम.एड. | 50 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 18 | 04 |
| | इतिहास | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक | 30 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 03 | 04 |
| | राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 60 | 05 |
| | | परास्नातक (राजनीति विज्ञान) | 30 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 02 | 04 |
| | समाजकार्य | एकीकृत स्नातक / परास्नातक | 30 | 05 |
| | | एम.एस.डब्लू | 30 | 02 |
| | | पीएच.डी. | 02 | 04 |
| विधि | विधि | एकीकृत बी.ए.–एलएल.बी. | 60 | 05 |
| | | एकीकृत बी.कॉम.–एलएल.बी. | 60 | 05 |

# विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

## 2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

### 2.1 विश्वविद्यालय की अध्ययनशालायें

विश्वविद्यालय की 09 अध्ययनशालाओं के 32 विभागों के माध्यम से अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन होता है। अध्ययनशालाओं और विभागों की वर्तमान संरचना इस प्रकार है –

### 2.1.1 कला अध्ययनशाला

कला अध्ययनशाला के अंतर्गत 5 विभाग हैं, – अंग्रेजी, हिन्दी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान और शारीरिक शिक्षण विभाग। अध्ययनशाला के अंतर्गत विभिन्न विभाग संबंधित विषयों के क्षेत्र में व्यापक पाठ्यक्रम एवं शोध रूचियों को शामिल करते हैं। विभिन्न विभागों की मुख्य गतिविधियों, संचालित पाठ्यक्रमों एवं उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है –

### आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग

प्रोफेसर अजय गांगुली जेम्स जोयफ पर वक्तव्य

साहित्य जगत में विद्यार्थियों की परख बढ़ाने के उद्देष्य से वर्ष 1991 में आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग की स्थापना की गई। इस उद्देष्य के लिए साहित्य जगत को अंग्रेजी के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है । विद्यार्थियों को साहित्य के विविध क्षेत्रों से परिचित कराया जाता है जैसे कि अप्रवासी लेखन, स्त्री लेखन, साहित्य सिद्धांत, अमेरिकी साहित्य, भारतीय अंग्रेजी साहित्य और कैनेडियन साहित्य/विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं यथा–अप्रवासी लेखन, स्त्री लेखन, साहित्य सिद्धांत आदि का समुचित अध्ययन कराया जाता है। साहित्य जगत में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु प्रतिष्ठित आचार्यों के विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। लगभग 1500 पुस्तकों से सुसज्जित विभाग का अपना ग्रन्थालय है । इन पुस्तकों के अतिरिक्त विद्यार्थियों को केन्द्रीय ग्रंथालय की भी सुविधा प्राप्त है । केन्द्रीय ग्रंथालय में पर्याप्त मात्रा में पुस्तकों एवं इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है । इसके अतिरिक्त केन्द्रीय ग्रंथालय में सैकड़ों ऑन लाइन पत्रिकायें, संदर्भ ग्रंथों एवं शोध ग्रंथों की भी पर्याप्त संख्या है । गहन अध्ययन के लिए केन्द्रीय ग्रंथालय द्वारा सहृदयता पत्र जारी किया जाता है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों का अध्ययन हेतु उपयोग करते हैं । विभाग के पास विविध प्रकार के ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं की भी सुविधा है । विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता की वृद्धि के लिए एक श्रेष्ठ भाषा प्रयोगशाला का निर्माण किया गया है ।

विभाग द्वारा स्नातक/स्नातकोत्तर के अतिरिक्त स्नातक स्तर पर विविध अनुशासनों में भाषा शिक्षण के द्वारा संवाद कौशल एवं भाषा कौशल संबंधी शिक्षण प्रदान करना है । ऐड ऑन पाठ्यक्रम के रूप में विभाग द्वारा फ्रेंच एवं जर्मन भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है । तुलनात्मक साहित्य शोध के क्षेत्र में वृहद दृष्टि को लाता है । इसी क्रम में विभाग में 12वीं योजना में तुलनात्मक साहित्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का प्रस्ताव भेजा है ।

#### विभाग द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियॉः

विभाग ने सितम्बर 2015 को जे.के.कॉलेज पुरूलिया के प्रो0 अजय गांगुली का जेम्स जोएस एण्ड मार्डन लिटरेचर विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय विभाग द्वारा संचालित जीआईएन योजना के तहत विभाग को शार्ट टर्म कोर्स आयोजित करने की स्वीकृति मिली।

## शिक्षक सदस्यों की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः–

नवंबर 2015 को डॉ. अनुराग चौहान ने यू.जी.सी. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सकोली में 'इंडियन पोयट्री इन इंग्लिश' विषय पर व्याख्यान दिया ।

- 5 जून 2015 को आयोजित 14 वें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने "वर्बल एण्ड नॉन वर्बल कम्यूनिकेशन" एवं "काइनेसिक्स एण्ड प्रोक्सीमिक्स" (संचार और साहित्य) विषय पर दो व्याख्यान दिये।
- 26 जून 2015 को आयोजित 15 वें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने "डाइनेमिक्स ऑफ नॉन वर्बल कम्यूनिकेशन एण्ड इफेक्टिव क्लासरूम टीचिंग " ( कम्यूनिकेशन एवं लिटरेचर) विषय पर दो व्याख्यान दिये ।
- 18 सितम्बर 2015 में आयोजित प्राचार्य सम्मेलन में बिलासपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के समक्ष प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने "क्वालिटी एण्ड एक्सीलेंस इन एच इ आई ' एस इशूज एण्ड चैलेन्जेज " एण्ड " एडमिनिस्ट्रेटिव लीडरशिपः पैराडिम्स एण्ड चैलेन्जेज" विषय पर दो व्याख्यान दिये।
- 13 मई 2015 को आयोजित 14 वें उन्मुखीकरण कार्यक्रम में प्रो. आई.डी.तिवारी ने " गांधीयन थॉट्स एण्ड इट्स रीलिवेन्स और एन्सियेटं इण्डिया ए लाइट ऑफ नोलेज" विषय पर दो व्याख्यान दिये।
- 30 नवम्बर 2015 से 19 दिसम्बर 2015 को आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान 1 दिसम्बर 2015 को प्रो. आई.डी.तिवारी ने "गाँधीयन थॉट्स" पर व्याख्यान दिया।
- 18 नवम्बर से 19 दिसम्बर 2015 को आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान मैथेडोलोजी इन सोशल साइंस एण्ड प्योर एण्ड अप्लाइड साइन्स" विषय पर 21 नवम्बर 2015 को प्रो.आई.डी.तिवारी ने "मेथडोलोजी इन सोशल साइन्स" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 6 अक्टूर 2015 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलसचिव का कार्यभार प्रो. मनीष श्रीवास्तव को सौंपा गया।

## विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ–

- 5 और 6 फरवरी 2016 को आयोजित "नरेटिव एण्ड नरेटोलॉजी टैडिशन्स एण्ड इनोवेशन्स इन स्टोरी–टेलिंग पैटर्नस" अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मेगोशियेंटिग डॉमा एण्ड पेन व्यू नटेटिव वॉयस इन एल. एच. एन्डरशन्स स्पीक विषय पर एम.ए.चतुर्थ सत्र की छात्रा दीपमाला महतो और अस्मिता प्रधान ने शोध प्रस्तुत किया।
- 30–31 अक्टूबर 2015 को मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित "वूमन इन लिटरेचर एण्ड मीडिया इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन" राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ग्लोबलाइजेशन वूमन एण्ड मदरहूड इन झुम्पा लाहिड़ी मिसेज सेन " विषय पर प्रो. एम.ए. चतुर्थ सत्र के विद्यार्थी निर्मलेन्दु मैती और दीपमाला महतो ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 31 मार्च 2016 को महिषादल महाविद्यालय मिदनापुर में आयोजित "इंडो–कैरिबीयन एण्ड एफ्रो कैरीबियन लिटरेचर टैक्स्ट्स एण्ड कोन्टेक्स्ट्स" एक दिवसीय संगोष्ठी में " इटरनल वॉयस एण्ड डिस्प्लेस्ड आइडेन्टिटी ऑफ द अदर इण्डियन इन डेविड डेविडीन्स "कूलीमदर" विषय पर एम.ए. चतुर्थ सत्र के छात्र निर्मलेन्दु मैती ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- अनिंद्य सुनार पोले (शोधार्थी) ने "दैर इज नो कन्ट्ररी फॉर फ्रैगमेन्टेड नेशन, नेशनहूड एण्ड क्वेस्ट फॉर नेशनल आइडेन्टिटी इन किरण देसाई इज द इनहेस्टिन्स ऑफ लॉस, एन एनालाइसिस अपरा आर्टिकल द लिटरेरी हेराल्ड में 15 जून 2015 को प्रकाशित करवाया।
- अनिंद्य सुनार पोले (शोधार्थी) ने लिटरेरिया लिंग्विस्टीका, ए प्रिंट जर्नल में 10 जुलाई 2015 को अपना शोध पत्र " सर्चिग होम इन एब्रोड द डायस्पोरिक एसेन्स इन द पोयट्री ऑफ शांता आचार्य" प्रकाशित करवाया।
- 7–8 अगस्त 2015 को GITAM विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्टीय संगोष्ठी में अनिंद्य सुनार पोले (शोधार्थी) ने " द आर्ट ऑफ नरेटिंग क्राइम फिक्सन, टेक्नीक्स, एक्सपेक्टेशन्स एण्ड रीडर रेसपोन्सेज एज इन रोबर्ट ब्लोक्स साइको " विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- अनिंद्य सुनार पोले (शोधार्थी) ने "सेक्सुअल एक्सप्लोइटेशन एण्ड फेमिनिस्ट आइडियोलेजिकल रेजिस्टेन्स एट वर्क प्लेस, ए क्रिटिकल स्टडी ऑफर वैलेरी मिनर्स मर्डर इन द इंग्लिश डिपार्टमेंट " आर्टिकल प्रोब्लेमेटिक्स ऑफ जेडंर डिस्कोर्स बाई ऑथर्स प्रेस में 2 दिसम्बर 2015 को प्रकाशित करवाया।
- सुश्री मैत्रेयी मिश्रा (शोधार्थी) ने प्रो. मनीष श्रीवास्तव के निरीक्षण में अपना शोधपत्र "लोंगिंग फॉर बिलोंगिंगः डिजलोकेशन, आइडेन्टिटी क्राइसिस एण्ड ट्रान्सकल्चरल स्पेस इन झूम्पा लाहिड़ी "द लॉलैंड", अन्तर्राष्ट्रीय इ–जर्नल लैंगलिट के अंक 2, भाग–1(2015) ISSN–2349–5189, में प्रकाशित करवाया।
- 21 मार्च 2016 को महिषादल राज कॉलेज (पं. बंगाल) के अंग्रेजी विभाग (पीजी) द्वारा आयोजित इंडोकैरीबियन एण्ड एक्रो फैरीबियन लिटरेचर टेक्स्ट्स एण्ड कान्टेक्सस्ट्स "एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सुश्री मैत्रेयी मिश्रा (पी.एच.डी. शोधार्थी) ने प्रो. मनीष श्रीवास्तव के निरीक्षण "डिफायन्स ऑफ बैरीयर्सः एक्सप्लोरिंग ट्रान्सकल्चरल स्पेस इन कैरिल फिलिप्स "ए डिस्टेंट शोर" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 30–31 अक्टूबर 2015 को मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित "वूमन इन लिटरेचर एण्ड मीडिया इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन" राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतानु कुमार पॉल (शोधार्थी) ने "लिमाइनल पोजिशनलिटी एण्ड स्पाटियल आइडेन्टिरी ऑफ वूमन इन मोनिका अलीज ब्रिक लेन" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 18–19 नवम्बर 2015 को आर.जी गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "एक्सपेट्रिएट सेंसिबिलिटी एण्ड मार्डन लिटरेचर" राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतानु कुमार पॉल (शोधार्थी) ने "एक्सपेट्रियेशन, ट्रान्सकल्चरल स्पेस एण्ड हाइब्रिडिटी : ए थियोरटिकल पर्सपेक्टिव" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 31 मार्च 2016 को महिषादल कॉलेज, मिदनापुर द्वारा आयोजित "इन्डो कैरीबियन एण्ड एफ्रो कैरीबियन लिटरेचर, टेक्स्ट्स एण्ड कोन्टेक्सट्स" एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अजानु कुमार पॉल (शोधार्थी) ने "क्लेमिंग आइलैंड एण्ड आइडेन्टिटी : कोन्टेस्टेड स्पेस इन एंड्रिया लेवीज स्मॉल आइलैंड" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 9–10 अक्टूबर 2015 को मानविकी और सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, कल्याण, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित "न्यू ट्रेंडस इन ह्युमैनिटीज, जेंडर, एण्ड कल्चरल स्टडीज "अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देवाशीष मित्रा (शोधार्थी) ने "रीप्रेजेन्टेशन ऑफ द डाउन – लॉ (डी एल), ब्लैक मस्कुलिनिटी एण्ड क्वीयर स्पेस इन इ. लिन है रिजि आइ से ए लिटील प्रेयर" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- 5–6 फरवरी 2016 को गार्डेन सिटी कॉलेज, बेगंलुरू के भाषा विभाग द्वारा आयोजित "नैरेटोलोजी ट्रेडिशन्स एण्ड इनोवेशन्स इन स्टोरी टेलिंग पैटर्नस" अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देवाशीष मित्रा (शोधार्थी) ने "द जेडंर्ड नैरेटिव ऑफ रेस, प्रैक्सिस ऑफ ब्लैक मस्कुलिनिटी एण्ड क्वीयर "विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रदीप वर्मन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में कनिष्ठ अध्येतावृत्ति जून 2015 में प्राप्त की।

## हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष 1989 में की गयी। 60 – 60 सीटों की क्षमता के साथ एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और हिन्दी साहित्य तथा अनुवाद विज्ञान के पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। एक वर्षीय आधार पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण विभागों में हिन्दी साहित्य एवं भाषा शिक्षण के पाठ्यक्रम का संचालन होता है। विभागीय पुस्तकालय में 1000 पुस्तकों की उपलब्धता के साथ केंन्द्रीय ग्रंथालय के माध्यम से हिन्दी की प्रमुख पत्रिकायें नियमित रूप से आती हैं। विभागीय पुस्तकालय की सुविधा विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध है। अध्ययन सत्र के दौरान विभाग में भाषा एवं साहित्य के विकास तथा प्रसार हेतु विविध कार्यक्रमों यथा काव्य गोष्ठी, साहित्य परिचर्चा एवं साप्ताहिक वार्ता शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है साथ ही विभागीय विद्यार्थियों को सक्रिय कार्यक्रमों के संचालन से अध्ययन सत्र के दौरान साहित्य के महत्व से अवगत कराया जाता है। राष्ट्रीयता एवं कैरियर के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में हिन्दी भाषा के महत्व एवं उद्देश्य को आत्मसात करने की पूर्ति हेतु विभाग सतत् प्रयत्नशील है।

**प्रमुख विभागीय गतिविधियाँ :–**

- दिनांक 31 जुलाई 2015 को प्रेमचंद जयंती के अवसर पर प्रख्यात कहानीकार श्री शतीन्द्र चौधुरी ने व्याख्यान दिया।

- अगस्त 2015 में संत तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मनोज पांडे ने समकालीन हिन्दी आलोचना पर व्याख्यान दिया।
- हिन्दी विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आचार्य सुधाकर सिंह ने दिनांक 02 सितंबर 2015 को व्याख्यान दिया।
- दिनांक 25 जनवरी 2016 को प्रसिद्व दलित उपन्यासकार श्री रूप नारायण सोनकर ने हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 02 मार्च 2016 को इप्टा के राष्ट्रीय समिति के सदस्य श्री मधुकर गोरख ने इप्टा के इतिहास पर व्याख्यान दिया ।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँः–**

स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की छात्रा कुमारी नम्रता ने जून 2015 यूजीसी नेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

**विभागीय शिक्षको की उपलब्धियाँः–**

डॉ रमेश कुमार गोहे ने बालाघाट महाविद्यालय मध्यप्रदेश में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

## पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की स्थापना 1988 में हुई। यह विभाग पी–एच.डी. (शोध) के साथ–साथ परास्नातक पाठ्यक्रम एम. एम.सी.जे. (मास्टर ऑफ मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज्म) एवं पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम का निरूपण विद्यार्थियों में मीडिया (प्रिण्ट, इलेक्ट्रानिक एवं न्यू मीडिया), पत्रकारिता एवं जनसंचार, विकास संचार, संचार शोध, विज्ञापन, जनसम्पर्क एवं कौशल के विकास को ध्यान में रखकर किया गया है। विभाग विभिन्न अवसरों पर बुलेटिन, न्यूजलेटर, हाउस–जर्नल, मैग्जीन और वृत्तचित्र आदि भी तैयार करता है। विश्वविद्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को दृश्य–श्रव्य रुप में संग्रहीत करने एवं इनकी रिपोर्ट तैयार करने के साथ–साथ यह विभाग 'मीडिया प्रकोष्ठ' के रुप में कार्य करता है तथा विश्वविद्यालय से जुड़ी खबरें मीडिया को प्रेषित करता है।

**उद्देश्य**

- मीडिया शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था देना।
- छत्तीसगढ़ के सम्पूर्ण विकास के लिए परम्परागत एवं जन माध्यमों का उपयोग तथा उसका अध्ययन करना।
- छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रांतीय एवं राष्ट्रीय पहचान देने के लिए सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन एवं श्रव्य–दृश्य कार्यक्रमों के उत्पादन के लिए सम्पर्क केन्द्र के रुप में कार्य करना।

आई बी सी 24 रायपुर के संपादक से शिक्षक और छात्रों की मुलाकात

हरिभूमि समाचार पत्र कार्यालय में छात्रों का भ्रमण

- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग के लिए मीडिया स्रोत एवं अनुसंधान केन्द्र के रुप में कार्य करना।

**विभाग में उपलब्ध सुविधायें :**

- विभाग में इंटरनेट कनेक्शन सहित 10 संगणक, एलसीडी. टेलीविजन, प्रोजेक्टर एवं ध्वनि व्यवस्था उपलब्ध है।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ :**

1. एमएमसीजे–चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र निहाल पाठक ने यूजीसी–नेट परीक्षा जून 2015 पास करके व्याख्याता की पात्रता हासिल की।
2. एमएमसीजे–चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र सुनील टाइगर ने जनवरी 2016 में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ी फिल्म 'बेलबेलही टूरी' में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया है।
3. एमएमसीजे–चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र नारायण नोनिया और राजनाथ पोटाई ने जनवरी 2016 में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ी फिल्म 'बेलबेलही टूरी' में बतौर स्पॉट बॉय और सहायक के तौर पर काम किया है।
4. एमएमसीजे–चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र सुनील टाइगर का चयन सितम्बर 2015 में आकाशवाणी बिलासपुर में कम्पेयर पद पर हुआ।
5. बी.ए.(ऑनर्स)–छठा सेमेस्टर की छात्रा वर्षा दूबे ने राष्ट्रीय छात्र संसद 2015–16 में विश्वविद्यालय स्तर पर सहभागिता की।
6. एमएमसीजे–द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अपेक्षा मानिक और बी.ए. (ऑनर्स)–छठा सेमेस्टर की छात्रा वर्षा दूबे का रेडियो चैनल 'एफएम ऑरेंज' में इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ।

**प्रमुख विभागीय गतिविधियां:**

1. बी.ए.(ऑनर्स)–द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए बिलासपुर के विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में मीडिया भ्रमण का आयोजन दिनांक 19.02.2016 को आयोजित किया गया।
2. एमएमसीजे–द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा बी.ए.(ऑनर्स)–छठा सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए रायपुर के विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में मीडिया भ्रमण का आयोजन दिनांक 19.02.2016 को आयोजित किया गया। 20.02.2016 को विद्यार्थियों ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का भी भ्रमण किया। इसके साथ ही पद्मश्री भारती बंधु से भी विद्यार्थियों ने संवाद किया।
3. एमएमसीजे–द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा बी.ए.(ऑनर्स)–छठा सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए आयोजन केन्दई फाल में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन दिनांक 06.02.2016 को किया गया।
4. आईबीसी 24 के वरिष्ठ संवाददाता श्री विश्वेश ठाकरे का दिनांक 02 से 04 मार्च, 2016 तक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
5. वरिष्ठ एकेडमिशियन प्रोफेसर सुनील कांत बेहरा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर (ओड़िसा) ने नवंबर 2015 में विभाग में भ्रमण किया और विभाग के विद्यार्थियों से संवाद किया।

## पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की स्थापना 27 सितंबर, 1985 को की गई । इस अचंल में यह अपनी तरह का प्राचीनतम विभाग है, जो व्यापक छात्र समूह को ज्ञान प्रदान करने की दिशा में कार्यरत है । प्रारंभिक सीमित संसाधनों के साथ शुरूआत करते हुए विभाग में कालांतर में विभिन्न आयामों में प्रगति की है । हमारा आदर्श वाक्य केवल आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना नहीं अपितु विभिन्न आधुनिक कुशलताओं एवं दक्षताओं के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाना है । हम ऐसा वातावरण विकसित करने में सफल हुए हैं जहां छात्र अध्ययन हेतु प्रेरित हो। अद्यतन व प्रासंगिक वैज्ञानिक साहित्य के लिये एक

व्यापक संग्रह से लैस कार्यात्मक पुस्तकालय और पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला हमारे प्रमुख शक्तियों में से है । छात्रों के संचार कौशल के विकास करने व विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए हम उनकी सहायता करते हैं जिससे वे साथी सदस्यों के साथ अपने विचारों व अनुभवों को साझा कर सकें ।

**विभाग के उद्देश्यः–**

- छात्रों को बिना भेदभाव के उनकी आवश्यकतानुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- विभिन्न नवीन तकनीकों के उपयोग द्वारा प्रतिभाशाली शिक्षण, विद्वता को प्रोत्साहित करना एवं व्यावसायिक कार्यों का उन्नयन करना।
- नयी तकनीकों का संकलन करके शिक्षा, छात्रवृत्ति, और व्यावसायिक अभ्यास की सीमाओं को आगे बढ़ाना ।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में ज्ञान एवं अभ्यास की सीमाओं को आगे बढ़ाना।
- क्षेत्र, समुदाय और विश्व की सूचना के माध्यम से सेवा।
- सूचनाओं के संगठन, प्रबंधन, प्रसार एवं संरक्षण के लिए कुशल मानव शक्ति उत्पन्न करना।
- सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग एवं सूचना प्रौद्योगिकी में सूचना प्रबंधन का सरलीकरण कर प्रभावशाली ढंग से भूमिका प्रस्तुत करना।

**विभाग की उपलब्धियाँ :–**

- 4–8 जून 2015 में ''डिजिटल सोल्यूशन ऑफ लाइब्रेरिज थ्रू ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर'' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

**छात्रों की उपलब्धियाँ**

- 9 छात्रों ने जून और दिसम्बर (2015–16 सत्र) में सी.बी.एस.सी.– यू.जी.सी. राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की परीक्षा उत्तीर्ण की और इनमें से चार छात्रों ने कनिष्ठ अध्येतावृत्ति प्राप्त की।

## शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद विभाग

शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद विभाग की स्थापना गणुवत्तायुक्त शिक्षा और संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1985 में की गयी। वर्तमान में विभाग में एक वर्षीय बी.पी.एड., दो वर्षीय एम.पी.एड. और पी.एच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं। विभाग के पास अपना पूर्ण विकसित खेल मैदान है जिसमें 400 मीटर का एथलेटिक्स ट्रेक, दुधिया प्रकाश से युक्त दो बास्केटबाल कोर्ट एवं बहुकेन्द्रीय व्यायामशाला है। एन.सी.टी.ई. के मानदण्डों के अनुरूप आधारभूत संरचना का विकास किया गया है। सक्षम शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के दल द्वारा प्रशिक्षण और प्रकल्प तैयार किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उन्नयन हेतु विभाग विभिन्न खेलों में कौशलवृद्धि हेतु प्रशिक्षण शिविरों की भी सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न खेलों में उत्तर क्षेत्र/ अखिल भारतीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 17 टीमों को प्रशिक्षित कर भेजा गया। जिसमें 150 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। विभाग द्वारा संचालित खेल गतिविधियों के निरीक्षण एवं सुझाव हेतु ''स्पोर्ट्स बोर्ड'' एवं ''स्पोर्ट्स कमेटी'' का प्रावधान किया गया है।

खेल दिवस पर प्रख्यात खेल व्यक्तित्व प्रोफेसर(सेनानिवृत) अविनाश सिद्धु का सम्मान

खेल दिवस पर छात्रों को सम्बोधित करने से पहले माननीय कुलपति का स्वागत

खेल दिवस पर छात्रों एवं कर्मचारियों के साथ माननीय कुलपति

**विभागीय गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी :**

- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन टाईक्वान्डों प्रतियोगिता (पुरुष) गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में भागीदारी की। (20.03.16 से 21.3.16)
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन क्रॉस कंट्री (पुरुष/महिला) प्रतियोगिता मंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक में भागीदारी की।(11.10.15)
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन तैराकी प्रतियोगिता (पुरुष), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में भागीदारी की।(20.10.15 से 25.10.15)
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता (पुरुष), कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में भागीदारी की।(16.1.15 से 24.11.15)
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन जुडो, प्रतियोगिता (पुरुष), के.आई.आई.टी. भूवनेश्वर में भागीदारी की।(25.12.15 से 28.12.15)
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बेस्ट फिजिक, प्रतियोगिता (पुरुष), आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश में भागीदारी की।(11.01.16 से 14.01.16)
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन योग प्रतियोगिता (पुरुष/महिला), चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय जींद हरिणाया में भागीदारी की।(21.03.16 से 23.03.16)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) बैडमिंटन प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भूवनेश्वर में भागीदारी की।(17.09.15 से 20.09.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) बास्केटबाल प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भूवनेश्वर में भागीदारी की।(25.12.15 से 28.12.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन ( महिला ) बास्केटबाल प्रतियोगिता रविशंकर षुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में भागीदारी की।(14.10.15 से 16.10.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) टेबल टेनिस प्रतियोगिता लक्ष्मी नारायण मिथला विश्वविद्यालय दरभंगा में भागीदारी की।(10.09.15 से 13.09.15)

- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) क्रिकेट प्रतियोगिता लक्ष्मी नारायण मिथला विश्वविद्यालय दरभंगा में भागीदारी की।(17.12.15 से 30.12.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) फूटबाल प्रतियोगिता एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी, (उ.प्र.) में भागीदारी की।(13.10.15 से 19.10.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष/महिला) हेन्डबाल प्रतियोगिता बी.एच.यू. (उ.प्र.) में भागीदारी की।(17.02.16 से 21.02.16)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) कबड्डी प्रतियोगिता बी.एच.यू. (उ.प्र.) में भागीदारी की।(27.10.15 से 31.10.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) हॉकी प्रतियोगिता संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिसा में विश्वविद्यालय भागीदारी की।(24.11.15 से 29.11.15)
- पूर्व क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) वॉलीबॉल प्रतियोगिता लक्ष्मी नारायण मिथला विश्वविद्यालय दरभंगा में भागीदारी की।

### विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- शारीरिक शिक्षा विभाग के 12 छात्रो ने अखिल भारतीय योग प्रतियोगिता (पुरुष/महिला), जो पतंजली योग पीठ ने पलवल, हरियाणा में भागीदारी की। जिसमें एम.पी.एड. पाठ्यक्रम सेमेस्टर चार के गोपाल चंद्र बर्मन एवं आनंद कुमार यादव ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

शारीरिक शिक्षा विभाग के एम.पी.एड. पाठ्यक्रम सेमेस्टर दो के छात्र जी. राज अमृतेश ने भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित छ.ग. राज्य अंपायरिंग पैनल की परीक्षा उतीर्ण की.

## 2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

### प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना वर्ष 1997 ई. में तकनीकी शिक्षा के प्रोत्साहन के स्वरूप हुई जिससे पेशेवर और प्रतिस्पर्धी चुनौतियों से निपटने हेतु योग्य अभियंताओं को तैयार किया जा सके। योग्य और अनुभवी शिक्षकों, आधुनिक शिक्षण प्रणाली, सुसज्जित पुस्तकालय, उपकरणों से युक्त प्रयोगशाला, संगणक सुविधा तथा अन्य आवश्यक निर्मितियों की सहायता से यह संस्थान पेशेवर स्नातकों को तैयार करना है।

प्रौद्योगिकी संस्थान कई केन्द्रीय सुविधाओं से युक्त है, जैसे केन्द्रीय पुस्तकालय, प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ, ई–क्लासरूम तथा इंटरनेट सुविधा आदि। संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, कोलकाता तथा इण्डियन सोसायटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन का आजीवन सदस्य हैं।

वर्तमान में संस्थान सात मांग आधारित अनुशासनों में बी.टेक. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन करता है।

1. बी.टेक. इन केमिकल इंजीनियरिंग
2. बी.टेक. इन सिविल इंजीनियरिंग
3. बी.टेक. इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग
4. बी.टेक. इन इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
5. बी.टेक. इन इण्डस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग

6. बी.टेक. इन इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी
7. बी.टेक. इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग

बी.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड के द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा की मुख्य श्रेष्ठता सूची के आधार पर होता है। अत्याधुनिक विकास एवं अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी परिदृश्य में परिवर्तनों के आधार पर समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों को लगातार व्यवस्थित किया जाता है।

संस्थान के द्वारा वर्तमान में केमिकल इंजीनियरिंग तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में एम.टेक. (स्नातकोत्तर) कार्यक्रम का संचालन किया जाता हैं। प्रौद्योगिकी के पांच अलग – अलग शाखाओं में शोध कार्य प्रस्तावित हैं, जैसे – सिविल इंजीनियरिंग कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इंडस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग।

संस्थान में एक ''परीक्षण एवं परामर्श प्रकोष्ठ'' संचालित है जो संस्थान और उद्योगों के जीवन्त संपर्क बनाए रखने के साथ समाज के लिए उपयोगी सेवा केन्द्र के रूप में भी है।

**संस्थान की उपलब्धियाँ :–**

- बी.टेक. अंतिम वर्ष के 103 विद्यार्थियों ने (गेट 2016) की परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें से एक विद्यार्थी ने अपने प्रतिष्ठित शाखा के 'आल इण्डिया रैंक' में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- बी.टेक अंतिम वर्ष 2016 के अधिकांश छात्रों ने सी.ई.ई.डी. / आई.ई.एल.टी.एस. / सी.एटी. / जी.आर.ई. परीक्षाओं में अच्छे रैंक प्राप्त किये। जिनमें से एक छात्र ने सी.ई.ई.डी. परीक्षा में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।
- बी.टेक अंतिम वर्ष के 85 छात्र स्थानन प्रकोष्ठ के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक संस्थानों एवं कंपनियों में चयनित हुए।
- पूर्व वर्षों की भांति सत्र 2015–16 में भी दिनांक 15 से 17 फरवरी 2016 तक संस्थान के माध्यम से छात्रों ने टेक फेस्ट (इक्वीलिब्रीयो) का आयोजन किया जिसमें विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के छात्रों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया।

## अ. गेट पास विद्यार्थियों की सूचीः–

| क्रं. | विभाग का नाम | गेट पास छात्रों की संख्या | अखिल भारतीय रैंक |
|---|---|---|---|
| 01 | बी.टेक. इन केमिकल इंजीनियरिंग | 08 | 731 |
| 02 | बी.टेक. इन सिविल इंजीनियरिंग | 23 | 733 |
| 03 | बी.टेक. इन कम्प्युटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग | 23 | 423 |
| 04 | बी.टेक. इन इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग | 16 | 539 |
| 05 | बी.टेक. इन इण्डस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग | 08 | 2 |
| 06 | बी.टेक. इन इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी | 05 | – |
| 07 | बी.टेक. इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग | 32 | 200 |

## विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

### ब. अन्य परीक्षा उतीर्ण विद्यार्थियों की सूची :–

| क्रं. | परीक्षा का नाम | उतीर्ण छात्रों की संख्या | अखिल भारतीय रैंक |
|---|---|---|---|
| 01 | सी.ई.ई.डी | 01 | 04 |
| 02 | आई.ई.एल.टी.एस | 02 | 8.0 बैंड |

### रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम के साथ वर्ष 1997 में इस विभाग की स्थापना हुई। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रासायनिक अभियांत्रिकी में शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान कर प्रतियोगी एवं सुयोग्य रासायनिक अभियंता के रूप में निर्मित करना है। विभाग में 2011 से एम.टेक पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। विभाग में अनेक महत्वपूर्ण एवं अत्याधुनिक सुविधाएँ सम्मिलित की गई। विभाग में विद्यार्थियों की सोसायटी ''चेस'' ने अनेक सहशैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है। विभागीय एवं केन्द्रीय ग्रंथालय में रासायनिक अभियांत्रिकी से संबंधित अनेक पुस्तकें सम्मिलित की गईं। प्रतिवेदन वर्ष में विभाग में विभिन्न सह शैक्षणिक गतिविधियों जैसे कि तर्कशक्ति, प्रशिक्षण, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन विद्यार्थियों के विकास हेतु किया ।

**प्रमुख क्षेत्रः**

फ्लुडाइजेशन, केटालिसिस, सेपेरेशन, प्रोसेसेज और प्रोसेस इन्टेन्सिफिकेशन

**विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण**

जी.सी., बम क्षमता मापक, फ्लुडाइज्ड बेड एक्सट्रेक्सन, यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बी.ओ.डी. इंक्यूबेटर ।

**विभागीय प्रमुख गतिविधियाँः–**

1 विभाग ने प्रतिवेदन सत्र में पूर्व छात्र समागम का आयोजन किया।

2 ChESS के द्वारा रसायन अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

**शिक्षकों की उपलब्धियाँः–**

विभाग के आचार्य एस.एन.साहा ने दिनांक 17.01.2016 को रायपुर में एआईसीटीई द्वारा मनोनीत पर्यवेक्षक के रूप में कॉमन मेनेजमेंट एडमिशन टेस्ट 2016 की बैठक में भाग लिया । आपके 14.02.2016 को चंडीगढ़ में एक दिवसीय बैठक में भाग लिया जो एआईसीटीई के 'ट्रेनिंग टू ट्रेनर फार इंजीनियरिंग कालेजों की स्वीकृति' कार्यशाला के लिए थी और एआईसीटीई चेयरमैन द्वारा प्रदत्त थी । एआईसीटीई के विशेषज्ञ सदस्य होने के नाते आपके 15.03.2016 से 17.03.2016 के दौरान एन.आई.टी. अरूणाचल प्रदेश को प्रत्यायन मान्यता देने के कार्य समिति में हिस्सा लिया । एआईसीटीई के विशेषज्ञ सदस्य होने के नाते इन्होंने 20.03.2016 को मुंबई में हुई इंजीनियरिंग कालेज खुलने हेतु आवेदनों की छंटनी की बैठक में भाग लिया ।

**छात्रो की उपलब्धियाँः–**

1. बी.टेक अंतिम वर्ष के 07 छात्रों ने गेट परीक्षा 2016 में सफलता प्राप्त की ।
2. बी.टेक अंतिम वर्ष के 02 छात्रों ने जी.आर.ई. परीक्षा 2016 में अर्हता प्राप्त की ।
3. बी.टेक अंतिम वर्ष के 02 छात्रों ने ख्याति प्राप्त संगठन में अपनी जगह बनाई ।

## सिविल इंजीनियरिंग विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रयोगषाला में प्रायोगकि कार्य करते छात्र

तकनीकी भ्रमण के दौरान छात्र

विभाग द्वारा वर्ष 2008 से सिविल इंजीनियरिंग विधा में 40 छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ बी.टेक पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही विभाग में पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित हैं। विभाग द्वारा सरकारी निजी एवं सार्वजनिक उपक्रमों हेतु सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में परीक्षण एवं परामर्श सम्बन्धी सेवा प्रदान कराई जाती है।

### विभागीय उपलब्धियाँ :–

स्वच्छ भारत अभियान में छात्रों की प्रतिभागिता

- विभाग के आचार्य शैलेन्द्र कुमार एवं डॉ0 एम.सी. राव को क्रमशः एल्जेवियर व स्प्रीन्गर जैसी अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में बतौर समीक्षक आमंत्रित किया गया।
- वर्ष 2016 की गेट परीक्षा में सम्मिलित बी.टेक के 34 छात्रों में से 23 ने अर्हता प्राप्त की है।
- बी.टेक अंतिम वर्ष के दो छात्र श्री अर्जुन डांगे एवं श्री दीपक डांगी ने केट 2016 में अर्हता प्राप्त की है।
- बाह्य परामर्श सेवा के माध्यम से विभाग ने सत्र 2015–16 में कुल राशि रूपये 2,31,488/– की निधि अर्जित की है।
- विद्यार्थियों को मैदानी एवं औद्योगिक बौद्धिक विकास हेतु, विभाग द्वारा दिनांक 19.12.2015 को, मेसर्स पॉटिल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर, करगी रोड, कोटा का तकनीकी भ्रमण, बी.टेक. अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं को कराया गया।

## संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1997 में हुई । विभाग में बी.टेक., पी एचडी., संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम संचालित हैं। विभागीय सदस्य अनुभवी एवं उच्च योग्यता प्राप्त हैं। विभाग के पास विशेषीकृत प्रयोगषाला तथा डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग लैब, डीएलडी लैब, नेटवर्क सिक्यूरिटी लैब, प्रोजेक्ट लैब, बेसिक प्रोग्रामिंग लैब, एडवांस प्रोग्रामिंग लैब, डाटाबेस, ग्राफिक्स लैब एवं आपरेटिंग सिस्टम लैब उपलब्ध हैं । विभाग के पास डी बी टू यूनिवर्सल डेटा बेस, विजुअल एल फार जावा एवं वेव सर्वर एप्लीकेशन की अधिकृत प्रतियाँ है । विभाग द्वारा विद्यार्थियों के परियोजना कार्य हेतु विभागीय सदस्य और औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों के संयुक्त निर्देशन में कार्य का अवसर प्रदान किया जाता है ।

विभाग के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु प्रतिष्ठित सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों डिफेंस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) दिल्ली, माइक्रोसाफ्ट हैदराबाद, सी.एम.सी.,कोलकाता, आर बिट आई टी आई , हैदराबाद, सीईसीएन,

बीएसएनएल, इंडियन रेलवेज, बोकारो स्टील प्लांट और भिलाई स्टील प्लांट में व्यवस्था करता है। विभागीय विभिन्न निजी, सामुदायिक एवं सरकारी संगठनों जैसे कि– इंफोसिस, विप्रो परसिंस्टेंट, इंटरनेशनल क्लिन मशीन (आई.बी.एम.) टाटा कन्सलटेंसी सर्विस (टी.सी.एस.) महिन्द्रा, बी.टी. सिन्टेल, सत्यम, भारत संचार निगम (बीएसएनएल) नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन (एनटीपीसी) फार इन्फार्मेशन एण्ड लाईब्रेरी नेटवर्क आई.एन.एफ.एल.आई.बी.एन.ई.टी. में संस्थापित हुए ।

**विभाग के उद्देश्यः–**

1 संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप में दक्ष मानव शक्ति तैयार करना ।

2 21वीं सदी में राष्ट्र एवं विश्व के विकास में योगदान देने हेतु विद्यार्थियों को संगणक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के साथ–साथ संबंधित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की शिक्षा प्रदान करना ।

3 संगणक विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

4 संगणक एवं तकनीकी के क्षेत्र में अन्तर अनुशासनात्मक कार्यक्रम चलाना ।

**प्रमुख क्षेत्र (प्रमुख शोध क्षेत्र):–**

**विभाग वर्तमान में अग्रलिखित शोध क्षेत्रों में संलग्न हैः–**

1. एल्गोरिदम एण्ड काम्पलेक्सिटी– विभाग संगणकीय ज्यामिति, अंकीय ज्योमिति, क्वाण्टम, कम्प्यूटिंग और कम्प्यूटेशनल थियरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय क्षमता रखता है ।
2. पैरेलल एण्ड डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटिंग – पैरेलल एंड डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटिंग विभाग में उभरते हुए शोध केन्द्र है ।
3. नेटवर्किंग सिक्योरिटी एण्ड कैप्टोग्राफी– विभाग में नेटवर्क सिक्योरिटी एण्ड कैप्टोग्राफी के उभरते हुए क्षेत्र पर केन्द्रित है। विभाग संस्थान में सिक्योरिटी रिसर्च में सेन्टर आफ सक्सीलेंस की ओर सुगमतापूर्वक आगे बढ़ रहा है ।
4. साफ्टवेयर एण्ड सिस्टम आधारित इंजीनियरिंग विभाग साफ्टवेयर इंजीनियरिंग में शोध का परम्परागत केन्द्र रहा है । सिस्टम आधारित शोध क्षेत्र में डाटाबेस और नेटवर्क सम्मिलित है ।

**विभाग में उपलब्ध विशिष्ट शोध सुविधाएँः–**

1 विभाग में नेटवर्क सिक्यूरिटी किट आफ आई सेक्यूरिटी उपलब्ध है।

2 विभाग में लेन ट्रेनर किट उपलब्ध है।

3 विभाग में माइक्रोप्रोसेसर किट उपलब्ध है।

4 विभाग में डीएलडी किट उपलब्ध है।

5 विभाग में इमेज प्रोसेसर किट उपलब्ध हैं

6 विभाग में 150 कम्प्यूटर उपलब्ध हैं।

7 विभाग में अधुनातन साफ्टवेयर जैसे डॉटनेट, सी–शार्प, जावा, डाटाबेस साफ्टवेयर, सी, सी$^{++}$, एवं अद्यतन आपरेटिंग सिस्टम उपलब्ध हैं।

**छात्र–छात्राओं की उपलब्धियाँः–**

- सत्र 2015–16 में आयोजित गेट (GATE) परीक्षा में 23 छात्रों ने अर्हता (सफलता) प्राप्त की ।
- विभिन्न राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में 35 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ (नौकरी हेतु चयन हुआ)

## इलेक्ट्रानिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

इलेक्ट्रानिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना सत्र 1998 ई. में हुई । यह विभाग विद्यार्थियों को स्वरोजगार एवं आत्म निर्भर टेक्नोक्रेट के रूप में विकास के लिए अध्ययन–अध्यापन पद्धति में सर्वोच्च प्रदर्शन एवं नवीनतम विचारों के साथ सतत् प्रयत्नशील है, विभाग में प्रायोगिक उपकरणों से युक्त पूर्व सुसज्जित प्रयोगशाला है, जिसमें बेसिक इलेक्ट्रानिक्स एनालाग सर्किट स्विचिंग एण्ड पल्सथियरी, लीनियर एण्ड इंटीग्रेटेड सर्किट एवं एप्लीकेशन्स, माइक्रोप्रोसेसर–1 (8085), माइक्रोप्रोसेसर 11 (8086), डाटा कम्युनिकेशन, माइक्रोवेव लेबोरेटरी एण्ड कम्प्यूटर लेबोरेटरी आदि की सुविधा हैं। विभाग में नवीनतम सॉफ्टवेयर और उपकरण जैसे– एक्सलिक्स आई.एस.ई. (25 यूजर्स), वी.एच.डी.एल. लैब हेतु मेटालैब, स्पेक्ट्रम एनालाइजर आदि उपकरण हैं।

विभाग विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों जैसे– संगोष्ठी औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण, व्यवहार परीक्षण, प्रश्नोत्तरी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है, जिससे विद्यार्थियों में अन्तर्निहित कौशल का विकास किया जा सके । इस विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं अग्रणी सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में कार्यरत हैं।

**प्रमुख क्षेत्रः–**

बी.एल.एस.आई., डी.एस.पी. एण्टीना तथा बेतार संवाद (वायरलेस कम्युनिकेशन)

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँः–**

- स्नातक अंतिम वर्ष के (17) सत्रह छात्रों ने गेट (GATE) परीक्षा 2016 में अर्हता प्राप्त की ।
- स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र तरूण शंकर नारायण, मनीष कुमार एवं रजत शाह ने 'इक्वीलिब्रियों टेक फेस्ट' 2K16 में आयोजित हाईड्रोलिक क्रेन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।
- स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुष्मिता कविराज, स्मृति त्रिपाठी एवं सुगंधा बेग ने इक्वीलिब्रियो टेक फेस्ट 2K16 में आयोजित शेर्लाक बडी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।
- एन.आई.टी. जमशेदपुर में 11–13 मार्च 2015 को आयोजित ओजास–2016 टेक फेस्ट में मोस्ट इनोवेटिव बोट प्रतियोगिता में तरूण शंकर नरैन, के.एस.एम.एस.रेड्डी मीनाक्षी राय एवं एकता सिंग चतुर्थ सेमेस्टर ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया ।
- स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र चेतन कुमार ने गुरु घासीदास वि.वि. बिलासपुर में आयोजित अन्तर्विभागीय व्हालीबाल प्रतियोगिता 2015–16 में रजत पदक प्राप्त किया ।

## औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग

औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1997 में हुई है। विभाग का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, प्रदान करना, इंजीनियरिंग उत्तीर्ण स्नातक धारियों को एकीकृत औद्योगिक उत्पादन संस्थान में सीखने के अनुभव के साथ राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में प्रबंधकीय एवं कार्यानुभव के लिए तैयार करना है। विभाग में (उच्च शिक्षित) योग्य अध्यापक एवं प्रशिक्षित कर्मचारी विद्यमान है एवं विद्यार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं को सुसज्जित किया गया हैं।

अंतिम वर्ष एवं तीसरे वर्ष के छात्रों के औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए एवं औद्योगिक संगठनों जैसे एसईसीएल, बीएचईल, बाल्को, जिंदल बिजली संयंत्र एवं अन्य सार्वजनिक एवं निजी कंपनियों में व्यावहारिक अनावरण के लिए अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की है। विभाग हमेशा अन्य गतिविधियों जैसे– संगोष्ठी, अतिथि व्याख्यान, अभियोग्यता परीक्षण, प्रश्नोत्तरी प्रदान करना एवं पारस्परिक कौशल विकास के लिए आयोजनों में लगा रहता है। उत्तीर्ण विद्यार्थी (बाहर पारित छात्र) औद्योगिकी इकाईयों जैसे–सेल, बीएचईल, एनटीपीसी, आईओसी, एचपीसीएल, रिलायंस एनर्जी लिमिटेड, बालको, जिंदल, सीएसईबी, डीआरडीओ, इसरो, हॉल, भारतीय रेलवे एवं अन्य प्रख्यात कंपनियों के साथ काम कर रहे हैं।

**विशेष क्षेत्र**

कैड/कैम, रोबोटिक्स, सतत् आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एसएससीएम), हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (जीएससीएम) तागुची की रचना प्रविधि, रिवर्स रसद तृतीय पक्ष रसद सेवा प्रदाता (एसपीएल).

**प्राध्यापक सदस्यों की उपलब्धियाँ :–**

- प्रो. मुकेश कुमार सिंह ने दो अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स इन इंजीनियरिंग सिस्टम एवं इंटरनेशलन जर्नल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एण्ड कम्प्यूटेशनल रिसर्च) में संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया, उन्हें भारत में विभिन्न तकनीकी संस्थानों ए.आई.सी.टी.ई. के अनुमोदन के लिए विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- प्रो0 मुकेश सिंह, डा. कोट्टाला श्रीयोगी एवं प्रो. नितिन साहू को एलजेवियर, टाइलर एण्ड फ्रांसिस एवं स्प्रिंगर के अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं जैसे रोबोटिक्स और स्वायत्त प्रणाली, प्रणाली विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, इंटेलिजेन्स एण्ड रोबोटिक्स सिस्टम के जर्नल, बेंचमार्किंग एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, उत्पादन एवं विनिर्माण अनुसंधान आदि के लिए सम्मानित समीक्षक के रूप में आमंत्रित।

- श्री नितिन साहू को ग्रिड प्रणाली की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका : सिद्धांत एवं प्रयोग (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रिड सिस्टमः थ्योरी एंड एप्लिकेशन) के इमेराल्ड साहित्यकार नेटवर्क से एक्सिलेंट अवार्ड–2013 प्राप्त किया।

## सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2000 में हुई। इसका उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान (शोध) द्वारा उच्च कोटि के अभियंताओं को तैयार करके राष्ट्र का निर्माण करना है। पिछले एक दशक के दौरान, विभाग ने शैक्षणिक संस्थानों के बीच अद्वितीय रूप से बने रहकर समाज को प्रभावित किया है। स्पिन–आफ्स देश में सबसे सफल कंपनी उद्यमों में है, यहीं से शैक्षणिक जगत के कई नेता और कार्पोरेट अनुसंधान जगत के स्नातक निकले हैं। विभाग का ध्यान विकास एवं मजबूत विचार प्रणाली, समस्या का समाधान, विश्लेषण, योजना (डिजाईन), सामूहिक कार्य, संचार कौषल एवं आजीवन सीखने की तत्परता पर केन्द्रित है। विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में सम्प्रेषणीय व्याख्यानों की तकनीकी, विषयगत घटनाओं का अध्ययन–निर्देशन, साहित्यिक सर्वेक्षण एवं परियोजना कार्य का सम्मिश्रण जिसमें कि सम्मिलित कार्य के लिए रचनात्मक व आलोचनात्मक सोच की आवश्यकता होती है। यह स्नातक अनुसंधान गतिविधियों के साथ ही पूर्वस्नातक को भी महत्व देता है। इसकी गुणवत्ता नीति अपने उत्कृष्टतम प्रयासों द्वारा वैश्विक मापदण्डों के लक्ष्य को प्राप्त करना और आत्म मूल्यांकन एवं सतत् सुधार की प्रक्रियाओं के माध्यम से उत्तरदायी रहना है। अनुभवी एवं सुयोग्य शिक्षकों व संकाय सदस्यों की एक टीम के माध्यम से विभाग में प्रयोगशाला एवं परियोजना कार्य पर विशेष बल दिया जाता है, जबकि प्रयोगशाला का उपयोग, विकासशील कौशल के उपयोग एवं विभिन्न अवधारणाओं उपकरणों तथा तकनीकों को लागू करने के लिए किया जाता है। उनका मुख्य उद्देश्य मुख्य तकनीकी के साथ–साथ अनुभवात्मक और सहयोगी शिक्षण के माध्यम से सामान्य व्यावसायिक दक्षता विकसित करना है। प्रयोगशालाओं का मुख्य उद्देश्य योजना एवं संचालन प्रयोगों के लिए, तथ्यों के संकलन, विश्लेषण एवं व्याख्या, (प्रस्तुतीकरण) समूह में अन्य स्वतंत्र कार्य एवं समाचार प्रेषण में सुधार व संचार कौशल द्वारा विकास करना भी है। सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, नेटवर्किंग एवं इससे संबंधित उच्च अनुशीलनगत विषय जैसे सिस्टम विश्लेषण डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, ईआरपी तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली के डिजाईन काम्प्लेक्स एवं कम्प्यूटर ग्राफिक्स के विश्लेषण का आधारभूत ज्ञान प्रदान करता है। सूचना प्रौद्योगिकी में डिजाईन कार्यान्वयन एवं डिजिटल कम्प्यूटर की प्रोग्रामिंग, सूचना सिद्धांत और संचार प्रणाली भी शामिल है।

**विभागीय गतिविधियाँ :–**

- विभाग द्वारा कौशल विकास, टैली एकाउंटिंग (मिलान लेखांकन) पर 19.02.2016 से 11.03.2016 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ :–**

- 10 विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों यथा– पॉम्पेली, रिटेल ऑन, कैप जेमिनि, विप्रो टेक. तथा एक्सेलोन साफ्टवेयर प्रा.लि. में सफलता प्राप्त की।
- 05 विद्यार्थियों ने गेट 2016 में सफलता प्राप्त की।

## यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग वर्ष 2006 में, 60 विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए एआईसीटीई से मंजूरी मिलने के बाद प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में स्थापित किया गया। विभाग का मुख्य उद्देश्य यांत्रिकी अभियांत्रिकी स्नातकों को तैयार करना है। जो नवीनतम सैद्धांतिक और प्रायोगिक ज्ञान के साथ अद्यतन कर रहे हैं तथा सरकारी विभागों सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों और उद्योग में किसी भी चुनौतीपूर्ण कार्य को लेने के लिए तैयार हैं। विभाग विद्यार्थियों के लिए ऐसे प्रशिक्षण पर विशेष बल देता है जो उनकी भीतरी क्षमताओं एवं नेतृत्व को उनके पूर्ण वृद्धि एवं विकास के लिए बाहर ला सकता है। पर्याप्त बल उनके व्यक्तिगत प्रशिक्षण पर दिया जाता है जिसके लिए विभाग में मशीनी सिद्धांत की प्रयोगशाला, सामग्री की संख्या, गर्मी एवं वृहद पैमाने पर स्थानांतरण, प्रशीतन व वातानुकूलन तथा केन्द्रीय कार्यशाला को अच्छी तरह से सुसज्जित (तैयार) किया गया है। पिछले चार साल से विभाग मशीन डिजाइन में एम.टेक कार्यक्रम (पाठ्यक्रम) चला रहा हैं, जहां हम केवल गेट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही लेते हैं। विभाग में पी एचडी. पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है।

**विभागीय शिक्षकों की उपलब्धियाँ:–**

- डॉ. राजेश कुमार भूषण ने ''कौशल विकास–बदलते पर्यावरण के आवश्यक कारण'' (नई प्रौद्योगिकी उपकरणों आदि) पर 03 अक्टूबर, 2015 को साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 26वें पश्चिमी क्षेत्रीय बैठक (WIPS) में व्याख्यान दिया।
- डॉ0 भूषण ने गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में 01 जून, 2015 से 21 जून, 2015 तक आयोजित पर्यावरण अध्ययन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता की।
- श्रीमती श्वेता सिंह ने ''कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एवं जीयू आर्ट डेवलपमेंट यूजिंग MATLAB** इलेक्ट्रानिक्स और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अकादमी, आई.आई.आई.टी., जबलपुर के तहत 18'–23 मार्च, 2016 में भाग लिया।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ :–**

- रवि कुमार, प्रभात पासवानंद एवं अमित कुमार ने ''हाइड्रोलिक क्रेन इक्वीलीबेरिओ–2 K15'' में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- हिमांशु रंजन ने ''स्वायरत घटना (स्नाकोबोट)'' इक्वीलिबेरिओं–2K15 इवेंट में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- चांडक प्रवीण कुमार और जे.साई किरण ने ''एक्ट्रीकेट सेबर्ग'' इक्वीलिबेरियों 2 K15 इवेंट में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- 34 विद्यार्थियों ने अभियांत्रिकी स्नातक अभियोग्यता परीक्षण (GATE) 2016 में सफलता प्राप्त की।
- 01 विद्यार्थी ने सामान्य प्रवेश परीक्षण (CAT) 2016 में सफलता प्राप्त की।
- 01 विद्यार्थी ने डिजाइन के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (CEED) 2016 में सफलता प्राप्त की।
- 02 विद्यार्थियों ने स्नातक अभिलेख परीक्षा (GRE) 2016 में सफलता प्राप्त की।
- 01 विद्यार्थी ने अंतर्राष्ट्रीय अंग्रेजी भाषा जांच प्रणाली (IELTS) 2016 में सफलता प्राप्त की।

## 2.1.3 विधि अध्ययनशाला

वर्ष 2012 में स्थापित यह विभाग विश्वविद्यालय के नवीनतम विभागों में से एक है । विभाग का उद्देश्य विधि के क्षेत्र में सीखने, शिक्षण

और ज्ञान के विकेन्द्रीकरण का उन्नयन करना है । यह समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप वकालत, न्यायिक सेवाओं, विधि अधिकारी एवं विधि निर्माताओं के व्यावसायिक कौशल का विकास, उनके व्यवसाय के अनुरूप करना है । विभाग का उद्देश्य कानूनी शिक्षा के सभी स्तरों पर श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए विधि की शिक्षा को वृहद स्तर पर लागू करना है । विभाग में बी.ए. एल.एल.बी. और बी.कॉम.एल.एल.बी. के दो एकीकृत पंचवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। विभाग में उच्च योग्यताधारी प्रशिक्षित एवं प्रतिबद्ध शिक्षक सदस्य हैं । विभाग के पास नवीनतम पुस्तकों, प्रतिवेदनों, ई–जर्नल, पत्रिकाओं एवं अन्य पाठ्य सामग्रियों से सुसज्जित पुस्तकालय है।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ :–**

- अंतर संकाय खेलकूद प्रतियोगिता 2015–16 में बी.ए.एल.एल.बी. और बी.कॉम.एल.एल.बी. की छात्राओं ने रस्सा–कशी (महिला) प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।
- अंतर संकाय खेलकूद प्रतियोगिता 2015–16 में बी.ए.एल.एल.बी. और बी.कॉम.एल.एल.बी. के छात्रों ने रस्सा–कशी (पुरूष) प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।
- अंतर संकाय खेलकूद प्रतियोगिता 2015–16 में बी.ए.एल.एल.बी. और बी.कॉम.एल.एल.बी. की छात्राओं ने बालीबॉल (महिला) प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।
- अंतर संकाय खेलकूद प्रतियोगिता 2015–16 में बी.कॉम.एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र शैलेश कुमार पाण्डे ने शॉट–पुट (पुरूष एथेलेटिक्स) प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया।
- विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित 12वीं राष्ट्रीय युवा संसद 2015 में बी.ए.एल.एल.बी. और बी.कॉम. एल.एल.बी. के विद्यार्थियों ने भाग लिया। छः श्रेष्ठ घोषित युवा सांसदों में से चार विधि अध्ययनशाला के छात्र थे।
- बी.ए.एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर के द्वारा वैभव कार्तिकेय अग्रवाल ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा दिनांक 14–15 जून, 2015 को आयोजित ''कम्यूनल हारमनी एण्ड नेशन बिल्डिंग'' अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेन्स में ''कॉनक्लिक्र रिजोल्यूशन एण्ड पीस बिल्डिंग विथ पर्टीक्यूलर इम्पेट्स अगेन्स्ट नक्सलिज्म एट बस्तर डिविजन इन छत्तीसगढ'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- बी.ए.एल.एल.बी. अष्टम सेमेस्टर के छात्र वैभव कार्तिकेय अग्रवाल ने ''टोरटीयस लायबिलिटी ऑफ गवर्नमेंट इन इंडिया'' विषय पर कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम, में शोध–पत्र प्रस्तुत किया, जो कि फ्लीलरनिंग.को.यू के पृ0–124 में प्रकाशित हुआ है, जिसके लिए उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, के मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश श्री नवीन सिन्हा ने वैभव कार्तिकेय अग्रवाल को बधाई दी।
- उड़ीसा के सक्षम शोध संस्था द्वारा आयोजित ''मानव अधिकार और कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व'' विषय पर प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस में बी.कॉम. एल.एल.बी. अष्टम सेमेस्टर के छात्र अनमोल वर्मा ने ''मानव अधिकार और कर्तव्य'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। जिसके लिए अनमोल वर्मा को 10 दिसम्बर 2016 को स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया।
- 20–21 फरवरी, 2016 को नेशनल लॉ इन्स्टिट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल द्वारा आयोजित ''कॉपीराइट इशूज इन साइबरस्पेस इन इंडिया'' राष्ट्रीय कार्यशाला में बी.ए. एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर की छात्रा तूलिका भादुड़ी ने ''डिजिटल मिसयूज ऑफ कॉपीराइट इन साइबरस्पेस'' शीर्षक पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।
- 20–21 फरवरी, 2016 को नेशनल लॉ इन्स्टिट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल द्वारा आयोजित ''कॉपीराइट इशूज इन साइबरस्पेस इन इंडिया'' राष्ट्रीय कार्यशाला में बी.ए.एल.एल.बी. अष्टम सेमेस्टर के छात्र देवेश वर्मा ने ''इज देयर एनी सफीसियेन्ट मेकनिज्म टू प्रोटेक्ट कॉपीराइट बिफोर इनफ्रींजमेंट दइन साइबरस्पेस इन इंडिया'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 19–20 मार्च, 2016 को एच.एन.एल.यू, रायपुर में यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''चेंजिंग डाइमेन्शन ऑफ मोरेलिटी एण्ड एथिक्स इन लीगल प्रोफेशन्स : चैलेन्जेज एण्ड प्रोसवेक्ट्स'' विषय पर बी.ए. एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर की

छात्रा दीक्षा सिंह राजपूत ने ''रोल ऑफ एटिक्वेट एण्ड एथिक्स फोर लीगल प्रैक्टीसनर्स'' शीर्षक पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

- 19–20 मार्च 2016 को एच.एन.एल.यू, रायपुर में यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''चेंजिंग डाइमेन्शन ऑफ मोरेलिटी एण्ड एथिक्स इन लीगल प्रोफेशन्स : चैलेन्जेस एण्ड प्रोसपेक्ट्स'' विषय पर बी.कॉम, एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर के छात्र प्रतीक सिंह ठाकुर ने '' कन्टेम्प्ट ऑफ लॉ : ए चैजेन्ज टू रोल ऑफ लॉ'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 19–20 मार्च, 2016 को एच.एन.एल.यू, रायपुर में यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''चेंजिंग डाइमेन्शन ऑफ मोरेलिटी एण्ड एथिक्स इन लीगल प्रोफेशन्स : चैलेंजेस एण्ड प्रोसपेक्ट्स'' विषय पर बी.कॉम. एल.एल.बी. अष्टम सेमेस्टर के छात्र अनंत प्रताप सिंह ने ''कन्टेम्प्ट ऑफ लॉ'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 12 अक्टूबर, 2016 को एन.एल.एस, बेंगलुरू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''गुड गवर्नेंस–द राइट टू इन्फोरमेशन वे'' विषय पर बी.ए. एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर की छात्रा दीक्षा सिंह राजपूत ने ''राइट टू इन्फोरमेशन एण्ड ह्यूमन राइट्स'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 08 मार्च, 2016 को आनंद लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वूमन इम्पावरमेंट इन इंडिया इन 21वीं सेन्चुरी ए जरनी जस्ट बीगन'' विषय पर बी.कॉम. एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर के छात्र अनमोल शर्मा ने ''ए ब्लॉर ऑन जेंडर इक्वेलिटी एण्ड वूमन इम्पावरमेंट''शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसके लिए उन्हें प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

- 08 मार्च, 2016 को आनंद लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वूमन इम्पावरमेंट इन इंडिया इन 21वीं सेन्चुरी ए जरनी जस्ट बीगन विषय पर बी.कॉम.एल.एल.बी. अष्टम् सेमेस्टर की छात्रा दीक्षा गौरहा ने ''रोल ऑफ सिविक सोसायटी एण्ड एन.जी.ओ. इन एचिविंग वूमन इम्पावरमेंट'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 27–28 फरवरी, 2016 को मधुसूदन लॉ कॉलेज (उत्कल विश्वविद्यालय) कटक, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कान्फ्रेंस ''राइट टू इनफोरमेशन एक्ट–इम्प्लीमेंटशन एण्ड चैलेन्जेज'' विषय पर बी.ए.एल.एल.बी. अष्टम सेमेस्टर के छात्र शुभम वर्मा ने ''आर.टी. आई. एवर–ए ग्रेट स्टेप टू अैकल करप्सन'' शीर्षक पर शोध प्रस्तुत किया।

- 19–20 मार्च, 2016 को एच.एन.एल.यू, रायपुर में यू.जी.सी. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''चेंजिंग डाइमेंशन ऑफ मोरेलिटी एण्ड एथिक्स इन लीगल प्रोफेशन : चैलेंजेज एण्ड प्रोसपेक्ट्स'' विषय पर बी.ए.एल.एल.बी. षष्ठम् सेमेस्टर के छात्र अभय चंद्रवंशी ने ''रोल ऑफ इंटरनेट एण्ड अदर कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी इन लीगल प्रोफेशन'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में 2015–16 में बी.कॉम.एल.एल.बी. षष्ठम् सेमेस्टर की छात्रा शिवानी पाठक विधि अध्ययनशाला में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने पर रूपये 10,000/– नगद राशि से पुरस्कृत हुई।

- 08 मार्च, 2016 को आनंद लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वूमन इम्पावरमेंट इन इंडिया इन 21वें सेन्चुरी ए जरनी जस्ट बीगन'' विषय पर बी.ए. एल.एल.बी. षष्ठम् सेमेस्टर की छात्रा ईशा तिवारी ने ''वूमन इम्पावरमेंट एण्ड डाइरेक्टिव प्रिंसिपल्स ऑफ द स्टेट पॉलिसी'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 08 मार्च, 2016 को आनंद लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वूमन इम्पावरमेंट इन इण्डिया इन 21वें सेन्चुरी ए जरनी जस्ट बीगन'' विषय पर बी.ए.एल.एल.बी. षष्ठम् सेमेस्टर के छात्र अभिनव श्रीवास्तव ने ''इम्पैक्ट ऑफ वूमन इम्पावरमेंट इन नेशनल डेवलपमेंट''शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 08 मार्च, 2016 को आनंद लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वूमन इम्पावरमेंट इन इण्डिया इन 21वें सेन्चुरी ए जरनी जस्ट बीगन'' विषय पर बी.ए.एल.एल.बी. षष्ठम सेमेस्टर के छात्र ऋषभ गुप्ता ने ''रोल ऑफ इन्टरनेट एण्ड अदर कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी इन लीगल प्रोफेशन'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 25–26 फरवरी, 2016 को DLS PG, कॉलेज, बिलासपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''इन्टीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट

एण्ड लाइवलीहूड पेंटर्न चेंजेज इन बिलासपुर'' विषय पर बी.कॉम. एल.एल.बी. षष्ठम सेमेस्टर के छात्र अतुल सिंह ने ''इवेलूएशन ऑफ IRDP प्लान्स कन्टीन्यूइंग इन द बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 22–23 फरवरी, 2016 को DLS PG कॉलेज, बिलासपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''ड्रग एब्यूज एण्ड एडिक्शन'' विषय पर बी.कॉम.एल.एल.बी. षष्टम सेमेस्टर के छात्र अतुल सिंह ने ''वाट इन ड्रग एडिक्शन'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- आई.एल.एस. लॉ कालेज द्वारा 22 जनवरी, 2016 को आयोजित प्रथम कन्सटिट्यूशनल लॉ ओलम्पेयाड में बी.कॉम.एल.एल.बी. षष्टम सेमेस्टर की छात्रा समृद्धि केसरवानी ने भाग लिया।

- क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बेंगलुरू के विधि अध्ययनशाला द्वारा आयोजित छठी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2015 में बी.कॉम. एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र शैलेश कुमार पाण्डे, बी.ए.एल.एल.बी. अष्टम सेमेस्टर के (मूटर्स) शांतम अवस्थी और बी.ए. एल.एल.बी. की अष्टम् के (रिसर्चर) प्रांजल अग्रवाल ने भाग लिया।

- 16–17 अक्टूबर, 2015 को ICFAI विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित एन.जे. यशस्वी मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में बी.ए.एल.एल.बी. षष्ठम् सेमेस्टर के छात्र अभय चंद्रवंशी, बी.ए.एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र सूर्य प्रकाश मौर्य (मूर्टस), बी.ए.एल.एल.बी. षष्ठम् सेमेस्टर के (रिसर्चर) ऋषभ गुप्ता ने भाग लिया।

- 19–23 नवम्बर, 2016 को बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी में आयोजित क्षेत्रीय (केन्द्रीय) अन्तर शाखा विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में वाद–विवाद और भाषण प्रतियोगिता में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व बी.कॉम. एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र शैलेश कुमार पाण्डे ने किया।

- 26 अक्टूबर, 2015 को ''विजिलेन्स अवेयरनेस वीक 2015'' के अवसर पर BOI द्वारा आयोजित फाइट अगेन्स्ट करप्सन इन इण्डिया एण्ड द रोल ऑफ सिटिजन्स विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता में बी.ए.एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा समृद्धि शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- 26 अक्टूबर, 2015 को ''विजिलेन्स अवेयरनेस वीक 2015'' के अवसर पर फाइट अगेन्स्ट करप्सन इन इण्डिया एण्ड द रोल ऑफ सिटिजन्स विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता में बी.ए.एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा स्पर्धा किरण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- 11–13 मार्च 2016 को एच.एन.एल.यू,, कॉडल यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेन्स 2016, रायपुर में बी.ए.एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र अभय चंद्रवंशी ने यू.एन.जी.ए. में उजवेकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी की।

- 11–13 मार्च, 2016 को एच.एन.एल.यू,, कॉडल यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेन्स 2016, रायपुर में बी.ए.एल.एल.बी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र शुभम जैन ने यू.एन.एच.आर.सी. में जाम्बिया के प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी की।

### 2.1.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला

इस अध्ययनशाला के अंतर्गत पांच विभाग हैं –

- मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- वनस्पति शास्त्र विभाग
- न्यायालयिक विज्ञान विभाग
- प्राणी विज्ञान विभाग

## मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग

मानवशास्त्र विभाग की स्थापना सन् 1989 में की गई। मानवविज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग इस विश्वविद्यालय का सबसे पुराना विभाग है। अपनी स्थापना के समय से ही यह विभाग आदिवासियों की जनसंख्या तथा उनके सांस्कृतिक वैविध्य को तथ्य–पूर्ण ढंग से संरक्षित करने की अपनी उदार–दृष्टि की विशेषताओं को धारण कर रहा है और मानवशास्त्र विभाग समाज विज्ञान के रूप में पिछड़े वर्ग के बहुमुखी विकास के साथ–साथ प्रदेश के कल्याण के रूप में राष्ट्र की बेहतरी के लिए मजबूती के साथ प्रतिबद्ध है। विभाग अपनी स्थापना के समय से ही मानवशास्त्र विषय में एम.ए./एम.एस.सी. पाठ्यक्रम के साथ जैविक एंव भौतिक मानवशास्त्र,सामाजिक मानवशास्त्र तथा आदिवासी विकास विषय में विशेषज्ञता प्रदान करता है।

विभाग द्वारा एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (10 सेमेस्टर) (बाहर होने की सुविधा के साथ बी.ए./बी.एस.सी.–3 (6 सेमेस्टर) + एम.ए./एम.एस.सी.–2 वर्षीय 2009–10 से लागू) करने के साथ–साथ 2 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी सीधे नामांकन करता है। इस पाठ्यक्रम के अलावा पूर्व–पी.एचडी पाठ्यक्रम एवं जनजातीय स्वास्थ्य, जनजातीय आजीविका के मुद्दे एवं आदिवासी अशांति जैसे विषयों पर शोध निर्देशन भी जारी है।

विभाग में सांस्कृतिक एंव पुरातात्विक संग्रहालय है। पाठ्य सामग्री मानव अधिकार और विकास के विभिन्न आयामों, मुद्दों और चिंतन पर आधारित है। विभाग द्वारा दूर–दराज के क्षेत्रों में निवास करने वाले आदिवासियों पर क्षेत्र भ्रमण आयोजित किया जाता है। विभाग ने विभिन्न मानव जातीय क्षेत्रों, पत्रों, एवं पुस्तकों को कवर करने के लिए एक नंबर प्रकाशित किया है। विभाग द्वारा एक क्रम से शोध परियोजनाओं जैसे पुर्नवास एवं विस्थापन, कोरबाओं की पोषण स्थिति, आदिवासी ऋणग्रस्तता, मोनोग्राफ तथा ग्रामीण अध्ययन को पूरा किया गया है, विभाग उत्पादन संबंधी शोध एवं विकास के लिए संलग्न है। गैर सरकारी संगठनों के साथ नजदीकी सहकार्यता है, विभाग द्वारा मानवशास्त्र एवं समाज शास्त्र में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन, संस्कृति के वैश्वीकरण पर स्मारक व्याख्यान, आदिवासी स्व नियमों पर कार्यशाला, महिला सशक्तिकरण तथा मध्य भारत में धार्मिक प्रतिच्छेदन एवं सामाजिक क्षितिज के उत्थान पर संगोष्ठी एंव विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए गैर सरकारी संगठनों और आदिवासी मामलों से संबंधित सरकारी अधिकारियों के व्याख्यान की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। विभाग ने संयुक्त राज्य अमेरिका से दो विशेषज्ञों को आमंत्रित किया। भारत सरकारी के मानव संसाधन विकास एवं सांस्कृतिक सूचना के संरक्षण के लिए, ज्ञान एवं संसाधनों के अवलोकन के साथ शहीद वीर नारायण सिंह पीठ स्थापित करने हेतु अनुदान की मंजूरी दी है। विभाग 700 पुस्तकों से युक्त पुस्तकालय का रख रखाव भी करता है। प्रयोगशालाओं के बुनियादी ढ़ाचों के उन्नयन एवं शिक्षक सदस्यों की भर्ती के साथ, विभाग ने विद्यार्थियों की राष्ट्रीय आवश्यकताओं के हिसाब से पाठ्यक्रम में संशोधन किया है।

विभाग का मुख्य उद्देश्य योग्य कुशल एवं प्रतिबद्व मानव विज्ञानी तैयार करना है जो आदिवासी विकास आदिवासी स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण से संबंधित मामलों में नीति निर्माताओं के लिए सामाजिक सलाहकार के रूप में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने एवं छत्तीसगढ़ के आदिवासी और गैर–आदिवासी आबादी के बीच कुपोषण, मृत्युदर, रोगों की संख्या घटाने, भूख के कारणों का अध्ययन एवं उन्मूलन के संबंध में सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए प्रतिबद्व रहे। विभाग का उददेश्य भारतीय संविधान में निहित उनके अधिकारों के संबंध में छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करना भी है।

### विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- एक विद्यार्थी ने जैविक मानव शास्त्र में यूजीसी जेआरएफ उतीर्ण कर पीएच.डी. हेतु प्रवेश लिया।
- एक विद्यार्थी ने सामाजिक मानवशास्त्र में राजीव गाँधी राष्ट्रीय छात्रवृति (आरजेएनएफ) प्राप्त किया।

## जैव प्रौद्योगिकी विभाग

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना सन् 1996 में विज्ञान संकाय (वर्तमान में जैव विज्ञान संकाय) के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं प्रशिक्षित जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से की गई। विभाग में कोर्स वर्क के माध्यम से पीएच.डी. सहित स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय एम.एससी. एवं पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर (जैव प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम संचालित हैं। विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित जीआरई, सी.एस.आई.आर., यू.जी.सी. (नेट), गेट, आई.सी.एम.आर., डीबी.टी. बी.ई.टी. परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। अध्यापन एवं शोध सुविधा के उन्नयन के लिए ''डीबीटी बिल्डर प्रोग्राम'' के

तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) से इस विभाग को अनुदान प्राप्त हुआ हैं। विभाग यूजीसी एससपी–डीआरएस–1 के तहत अनुदान प्राप्तकर्ता है।

प्रो. बी. एन. तिवारी की बैठक राष्ट्रपति के साथ प्रेरित षिक्षक के रूप में

जैव प्रौद्योगिकी विभाग में पादप एवं पशु उत्तक संवर्धन, सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं जैव रसायन, आण्विक जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान के लिए सुविधाएं अच्छी तरह विकसित की गई है। प्रयोगशाला में अनेक उपकरण उपलब्ध हैं जिसमें पी.सी.आर. थर्मल साइक्लर, जेल डाक्यूमेन्टेशन सिस्टम, वॉक इन कोल्ड–रूम, $CO_2$ इन्क्यूवेटर, लेवोरेटरी फर्मेन्टर, इलीसा रिडर एण्ड वॉशर, अल्ट्रासोनी केट्र्स, क्लूरोसेंट रिसर्च माइक्रोस्कोप, नैनो स्पेक्ट्रफोटोमीटर, इनवर्टर फ्लूरोरेसेंट माइक्रोस्कोप, वेक्यूम ड्रायर्स, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर,–80 फ्रीजर, हाई स्पीड कूलिंग सर्टिफ्यूज और बायो सेफ्टी केबिनेट्स है। उपर्युक्त सुविधाओं के अतिरिक्त जीव विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत केन्द्रीय उपकरण सुविधा के रूप में हाई परफार्मेंस क्रोकेटोग्राफी (एच.पी.एल.सी.), एल.सी.–एम.एस/एम.एस, रियल टाईम–पॉलिमरीज चेन रिएक्शन (आर.टी.–पी.सी.आर.), केमिडॉक एण्ड एटॉमिक एब्जर्पशन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसे उपकरण भी उपलब्ध हैं। विभागीय पुस्तकालय में विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 2300 किताबें हैं।

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में बायोरेमिडिएशन ऑफ हाइड्रोकार्बन एण्ड पेट्रोलियम कंटेमिनेटेड स्वायल, फंगल बायोडाइवर्सिटी स्टडीज फार बायोएक्टिव कम्पाउंड्स, बायोरिफाइनरी एण्ड बायोप्रोसेस बेस्ड ऑन एग्रो एण्ड फारेस्ट वेस्ट्स, माइक्रोबियल एण्ड प्लांट एन्जाइम्स एण्ड सेकेन्ड्री मेटाबोलाइट्स, नैनोटेक्नोलॉजी, न्यूरोसाइंस एण्ड नेफ्रोप्रोटेक्शन, इम्यूनोलॉजी, बायोइन्फार्मेटिक्स एण्ड मॉलेक्यूलर बायोलॉजी आदि सम्मिलित है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना में शोध पर विशेष जोर दिया गया है। जैव प्रौद्योगिकी के चार प्रमुख क्षेत्र माइक्रोबियल बॉयोटेक्नालॉजी, एडवान्सड प्लान्ट एण्ड एग्रीकल्चर बायोटेक्नोलॉजी, इन्वायरमेन्टल बायोटेक्नालॉजी एवं मेडिकल बायोटेक्नालॉजी को वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में सम्मिलित किया गया है। और विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्रों में शोध समस्याओं को उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उद्यमिता एवं प्रबंधन भी एम.एस.सी. जैव प्रौद्योगिकी कोर्सवर्क पाठ्यक्रम का भाग है। यह उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध कराता है।

## वनस्पतिशास्त्र विभाग

विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर की शिक्षा प्रदान करने एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2009 में अस्तित्व में आया। विभाग उच्च शिक्षा एवं पादप विज्ञान में अनुसंधान के लिए अच्छी तरह से एक मान्यता प्राप्त केन्द्र के रूप में विकसित हो गया है। वनस्पति विज्ञान विभाग को पौधों के सभी पहलुओं को समझने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता हासिल है। विभाग एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक–स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम (स्नातक के बाद छोड़ने के लिए एवं स्नातकोत्तर के लिए पार्श्विक प्रवेश के साथ) और वनस्पति विज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में 2000 से अधिक पुस्तकों एवं अधिकतम 150 ऑनलाईन वैज्ञानिक पत्रिकाओं का अच्छा संग्रह है, जो कि अध्यापक एवं विद्यार्थियों के शोध आवश्यकताओं को पूरा करता है। विभाग द्वारा कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया गया है। विभाग के अध्यापकों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्ता पूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत किया है। विभाग के शिक्षक विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे– माइक्रोबायोलाजी, स्ट्रेस फिजियोलाजी, बायोटेक्नोलाजी, एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, रिस्टोरेशन एण्ड बायोडायवर्सिटी कन्जर्वेशन, इकोलाजी, इथनो बॉटनी, बायोनेनोटेक्नालाजी, सेल एण्ड मालेक्यूलर बायोलाजी, बेक्ट्रीयोलाजी आदि। प्रत्येक अध्यापक की निगरानी में एक प्रयोगशाला के साथ, विभाग की अनुसंधान गतिविधियाँ 09 प्रयोगशालाओं में विस्तृत है। 23 शोध छात्र एवं 01 पोस्ट डाक्टोरियल फेलो सामूहिक रूप से इस प्रयोगशाला में कार्य कर रहे हैं। विभागीय प्रयोगशालाएं उन्नत उपकरणों की सुविधाओं जैसे– गैस क्रोमोटोग्राफ, फोटो माइक्रोस्कोपी विद लिका (डी.एम.200) माइक्रोस्कोप, पी.सी.आर. थर्मो साइक्लर, फाइटोट्रॉन, केप्पेलदहल आदि से परिपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त विभागीय सुविधाओं का विस्तार आ.टी.–पी.सी.आर., केमी–डॉक एक्स आर एस, एच.पी.एल.सी., एल.सी.–एम.एस/एम.एस. एण्ड एटोमिक एब्जार्पशन इस्पेक्टोमीटर तक है। हम हाल ही में ब्राडबैंड इन्टरनेट सुविधा से जुड़े संगणकों के साथ पादप उत्तक संवर्धन, पादप कोशिका एवं आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशाला तथा एक जैव सूचना विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने में सक्षम हुए है।

विभाग 20 एकड़ से अधिक जमीन में एक वनस्पति उद्यान तथा विश्वविद्यालय परिसर के भीतर 2 एकड़ भूमि में एक नर्सरी के प्रसार को स्थापित करने की योजना बना रहा हैं। उद्यान बना कर छत्तीसगढ़ के स्थानिक एवं औषधीय पौधों का प्रयोगात्मक प्रयोजनों के लिए स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया जाएगा। विभाग की चार क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता है जिसमें फंक्शनल प्लांट बायोलाजी, इकोलाजी एण्ड एनवायरनमेंटल बायोलाजी, नेचुरल रिसोर्स यूटिलाईजेशन, एथनोबॉटनी एण्ड फार्माकोग्नॉसी और माइक्रोबायोलाजी शामिल हैं।

**विभागीय उपलब्धियॉ :–**

- विभाग द्वारा कौशल विकास मिलन पर 28.01.2016 को आयोजन।
- माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कैरियर के अवसरों द्वारा जीवन विज्ञान कौशल विकास पर 22–24 फरवरी, 2016 को एक कार्यशाला का आयोजन।

## फारेंसिक साईंस (न्यायालयिक विज्ञान) विभाग

फारेंसिक साइंस एक अंतरानुशासनिक विज्ञान हैं, इसमें बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र विज्ञान, मानव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी के अलावा सामाजिक व्यवहार का अच्छा ज्ञान तथा मानव मनोविज्ञान की सभी शाखाएं सम्मिलित हैं। इसे अब एक अनुप्रयुक्त अनुशासन माना गया हैं इसलिए सतत् अनुसंधान और विकास प्रक्रिया के माध्यम से उन्नयन की आवश्यकता है। विभिन्न फारेंसिक चुनौतियों के समाधान के लिए विविध प्रकार के शारीरिक एवं जैविक तथ्य आधारित अनुसंधान एवं उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है। जीवन विज्ञान अध्ययनषाला के अन्तर्गत फारेंसिक विज्ञान एक नए विषय के रूप में सामने आया है। यह विश्वविद्यालय के (अकादमिक) शैक्षणिक सत्र 2012–13 से स्नातक (बी.एससी) उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों के रिक्त पदों की पूर्ति एवं तृतीय वर्ष (6 सेमेस्टर) पूर्ण कर बहिर्गमन करने वाले विद्यार्थियों के लिए पंचवर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में संचालित किया गया है। अब तक इस तरह का पाठ्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध नहीं है। इस प्रस्तावित शिक्षण पाठ्यक्रम विभिन्न फारेंसिंक लैब (प्रयोगशालाओं) एवं सम्बद्ध अनुशासन में राज्य के साथ–साथ देश में भी विद्यार्थियों के प्रशिक्षण एवं चयन (नियुक्ति) के संदर्भ में महत्वपूर्ण होगा। न्यायालयिक विज्ञान विभाग स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात न्यायालयिक जीव विज्ञान, टेक्सीकोलाजी, रसायन विज्ञान, उंगलियों के निशान (फिंगर प्रिंट्स) और पूछताछ संबंधी दस्तावेजों आदि में विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है।

**विभागीय गतिविधियाँ:–**

- डॉ0 अर्जुन राव का एक शोध लेख ''एडवान्स टेक्नोलॉजी में शोध'' अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुआ।
- ''आपराधिक जांच में फारेंसिक विज्ञान की भूमिका'' विषय पर एक विशेष व्याख्यान प्रो0 मनीष निगम, विभागाध्यक्ष फारेंसिक चिकित्सा, सी.आई.एम.एस., बिलासपुर द्वारा 07.03.2016 को दिया गया।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ:–**

- पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के नृविज्ञान (एंथ्रोपोलॉजी) द्वारा ''आण्विक अनुवांशिकी और डेटाबेस प्रबंधन तकनीक में कौशल विकास के लिए हस्त प्रशिक्षण'' विषय पर आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला में एम.एससी. द्वितीय सेमेस्टर के चार विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

## प्राणीशास्त्र विभाग

जीव विज्ञान अध्ययनशाला के अंतगर्गत प्राणी विज्ञान विभाग सीमित संसाधनों एवं प्राध्यापकों के साथ वर्ष 2009 में स्थापित हुआ, जिसका प्रमुख उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण विज्ञान की शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ प्राणी विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोध एवं सिद्धांतों के प्रति जागरूक बनाना है। पिछले 06 वर्षों के दौरान विभाग ने स्नातक एवं परास्तानक स्तर पर संचालित पाठ्यक्रम के

अतिरिक्त आण्विक एवं चिकित्सकीय शोध के क्षेत्र में सर्वांगिण विकास किया है। विभाग विद्यार्थियों को 10 सेमेस्टर का एकीकृत स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम की उपाधि प्रदान करता है जिसमें विद्यार्थी 03 वर्ष उपरान्त स्नातक की उपाधि के साथ बहिगर्मन कर सकते हैं। विभाग प्राणी विज्ञान के 31 विशिष्टीकरण क्षेत्रों में से 3 प्रमुख क्षेत्रों रिप्रोडक्टिव फिजियोलाजी एवं एण्डोक्राइनोलाजी, फिश बायोलॉजी तथा टाक्सिकोलाजी विषय में विशिष्टता प्रदान करता हैं। ये सभी क्षेत्र आज के दौर में जीव विज्ञान के क्षेत्र में शोध के संदर्भ में प्रासंगिकता रखते हैं। एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम यू.जी.सी. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम के अनुरूप हैं तथा अध्ययन समिति की बैठक दिनांक 14.07.2015 के दौरान पुनः निरीक्षित तथा अद्यतन किये गए हैं। जिसमें सी.बी.एस.सी. (चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली) को सम्मिलित किया गया है। विभाग ने हाल ही में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध तीन $CO_2$ इंक्यूवेटर क्रय किये गये हैं। विभाग ने अनुवीक्ष अध्ययन के लिए जेइस इनवर्टेड माइक्रोस्कोप, मॉलीक्यूलर प्रोटीन वर्क के लिए 2डी इलेक्ट्रोफोरेंसिस सिस्टम, सेल काउंटिंग सेल सॉर्टिगं, सेक्सनींग ऑफ स्मूथ टिप्स के लिए क्रायोस्टेट तथा प्रोटीन एवं इम्यून एस्से के लिए एलीजा (ELIGA) रीडर भी प्राप्त किया है। विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर विभागीय ग्रंथालय में लगभग 271 पुस्तकें संग्रहित की गई है। विभागीय ग्रंथालय लगभग 1200 पुस्तकों के साथ पूर्णतया सुसज्जित है। विद्यार्थियों एवं विभागीय शिक्षकों को विभाग पुस्तकें, इन्टरनेट सुविधा, विद्यार्थियों की लघु शोध रिपोर्ट तथा वैज्ञानिक जर्नल (पत्रिकाओं) की सुविधा प्रदान है जो कि जैव मण्डल में प्राण विविधता का महत्वपूर्ण ज्ञान हमें प्रदान करता है। जो कि जैव मण्डल में प्राण विविधता का महत्वपूर्ण ज्ञान हमें प्रदान करता है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों हेतु उद्विकास, भ्रूण विकास तथा अन्य क्षेत्रों से संबंधित प्रारूप उपलब्ध हैं। विभाग विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कम्प्यूटिंग सुविधा प्रदान करता है विभागीय कम्प्यूटर इन्टरनेट एवं विभिन्न शैक्षणिक सॉफ्टवेयर से पूर्ण है।

## 2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला –

### वाणिज्य विभाग

वर्ष 1986 में वाणिज्य विभाग विश्वविद्यालय के प्राचीनतम विभागों में से एक है। विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तरीय स्तर पर विशेषकर वित्तीय एवं मार्केटिंग में विभिन्न पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। वाणिज्य में पीएच.डी. करने के लिए शोधार्थियों को विभाग दिशा निर्देशित कर रहा है। विभाग द्वारा व्यवसाय के औद्योगिक स्तर पर लेखांकन एवं वित्तीय क्षेत्रों में एक मजबूत आधार प्रदान करने हेतु सत्त प्रयत्नशील है।

वाणिज्य विभाग संकाय सदस्य

वाणिज्य विभाग के छात्रों द्वारा खेल प्रदर्शन

**विभाग द्वारा आयोजित मुख्य गतिविधियाँ :–**

- स्नातकोत्तर के टैली एकाउंटिंग के विद्यार्थियों के लिए दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

**विभागीय सदस्यों की उपलब्धियाँ :–**

- मि. ज्ञानरंजन बल ने 68वीं अखिल भारतीय कांफ्रेंस (ए.आई.सी.सी.–2015) में बी.बी.ए.वाई में रजत पदक प्राप्त किया।
- कु. दीपिका दर्शन और कु. पूजा शर्मा ने वार्षिक खेल सप्ताह 2015–16 में अन्तर्शाला महिला सदस्य बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

महिंद्रा छात्रवृत्ति वाणिज्य विभाग

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ :–**

- जून 2015 में कु0 तोरण लाल वर्मा और कु0 समीर सिंह (एम.कॉम तृतीय सेमेस्टर के छात्र) यूजीसी, सी.बी.एस.ई. नेट की प्रतियोगिता उत्तीर्ण की।
- वार्षिक खेल सप्ताह 2015–16 के अन्तर्शाला छात्र बास्केटबॉल प्रतियोगिता में वाणिज्य के छात्रों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- वार्षिक खेल सप्ताह 2015–16 के अन्तर्शाला बालिका बास्केट बॉल प्रतियोगिता में वाणिज्य की छात्राएं रनर अप रहीं।

## प्रबंध अध्ययन विभाग

प्रबंध शिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए परिवर्तन और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए सन् 1988 में प्रबंध अध्ययन विभाग की स्थापना की गयी। विभाग नये आर्थिक युग में विद्यार्थियों को प्रभावशाली प्रबंधक बनाने हेतु प्रयासरत है और सदैव गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने पर जोर देता है। विभाग जिज्ञासु संस्कृति और उद्यम या उद्योग को बढ़ावा देने हेतु विशेष ध्यान देता है। विभाग से बाहर स्वयं के लिए स्थान बनाने हेतु भारत के अग्रणी प्रबंधनशालाओं में विभाग को स्थापित करने हेतु प्रयासरत है। विभाग द्वारा विद्यार्थी सफलतापूर्वक शिक्षित एवं प्रशिक्षित किए जा रहे हैं तथा देश–विदेश के प्रतिष्ठित व्यावसायिक घरानों, बैंकिंग, वित–विपणन, सामान्य प्रबंधन तथा शिक्षा के क्षेत्र में चयनित हो रहे हैं। प्रबंध अध्ययन विभाग में एम.बी.ए. का पूर्णकालिक द्विवर्षीय पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

**विभाग के प्रमुख उद्देश्य :–**

- प्रबंधन में जीविका के अवसरों की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों का प्रशिक्षण एवं विकास।
- वर्तमान मे प्रतियोगी विश्व की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक अभिव्यक्तिशील एवं रचनात्मक निर्णय की क्षमता का विकास करना।
- समाज के भावी प्रबंधक के रूप में विद्यार्थियों में उपयुक्त मूल्यों एवं व्यवहार का विकास।
- प्रबंधक के रूप में विद्यार्थियों में प्रबंधन क्षमता का विकास।
- शोध के माध्यम से प्रबंधन के क्षेत्र में नये कार्यक्षेत्रों के अनुसंधान पर बल

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव में यंग मैनेजेर्स क्लब

देना।

**विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ :–**

- विभाग द्वारा विभिन्न कम्पनियों के माध्यम से कैम्पस के भीतर विद्यार्थियों के स्थानन की व्यवस्था कर विद्यार्थियों को विभाग द्वारा नौकरी के अवसर प्रदान किये जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न संस्थाओं में समस्त विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

- सत्र 2015–16 के दौरान एच.डी.एफ.सी. बैंक, एयरटेल, आई.सी.आई.सी.आई. प्रूडेंसियल, मनी कैपिटल हाईट रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, एण्ड वेज 2 कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड जैसी कुछ कम्पनियों द्वारा नये भर्ती हेतु परिसर स्थानन हेतु विभागीय विद्यार्थियों के बीच भागीदारी की गयी।

## 2.1.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला

अध्ययनशाला के अंतर्गत दो विभाग हैं – संगणक विज्ञान एवं सूचना तकनीकी विभाग एवं शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग। अध्ययनशाला के शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य कर रहे हैं तथा विद्यार्थियों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

## संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1990 में एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा (संगणक विज्ञान) पाठ्यक्रम के साथ की गई। इस पाठ्यक्रम को अपार लोकप्रियता एवं सफलता प्राप्त हुई। इसके उपरांत 1996 में परास्नातक संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। इसी क्रम में वर्ष 1998 में अखिल भारतीय शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त तीन वर्षीय एमसीए पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। विभाग में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित कंपनियों के अत्याधुनिक तकनीक से युक्त संगणक उपलब्ध हैं। विभाग के प्रत्येक विद्यार्थी को इन उच्च तकनीक से युक्त मशीनों पर पर्याप्त समय तक कार्य करने का अवसर उपलब्ध कराया जाता है। संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के पास 5000 पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय है, जिसमें 1000 पुस्तकें अंतिम वर्ष में क्रय की गई है। विभाग में संगणक केन्द्र के अंतर्गत इंटरनेट (अंतर्जाल) की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसका उपयोग पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रयोगशाला के रूप में भी किया जाता है।

विभाग के पास उच्च शिक्षित एवं योग्य शिक्षकों की पर्याप्त संख्या है जो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से निरंतर संपर्क में हैं। विभाग के शिक्षक–सदस्य शोध एवं विकास कार्यों में सक्रियता से संलग्न हैं। शिक्षकों के शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। विभाग के शिक्षकों को देश एवं विदेश में समय–समय पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जाता है। विभाग में समय–समय पर प्रसिद्ध शिक्षाविदों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। विभाग के विद्यार्थियों को सजीव परियोजना के विकास हेतु प्रोत्साहित किया जाता है तथा विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में सॉफ्टवेयर विकास के निमित्त भेजा जाता है। संगोष्ठी एवं समूह परिचर्चा विभागीय नियमित कार्य प्रणाली का हिस्सा है। विभाग में संगणक विज्ञान के उभरते हुए विषयों पर यथा : डाटा माइनिंग, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तथा ई.गवर्नेंस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया जाता है। इस प्रकार की संगोष्ठियां अत्यन्त सार्थक सिद्ध हुई है। कुछ संगोष्ठियों ने केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के शोधार्थियों को आकर्षित किया है। संगोष्ठी के दौरान आमंत्रित विद्वानों द्वारा वक्तव्य दिये जाते हैं। विभाग सदैव शिक्षक–छात्र संवाद अंतर्क्रिया पर बल देता है। यह विभाग विद्यार्थियों को किसी भी समय शिक्षकों से मिलकर समस्या समाधान एवं सुझाव की स्वतंत्रता प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोध के क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने हेतु यह विभाग सतत् प्रयत्नशील है। विभाग विभिन्न सॉफ्टवेयर तथा शोध संगठनों से अंतर्संबंध विकसित करने एवं उच्च प्रतिष्ठानों में विद्यार्थियों को संस्थापन के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम में समय–समय पर संशोधन करता है। रोजगार प्राप्ति के क्षेत्र में विभाग के विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा है तथा उन्हें देश–विदेश में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त हुआ है।

विभाग वेबसाइट डिजाइनिंग और विकास से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करता है जिसमें 700 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी की। गैर–तकनीकी पृष्ठभूमि से संबंधित विद्यार्थियों हेतु संगणक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन करता है जिसमें सोशल वर्क, शारीरिक शिक्षा विभाग के शोध छात्रों एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

### विभागीय उपलब्धियाँ

- विद्यार्थियों के पूरे व्यक्तिव के निर्माण के लिये प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद तथा दूसरे छात्र आधारित कियाकलापों का विभाग समय–समय पर वर्ष भर आयोजन किया जाता है। विभाग ने संचार के आधारभूत उपकरण पर दो दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 14–15 मार्च 2016 को आयोजित किया।

## शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग की स्थापना 1989 में की गई । विभाग में एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर निकाय विकल्प के साथ एवं गणित में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए./एम.एस.सी. गणित) एकीकृत तथा शोध कार्य में वी.आर.ई.टी. की प्रवेश परीक्षा के द्वारा चयन किया जाता हैं । विभाग के विद्यार्थी भारत एवं भारत के बाहर के क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

विभाग के शिक्षक सदस्य शोध एवं शिक्षण के निम्नलिखित क्षेत्रों में संलग्न हैं:– एप्रॉक्सिमेशन सिद्धांतः गणित के फॅजी सेट्स नॉन सीनियर फंक्शनल एनालिसिस, (फिक्सड प्वाइंट सिद्धांत), गणित मॉडलिंग और सिमुलेषन, अन्तर ज्यामितिक और बहुचक्रिय (मनीफोल्डस)

### विभागीय शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियाँ–

- प्रो. एस.सी.सिंह (सह–पर्यवेक्षक) ने संयुक्त तत्वावधान रूप से प्रो. एस.एस.सिंह (मुख्य–पर्यवेक्षक) के साथ पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (आइ.ई.डिवीजन) द्वारा अनुदानित 50.03 लाख रूपये की वृहद शोध परियोजना प्राप्त किया ।
- डॉ. एस.के.गुप्ता ने 6.00 लाख रूपये की राशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से स्टार्ट अप ग्रांट प्राप्त किया ।
- प्रो. बी.बी. चतुर्वेदी ने 6.00 लाख रूपये की राशि यू.जी.सी. नई दिल्ली से स्टार्ट अप ग्रांट प्राप्त किया ।
- डॉ. के.एन.वी.वी.प्रसाद ने 6.00 लाख रूपये की राशि यू.जी.सी. नई दिल्ली स्टार्ट अप ग्रांट प्राप्त किया ।

## 2.1.7 प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला

अध्ययनशाला के अंतर्गत तीन विभाग हैं – भैषजिक विज्ञान विभाग, वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग।

## वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग

वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर 1988–89 से वानिकी शिक्षा के क्षेत्र में राज्य में एक प्रमुख संस्थान है । इसने मध्य भारत में वानिकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष भूमिका ले ली है । विभाग वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान पर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है । स्नातक पाठ्यक्रम (बी.एस.सी.) चार साल का है और इस समय प्रवेश हेतु छात्रो की संख्या 60 है । दूसरी ओर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.एस.सी.) दो साल का है और प्रवेश हेतु छात्रो की संख्या 60 है । स्नातकोत्तर स्तर पर दो विशेषज्ञता है – (1) वन अनुवांशिकी संसाधन और (2) वन प्रबंधन। विभाग द्वारा वानिकी में आवासीय पी.एचडी. कार्यक्रम भी चलाया जाता हैं । इस पाठ्यक्रम में एक सेमेस्टर पढ़ाई तथा उसके बाद प्रयोगशाला प्रयोग और क्षेत्र परीक्षण सहित अनुसंधान कार्य शामिल हैं।

विभाग द्वारा बी.एस.सी. और एम.एस.सी. कार्यक्रम के लिये आई.सी.एफ.आर.आई./आई.सी.ए.आर. द्वारा विकसित आधुनिक पाठयक्रम का पालन किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम एकीकृत ज्ञान तथा वानिकी और सम्बद्व विषयों के लिए प्रासंगिक कौशल हेतु केन्द्रित है।

यह उन्हें विभिन्न तरह के प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आई.एफ.एस., एस.एफ.एस., ए.आर.एस. आदि के लिये तैयार करने के लिए संरचित किया गया है। छात्रों का ग्रामीण और वन ग्रामों, वन उद्योगों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक अभिन्न हिस्सा है। यह व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने, औद्योगिक और अनुसंधान के माहौल से परिचित कराने और छात्रों के बीच उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देने हेतु इच्छित है यू.जी. और पी.जी. छात्रों के लिए स्थानीय राज्य वन विभाग, बायोस्फियर रिजर्व, राष्ट्रीय पार्को, वन्यजीव अभयारण्यों आदि के साथ वानिकी कार्यो के प्रदर्शन हेतु एक आवश्यक 45 दिवसीय जुड़ाव अनिवार्य है ।

आज इस विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों के शीर्ष स्थानों पर नियुक्त हैं । जिसमें भारतीय और राज्य प्रशासनिक सेवा (डीएम, एसडीएम, डीएफओ, वन परिक्षेत्र पदाधिकारी मंत्रालय आदि) वैज्ञानिक एवं अनुसंधान अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षाविद् (सहायक एवं एसोसिएट प्राध्यापक) भी शामिल हैं । इस विभाग के अध्यापक तथा छात्र विभिन्न संस्थानों और विभागों में विशेष व्याख्यान के लिए भी आमंत्रित किये जा रहे हैं । विभाग ने पर्यावरण, वानिकी, एनजीओ आदि के विभिन्न क्षेत्रों में परामर्श देने लिए ख्याति अर्जित की है । **विभाग की सोच** वानिकी और संबद्व विषयों में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना तथा इस क्षेत्र और देश में स्थायी वानिकी और इसकी सुरक्षा और संरक्षण के अभ्यास के लिए प्रशिक्षित श्रम शक्ति की जरूरत को पूरा करना है।

## उद्देश्य

- छात्रों के वानिकी को एक पेषेवर डिग्री के रूप में चुनने हेतु एक व्यापक ग्राह्यता और मंच प्रदान कराना ।
- वानिकी और संबद्व विषयों में शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कष्टता को बढ़ावा देना ।
- देश में प्रशिक्षित वानिकी मानव बल की आवश्यकता को पूरा करने हेतु छात्रों को नवीन ज्ञान और कौशल प्रदान करना ।

## विभागीय सुविधाएं

- राष्ट्रीय कृषि आयोग (एनसीए ) 1976 की सिफारिश के अनुसार देश में वानिकी में मानव संसाधन विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु वानिकी में उपाधि प्रारंभ किया गया।
- वानिकी विज्ञान स्नातकों को वैज्ञानिक/तकनीकी और प्रशासनिक क्षमता प्रदान करने हेतु उपाधि कार्यक्रम तैयार किये गये हैं जिससे (आर.एफ.ओ) और सहायक वन संरक्षक (ए.सी.एफ.) के रिक्तियों हेतु विद्यार्थी अनुकुल हो सकें ।
- विभाग प्रयोगशाला संबंधी उपकरणों एवं सुविधाओं जैसेः सीएचएनओएस, टोटल कार्बन एनालाईजर, विन्डियाज, लाईका संयुक्त सुक्ष्मदर्शी, स्टीरियो सुक्ष्मदर्शी, प्रकाश संष्लशण विष्लेशक, माइक्रोटोम, माईसचर मीटर, टोटल स्टेशन, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, ओजोन एनालाईजर, रिमोट सेंसिंग आधारित साप्टवेयर से संपन्न है।

## विभाग द्वारा आयोजित अन्य गतिविधियाँ

- विभाग में 21 मार्च 2016 को विश्व वानिकी दिवस मनाया गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के लिए फोटोग्राफी, चित्रकला और कूड़ा कला प्रतियोगिता आयोजित की गई । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो0 अंजिला गुप्ता द्वारा प्राकृतिक संसाधन अध्यनशाला के डीन, डी.एस. डब्ल्यू. आदि की गरिमामय उपस्थिति में किया गया ।
- वानिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय बांस शिल्प – कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 150 प्रतिभागियों ने भागीदारी की । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता द्वारा किया गया । कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रियंका शुक्ला, आईएएस, सीईओ, कौशल विकास छत्तीसगढ़ सरकार थी ।
- 5 जून 2015 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया । इस अवसर में वन्य प्रजाति के पौधे कार्यवाहक कुलपति प्रो.एस.पी.सिंह द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में रोपित किये गए ।

- वानिकी, वन्य जीवन और पर्यावरण विभाग द्वारा 2 अक्टूबर 2015 को स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया । छात्रों तथा संकाय के शिक्षकों ने इस अभियान में सहभागिता की ।

- वृक्षारोपण इस विभाग की एक नियमित और महत्वपूर्ण गतिविधि है । वर्ष 2015–16 में इस गतिविधि ने राष्ट्रीय त्योहारों को यादगार बना दिया है । 15 अगस्त 2015 और 26 जनवरी 2016, को संकाय शिक्षकों तथा अन्य महानुभावों के साथ–साथ माननीय कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने आम, बादाम, जामुन और सीताफल के पौधों का रोपण केन्द्रीय पुस्तकालय के पास, प्रौद्योगिकी संस्थान कार्यशाला तथा आवासीय भवन के आसपास किया ।

### छात्रों की उपलब्धियाँः–

- 2015 में आयोजित धीमी गति साइकिल प्रतियोगिता में अंबिका गुप्ता ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया ।

- 21 मार्च, 2016 विश्व वानिकी दिवस पर विभाग द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में कु0 सानिया खान और आयुष्मान डे ने (बी.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर) क्रमषः प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया ।

- 21 मार्च, 2016 विश्व वानिकी दिवस, वानिकी विभाग द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में कु0 प्रियंका पाठक (बी.एस. सी. द्वितीय सेमेस्टर ) ने प्रथम पुरस्कार पाया ।

## भैषजिक विज्ञान संस्थान

भैषजिक विज्ञान के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से सक्षम मानवशक्ति के विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखकर वर्ष 1997 में भैषजिक विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। विभाग में संचालित पाठ्यक्रम आल इंडिया टेक्नीकल एजुकेशन (एआईसीटीई) एवं फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) से अनिवार्य अनुमोदन प्राप्त है। यह छत्तीसगढ़ राज्य के अग्रणी संस्थानों में से एक है। यहां डी.फार्म, बी.फार्मा. (फार्मस्यूटिक्स, फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री और फार्माकोलॉजी) पाठ्यक्रम और पीएच. डी. कार्यक्रम संचालित हैं। संस्थान में नियमित उच्च दक्षता वाले शिक्षक हैं। संस्थान के पास अत्याधुनिक एवं उच्चीकृत प्रयोगशाला, छत्तीसगढ़ परिक्षेत्र के चिकित्सकीय पौधों के संरक्षण हेतु पौधशाला, संदर्भ शोध पत्रिकाओं एवं पाठ्य पुस्तकों से युक्त समृद्ध ग्रंथालय और कमेटी फॉर द परपज ऑफ कंट्रोल एण्ड सुपरविजन ऑफ एक्सपेरीमेंट ऑन एनीमल (सीपीसीएसईए ) के अनुमोदन उपरांत स्थापित स्तरीय पशु गृह आदि हैं। संस्थान में अनेक संस्थानों से प्रदत्त 3 करोड़ रूपये की शोध परियोजनाएं संचालित हैं। शिक्षकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रकाशित किये गये हैं। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय स्थापना समारोह के क्रम में 12 जनवरी 2015 को विभाग द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया।

अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी तुर्की में प्रोफेसर वी डी रंगारी

### विभागीय उपलब्धियाँ

विभाग ने 10–11 अप्रैल 2015 को एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार की थीमः– इथयोमेडिसीन एवं न्यू ड्रग अपार्चुनीटिज एवं चैलेंजेस थी, जिसमें विभिन्न स्थानों से पधारे 06 विषय विशेषज्ञों ने आमंत्रित व्याख्यान दिये तथा साथ ही 100 प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रेजेन्टेशन भी किया । विभाग में कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया जो कि हर्बल दवाइयों के उत्पादन एवं स्थाई बैगा एवं वैद्य की संजीवनी जैसी जड़ी–बुटियों पर प्रमुख रूप से केन्द्रित था। विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ0 भारती अहिरवार एवं मिस रूची सिंह ठाकुर ने अमरकंटक एवं अचानकमार के जंगलों में पाये जाने वाले औषधीय पौधों का सर्वे किया । यह सर्वे एक सी.सी.ओ.एस.टी. रिसर्च प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किया गया । विभाग ने विभागीय प्रयोगशाला शोध सुविधा के लिए नए वैज्ञानिक यंत्रों को विभाग में स्थापित किया। विभाग में एचपीएलसी (एनालाटिकल तकनीक प्रा.लि. भारत) 7.2 लाख रूपये की मशीन डिफरेंटल क्लोरोमेन्ट्री (परकिन इलनर सिंगापुर) 16 लाख एवं फ्लोरोसेन्ट माइक्रोस्कोप (लीसा जर्मनी) 10 लाख जैसी अधिकतम

गुणवत्ता की मशीनों को स्थापित किया गया। डॉ. मिलिंद वाद्य, सहायक प्राध्यापक, नासिक महाविद्यालय में जी.ए.पी.टी.से संबंधित विषय पर बी.फार्मा के आठवे सेमेस्टर के छात्रों को आमंत्रित व्याख्यान दिया। मेजर बी.के. डबराल ने शोध छात्रों को एवं एम. फार्मा के विद्यार्थियों के लिये ''एप्लीकेशन ऑफ स्टेटिक्स इन रिसर्च ''विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर जे एस डांगी को पूर्णकालीन उपलब्धियों के लिए सम्मान

सांख्यिकी विषय पर मेजर डबराल का व्याख्यान

**विभागीय शिक्षकों की उपलब्धियाँ–**

1. प्रो0 जे0एस0 दांगी (अधिष्ठाता, प्राकृतिक संसाधन) को फरवरी, 2015 में डॉ0 हरीसिंह गौर विष्वविद्यालय, सागर के भैषजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित डायमण्ड जुबली समारोह में लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया ।
2. डॉ. वी. डी. रंगारी ने अनाडोल यूनिवर्सिटी टर्की द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं भैषजिक विज्ञान विभाग स्तानदल विष्वविद्यालय टर्की में व्याख्यान दिया ।
3. डॉ. सुरेश थोरेजा को जार्जिया राजकीय (स्टेट) विश्वविद्यालय अटलांटा (संयुक्त राज्य अमेरिका) में किये गये शोध कार्य पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली ने प्रतिष्ठित रमन फेलोशिप प्रदान की ।
4. डॉ. अर्जुन पात्रा को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी (यू.एस.ए.) में किये गए शोध पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली ने प्रतिष्ठित रमन फेलोशिप प्रदान किया ।
5. डॉ. जे. एस. दांगी, डॉ. वी. डी. रंगारी, डॉ. सन्मति के जैन, डॉ. एच.एस. बोकाडे, डॉ. के. पी. नामदेव एवं दिलीप कुमार पाल ने फार्मेसी कौंसिल ऑफ इण्डिया , नई दिल्ली की ओर से निरीक्षक के रूप में कार्य करते हुए विभिन्न अकादमिक भैषजिक संस्थान का निरीक्षण किया ।

**छात्रों की उपलब्धियाँ–**

1. सत्र 2015–16 में एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूट टेस्ट में अजय भदौरिया, गीता प्रसाद, नीलेश सिंह, मयूर पटेल और शुभांकर घोसाल आदि बीफार्मा के छात्रों ने सफलता प्राप्त की ।

संस्था द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह

डॉ मिलिंद वाघ द्वारा जीपीएटी के सम्बन्ध में व्याख्यान

2. 15–17 मार्च, 2016 दुबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डीयूपीएचएटी) में पोस्टर एवं मौखिक प्रदर्शन पर विभागीय शोध छात्रो के. साहू, कु. मोनिका कौरव एवं कु. सुनीता मिंज को विभिन्न एजेंसियों से (सीकास्ट) और (आइसीएस) ने वित्तीय सहयोग प्रदान किया ।

## ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग

काष्ठकला एवं जैविक खाद्य प्रशिक्षण का उद्घाटन

ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग की स्थापना वर्ष 2001 में हुई। इसके बाद से ही यह विभाग नवसृजित छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण जनों के देशी ज्ञान का उपयोग पोषणीय ग्रामीण विकास हेतु आवश्यक आधारभूत तकनीक के निर्माण में कर रहा है। शोध के क्षेत्र में विभाग का मुख्य बल ग्रामीण शिल्पियों के समग्र उन्नयन पर है। वर्तमान में विभाग द्वारा व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के रूप में ग्रामीण प्रौद्योगिकी से संबंधित स्नातक, परास्नातक एवं शोध पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग में अनेक उच्चानुकृत वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं जो कि शोध में प्रयुक्त होने के साथ–साथ स्नातक व परास्नातक विद्यार्थियों के परियोजना कार्य में भी उपयोगी होता है। औषधीय पादपों के क्षेत्र में नवप्रवर्तनशील शोध हेतु नये शोधक्षम त्वरक उपकरण (ए.एस.ई.150) को लगाया गया। नये दूर संवेदी (जी.आई.एस) सॉफ्टवेयर इ.आर.डी.ए.एस. 2011, आर्क पैड और 21 वीं सेंचुरी जी.आई.एस.का क्रय दूर संवेदी प्रयोगशाला कार्य एवं शोध हेतु किया गया। विभाग में पादप कर्षण, जड़ी–बूटियों के निरूपण और मूल्यांकन, दवा–वितरण व उनके लाभकारी मूल्यांकन, जन्तु–शरीर क्रियाविज्ञान और केंचुआ खाद हेतु इकाई प्रदर्शन, जैविक खाद, शहद उत्पादन, रेशम के कीट, लाख उत्पादन व मशरूम उत्पादन हेतु प्रयोगशालाओं का निर्माण किया गया है। वर्तमान में विभाग में 11 शोध परियोजनाएँ एवं शिक्षकों के सहयोग से एक परामर्श केंद्र संचालित है साथ ही खेती बाड़ी एवं औषधीय पौधों से संबंधित चार नर्सरियाँ भी संचालित हैं। विभागीय पुस्तकालय में लगभग 2150 पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग से उत्तीर्ण हो रहे विद्यार्थियों ने सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में रोजगार प्राप्त किया है। वर्तमान सत्र में अजोला एवं मशरूम का उत्पादन विभाग द्वारा किया जा रहा है । इसके अलावा विभागीय शिक्षकों एवं शोध छात्रों के द्वारा विद्यार्थियों के मध्य स्वरोजगार की अभिप्रेरणा हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यों का आयोजन किया जा रहा है।

### विभागीय उपलब्धियाँः–

- विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री दिलीप कुमार के निर्देशन में बी.एस.सी. (प्रथम सेमेस्टर) के छात्रों ने नवम्बर 2015 में नाडेप कम्पोस्ट यूनिट का निर्माण किया ।
- विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री दिलीप कुमार के निर्देशन में बी0एस0सी0 (प्रथम सेमेस्टर) के छात्रों ने दिसम्बर 2015 में अजोला प्रोडक्शन यूनिट का निर्माण किया ।

काष्ठकला प्रशिक्षण

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण

जैविक खाद्य प्रषिक्षण

- विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री दिलीप कुमार के निर्देशन में बी.एस.सी. (चतुर्थ सेमेस्टर) के छात्रों ने मार्च 2016 में वर्मीकम्पोस्ट प्रोडक्शन यूनिट का निर्माण किया ।
- विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री नरेश चंद्र अग्रवाल के निर्देशन में बी.एस. सी. प्रथम एवं षष्ठम सेमेस्टर के छात्रों ने मार्च 2016 में आरनामेंटल फिश प्रोडक्शन यूनिट का निर्माण किया ।
- 12 सितम्बर 2015 को 40 विद्यार्थियों ने घोंघा रिजर्व परियोजना एवं शिवतराई आदिवासी क्षेत्र का भ्रमण किया
- 28 सितम्बर 2015 को 40 विद्यार्थियों द्वारा कृषि अभियांत्रिकी विभाग का भ्रमण किया।

**छात्रों की उपलब्धियाँ :–**

- सुनील सिंह (बीएस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर ) ने विश्वविद्यालय की तरफ से प्रस्तुति दी ।
- विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित युवा संसद में विभाग के छात्र महेन्द्र सिन्हा, कामना शर्मा ( बीएस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर) एवं प्रियंका सारथी (बीएस.सी. द्वितीय सेमेस्टर) ने अपनी भागीदारी प्रस्तुत की ।
- छात्रा मेंसापुरी गोस्वामी ( बीएस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर) को प्राकृतिक संसाधन संकाय स्तर पर उच्चतम अंक प्राप्त करने हेतु 10000 रूपये की मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान की गई ।
- छात्र शुभम पाठक ( बीएस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर) को उड़ान टीम की फोटोग्राफी समिति हेतु चयन किया गया ।
- विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में विभाग की छात्रा कु0 शीतल राजपूत (बी.एस.सी.द्वितीय सेमेस्टर) ने 100 एवं 50 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।
- कु. डी. सौन्दर्या ( बीएस.सी. .षष्ठम सेमेस्टर) एवं कु0 मेंसापुरी गोस्वामी (बी.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर) को छात्र परिषद 2015–16 हेतु संकाय स्तर के प्रतिनिधि के तौर पर चयन किया गया ।
- कु. डी. सौन्दर्या (बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर) का छात्र संयोजक के रूप में चयन यूनिवर्सिटी की पत्रिका उड़ान हेतु किया गया ।
- कु. डी. सौन्दर्या (बी.एससी. षष्ठम सेमेस्टर) ने डिप्लोमा इन फ्रेंच में अधिकतम अंक प्राप्त किये ।
- कु. डी. सौन्दर्या बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर) ने आई.ए.एस. जे.आर. काटवाल (विशेष सचिव) के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में रक्षक फांउडेशन में बतौर प्रशिक्षु कार्य किया । इस क्रम में उसने एनसीईआरटी, एयूईआरटी और पार्लियामेंट फार पालिसी रिसर्च प्रोजेक्ट एनस्यूरिंग सोशल इनक्यूशन ऑफ डिसेबल्ड जैसे संस्थान का भ्रमण किया ।
- कु. डी. सौन्दर्या (बी.एससी.. चतुर्थ सेमेस्टर) ने टाटा इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित टीआईएसएस, नेट 2016 की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- वानिकी विभाग द्वारा आयोजित बांस हस्तकला कार्यक्रम 30–31 मार्च 2016 में विभाग के एम.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर के दो छात्र एवं एम.एस.सी. अंतिम के एक छात्र ने हिस्सेदारी की ।
- विभाग में श्री गोपाल कुमार जायसवाल को नाबार्ड ने कार्यक्रम संयोजक के रूप में चयनित किया ।

- श्री प्रकाश साहू का चयन छत्तीसगढ़ प्रशासनिक सेवा में नायब तहसीलदार के पद पर हुआ ।
- 30–31 अक्टूबर 2015 में ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित दो दिन की कार्यशाला में तीन विभागीय शोधार्थियों द्वारा आइसोलेशन एवं स्टेनिंग टेक्नीक ऑफ माइकोराइजन फंगी विषय पर सहभागिता प्रस्तुत की गई ।
- सीजी कॉस्ट एवं जी0जी0यू0 के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ''इटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट आईपी कमर्शिलाइजेशन एवं प्रिवेंशन ऑफ प्लेगेरिज्म'' विषय पर 26–27 फरवरी 2016 में विभाग के 07 शोध छात्रों ने भागीदारी की ।
- 16 फरवरी 2016 को सिद्वि विनायक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी एवं सांइस बिलासपुर छ0ग0 द्वारा आयोजित संगोष्ठी (हर्बल ड्रग रिसर्च करेन्ट स्टेट्स विथ रेफरेंस टू इंस्टीट्यूट, इंडस्ट्रीज इंटेरेक्शन, अपार्चूनिटी एण्ड चैलेंजेस) विषय पर तीन शोध छात्रों ने हिस्सेदारी की ।
- नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज मिनिस्ट्री ऑफ रूरल डेवलपमेंट, जीओभाई, राजेन्द्र नगर हैदराबाद द्वारा आयोजित जीओ स्पेशियल टेक्नॉलाजी एप्लीकेशन इन डेवलपमेंट विषय पर 03 विभागीय शोध छात्रों ने अपना छःमाही ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम सफलतापूर्व पूर्ण किया ।
- 21 फरवरी एवं 22 मार्च को ग्राम सेमरिया, कोटा बिलासपुर में विभाग के 42 विद्यार्थियों ने रूरल ऐपाराइजल एक्टीविटी में भाग लिया ।
- 30 एवं 31 अक्टूबर 2015 को विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में ''आईसोलेशन एंड स्टेटिंग टेक्नीक ऑफ माइकोराइजल फंगी विषय पर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के 30 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता प्रस्तुत की ।
- 16 एवं 24 फरवरी 2016 को विभाग द्वारा आयोजित आठ दिवसीय ''हेंड ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन वूडन आर्ट पर बी. एससी. चतुर्थ सेमेस्टर के 41 छात्रों ने भागीदारी प्रस्तुत किया ।
- 22 एव 31 जनवरी 2016 को विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीय ''हेंड ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन वूडन आर्ट पर बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर के सैंतिस विद्यार्थियों ने भाग लिया ।
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास केन्द्र जी0जी0यू0 के संयुक्त तत्वाधान में दिनॉक 7 से 14 मार्च, 2016 को आयोजित सात दिवसीय ''हेंड ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन वूडन आर्ट कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के बी. एससी. एवं एम.एस.सी. के कुल 27 छात्रों ने अपनी भागीदारी प्रस्तुत की ।
- विभाग द्वारा 7 मार्च से 9 मार्च 2016 को आयोजित तीन दिवसीय वर्मी कम्पोस्ट प्रोडक्शन तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभाग के बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र एवं विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के छात्रों ने हिस्सेदारी की ।
- विभाग के छात्रों द्वारा विभिन्न बाह्य स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सेदारी की जाती है । इसी क्रम में 2 से 7 नवम्बर 2016 तक स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, निमोरा रायपुर द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय ''जियो स्पेशल ट्रेनिंग फॉर रूरल डेवलपमेंट '' कार्यक्रम में एम.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर के पाँच छात्रों ने हिस्सेदारी की ।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर छ0ग0 द्वारा 22 जनवरी से 27 जनवरी 2016 तक ''मशरूम प्रोडक्शन एंड स्पैम प्रिपरेशन'' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एम.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर के 19 छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर छ0ग0 द्वारा 29 फरवरी से 03 मार्च 2016 तक ''फ्लोरीकल्चर एण्ड लैण्डस्कैप'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बी.एस.सी. छठवाँ सेमेस्टर के 40 छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की ।
- संयुक्त संचालक कार्यालय बिलासपुर छ.ग. द्वारा आयोजित आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ''सिल्क प्रॉडक्शन एवं रियरिंग टेक्नालॉजी'' विषय पर 15 फरवरी से 23 फरवरी 2016 तक आयोजित कार्यक्रम बी. एससी. षष्ठम सेमेस्टर के 38 छात्रों ने हिस्सेदारी की ।

### 2.1.8 भौतिकी अध्ययनशाला

इस अध्ययनशाला के अंतर्गत दो विभाग हैं :– (1) रसायन शास्त्र (2) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग

### रसायनशास्त्र विभाग

रसायनशास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 2009 में एक नये विभाग के रूप में इस उद्देश्य के साथ की गई कि विज्ञान के परम्परागत क्षेत्रों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जायेगी। साथ ही यह विभाग शोध शिक्षण के उद्देश्यों के साथ भारत के अकादमिक मानचित्र में अपनी महत्वपूर्ण पहचान अंकित करायेगा। यह विभाग रासायनिक विज्ञान में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर उच्च गुणवत्ता पाठ्यक्रम के साथ पंचवर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तीन वर्ष के बी.एससी. (प्रतिष्ठा) पूर्ण होने पर निकाय के विकल्प के साथ संचालित करता है। विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित करता है। एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अन्तर्गत भौतिकीय, अकार्बनिक, कार्बनिक और विश्लेषणात्मक रसायनशास्त्र में प्रथम तीन वर्षों में उपकरणीय तकनीकी के साथ आधार भूत ज्ञान प्रदान किया जाता है और अंतिम दो वर्षों में अंतर अनुशासनिक विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान में उच्चीकृत ज्ञान प्रदान किया जाता है। विभाग में बी.टेक (रसायनशास्त्र) का पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। विभाग में उर्जा विज्ञान एवं प्रबुद्ध अध्यापक अपनी अकादमिक सेंवाएं प्रदान कर रहें है।, जिसके महत्वपूर्ण आलेख एवं शोध पत्र समय–समय पर देश एवं दुनिया की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होते रहते हैं। विभाग को डीएसटी भारत के सरकार के द्वारा आधारभूत संसाधनों के लिए समय–समय पर वित्तीय अनुदान प्राप्त होता रहता है। विभागीय अध्यापकों के लिए विभाग में एफ.टी.आई.आर., जी.सी., एच.पी. सी.एल, डिजिटल पोलेरा मीटर, यूवा विस स्पेट्रोमीटर, फ्लैश क्रोमोटोग्रफी आदि उपकरण उपलब्ध हैं। विभाग में शोध विशेषज्ञता के ऐसीमेट्रिक सिंथेसिसफंक्षनलाइज्ड मटेरियल्स और क्राम्पलेक्सेस, ग्रीनसिकेसिस, नैनो कैटलाइसेस, लोनिक लिक्विड्स, माईक्रोवेव, एमसीआरएस, आइसोलेशन ऑर एप्लीकेशन्स ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स, सुप्रियो लिक्योर कैमिस्ट्री, आर्गेनाइक फ्रेमवर्क, नैनो सेंसर, बायो सेंसर्स, एम.ए.एल.डी.आई.–एम.एस. इमेजिनिंग, माइक्रोएक्सटेंक्शन, स्मार्ट पोलिमैरिक मैटेरियल्स, हाइड्रोजेल्स, बायोमेडिकल एप्लीकेशनस प्रमुख क्षेत्र हैं।

### विभागीय शिक्षकों की उपलब्धियाँ:–

- विभाग के एक अध्यापक ने में अपना शोध पत्र ग्रीनकेमिस्ट्री (इम्पेक्ट फेक्टर 8.02) में प्रकाशित किया।
- विभाग के एक अध्यापक को राष्ट्रपति भवन में 2016 में माननीय राष्ट्रपति महोदय के साथ इनोवेशन बैठक हेतु आमंत्रित किया गया ।
- विभाग के एक प्राध्यापक ने थाईलेंड में आयोजित एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में फरवरी 2016 में शोध कार्य प्रस्तुत किया।
- इंडियन अकादमी ऑफ साईंस, बैंगलोर के द्वारा विभाग के एक सदस्य का समर फैलो, के रूप में चयन किया गया।
- विभाग के एक सदस्य ने डेस्टिनी फंक्शनल थ्योरी पर आधारित चेन्नई में आयोजित साप्ताहिक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला 2016 में सहभागिता की।

### विभागीय छात्रों की उपलब्धियाँ :–

- विभाग के पांच छात्रों को सी.एस.आई.आर. नेट में तथा चार छात्रों को गेट परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई। विभाग के एक शोध छात्र को सी.जी. कॉस्ट 2016 के द्वारा युवा वैज्ञानिक के पुरस्कार प्रदान किया गया।

## शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिक विभाग

वर्ष 1995 में स्थापित शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग विश्वविद्यालय का अग्रणी विभाग है। विभाग मध्य भारत के परिक्षेत्र में स्वयं को विज्ञान शिक्षा के अगुआ के रूप में विकसित कर रहा हैं। विभाग एक्सपेरिमेंटल एवं थियरेटिकल कण्डेन्सेड मैटर फीजिक्स, एक्सपेरिमेंटल मैटिरियल साइंस, एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फीजिक्स, स्पेक्ट्रोस्कोपी एण्ड प्लाज्मा फीजिक्स में शिक्षा एवं शोध कार्यक्रम प्रस्तावित करता हैं। विभाग वृहद आयामी पाठ्यक्रम जैसे कि भौतिक शास्त्र एवं इलेक्ट्रॉनिक में एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स में द्विवर्षीय एम.एस.सी. एवं एकीकृत एम.फिल/पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। वर्तमान में मैटेरियल विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ–साथ विभाग न्यूक्लियर फिजिक्स और लेजर साइंस में नई विशेषताएं आने वाले सत्र में एम.एससी. के विद्यार्थियों को प्रदान करने जा रहा है। न्यूक्लियर टेक्नालॉजी और नैनो–साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में एम.टेक स्तर के दो पाठ्यक्रम आने वाले सत्र में प्रारंभ करेगा।

विभाग में सामान्य भौतिकी, यांत्रिकी, हीट एवं थर्मोडायनेमिक्स, ऑप्टिक्स, इलेक्ट्रानिक्स एवं अभिकलन तकनीक के लिए पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। विभाग में केन्द्रीय संसाधन के रूप में एम.एस.सी. विद्यार्थियों और शोध छात्रों को लेजर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन, माइक्रोस्कोपी, एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी, फ्यूरियर ट्रांसफॉर्म – इन्फ्रारेड स्पैक्ट्रोक्कोपी, यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर एवं एक्स–रे डिफ्रेक्ट्रोमीटर भी एडवांस मैटेरियल कैरेक्टराइजेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। विभाग में समूह संसाधनों से युक्त अपना ग्रंथालय है जो विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों हेतु उपलब्ध हैं। विभाग में 3 एमवी हाई करेंट पेलेट्रान एक्सीलरेटर सुविधा स्थापित करने का साहसिक एवं सराहनीय कदम उठाया है। यह सुविधा विभाग को एक राष्ट्रीय पहचान देगी और यह देश के उभरते हुए शोध विभाग के रूप में स्थापित होगा। यह सुविधा विज्ञान के विभिन्न शाखाओं में अंतर–अनुशासनिक शोध के अवसर प्रदान करेगा।

विभाग प्रतिष्ठित व्यक्तियों की संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएं और सिम्पोजियम संयोजित करके बहुमुखी अकादमिक गतिविधियों में संलग्न है जिससे विभाग के स्नातक/परास्नातक विद्यार्थियों को मुख्यतः अवसर प्रदान करता है। विभाग के पास अपना प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ है जो विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षित करता है, तदुपरांत विभिन्न शोध संस्थानों एवं औद्योगिक इकाईयों में उनके संस्थापन हेतु प्रयास करता है। विभाग विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित करता है जैसे – नेट, गेट, जेस्ट (जीईएसटी) आदि।

### विभागीय शिक्षकों की उपलब्धियाँ

#### प्रो0 पी0के0 बाजपेयी

1. प्रो0 पी0के0 बाजपेयी को तेजपुर यूनिवर्सिटी (आसाम) एवं कोच्चि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालॉजी (केरल) में सेप प्रोग्राम में यूजीसी ने मूल्यांकन कर्ता के तौर पर नियुक्त किया ।
2. मानव संसाधन विकास मंत्री माननीया स्मृति ईरानी की अध्यक्षता में आयोजित नेशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की बैठक में विभाग के प्रो0 पी0 के0 बाजपेयी ने हिस्सा लेकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया ।
3. विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर 15 जनवरी 2016 को 'वैश्विक परिदृश्य में उच्च शिक्षा की चुनौतियॉ एवं विश्वविद्यालयों की भूमिका' विषय पर आयोजित संगोष्ठी का संचालन किया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पाणिनी शोध संस्थान की निर्देशिका डॉ0 पुष्पा दीक्षित को आमंत्रित किया गया था ।
4. डॉ. पी. के. बाजपेयी ने डॉ. एस. के. गुप्ता के साथ एससीआईएमआरए एटामिक एनर्जीरेग्यूलेटरीबोर्ड में अप्रैल 2016 से पहले (एनसीएआर) रेडीयेशन सेफटी अरेंजमेंट में सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण दिया।

### आमंत्रित वक्ता के रूप में दिये गए व्याख्यान

- 11 मई 2015 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफारमेशन टेक्नालॉजी, डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग संस्था जबलपुर में इनोवेशन एण्ड प्रॉडक्ट डिजाइन विषय पर व्याख्यान दिया ।
- 7 नवम्बर 2015 में इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर में 40 वर्षीय अकादमिक गतिविधियों पर लो एनर्जी आयन बीम्स विषय पर कार्यशाला में व्याख्यान दिया ।

- 17 मार्च 2016 एन.आई.टी., रायपुर में एप्लीकेशन ऑफ मेडिकल एक्सीलेटर विषय पर आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान दिया ।
- 23 नवम्बर से 28 नवम्बर को यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शार्ट टर्म कोर्स ग्रीन केमेस्ट्री एंड नैनो टेक्नालॉजी शार्टटर्म कोर्स पर व्याख्यान दिया
- ऑयन बीम सोसॉयटी ऑफ इंडिया, आगरा 2015 द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑयन बीम्स इन मटेरियल विषय पर व्याख्यान दिया ।
- 22 से 24 दिसम्बर 2015 को भौतिकी विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय अकादमी द्वारा भौतिकी विज्ञान में वर्तमान ट्रेडं विषय 18 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- 1 मई से 21 मई 2015 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं यूजीसी द्वारा रसायन और रसायन प्रौद्योगिकी पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में व्याख्यान दिया ।
- अकादमिक स्टाफ कॉलेज, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 14 वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम 11 मई से 06 जून 2015 में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- अकादमिक स्टाफ कॉलेज गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 14 वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम 11 मई से 06 जून 2015 में दूसरा आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान एवं शुद्व एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान की शोध प्रविधि विषय पर आयोजित कार्यक्रम 18 से 9 दिसम्बर 2015 में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- अकादमिक स्टाफ कॉलेज गुरु घासीदास विश्वविद्यालय मेंआयोजित 15 वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम 15 जून से 11 जूलाई 2015 तक में क्रमशः दो व्याख्यान दिये ।
- मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में ग्रीन केमिस्ट एवं नैनो टेक्नालॉजी विषय पर आयोजित 23 नवम्बर से 28 नवम्बर 2015 तक में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में 16वे ओरिएंटेशन कार्यक्रम 30 मई से 25 जून 2016 तक में क्रमशः दो आमंत्रित व्याख्यान दिये।
- पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के एडवांस स्टडीज इन फिजीक्स सेंटर द्वारा आयोजित नेशनल स्कूल कम वर्कशाप इन एक्सेलेटर फिजिक्स विषय पर 15–16 मार्च 2016 में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

**डॉ. एच. एस. तिवारी द्वारा दिये गये आमंत्रित व्याख्यान**

- 11 से 13 दिसम्बर 2015 को महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय कोट्टेयम, केरला (भारत) में आयोजित फर्स्ट इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन एडवांस मटेरियल फॉर पावर इंजीनियरिंग विषय पर ।
- ए.बी.वी. आई.आई.टी.आई.टी.एम. ग्वालियर द्वारा आयोजित तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय ई. वर्कशॉप (सम्मेलन –कम्यूटेशनल कंडेन्सेस मेटर फिजिक्स एव मटेरियल्स सांइस (IWCCMP-2015) 18–22 अक्टूबर 2015 में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

**डॉ. एम. एन. त्रिपाठी**

- जवाहरलाल नेहरू एडवांस साइंटिफिक रिसर्च सेन्टर, बैंगलोर के मैग्नेटिक यूनिट ऑफ एक्सेलेंस कम्प्यूटेशनल मटेरियल साइंस (TVE-CMS) में विजिटिंग सांइस आवार्ड से सम्मानित किया ।

- महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय कोट्टेयम, केरल में 11–13, दिसम्बर 2015 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आर.जी.जी.पी.जी. कालेज, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़ भारत में आयोजित राष्ट्रीय शोध सम्मेलन 20–21 नवम्बर 2015 में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

**डॉ. पारिजात ठाकुर**

- विभाग के डॉ0 पारिजात ठाकुर को प्लाज्मा सांइस सोसाइटी ऑफ इंडिया, अहमदाबाद में विशेष सदस्य के रूप में शामिल किया ।
- डॉ0 पारिजात ठाकुर को स्ट्रोनामी एंड एस्ट्रो फिजिक्स (IVCAA) पूणे भारत में अन्तः विश्वविद्यालयीन स्तर पर तीन वर्ष हेतु शोध सहायक के रूप में 1 अगस्त 2015 से सम्मिलित किया गया ।

**डॉ. आर. पी. प्रजापति**

- स्पेश एण्ड प्लाज्मा सांइस पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICSPS-2015) शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय म.प्र. में 22–24 सितम्बर 2015 में एक सत्र की अध्यक्षता की ।

**डॉ. शिवपूजन पटेल**

- आयन बिम सोसायटी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के सदस्य नियुक्त हुए ।
- भौतिकी विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय अकादमी, इलाहाबाद में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

**डॉ. टी. जी. रेड्डी**

- टापको अमेरिकन केमिकल सोसायटी का सदस्य नियुक्त किया गया ।

**डॉ. एस. के. श्रीवास्तव**

- जर्मनी में अंडर एक्सचेंज कार्यक्रम में सहभागिता ।

### विभागीय छात्रों की उपलब्धियाँ

- विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कन्वर्जेन्स कार्यक्रम का संचालन किया गया जिसमें विज्ञान के 12 विभाग के छात्रों ने भाग लिया ।

## 2.1.9 सामाजिक विज्ञान

इस अध्ययनशाला के अंतर्गत पाँच विभाग हैं:–

अर्थशास्त्र विभाग, शिक्षा शास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास एवं समाज कार्य विभाग।

समाज विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पंचवर्षीय पाठ्यक्रम एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं।

## अर्थशास्त्र विभाग

वैश्वीकरण के युग में अर्थशास्त्र एक प्रासंगिक एवं उल्लेखनीय अध्ययन –क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 1989 में इस दृष्टि से की गयी कि यहां से व्यावसायिक एवं अकादमिक क्षेत्र हेतु सर्वोत्तम अर्थशास्त्री और वित्तीय विश्लेषक तैयार कर सकें। इस परिप्रेक्ष्य में, विभाग का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तायुक्त शिक्षण है।. विभाग में संगोष्ठियां, समूहचर्चा, आलेख एवं पत्र लेखन, परियोजना लेखन, प्रश्नोत्तरी आदि नियमित गतिविधियां हैं। इसके अतिरिक्त समसामयिक मुद्दों पर अकादमिकों और प्रसिद्ध

वार्षिक खेल उत्सव में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता

अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा एकल खेल प्रदर्शन

अर्थशास्त्रियों को शिक्षकों और विद्यार्थियों से बातचीत हेतु आमंत्रित किया जाता है। विभाग शोध में विकास एवं अन्य परामर्शपरक गतिविधियों की सक्रिय रूप से संलग्न है। विभाग शोध केन्द्र के रूप में नीतिगत जानकारियों को निजी एवं सामुदायिक क्षेत्रों को प्रदान करता है। केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त विभाग का अपना समृद्ध पुस्तकालय है जो विद्यार्थियों को सहज रूप से उपलब्ध है। यह उल्लेखनीय है कि विभाग उभरते हुए मुद्दों पर संगोष्ठियां, सम्मेलन एवं कार्यशालाएं आयोजित करता है। विभाग में स्थानन का आंकड़ा, सामुदायिक और निजी क्षेत्रों में बहुत अच्छा हैं। विभाग में भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से युवा एवं प्रेरित करने वाले शिक्षक सदस्य हैं। विभाग को अपने सामूहिक प्रयास पर गर्व है जिससे निरंतर बड़ी संख्या में मेधावी छात्र निकल रहे हैं।

### विभागीय गतिविधियाँ :

1. प्रख्यात समाजशास्त्री डॉ. बी. एन. संसनवाल ने अध्यापकों एवं विद्यार्थियों हेतु दिनांक 20.11.2015 को व्याख्यान दिया।
2. डॉ. मनीशा दुबे द्वारा अन्य संस्थानों में दो व्याख्यान दिये गये।

### विद्यार्थियों की उपलब्धियाँः–

1. विभागीय छात्रा कु. इंद्रानी मरकाम ने समाज विज्ञान अध्ययनशाला स्तर पर सत्र 2015–16 सर्वोच्च स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रोफेसर संसवाल द्वारा दिया गया वक्तव्य

## शिक्षाशास्त्र विभाग

विभाग में बी.एड., एम.एड., बी.एड. विशेष षिक्षा (एल.डी.) बी.एड. विशेष षिक्षा (एच.आई) एवं पी–एच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं। संचालित किये जाने वाले पाठयक्रमों में प्रदर्शन पाठ, अभ्यास शिक्षण इंटर्नशिप आदि इसके नियमित अंग हैं। ग्रामीण जनता के बीच शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने के उददेश्य से प्रसार कार्यक्रमों के अंतर्गत सामुदायिक संवर्धन जैसी गतिविधियॉ आयोजित की जाती हैं। संबद्ध क्षेत्रों में छात्रों में निहित प्रतिभा को पहचानने और पोषित करने के उददेश्य से उनके मध्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद एवं सह–शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। विभागीय ग्रंथालय में विषय संबंधी संदर्भ पुस्तकें प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। विभाग द्वारा अत्याधुनिक पाठयक्रम का संचालन किया जाता है जिसमें शिक्षक–शिक्षण से संबंधित आधुनिकतम विचारों को भी सम्मिलित किया गया है। यह पाठयक्रम व्यावसायिक शिक्षण को बहु प्रायोगिक अनुभवों के माध्यम से उनकी आवश्यकता मूल्य एवं शिक्षण स्थल के प्रति संवेदना जागृत करता है। समस्त शैक्षणिक अनुभवों को इस प्रकार सृजित किया गया है कि विद्यार्थी स्थानन बाजार की चुनौतियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति सफलता प्राप्त करने की क्षमता विकसित कर सकें। विगत सत्र में सी–टेट, नेट, स्लेट की परीक्षाओं में बडी संख्या में छात्रों ने सफलता अर्जित की है। विभाग के पास अत्यंत ही योग्य एवं अनुभवी शिक्षक हैं जो शिक्षकों के शिक्षण एवं शिक्षा के बहु–सांस्कृतिक वातावरण के अंतर्गत स्तरीय ज्ञान व्यावसायिक क्षमताओं सांस्कृतिक समझ एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास हेतु प्रयत्नशील हैं। विभाग अपने अनुशासन एवं छात्रों के प्रति मित्रतापूर्ण

वातावरण, उन्नत तकनीक सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण ज्ञानश्रोत (एक समृद्ध पुस्तकालय, इंटरनेट सुविधा, नियमित संगोष्ठी, कार्यशाला, सामुदायिक कार्यक्रम एवं सह–शैक्षणिक अनुभव) एवं उर्जस्वित शोध अनुभवों हेतु ख्यात है।

### विभागीय गतिविधियाँ–

बी.एड. विशेष शिक्षा (एल.डी. एवं एच.आई.) के विभिन्न क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध विशेषज्ञों द्वारा सत्र के दौरान विशेष शिक्षा के छात्रों हेतु व्याख्यान आयोजित किये गये।

### शिक्षकों की उपलब्धियाँ

1. डॉ. सी.एस. वझलवार ने 28 जनवरी 2016 को डॉ. सी. वी. रामन यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटिग्रल एजुकेशन एंड सस्टनेबल डेवलपमेंट : अ स्टेप टूवर्डस ग्लोबलाइजशन' विषय पर व्याख्यान दिया। इसके साथ ही गु.घा.वि.वि., राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में उन्होंने 'जीवन कौशल के विकास में शिक्षा का महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 10 मार्च 2016 को डॉ. वझलवार ने मानव संसाधन विकास केन्द्र गु.घा.वि.वि. में व्यावसायिक अध्ययन पर आयोजित पुनश्चर्या पाठयक्रम में 'मेंटल हेल्थ एंड टीचिंग, टीचिंग एंड टेस्टिंग एजुकेशनल पालिसी एंड रोल आफ टीचर इन माडर्न सोसाईटी' विषय पर व्याख्यान दिया।

### विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

1. एम.एड. के चार विद्यार्थियों ने यू.जी.सी.नेट जून 2015 परीक्षा में सफलता प्राप्त की
2. दो विद्यार्थियों ने सी.टी.ई.टी. जून 2015 परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

## इतिहास विभाग

सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला के अन्तर्गत वर्ष 1996 में इतिहास विभाग की स्थापना हुई। विद्यार्थियों के लिए विभाग पंचवर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर (मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास में विशेषज्ञता के साथ) तथा शोधकार्य के पाठ्यक्रम संचालित करता है। वर्ष 2009–10 से विभाग तीन वर्षीय प्रतिष्ठा तथा पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का निकास विकल्प के साथ सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। विभागीय शोध व अध्ययन छत्तीसगढ़ के इतिहास, क्षेत्रीय अध्ययन और विकास के अध्ययन क्षेत्रों के विशिष्ट संदर्भों को केन्द्र में रखते हुए किया जाता है। विभाग अपने क्षेत्र के विशिष्ट इतिहासविद् तथा शिक्षाविद के सम्मान में व्याख्यान आयोजित करता रहा है। विभाग ऐतिहासिक महत्व की प्रमुख गतिविधियों तथा महापुरूषों की

प्रो. प्रदीप शुक्ला द्वारा छात्रों को दिषा निर्देश

प्रो. प्रदीप शुक्ला द्वारा व्याख्यान

तिथियों के उपलक्ष्य में चर्चा तथा संगोष्ठियों का आयोजन करता है। शोधकार्य के लिए विभाग छात्रों को केन्द्र तथा राज्य सरकार से प्राप्त अध्येतावृत्ति तथा छात्रवृत्तियों को उपलब्ध कराता है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न सह शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय सेवा योजना आदि के द्वारा सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाता है, जिससे उनके व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास हो सके और उनके

भीतर सामुदायिक भावना का विकास हो। विभाग के पास लगभग 200 पुस्तकों से सुसज्जित ग्रंथालय है। इन पुस्तकों के अतिरिक्त विद्यार्थी केन्द्रीय ग्रंथालय की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं जिसमें इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है। इसमें शोध–ग्रंथ, संदर्भ पुस्तकें और शोध प्रबंध बड़ी संख्या में है। जिसे विद्यार्थी इंटरनेट के माध्यम से देख सकते हैं। स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नियमित शिक्षण के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रशासनिक परीक्षाओं और यू.जी.सी. नेट की कोंचिंग से भी सम्बद्ध है। विभाग अपने अध्ययन क्षेत्र में पर्यटन के इतिहास (छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में) को समाहित करता है। विभागीय विद्यार्थी अपने विषय में आधुनिक तौर–तरीकों तथा तकनीकों से सम्बद्ध हैं।

### विभागीय उपलब्धियाँ

- विभाग में बाह्य विशेषज्ञ द्वारा छत्तीसगढ़ का गौरव विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

### छात्रों की उपलब्धियाँ

- विभागीय विद्यार्थी ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवक्ता परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। तथा सहायक प्राध्यापक के रूप में अंबिकापुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे पदस्थ है। इस विद्यार्थी की अपने शोध कार्य से संबंधित पुस्तक भी प्रकाशित है।

स्वच्छ भारत अभियान में इतिहास विभाग के छात्रों की प्रतिभागिता

## राजनीति विज्ञान विभाग

विश्वविद्यालय के प्राचीनतम विभागों में से एक, राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना सन् 1987 में की गई। यह विभाग त्रि–वर्षीय प्रतिष्ठा डिग्री के उपरांत निकास विकल्प के साथ राजनीति विज्ञान में पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम के साथ–साथ लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर एवं पी–एच.डी. पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए वातानुकूलित अध्ययनकक्ष से युक्त एक समूह पुस्तकालय है। वर्तमान में इस पुस्तकालय में 300 से अधिक पाठ्य पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ हैं। विभाग के शिक्षक सदस्य गुणवत्तायुक्त शोधकार्य में संलग्न हैं।

### विभाग की गतिविधियाँ –

15 सितम्बर 2015 को जम्मू कश्मीर फोरम द्वारा "जम्मू कश्मीर मिथक और यथार्थ, तथ्य" विषय पर ब्रजेन्द्र शुक्ला का व्याख्यान आयोजित किया गया ।

### विभाग के प्राध्यापको की उपलब्धियाँ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा डॉ. अनुपमा सक्सेना को छत्तीसगढ़ के योजना आयोग के अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के समूह के लिए कार्य करने वाली समिति के सदस्य रूप में नामित किया। डॉ. अनुपमा सक्सेना ने अकबरपुर कॉलेज, कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (22–23 दिसम्बर, 2015), "सर्वोदय और मानव अधिकार" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। सरकारी मिनीमाता बालिका महाविद्यालय बलौदा बाजार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ट्रेंड ऑफ वोटिंग बीहेवियर इन इंडियन डेमोक्रेसी" विषय पर (20–21 सितम्बर 2015) अपना व्याख्यान दिया।

### छात्रों की उपलब्धियाँ –

- रश्मि मौर्य ने विष्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति की परीक्षा पास की।
- अमित गुप्ता ने सी एस डी एस की कार्यशाला में 3–6 जनवरी 2016 को भागीदारी की।
- अमित गुप्ता ने दृष्य–श्रव्य मीडिया,समाज विज्ञान शोध में "दृष्य श्रव्य मिडिया कैसे अपना योगदान देता है" इस विषय पर आयोजित आई एस आई डी की कार्यशाला में 16–21 नवम्बर 2015 को नई दिल्ली में भागीदारी की।

## समाज कार्य विभागः–

विभाग की स्थापना वर्ष 1998 ई. में की गयी। विभाग नये आर्थिक युग में विद्यार्थियों को दक्ष सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में निर्मित करते हुए जीवन की गुणवत्ता, अन्वेशी संस्कृति के प्रोत्साहन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर बल देता है। विभाग अधिगम हेतु कक्षाओं के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से क्षेत्र भ्रमण की व्यवस्था करता है। विष्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग का उददेष्य लोकतंत्र, शांति, मानव अधिकार, लोक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय एवं मानवीय विविधता के प्रति विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता को दृढ करते हुए पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता बनाना है। विभाग विद्यार्थियों को व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामूहिक, सामुदायिक एवं विकास संगठनों के साथ सीधे संबद्ध होकर ज्ञानानुभव की पूरी छूट देता हैं।

शिक्षक इंटरनेट से भी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता देने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। विभाग विद्यार्थियों को समाज एवं विकास क्षेत्रों की चुनौतियों एवं जिम्मेदारियों को समझने एवं जानने के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के साथ भ्रमण की सुविधा भी उपलब्ध कराता है।

## विभागीय गतिविधियाँ

18–21 जनवरी 2016 को एकीकृत शिशु सुरक्षा योजना के पांच संस्थाओं जैसे जुवेनाइल जस्टीस बोर्ड, चाइल्ड ऑबजरवेशन होम, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, सेवा भारती एन.जी.ओ., स्पेशल जुवेनाइल पुलिस सेल, बिलासपुर, छत्तीसगढ के अधीन महिला और शिशु विकास विभाग के सहयोग से बी.एस.डबलू. षष्ठ सेमेस्टर तथा एम.एस.डबलू चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों नें विभाग में चार दिनों के सोशल आडिट का आयोजन किया था। 11 फरवरी 2016 को लाइवलीहुड कॉलेज, रायपुर रोड, निपनिया, छत्तीसगढ में विभाग ने संकाय सदस्यों के साथ एक दिवसीय निरीक्षण दौरा किया। कच्चर समुदाय के विद्याथियों का विद्यालय वातावरण में सर्वांगीण विकास के लिए विभाग ने पाँच विद्यार्थियों (पंकज साहू, दिव्या भारत, नंदिनी पुलस्त , अनीता साहू, रौशनी पांडे) की सहायता से कच्चर समुदाय में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के सहयोग से एक बाल मेला का आयोजन किया।

## विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

23–24 सितम्बर 2015, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा म.प्र. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सोशल वर्क प्रोफेषनः इशूज एण्ड चैलेंजेज में एम.एस.डबलू चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र पंकज साहू, गोपालकृष्ण देवांगन, मनीष देवांगन ने प्रतिभागिता की। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी उ.प्र. में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बी. एस. डब्ल्यू. द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर तथा एम. ए. एस. डब्ल्यू. द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के उन्नीस छात्रों ने प्रतिभागिता की। क्राइस्ट कॉलेज, जगदलपुर छ.ग. में आयोजित तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी इमरजिंग स्कील डेवलपमेंट टेंडर्स इन द फील्ड ऑफ साईंसेज, सोशल साईंसेज एण्ड ऐजूकशन में एम. एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर के चार छात्रों पंकज साहू, गोपाल कष्ण देवांगन मनीष देवांगन और पायल जांगडे ने प्रतिभागिता की। डी. एल.एस. कॉलेज, बिलासपुर छ.ग. में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ड्रग एब्यूज एण्ड एडिक्शन में बी.एस.डब्ल्यू. द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठ सेमेस्टर तथा एम.एस.डबलू. द्वितीय, चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों ने प्रतिभागिता की। डी.एल.एस.कॉलेज बिलासपुर छ.ग. में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ड्रग एब्यूज एण्ड एडिक्शन में एम.एस.डबलू. द्वितीय सेमेस्टर की दो छात्राओं खूशबू शाह और सरिता सोनवानी ने पोस्टर प्रस्तुत किया और एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर के एक छात्र पंकज साहू ने विश्वविद्यालय स्तर पर समाजविज्ञान संकाय एवं मानविकी महोत्सव के सांस्कृतिक मेला अक्श में, एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर की एक छात्रा शिवानी चतुर्वेदी ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में भाग लिया। विश्वविद्यालय की पत्रिका उड़ान सीजन 6 में टेकनिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा दिव्या भारत का चयन हुआ। अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय बास्केट बॉल चैम्पियनशीप 2015 में एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा गायत्री लकडा ने भाग लिया। एम.एस.डबलू.चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र पंकज साहू का सी.एस.आर.यूनिट ऑफ पिरामल फाउन्डेशन पोषित गाँधी फेलोशिप 2016 में चयन हुआ। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के विद्यार्थी परिषद 2016 में संयुक्त सचिव के पद पर एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र पंकज साहू का चयन किया गया। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की पत्रिका उड़ान सीजन 5 में एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र पंकज साहू ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग. में टेक्नीकल फेस्ट में 3 घंटें में 30 हजार के कार्यक्रम का आयोजन और समन्वयन एम.एस.डबलू. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र पंकज साहू ने किया। शिखर युवा मंच एन.जी.ओ. के साथ औसर सहयोग से एम. एस. डबलू. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अक्षय यादव ने एक दिवसीय जागरूक एवं सेंस्टिाइजेशन कार्यशाला चाईल्ड एब्यूज एमोन्ग स्कूल चिल्ड्रेन विषय पर आयोजित किया। एम.एस.डबलू. द्वितीय सेमेस्टर के पाँच छात्रों रूपाली, शशांक दीपिका, महेन्द्र, प्रेम ने यशवंत राव गायतोंडे ने जैव विकास परिषद एन.जी.ओ.के लिए बिलासपुर छ.ग. में आइ.डी.यू.एस. के बीच सर्वेक्षण किया।

## 2.2 सूचना, संचार तकनीकी एवं अभिकलन सुविधाएं

विश्वविद्यालय सूचना तकनीकी साक्षरता, संगणन एवं सूचना विज्ञान वितरण की सुविधाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक हार्डवेयर, मशीन एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित उच्चानुशीलन संगणक केन्द्र है। संगणक केन्द्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.ggu.ac.in) का विकास एवं रख–रखाव करता है और वर्ष 2005 से संचालित इस वेबसाइट में अब 600 से अधिक पेज हैं। संगणक केन्द्र अत्याधुनिक हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर से सुसज्जित है जो अधोलिखित है :–

- हार्डवेयर – डेस्कटाप (50–डयूअल कोर, आई–5 के साथ) लेजर प्रिंटर बी/डब्ल्यू (05), कलर प्रिंटर (01), स्कैनर (04), हब एवं स्वीचेस, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर्स।
- सॉफ्टवेयर – विजुवल स्टूडियों 2008, एमएस ऑफिस 2007, एस क्यू एल सर्वर 2005, विन सर्वर ईएनडी 2003, विन सर्वर 2003 आर 2, आफिस प्रो 2003 मीडिया, एन्टीवायरस के–7।

**वृक्षों की सुंदर चहारदीवारी से घिरा संगणक केन्द्र निम्नांकित सुविधाएं उपलब्ध कराता है :–**

- विश्वविद्यालय के संगणक विज्ञान विभाग द्वारा संगणक केंद्र का अपने प्रयोगशाला हेतु पूर्णतः उपयोग। एम.सी.ए., एम.एस.सी, आई.टी. और पंचवर्षीय (एकीकृत स्नातक/स्नाकोत्तर), बी.एस.सी. (संगणक विज्ञान) के साथ ही अन्य विभागों के विद्यार्थियों के प्रयोग के लिये संगणकीय सुविधाएं मुहैया कराना है।
- विभागों को कम्प्यूटरीकृत करने में विश्वविद्यालय के लक्ष्य को पूरा करने हेतु सहायता।
- विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु संगणक केन्द्र शिक्षण, शोध, प्रशासन, परीक्षा, वित्त में सहायता संबंधी सुविधाएं प्रदान करता है।
- एम.सी.ए./एम.एस.सी./पीएच.डी. परियोजना प्रस्तुती हेतु सी.डी., एल.सी.डी. प्रोजेक्टर के माध्यम से समय–समय पर व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलन आदि की व्यवस्था करना।
- वर्तमान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों/अध्येताओं/शिक्षक सदस्यों/कर्मचारियों को 50 नोड के माध्यम के इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में संगणकीकरण के लक्ष्य को पूरा कराने में सहायता प्रदान करना।
- केन्द्र द्वारा एम.सी.ए. एव बी.टेक छात्रों के प्लेसमेंट के लिये ऑन लाइन परीक्षा हेतु संसाधनों की व्यवस्था करता है।
- एन.के.एन. के माध्यम से प्रख्यात वैज्ञानिकों एवं महामहिम राष्ट्रपति के राष्ट्रस्तरीय ज्ञान आधारित व्याख्यानों के लिये ऑन लाईन व्यवस्था कराना।

**उपलब्धियाँ**

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट (www.ggu.ac.in) को वर्ष 2005 से द्विभाषी (हिन्दी/अंग्रेजी) रुप में तैयार किया गया । केन्द्र विश्वविद्यालय के विभिन्न भागों से प्राप्त ताजातरीन सूचनाओं को अद्यतन करता है।
- जनवरी 2016 में इम्पलॉइ सर्च नामक साप्टवेयर का विकास एवं क्रियान्वयन।
- दिनांक 14–15 मार्च 2016 को संगणक केंद्र में कौशल विकास संबंधित प्रयोगात्मक सत्र का आयोजन।
- एन.आई.सी. सर्वर के माध्यम से विश्वविद्यालय की वेब साईट का पोषण ।
- बी.ई./बी.टेक. (पुराना पाठ्यक्रम) के परीक्षा परिणाम का निर्माण।

## 2.3 मानव संसाधन विकास केन्द्र

15 वें उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी

पुनष्चर्या–पाठ्यक्रम सामाजिक विज्ञान और शुद्ध एवं व्यावहारिक विज्ञान (आई डी)(18.11.15 से 9.12.15)
पुनष्चर्या पाठ्यक्रम व्यावसायिक अध्ययन 30.11.15 से 19.12.15 तक

विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक तथा शोध छात्रों के कौशल एवं क्षमता को बढाने के लिए वर्ष 2015–16 में मानव संसाधन विकास केन्द्र के द्वारा 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 402 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए । कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी निम्नानुसार उल्लिखित है–

1. उन्मुखीकरण कार्यक्रमः– वर्ष 2015–16 में 02 उन्मुखीकरण कार्यक्रम (प्रशिक्षण) आयोजित किए गए, जिसमें महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में नव नियुक्त सहायक प्राध्यापक प्रशिक्षण (उन्मुखीकरण) के विभिन्न आयाम जैसे– 1. विकास, शिक्षा और पर्यावरण 20 शिक्षा का दर्शन 3. भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं शिक्षाशास्त्र 4. संसाधनों की जागरूकता, ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास पर, आमंत्रित बाह्य एवं स्थानीय वरिष्ठ आचार्य/विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। प्रशिक्षणार्थियों को प्रभावी प्रशिक्षण के लिए आई.सी.टी. पर आधारित तकनीकी एवं प्रायोगिक ज्ञान शिक्षण हेतु दिया गया । विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव ने कार्यक्रम के उद्घाटन एवं समापन सत्र में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया

| क. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | अवधि | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | चौदहवां उन्मुखीकरण कार्यक्रम | 11.05.15 से 06.06.15 तक | 40 |
| 2 | पन्द्रहवां उन्मुखीकरण कार्यक्रम | 15.06.15 से 11.07.15 तक | 38 |

2 पुनष्चर्या पाठ्यक्रमः– वर्ष 2015–16 में 04 पुनष्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए गए । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा 134, सहायक प्राध्यापक लाभान्वित हुए । प्रशिक्षणार्थी उक्त प्रतिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों की कुशलता एवं ज्ञान वृद्धि करने हेतु आमंत्रित बाह्य एवं स्थानीय वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण के विभिन्न पाठ्यक्रमों पर व्याख्यान दिए गए । समस्त कार्यक्रमों के प्रारंभिक एवं समापन सत्र में प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा संबोधित किया गया लाभान्वित हुए/प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है–

| क. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | पाठ्यक्रम समन्वयक | अवधि | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रसायन विज्ञान एवं रसायन प्रौद्योगिकी) | प्रो. जी. के. पात्रा, अध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर | 01.05.15 से 21.05.15 | 32 |
| 2 | पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (समाज विज्ञान की शोध प्रविधि तथा शुद्ध एवं व्यावहारिक विज्ञान) | 1. प्रो. पी.जे.मिश्रा, अध्यक्ष, समाज कार्य विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर<br>2. प्रो. जी. के. पात्रा, अध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग, गु. घा.वि.वि., बिलासपुर | 18.11.15 से 09.12.15 | 40 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 3 | पुनश्चर्या कार्यक्रम (बिजनेस स्टडीज) (व्यावसायिक अध्ययन) | प्रो. एल.पी.पटेरिया, अध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर | 30.11.15 से 19.12.15 | 31 |
| 4 | पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन | प्रो. एस.एस.सिंह, अध्यक्ष, वानिकी, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, गु. घा.वि.वि., बिलासपुर | 21.01.16 से 11.02.16 | 31 |

3. लघु अवधि पाठ्यक्रमः– वर्ष 2015–16 में 02 लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 87 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए। उक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों की कुशलता एवं ज्ञान वृद्धि करने हेतु आमंत्रित बाह्य एवं स्थानीय वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। समस्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा प्रारंभिक एवं समापन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित किया गया ।

| क. | कार्यक्रम का नाम | अवधि | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | लघु अवधि पाठ्यक्रम ''प्राचार्य बैठक'' | 18.09.15 तक | 56 |
| 2 | लघु अवधि पाठ्यक्रम ''हरित रसायन विज्ञान एवं नैनो टेक्नोलॉजी'' | 23.11.15 से 28.11.15 तक | 31 |

4. विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम :– वर्ष 2015–16 में विश्वविद्यालय द्वारा 03 प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें 103 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए । समस्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा प्रारंभिक एवं समापन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित किया गया ।

| क. | कार्यक्रम का नाम | अवधि | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | कार्यशाला ''डिजिटल साल्यूशन्स ऑफ लाइब्रेरीज विथ ओपन सोर्स साफ्टवेयर (डॉस) | 04.06.15 से 08.06.15 तक | 45 |
| 2 | राजभाषा कार्यशाला– छः | 25.06.15 तक | 35 |
| 3 | कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य के लिए प्रशिक्षण | 13.08.15 तक | 23 |

गुरु घासीदास विष्वविद्यालय–राजभाषा कार्यषाला छः 25.06.15

लघु अवधि पाठ्यक्रम : प्राचार्य बैठक 18.9.15

5. मानव संसाधन विकास केन्द्र की वित्तीय जानकारी (वित्तीय वर्ष 2015–16)

| क. | स्वीकृत राशि (रू.) | स्वीकृत पत्र कमांक एवं तिथि | वित्तीय वर्ष में प्राप्त अनुदान | वित्तीय वर्ष में व्यय राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 50,00,000/– | पत्र कृ. एफ. 23–9/2014 (एएससी) दिनांक 03 सितम्बर, 2015 | 0 | 48,10,283 |

## 2.4 राष्ट्रीय त्वरक आधारित शोध केंद्र

(यू.जी.सी. एवं डी.ए.ई.–बी.आर.एन.एस. से सहायता प्राप्त)

शुद्व एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग में 3.0 एम वी पेलेट्रान त्वरक सुविधा राष्ट्रीय त्वरक आधाररित शोध केन्द्र के रूप में स्थापित है। इसकी अवधारणा एवं आरंभ विश्वविद्यालय के फ्लैगशिप कार्यक्रम के रूप में किया गया था, जिसे बाद में बारहवें योजना आयोग में यूजीसी से विशेष अनुदान एवं बीआरएनएस के माध्यम से परमाणु उर्जा विभाग की सहायता प्राप्त हुई है। केन्द्र द्वारा तकनीकी सहायता प्राप्त करने एवं शोधार्थियों के आदान–प्रदान विषयक अन्तर्विश्वविद्यालयीन त्वरक केन्द्र से आपसी समझौता पत्र पर सहमतियाँ भी ली गयी हैं। प्रो. पी. के. बाजपेयी इस केन्द्र के समन्वयक हैं।

विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों में अल्प केईवी से एमईवी भ्रमणशील उर्जा आयन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निम्न उर्जा से उच्च उर्जा रूपांतरण की दिशा में आयन–ठोस प्रक्रिया संभावना त्वरक विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में नये शोध के अवसर विकसित कर रहें हैं। त्वरक आधारित अन्तरानुशासनिक शोध केन्द्र पदार्थ विज्ञान, नैनो टेक्नालॉजी, पर्यावरण विज्ञान, पालीमर रसायन विज्ञान, पुरातत्व विज्ञान, मैटेरियल रसायन विज्ञान, जैव विविधता के संरक्षण, जीव विज्ञान, जैव तकनीकी, भैषज विज्ञान, आणविक विज्ञान आदि क्षेत्रों में आयन बीम इरिडेशन, आयन इम्प्लेंटेशन एवं आयन बीम विश्लेषण के माध्यम से अग्रिम पंक्ति के शोध कार्य करने हेतु अनूठी सुविधाऐं प्रदान करता है ।

मार्च 2014 में त्वरक को अभियोजित किया गया एवं सामान्य व विकिरण संबंधी सुरक्षा सुविधाओं को अक्टूबर 2014 तक पूरा कर लिया गया था । इसके उपरान्त 'प्रथम बीम' बारह नवम्बर 2014 को प्राप्त की गयी थी जबकि बीम परीक्षण 6 नवंबर 2014 से प्रारंभ हो गया था। बारह नवम्बर को प्रथम बीम प्राप्त होने के उपरांत परीक्षण पश्चात् प्रस्तुति स्वीकृति 23 नवम्बर 2014 को प्राप्त हुई थी। परमाणु ऊर्जा नियम बोर्ड द्वारा दिसम्बर 2014 में विकिरण सुरक्षा संबंधी निरीक्षण दौरा किया गया, जिसकी संस्तुतियाँ फरवरी 2015 में प्राप्त हुई।

### इस अवधि के दौरान कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं :–

- इन सिफारिशों पर अनुपालन रिपोर्ट 28 मार्च, 2015 को एईआरबी को प्रस्तुत की गई। एईआरबी ने इस प्रतिबंध के साथ कि 4.0 एम बी प्रोटान बीम का प्रयोग किया जाएगा एवं उपयोगी भारी आयन बीमों को परीक्षण प्रयोगों, मशीन संचालन के लिए मंजूरी प्रदान की।

- हमने मई 2015 में मशीन के रख–रखाव हाथों में लिया एवं त्वरक टैंक सफलतापूर्वक खोला, जिसने बाहरी छल्लों द्वारा टर्मिनल संभावित छल्लों से प्रकाश लिंक के आप्टिकल फाइबर केबल की जगह ले ली तथा फाइबर लिंक के माध्यम से सक्रिय जनरेटर के लिए संचार पुनर्स्थापित किया। मशीन का परीक्षण किया गया है । (हवा में त्वरक चलाकर सभी बिजली आपूर्ति एवं प्रकाश लिंक का परीक्षण किया गया ) टेंक और पेलेट्रोन स्वच्छ किया गया है और नियमित रखरखाव के बाद मशीन ठीक से कार्य कर रही है । हमने लगभग एक सप्ताह के लिए वातानुकूलित एवं टर्मिनल क्षमता का परीक्षण किया है। हमने कुछ टर्बो वेंट वाल्व में लिंक खोजकर एवं उसे ठीक करके वैक्यूम का वांछित स्तर प्राप्त किया है। समूचे प्रयोग में एक महीने से अधिक समय लग गया तथा 16–05–2015 को पूर्ण हुआ । हमने परिषद कर्मचारियों से नियमित सुझाव एवं समर्थन प्राप्त किया (श्री जेरेभी कासमेरक एवं डान बेन्हेर्ड ) त्वरक टैंक का सामान्य रखरखाव, एस.एफ. 6 हस्तांतरण इकाई, रिसर्क्यूलेट्री सिस्टम, कम्प्रस्ड एअर (संपीड़ित हवा), चिल्लर यूनिट को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया ।

- (पीआईएक्सई पर भी परीक्षण प्रयोग प्रारम्भ किए गए) विभाग में पीआईएक्सई पद्धति पर प्रयोग प्रारम्भ किए गए। पीआईएक्सई/आरबीएस के माध्यम से संचार माध्यमों की समस्याओं का समाधान भी किया जाता है। कुछ बटरफ्लाई वाल्व द्वारा स्थानांतरित करके शीतजल लाईन का रिसाव को बंद किया गया तथा स्लीपेन्ट की सहायता से एक टर्बो मॉलेक्यूलर पम्प को रखरखाव भी पूर्ण किया गया।

- हमने आईबीएम बीम लाईन एवं आयन इम्टलानटेशन एण्ड स्टेशन दोनों के परीक्षण प्रयोग आयोजित किए। मशीन सामान्य रूप से चालित है एईआरबी द्वारा परीक्षण प्रयोग को दिसम्बर 2015 तक आगे बढ़ाने की अनुमति मिली एवं उन्होंने हमें पूर्ण

सुरक्षित विश्लेषण रिपोर्ट जमा करने को कहा।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केन्द्र के लिए 8 तकनीकी पद (01 विकिरण सुरक्षा अधिकारी, 01 तकनीशियन अधिकारी, 04 मशीन संचालक एवं 02 तकनीकी सहायक) सृजित किए ।
- सुरक्षा समिति की बैठक में प्रदत्त समय–सीमा के भीतर सभी समीक्षात्मक पहलूओं को भी स्वीकार किया गया। सुरक्षा समिति की रिपोर्ट एईआरबी को प्रदान की गई ।
- (बार्क) के समक्ष विकीर्णन के क्षरण का त्रैमासिक विवरण विश्लेषण और विवरण प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया गया । किसी भी समूह को अनुपयोगी विकीर्णन की कोई भी मात्रा नहीं प्राप्त हुई।
- एईआरबी की अंतिम सुरक्षा प्रतिवेदन फरवरी 2016 में प्रस्तुत किया गया। (एईआरबी) ने इस प्रतिवेदन की प्रस्तुति के बाद स्वीकार कर लिया और सुरक्षा के बाबत मशीन चलाने का प्रमाण पत्र जारी किया । केन्द्र के प्रमुख और रेडियेशन सुरक्षा अधिकारी को (एईआरबी) ने 5 अप्रैल 2016 को मुम्बई में आमंत्रित किया जहाँ पर उन्होंने सुरक्षा की अग्रिम रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान इस विषय पर बातचीत की गयी और कमिटी ने इस बात की अनुशंसा करते हुए लाइसेंस जारी किया और ये कहा कि रेडियेशन की सुरक्षा आँकड़ा और बीम ट्रांसपोर्ट डाटा और 5 बीम प्रोटोन्स के द्वारा ट्रांसपोर्ट में इतना अच्छा प्रयोग हुआ जिसने सर्वोत्तम उत्पादन को संभव किया।
- जैसा कि सह–अध्यक्ष के पास समयाभाव के कारण (JAE) डॉ. पी. डी. गुप्ता (CAT) के निर्देशक के साथ (JAC) की बैठक मार्च, 2015 को नहीं दे पायी थी ।
- भौतिक विभाग ने एक प्रोफेसर की पद का सृजन किया जो एक्सीलेटर का विशेषज्ञ हो जिन्हें विभाग के शोधार्थी और प्राध्यापकों को एक्सीलरेटर के बारे में विविध जानकारियों से अवगत कराया।
- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के न्यूक्लियर फिजिक्स विभाग ने भारतीय एटोमिक अनर्जी विभाग (भारत सरकार) के तत्वाधान में एक उच्च स्तरीय कमिटी बनायी गयी। जिसकी अंतिम बैठक (संदर्भ क्र. 2013/34/18/BRNS दिनाँक 19 जून 2013 को का गयी) जिसके तहत एक राष्ट्रीय शोध अनुसंधान केन्द्र की स्थापना का निर्णय लिया गया और यह इसकी अंतिम बैठक 28 जनवरी 2016 को इसे अंतिम परिणति प्रदान की गयी।

**पी.एम.सी.की प्रमुख सिफारिशें निम्नलिखित हैं:–**

1. पीएमसी द्वारा प्रो. बाजपेयी से शीघ्रातिशीघ्र एक राष्ट्रीय उपयोगकर्ताओं की समिति बनाने का अनुरोध किया गया। समिति का उचित राष्ट्रव्यापी प्रतिनिधित्व होना चाहिए तथा त्वरक विज्ञान, परमाणु भौतिकी विज्ञान, संचनित पदार्थ एवं भौतिकी एवं अन्य त्वरक आधारित अनुप्रयुक्त विज्ञान में विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए।
2. प्रो. बाजपेयी ने पी.आई.एस. नाम के साथ बी.आर.एन.एस. के प्रस्तावों की सूची प्रस्तुत करने का अनुरोध भी किया तथा विज्ञान संस्थान ने इन प्रस्तावों को उनके अनुरोध के आधार पर मंजूर अप्रयुक्त बी.आर.एन.एस. फंड को अलग ढंग से उपयोग करने का एक तरीका भी निकाला ।
3. समिति ने एक वर्ष के लिये परियोजना अवधि को विस्तार देने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया ।
4. समिति ने उपयोग ना किये गये अनुदान को बढ़ी हुई अवधि में निम्नलिखित श्रेणियों में व्यय करने का निर्देष दिया :– (ए) लो एनर्जी ऋणात्मक आयन अनुप्रयोग बीम का विकास (ब) प्रयोगशाला के रख रखाव का लक्ष्य (सी) उपकरण खरीदी
5. यह विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों से आ रहे बाह्य उपयोग कर्ताओं के समर्थन के लिए यात्रा अनुदान धन का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया गया था ।
6. समिति ने दो जे.आर.एफ. (कनिष्ठ शोध छात्रों) की नियुक्ति को मंजूरी दी ।

**इस प्रतिवेदन सत्र में निम्नलिखित प्रकाशन हुए**

**अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल**

विभाग के सी. आर. के. मोहन. रंजित डे, शिव पूजन पटेल, राकेश के. पाण्डेय, एम. पी. शर्मा एवं पी. के. बाजपेयी द्वारा पीअर रिव्यूड काम्प्रेस प्रोसेडिंग में इफेक्ट ऑफ स्वीफ्ट हैवी आयन इरेडिएशन आन डिइलेक्ट्रीक रिलेक्सेशन एंड कंडक्शन मशीन इन न्यूक्लीयर इस्ट, एंड मैथड इन फिजिक्स पत्र प्रकाशित किया।

विभाग के टी. त्रिवेदी, एस. पी. पटेल, सी.मलिक, राकेश कुमार, एवं पी.के. बाजपेयी द्वारा डेवलपमेंट आफ रिसर्च फेसिलिटीज यूजिंग हाई करेंट लो एनर्जी पेलेट्रान एक्सलेरेटर बिलासपुर स्थित सिम्पोसियम न्यूक्लियर फिजिक्स 60 2015 930–931 में शोध पत्र प्रकाशित।

विभाग के पी. के. बाजपेयी, शिव पूजन पटेल, टी. त्रिवेदी, सी. मलिक, राकेश कुमार एवं जयदेव देवांगन एस.के.गुप्ता द्वारा पार्टिकल एक्सीलेरेटर सम्मेलन 2015, 362–365 में आयन बीम एण्ड मटेरियलस साईंस फेसिलिटीज यूजिंग हाई करेंट एंड लो एनर्जी 3.0 पार्टिकल एक्सीलेरेटर पत्र प्रकाशित।

विभाग के जयदेव देवांगन, टी. त्रिवेदी, शिव पूजन पटेल, सी.मलिक, राकेश कुमार, एस.के.गुप्ता, पी.के.बाजपेयी द्वारा प्रोसेडिंग ऑफ इंडिया पार्टिकल एक्सीलेरेटर सम्मेलन में 2015–792–794 में पी.एल.सी. बेस्ड कण्ट्रोल सिस्टम एण्ड मेंटिनेंश एक्टीविटिज ऑफ 3.0 बिलासपुर स्थित पेलेट्रान एक्सीलेरेटर सेन्टर पर पत्र प्रस्तुत ।

विभाग के संतोष गुप्ता, टी. त्रिवेदी, शिव पूजन पटेल, सी. मलिक, राकेश कुमार, जयदेव देवागंन, पी. के. बाजपेयी द्वारा सेफ्टि एस्पेक्ट इंप्लिमेंटेड इन एक्सीलेरेटर पत्र इंडिया प्रैक्टिकल एक्सीलेरेटर कान्फ्रेंस में प्रकाशित।

**सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र एवं आमंत्रित व्याख्यान –**

1. विषय :– मैटेरियल मोडिफिकेशन एण्ड कैरेक्टराइजेषन यूजिंग लो एनर्जी आयन एक्सीलरेटर

   द्वारा :– शिवपूजन पटेल, टी. त्रिवेदी, सी. मलिक, पी.के. बाजपेयी

   अवसरः– भौतिकी अध्ययन अंतराष्ट्रीय अकादमी के 18वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, रिसेंट ट्रेड्स इन फिजिकल साइंसेज, विषय आधारित दिनांक 22–24 दिसंबर 2015 इलाहाबाद विष्वविद्यालय, उ.प्र.

2. विषयः– ''3.0 एम.बी. पेलेट्रोन एक्सीलेरेटर आयन इमप्लान्टर इज एन इम्पोरटेंट रिसर्च टूल फोर मैटिरियल्स मोडिफिकेशन''

   द्वारा :– राकेश सिंह, शिव पी. पटेल, टी. त्रिवेदी, सी.मलिक, पी.के. बाजपेयी

   शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर–495009 (छ.ग.) भारत।

   राकेश सिंह एवं शिव पी. पटेल द्वारा पोस्टर प्रस्तुत।

   अवसर :– मार्च, 2015 को राष्ट्रीय कार्यशाला ''एडवान्सेज इन सिंथेसिस एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ मटिरियल्स फोर टेक्नोलोजीकल एप्लिकेशन्स''।

3. विषयः–''न्यूट्रॉन–इन्ड्यूस्ड रियेक्शन क्रॉस– सेक्शन मेजरमेंट्स फोर न्यूक्लियर एस्ट्रोफिजिक्स यूजिंग 3एमवी पार्टिकल एक्सीलेरेटर''

   द्वारा :– तारकेश्वर त्रिवेदी

   अवसर :– 4–8 जनवरी, 2016 आई.ओ.पी. भुवनेश्वर, ''रीसेंट ट्रेंडस इन न्यूक्लियर स्ट्रक्चर एण्ड इट्स इम्प्लीकेशन इन एस्ट्रोफिजिक्स 2016।

4. विषय :– ''इफेक्ट ऑफ IIMev AU3+ आयन इम्प्लान्टेशन ओन ITO कोटेड ग्लासेज : स्ट्रक्चरल एण्ड इलेक्ट्रीकल प्रोपर्टीज''

   द्वारा :– बिन्दू साहू, रंजीत डे, प्रीति ताम्रकार, शर्मीला बाजपेयी, आर.के. पाण्डेय, शिव पी. पटेल और पी.के. बाजपेयी।

अवसर :– 26 से 31 अक्टूबर, 2015 18वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''रेडियेशन इफेक्टस इन इन्सुलेर्टस (REI-18),'' होटल रोयल आर्चिड, जयपुर, राजस्थान, भारत।

5. विषय :– ''रीसेन्ट एडवान्सेज इन मटेरियल साइन्स रिसर्च यूजिंग लो एनर्जी एक्सीलरेटर्स एण्ड फैसिलिटीज एट 3.0 एम.पी. पेलेट्रॉन बेस्ड नेशनल सेंटर फोर एक्सीलरेटर बेस्ड रिसर्च एट बिलासपुर''
   द्वारा :– पी.के. बाजपेयी
   अवसर :– 15–18 मार्च, 2016 ''नेषनल स्कूल कम वर्कशॉप इन एक्सीलरेटर फिजिक्स'' सेंटर फोर एडवान्सड स्टडी इन फिजिक्स, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित।
6. विषय :– एप्लीकेशन ऑफ आयन बीम इन केमिस्ट्री–1
   यू.जी.सी. :– मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 01 मई से 21 मई, 2015 को पी.के. बाजपेयी, पुनष्चर्या पाठ्यक्रम ''केमिस्ट्री एण्ड केमिकल टेक्नोलॉजी'' (पी.के. बाजपेयी द्वारा आमंत्रित व्याख्यान)।
7. विषय :– ''मैटिरियल साइन्स रिसर्च यूजिंग 3.0 एमवी पेलेट्रोन एक्सीलरेटर एट नेशनल सेंटर फोर एक्सीलरेटर बेस्ड रिसर्च एट बिलासपुर।
   यू.जी.सी. :–मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 01 मई से 21 मई, 2015 को पी.के. बाजपेयी, पुनष्चर्या पाठ्यक्रम ''केमिस्ट्री एण्ड केमिकल टेक्नोलॉजी'' (पी.के. बाजपेयी द्वारा आमंत्रित व्याख्यान)।
8. विषय :– ''मैटिरियल साइन्स रिसर्च यूजिंग 3.0 एमवी पेलीट्रोन एक्सीलरेटर एट नेशनल सेंटर फोर एक्सीलेरेटर बेस्ड रिसर्च एट बिलासपुर।''
   द्वारा :– पी.के. बाजपेयी
   अवसर :– राष्ट्रीय कार्यशाला एन.आई.टी., रायपुर द्वारा 17 मार्च, 2016 को आयोजित।
9. विषय :– ''फेसिलिटिज फोर मैटिरियल्स मोडिफिकेशन यूजिंग लो एनर्जी आयन एक्सीलरेटर एट एन.सी.ए.आर., बिलासपुर।
   द्वारा :– पी.के. बाजपेयी।
   अवसर :– 40वाँ भौतिकी संस्था की अकादमिक गतिविधियों, भुवनेश्वर, 7–9 नवम्बर, 2015 को ''यूज ऑफ लो एनर्जी आयन बीम्स'' कार्यशाला आयोजित।
10. विषय :– ''लो एनर्जी पार्टिकल एक्सीलरेटर्स एस एन इम्पोरटेंट टूल फोर मैटिरियल मोडिफिकेशन्स''
    द्वारा :– पी.के. बाजपेयी
    अवसर :– बी.आई.टी., दुर्ग, 21 फरवरी, 2015 को एक राष्ट्रीय सम्मेलन ''नॉनस्ट्रक्चर्ड मैटिरियल्स एण्ड देयर कैरेक्टराईजेशन'' आयोजित।
11. विषय :– ''डिजाईनिंग नैनो स्ट्रक्चर एण्ड मल्टीफंक्शनल मैटिरियल्स यूजिंग आयन बीम्स''
    द्वारा :– पी.के. बाजपेयी
    अवसर :– आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर 11–13 मई, 2015 को ''इनोवेशन्स इन प्रोडक्ट डिजाइन ओट''

# परिसर की जैव विविधता

# मानव संसाधन

## 3. मानव संसाधन

### 3.1 शिक्षक सदस्य

| संवर्ग | स्वीकृत | | | | | | नियुक्त | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सा. | अजा | अजजा | अपिव | शा.अ. | कुल | सा. | अजा | अजजा | अपिव | शा.अ. | कुल |
| आचार्य | 46 | 08 | 04 | - | - | 58 | 15 | 01 | 01 | - | - | 17 |
| सह–आचार्य | 84 | 16 | 08 | - | - | 108 | 34 | 02 | - | - | - | 36 |
| सहा. प्राध्यापक | 137 | 40 | 20 | 72 | 08 | 269 | 93 | 24 | 11 | 45 | 01 | 173 |
| संवर्ग | 267 | 64 | 32 | 72 | 08 | 435 | 142 | 27 | 12 | 45 | 01 | 226 |

### 3.2 गैर शैक्षणिक कर्मचारी

| संवर्ग | स्वीकृत | नियुक्त | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सा. | अपिव | अजा | अजजा | शा. अ. | कुल |
| वर्ग 'अ' | 35+8* | 20 | 03 | 01 | 02 | - | 26 |
| वर्ग 'ब' | 59+6* | 11 | 07 | 06 | 05 | - | 29 |
| वर्ग 'स' | 222+39* | 87 | 69 | 27 | 21 | 06 | 204 |
| वर्ग 'द' (सफाई कर्मचारियों के अतिरिक्त) | 136 | 22 | 23 | 15 | 16 | - | 76 |

* कार्यपरिषद द्वारा स्वीकृत

# वित्तीय संसाधन

# 4. वित्तीय संसाधन

## 4.1 वित्तीय विवरण

वित्तीय वर्ष 2015-16 (01-04-2015 से 31-03-2016)

| तुलन पत्र 31 मार्च, 2016 की स्थिति में | | | |
|---|---|---|---|
| | | | (राशि रूपयों में) |
| निधि के स्रोत | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष |
| सामान्य निधि / पूंजी निधि | 1 | 2337036842.00 | 1047536240.00 |
| निर्दिष्ट / चिन्हित / विन्यास निधि | 2 | 22752019.00 | – |
| चालू देयताएं एवं प्रावधान | 3 | 969678198.00 | 1258204062.00 |
| योग | | **3329467059.00** | **2305740302.00** |
| | | | |
| निधि का अनुप्रयोग | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष |
| स्थायी परिसंपत्ति | 4 | 1476902063.00 | 638544091.00 |
| मूर्त संपत्तियाँ 565002063 /- | | – | – |
| अमूर्त संपत्तियाँ | | – | – |
| पूंजीगत चालू निर्माण कार्य 911900000/- | | – | – |
| चिन्हित / विन्यास निधि से निवेश | 5 | 19700018.00 | – |
| दीर्घकालीन | | – | – |
| अल्पकालीन | | – | – |
| अन्य निवेश | 6 | 1564203309.00 | 1258298148.00 |
| चालू परिसंपत्तियाँ | 7 | 197153727.00 | 304946904.00 |
| ऋण, अग्रिम एवं जमा | 8 | 71507942.00 | 103951159.00 |
| कुल | | **3329467059.00** | **2305740302.00** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ | 23 | | |
| खातों में आकस्मिक देनदारियां एवं टिप्पणियां | 24 | | |

## 4.2 वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु आय एवं व्यय खाता (01.04.2015 से 31.03.2016)

| विवरण | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष |
|---|---|---|---|
| आय | | | |
| अकादमिक प्राप्तियाँ | 9 | 82956259.00 | 82726988.00 |
| अनुदान एवं अनुवृत्ति | 10 | 471093054.00 | 290158039.00 |
| निवेशों से आय | 11 | 17339251.00 | 84184505.00 |
| अर्जित ब्याज | 12 | 3345720.00 | 3991745.00 |
| अन्य आय | 13 | 3688618.00 | 6145571.00 |
| पूर्व अवधि आय | 14 | – | – |
| योग (अ) | | **578422902.00** | **467206848.00** |
| व्यय | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| कर्मचारियों को भुगतान एवं अनुलाभ | 15 | 470452145.00 | 273665208.00 |
| अकादमिक व्यय | 16 | 4207485.00 | 11587838.00 |
| प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय | 17 | 57966190.00 | 50556192.00 |
| परिवहन व्यय | 18 | 2201855.00 | 2907750.00 |
| मरम्मत एवं संधारण | 19 | 2813102.00 | 3678580.00 |
| वित्तीय लागत | 20 | 37032.00 | 38561.00 |
| मूल्यक्षति | 4 | _ | 9230216.00 |
| अन्य व्यय | 21 | _ | _ |
| पूर्व अवधि व्यय | 22 | _ | _ |
| योग (ब) | | **537677809.00** | **351664345.00** |
| आय के व्यय पर आधिक्य की शेष राशि | | **40745093.00** | **115542503.00** |
| गैर योजना अनुदान में स्थानांतरित : (अनुसूची 3 से) | | **40745093.00** | _ |
| अधिशेष/घाटा/संचय निधि में ले जाया गया | | **0.00** | **115542503.00** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां | 23 | | |
| खातों में आकस्मिक देनदारियां एवं नोटस | 24 | | |

## 4.3 अनुसूची–3 चालू देयताएं एवं प्रावधान

4. अन्य जमा (बयाना राशि, सुरक्षा निधि)

| 31.03.2016 के तुलन पत्र के अंश पत्र के रूप में अनुसूची | | |
|---|---|---|
| | | (राशि रूपयों में ) |
| विवरण | अनुसूची | वर्तमान वर्ष |
| अ. चालू देयताएं | | |
| 1. स्टाफ से जमा | _ | - |
| 2. विद्यार्थियों द्वारा जमा | _ | - |
| 3. विविध लेनदार | _ | - |
| अ. सामग्री और सेवाओं हेतु | _ | 50000.00 |
| ब. अन्य | 3287299.00 | 3263751.00 |
| 4. अन्य जमा (बयाना राशि, सुरक्षा निधि) | 65508018.00 | 65060705.00 |
| 5. वैद्यानिक देयताएं | _ | - |
| अ. अतिदेय | _ | - |
| ब. अन्य | 793177.00 | 4650789.00 |
| 6. अन्य चालू देयताएं | | |
| अ. वेतन | _ | - |
| ब. प्रायोजित परियोजनाओं की जमा (अनुसूची–3ए) | 928167.00 | 555164.00 |
| स. प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृति के विरूद्व प्राप्तियां | 185158238.00 | 196075741.00 |
| द. अवशेष अनुदान | 707209813.00 | 569181323.00 |
| य. अन्य निधि | _ | _ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | र. अन्य विविध (वसूली रकम) | 4888667.00 | 4625832.00 |
| | योग | **967773379.00** | **843463305.00** |
| | विवरण | अनुसूची | वर्तमान वर्ष |
| **ब. प्रावधान** | | - | |
| | 1. कराधान के लिये | – | – |
| | 2. उपादान | – | 98923147.00 |
| | 3. सेवानिवृति | – | 99925998.00 |
| | 4. अर्जित अवकाश नगदीकरण | – | 91149047.00 |
| | 5. व्यापारिक आश्वासन / दावे | – | – |
| | 6. परीक्षा के लिये प्रावधान | – | 122322500.00 |
| | 7. विद्युत एवं अन्य के लिये प्रावधान | 1904819.00 | 2420065.00 |
| | कुल (बी) | **1904819.00** | **414740757.00** |
| | **कुल (ए+बी)** | **969678198.00** | **1258204062.00** |
| | | | |
| | नोटः अप्रयुक्त अनुदान 6 (द) अगले वर्ष के लिये अग्रिम में प्राप्त अनुदान में शामिल होगा। | | |

## 4.4 अनुसूची 3 (अ) प्रायोजित परियोजनाएं

**31 मार्च 2016 के तुलन पत्र अंश के रूप में अनुसूची**

राशि रूपयों में

| 1 क.रा. | 2. परियोजनाओं के नाम | प्रारंभिक शेष | | 5 वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली | 6 योग | 7 वर्ष के दौरान व्यय | अंतिम शेष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 नागें | 4 जगा | | | | 8 नागें | 8 जगा |
| 1 | NTPC (Dr. A.K. Dixit) | 555164.00 | - | 324357.00 | 879521.00 | 698105.00 | 181416.00 | - |
| 2 | NTPC S.K.Chaturvedi | – | - | 1197239.00 | 1197239.00 | 450488.00 | 746751.00 | - |
| | योग | **555164.00** | **-** | **1521596.00** | **2076760.00** | **1148593.00** | **928167.00** | **-** |

## 4.5 अनुसूची 3 (ब) : परियोजनाएं / प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति

**31 मार्च 2016 के तुलन पत्र अंश के रूप में अनुसूची**

| 1 क. रा. | 2 प्रायोजक का नाम | प्रारंभिक शेष 01 अप्रेल 2015 की स्थिति में | | वर्ष 2015–16 के दौरान लेनदेन | | अंतिम शेष 31 मार्च 2016 की स्थिति में | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 नागें | 4 जगा | 5 नागें | 6 जगा | 7 नागें | 8 जगा |
| 1 | **AICTE Project** | **6992720.00** | **423492.00** | **2809380.00** | **4809042.00** | **4993057.00** | **423492.00** |
| | AICTE RPS Dr. Sunil Jain | 26871.00 | 0.00 | 932971.00 | 930253.00 | 29589.00 | 0.00 |
| | AICTE RPS Dr Vinod Rangari | 22604.00 | 0.00 | 113704.00 | 112004.00 | 24304.00 | 0.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | AICTE | 1368366.00 | 0.00 | 54885.00 | 0.00 | 1423250.00 | 0.00 |
| | AICTE (CAYT) Dr Harish Rajak | 26122.00 | 0.00 | 1048.00 | 0.00 | 27169.00 | 0.00 |
| | AICTE DR S K Lanjhiyana ) | 1455386.00 | 0.00 | 1599148.00 | 2984951.00 | 69584.00 | 0.00 |
| | AICTE EDC ( Dr. J.S. Dangi) | 170294.00 | 0.00 | 6830.00 | 0.00 | 177124.00 | 0.00 |
| | AICTE EDC Project (Dr. Sanmati Jain) | 502290.00 | 0.00 | 20147.00 | 0.00 | 522436.00 | 0.00 |
| | AICTE E D C Project Dr Shailendra Singh | 763162.00 | 0.00 | 30610.00 | 0.00 | 793773.00 | 0.00 |
| | AICTE - GATE Scholarship | 81718.00 | 0.00 | 3278.00 | 0.00 | 84996.00 | 0.00 |
| | AICTE MODROBS LAB Chief Coord. Dr S N Saha | 1360320.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1360320.00 | 0.00 |
| | AICTE RPS Dr.Kamta Prasad Namdeo | 1207334.00 | 0.00 | 46428.00 | 781834.00 | 471928.00 | 0.00 |
| | AICTE RPS Scheme | 8253.00 | 0.00 | 331.00 | 0.00 | 8584.00 | 0.00 |
| | AICTE RPS Scheme Fin. Asst. (J.S. Dangi) | 0.00 | 6350.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 6350.00 |
| | INSPIRE Programme AICTE | 0.00 | 417142.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 417142.00 |
| **2** | **AYUSH** | | | **1131610.00** | **744227.00** | **387383.00** | |
| | AYUSH Project Dr S.H.Bodakhe Pharmacy | 0.00 | 0.00 | 1131610.00 | 744227.00 | 387383.00 | 0.00 |
| **3** | **Basic Scientific Research Deptt. of Physics** | **3415066.00** | 0.00 | **35677.00** | **0.00** | **3450744.00** | **0.00** |
| **4** | **C Cost** | **78724.00** | **0.00** | **435018.00** | **182392.00** | **331349.00** | **0.00** |
| | C Cost Dr. P.P Murthy Applied Mathemetics | 0.00 | 0.00 | 50000.00 | 50000.00 | 0.00 | 0.00 |
| | C Cost Dr. S.S. Singh Dean Of Natural Resourcess | 0.00 | 0.00 | 50000.00 | 50000.00 | 0.00 | 0.00 |
| | C Cost Dr. Sushil Kumar Shahi | 0.00 | 0.00 | 12484.00 | 12484.00 | 0.00 | 0.00 |
| | Ccost Financial Assistance(Botany) | 28340.00 | 0.00 | 1137.00 | 0.00 | 29477.00 | 0.00 |
| | C Cost Mini Research Project Dr. Bharti Ahirwar | 0.00 | 0.00 | 101786.00 | 0.00 | 101786.00 | 0.00 |
| | C Cost Mini Research Project Dr.(Mrs.) Renu Bhat | 0.00 | 0.00 | 147590.00 | 0.00 | 147590.00 | 0.00 |
| | C Cost Mini Research Project Dr.Surendra H.Bodakhe | 0.00 | 0.00 | 70000.00 | 69908.00 | 92.00 | 0.00 |
| | C Cost Project Grant | 50384.00 | 0.00 | 2021.00 | 0.00 | 52404.00 | 0.00 |
| **5** | **CSIR Project** | **2174418.00** | **53448.00** | **1575881.00** | **2632203.00** | **1096648.00** | **32000.00** |
| | CSIR Project (Dr V.K.Rai) | 576548.00 | 0.00 | 479549.00 | 947772.00 | 108325.00 | 0.00 |
| | CSIR(Dr Bhumi Nath Tripathi) | 0.00 | 32000.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 32000.00 |
| | CSIR (Dr. M. Chakradhara Rao) | 656103.00 | 0.00 | 21777.00 | 255116.00 | 422765.00 | 0.00 |
| | CSIR (Dr Satya Shila Singh) | 846981.00 | 0.00 | 419727.00 | 925749.00 | 340959.00 | 0.00 |
| | CSIR Fellowship Avineesh Singh | 0.00 | 0.00 | 391135.00 | 277200.00 | 113935.00 | 0.00 |
| | CSIR Fellowship(Deepak Kumar Jain & Avineesh Singh) | 0.00 | 21448.00 | 260800.00 | 202166.00 | 37186.00 | 0.00 |
| | CSIR ( Rashmi .Dubey) Chemistry | 86394.00 | 0.00 | 2556.00 | 24200.00 | 64750.00 | 0.00 |
| | CSIR Research Fellowship (Mukesh Kumar Gupta) | 8392.00 | 0.00 | 337.00 | 0.00 | 8728.00 | 0.00 |
| **6** | **DAE BRNS Project** | **54076574.00** | **0.00** | **3328413.00** | **6323519.00** | **51081469.00** | **0.00** |
| **7** | **DBT Project** | **20619525.00** | **22187.00** | **12607536.00** | **22019816.00** | **11185057.00** | |
| | DBT-GGV Builder Program (Biotechnology) B.N.Tiwari | 17458975.00 | 0.00 | 12287743.00 | 20996174.00 | 8750543.00 | 0.00 |
| | DBT | 227638.00 | 0.00 | 4089.00 | 200000.00 | *31728.00* | 0.00 |
| | DBTEPF Project (Dr. Bhupendra Nath Tiwary) | 1090074.00 | 0.00 | 64268.00 | 775642.00 | *378700.00* | 0.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | DBT Project (Dr Monika Bhadoria) | 0.00 | *22187.00* | 202774.00 | 48000.00 | *132586.00* | 0.00 |
| | DBT (RGYI) Dr S K Prajapati | 1842838.00 | 0.00 | 48662.00 | 0.00 | *1891500.00* | 0.00 |
| **8** | **DST Project** | | | **605039.00** | **581589.00** | **23450.00** | |
| | DST Inspire Fellowship (Mr Pranay Soni)) | 0.00 | 0.00 | 347211.00 | 330000.00 | 17211.00 | 0.00 |
| | DST Kumari Sweta SRF | 0.00 | 0.00 | 257828.00 | 251589.00 | 6239.00 | 0.00 |
| **9** | **ICMR** | **91110.00** | **25000.00** | **458791.00** | **427872.00** | **122030.00** | **25000.00** |
| | ICMR (Dr. Sunil Kumar Jain) | 21319.00 | 0.00 | 380.00 | 15000.00 | 6699.00 | 0.00 |
| | ICMR Fellowship (Mr.Vivek Asati) | 69791.00 | 0.00 | 458411.00 | 412872.00 | 115331.00 | 0.00 |
| | ICMR,New Delhi | 0.00 | 25000.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 25000.00 |
| **10** | **ICSSR Project** | **782401.00** | **0.00** | **27881.00** | **97585.00** | **712696.00** | **0.00** |
| | ICSSR(DR Anupama Saxena) | 81258.00 | 0.00 | 792.00 | 69690.00 | 12360.00 | 0.00 |
| | ICSSR (Dr. Balram Oraon) | 608129.00 | 0.00 | 24392.00 | 0.00 | 632520.00 | 0.00 |
| | ICSSR (Dr. Manisha Dubey) | 93014.00 | 0.00 | 2697.00 | 27895.00 | 67816.00 | 0.00 |
| **11** | **IUAC** | **106831.00** | | **256862.00** | **235192.00** | **129780.00** | **1279.00** |
| | IUAC Dr. Tarkeshwar Trivedi Pure & Applied Phy. | 25000.00 | 0.00 | 255972.00 | 151192.00 | 129780.00 | 0.00 |
| | IUAC PROJECT (Dr P K Bajpai) | 81831.00 | 0.00 | 890.00 | 84000.00 | 0.00 | 1279.00 |
| **12** | **MOEF** | **3793814.00** | **0.00** | **374275.00** | **2831081.00** | **1337007.00** | **0.00** |
| | MOEF Air Pollution Project (Dr.S.S.Singh) | 2668042.00 | 0.00 | 47119.00 | 1888343.00 | 826818.00 | 0.00 |
| | MOEF Remote Sensing Project Dr S S Singh | 1125772.00 | 0.00 | 327156.00 | 942738.00 | 510189.00 | 0.00 |
| **13** | **NUEPA Project** | | | **213636.00** | **11290.00** | **202346.00** | |
| | NUEPA C.S.Vazalwar Project | 0.00 | 0.00 | 213636.00 | 11290.00 | 202346.00 | 0.00 |
| **14** | **Other Projects** | **43508485.00** | **24763.00** | **8503438.00** | **8176911.00** | **43810252.00** | |
| | Academic Staff College | 3213484.00 | 0.00 | 5474650.00 | 7108653.00 | 1579481.00 | 0.00 |
| | Academic Staff College(DBT) | 151273.00 | 0.00 | 6067.00 | 0.00 | 157340.00 | 0.00 |
| | Boys Cost Fellowship (Babita Manjhi) | 222593.00 | 0.00 | 0.00 | 222593.00 | 0.00 | 0.00 |
| | C Cost Project Grant (Alpana Ram) | 21469.00 | 0.00 | 0.00 | 21469.00 | 0.00 | 0.00 |
| | Central Councelling Board(AIEEE) | 41716.00 | 0.00 | 1673.00 | 0.00 | 43390.00 | 0.00 |
| | Contribution To Other Parties For Seminar | 75000.00 | 0.00 | 25425.00 | 75000.00 | 25425.00 | 0.00 |
| | Gate Scholarship M.Tech. | 365645.00 | 0.00 | 14666.00 | 0.00 | 380311.00 | 0.00 |
| | Gate Scholarship M.Tech. | 365645.00 | 0.00 | 14666.00 | 0.00 | 380311.00 | 0.00 |
| | GOI Fellowship Scheme for Doctoral Work | 1700.00 | 0.00 | 68.00 | 0.00 | 1769.00 | 0.00 |
| | Grant for Construction of I.T. & Workshop | 3344242.00 | 0.00 | 134136.00 | 0.00 | 3478378.00 | 0.00 |
| | ICFRE Dehradun | 2822498.00 | 0.00 | 113209.00 | 0.00 | 2935707.00 | 0.00 |
| | ICHR(Fellowship) NEW DELHI | 13603.00 | 0.00 | 546.00 | 0.00 | 14149.00 | 0.00 |
| | Indian Academy of Science (Dr G.K.Patra) | 0.00 | 0.00 | 150599.00 | 150599.00 | 0.00 | 0.00 |
| | Indian Council of Social Science Research | 11937.00 | 0.00 | 479.00 | 0.00 | 12416.00 | 0.00 |
| | Mr Prabhat Kumar JRF Fellowship | 171776.00 | 0.00 | 337047.00 | 296199.00 | 212624.00 | 0.00 |
| | National Research Development Corporation,New Delhi | 0.00 | 24763.00 | 24763.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| | NCERT Research Project | 52157.00 | 0.00 | 13078.00 | 58000.00 | 7235.00 | 0.00 |
| | PAO | 316501.00 | 0.00 | 12695.00 | 0.00 | 329196.00 | 0.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Plan Grant for Submission of Sodhganga | 88008.00 | 0.00 | 3530.00 | 0.00 | 91538.00 | 0.00 |
| | Rajeev Gandhi Fellowship (UGC) | 7462227.00 | 0.00 | 291968.00 | 215567.00 | 7538628.00 | 0.00 |
| | Rajiv Gandhi Shiksha Mission,C.G. | 164558.00 | 0.00 | 6600.00 | 0.00 | 171159.00 | 0.00 |
| | RFSMS/BSR Ms. Reena Das | 153788.00 | 0.00 | 6113.00 | 4000.00 | 155900.00 | 0.00 |
| | Sahid Veer Narayan Singh Plan Shodh Peeth Fin. Asst | 1037244.00 | 0.00 | 41603.00 | 0.00 | 1078847.00 | 0.00 |
| | SAIF(Deptt. of Pure & Applied Physics) | 20563288.00 | 0.00 | 1716217.00 | 68.00 | 22279437.00 | 0.00 |
| | SAP(DRS) in the Department of Physics | 362752.00 | 0.00 | 14550.00 | 0.00 | 377302.00 | 0.00 |
| | SIPDA, Bilaspur | 906880.00 | 0.00 | 36374.00 | 0.00 | 943254.00 | 0.00 |
| | Special Grant GOI | 1700.00 | 0.00 | 68.00 | 0.00 | 1769.00 | 0.00 |
| | Women Edu. Devp. Centre Fin. Asst. | 1942446.00 | 0.00 | 77314.00 | 24763.00 | 1994997.00 | 0.00 |
| **15** | **Rajiv Gandhi National Fellowship** | | | **1466706.00** | **665200.00** | **801506.00** | |
| | RGNF-SC Amrish Kumar & Brajkishor Bharti Project | 0.00 | 0.00 | 860828.00 | 447400.00 | 413428.00 | 0.00 |
| | RGNF-ST Ms.Sunita Minj Research Schpler | 0.00 | 0.00 | 605878.00 | 217800.00 | 388078.00 | 0.00 |
| **16** | **SERB Project** | **13689415.00** | **530830.00** | **6541650.00** | **9037859.00** | **11217975.00** | **555602.00** |
| | DST (Dr. Bhaskar Mukherjee) | 332953.00 | 0.00 | 495907.00 | 362906.00 | 465954.00 | 0.00 |
| | DST Dr KVS Rangnath Project | 0.00 | 0.00 | 1291638.00 | 104923.00 | 1186715.00 | 0.00 |
| | DST (Dr Sudhir Kumar Pandey) | 1528284.00 | 0.00 | 58415.00 | 154000.00 | 1432698.00 | 0.00 |
| | D S T Fellowship (Arpita Mani Tripathi | 221234.00 | 0.00 | 8539.00 | 8822.00 | 220951.00 | 0.00 |
| | DST/INSPIRE FELLOWHIP | 0.00 | 457393.00 | 128022.00 | 201274.00 | 0.00 | 530645.00 |
| | D S T Inspire Fellowship (Jagrati Chandrakar) | 232366.00 | 0.00 | 4578.00 | 165440.00 | 71504.00 | 0.00 |
| | DST Inspire Fellowship ( Neha Pandey) | 257600.00 | 0.00 | 7499.00 | 173290.00 | 91809.00 | 0.00 |
| | D S T Inspire Fellowship (Pallavi Singh) | 211341.00 | 0.00 | 239954.00 | 213600.00 | 237695.00 | 0.00 |
| | DST Inspire Fellowship ( Preeti Verma) | 0.00 | 0.00 | 389600.00 | 0.00 | 389600.00 | 0.00 |
| | D S T Inspire Fellowship (Shilpi Prasad) | 165661.00 | 0.00 | 39004.00 | 190000.00 | 14665.00 | 0.00 |
| | DST (Ku. Sweta Tiwari) JRF | 57046.00 | 0.00 | 382053.00 | 55200.00 | 383899.00 | 0.00 |
| | DST Research Project (Dr. Bhumi Nath Tripathi) | 119341.00 | 0.00 | 4787.00 | 0.00 | 124128.00 | 0.00 |
| | DST SERB Dr. Shivani Rai Paliwal Asst. Prof. & Pro | 1340003.00 | 0.00 | 32068.00 | 1329147.00 | 42923.00 | 0.00 |
| | DST Travel Grant | 0.00 | 24957.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 24957.00 |
| | Inspire Dst Priyanka Pandey Jrf | 178162.00 | 0.00 | 7146.00 | 0.00 | 185307.00 | 0.00 |
| | JRF DST Ku. Ekta Jain | 0.00 | 4288.00 | 4288.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| | SERB Dr Bharti Ahirwar | 0.00 | 0.00 | 500000.00 | 0.00 | 500000.00 | 0.00 |
| | SERB (Dr Dhananjay Shukla) | 571508.00 | 0.00 | 14350.00 | 495863.00 | 89995.00 | 0.00 |
| | SERB ( Dr. Kalluri V.S. Ranganth) | 1964436.00 | 0.00 | 66167.00 | 507214.00 | 1523389.00 | 0.00 |
| | SERB(Dr. Kamlesh Shrivas)Chemistry | 1317737.00 | 0.00 | 22590.00 | 1140344.00 | 199983.00 | 0.00 |
| | SERB(DR. PRADEEP DAS) PHYSICS | 1480677.00 | 0.00 | 55867.00 | 610611.00 | 925933.00 | 0.00 |
| | SERB (Dr. Pradeep Singh) | 0.00 | 44192.00 | 911064.00 | 697959.00 | 168913.00 | 0.00 |
| | SERB (Dr. R.P. Prajapati) | 154184.00 | 0.00 | 308089.00 | 217432.00 | 244842.00 | 0.00 |
| | SERB Dr.Santosh Singh Zoology | 0.00 | 0.00 | 1357249.00 | 0.00 | 1357249.00 | 0.00 |
| | SERB (Dr. Satendra Kumar Nirala) | 267140.00 | 0.00 | 7971.00 | 108032.00 | 167079.00 | 0.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | SERB (Dr.V.K.Rai) | 771631.00 | 0.00 | 27133.00 | 151101.00 | 647663.00 | 0.00 |
| | SERB DST (Dr Subhash Banerjee) | 1248087.00 | 0.00 | 43668.00 | 929397.00 | 362358.00 | 0.00 |
| | SERB Manish Kumar Gupta Pure & Appl. Mathemetics | 0.00 | 0.00 | 101576.00 | 0.00 | 101575.00 | 0.00 |
| | SERB Project Dr. Harish Rajak | 1270024.00 | 0.00 | 32428.00 | 1221304.00 | 81148.00 | 0.00 |
| **17** | **UGC Project** | **46746657.00** | **444800.00** | **35664733.00** | **28038516.00** | **54275489.00** | **347411.00** |
| | Ugc Assistane Under SAP(Dr J.S.Dangi)Recurring | 122970.00 | 0.00 | 11277.00 | 0.00 | 134248.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (Dr H S Tiwari) | 309704.00 | 0.00 | 86748.00 | 33890.00 | 362561.00 | 0.00 |
| | Misc. Receipts for Project | 3236440.00 | 0.00 | 19015292.00 | 20060039.00 | 2191693.00 | 0.00 |
| | Sandeep Ku.Sonkar & Sanjay Gupta BSR Research Fello | 0.00 | 0.00 | 849514.00 | 517107.00 | 332407.00 | 0.00 |
| | UGC Adult Education Grant 10th Plan | 425100.00 | 0.00 | 17050.00 | 0.00 | 442150.00 | 0.00 |
| | UGC Assistance SAP (Pharmacy)Non-Recurring | 0.00 | 344828.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 344828.00 |
| | UGC BSR Research Start Up Grant Dr.Bhavna Dixit | 0.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Research Start Up Grant Dr.Subal Das | 0.00 | 0.00 | 609612.00 | 77568.00 | 532044.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Research Start Up Grant Dr.Vibhay Nath Trip | 0.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Rese. Start Up Grant Dr.Manish Kumar Tripat | 0.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Rese.Start Up Grant Dr.Sushant Kumar Verma | 0.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 | 610784.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Res.Startup Grant Dr Naveen Vishwakarma | 600000.00 | 0.00 | 24066.00 | 0.00 | 624066.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Schem Grant | 718163.00 | 0.00 | 10734.00 | 498358.00 | 230539.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Dr Bhaskar Sharma | 612144.00 | 0.00 | 24553.00 | 0.00 | 636697.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Startup Dr. Braj Bhushan Chaturvedi | 576662.00 | 0.00 | 22602.00 | 13529.00 | 585735.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Dr. Garima Tiwari | 610486.00 | 0.00 | 22340.00 | 135226.00 | 497600.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Startup Dr. Jata Shankar | 608218.00 | 0.00 | 24395.00 | 0.00 | 632613.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Startup Dr.K. Kesavan | 241051.00 | 0.00 | 21921.00 | 85503.00 | 177468.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Dr. Sanjay Kumar Bharti | 412251.00 | 0.00 | 10761.00 | 241617.00 | 181395.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Startup Dr. Vivekananda Mandal | 35297.00 | 0.00 | 1136.00 | 15034.00 | 21398.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Amar Nath Sil | 502823.00 | 0.00 | 19913.00 | 13667.00 | 509070.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Akhilesh Kumar Jain) | 88014.00 | 0.00 | 3199.00 | 12723.00 | 78490.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Startup Grant Dr Alka Mishra | 0.00 | 0.00 | 600000.00 | 17800.00 | 582200.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Dr Arjun Patra | 47593.00 | 0.00 | 37451.00 | 20079.00 | 64965.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr.Chandrama P Upadhyaya) | 373855.00 | 0.00 | 14995.00 | 0.00 | 388850.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Dr DEvendra Kumar Patel | 210565.00 | 0.00 | 8446.00 | 0.00 | 219011.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Dinesh Kumar Mishra) | 178231.00 | 0.00 | 7149.00 | 0.00 | 185380.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant DR Jagdish Singh | 339957.00 | 0.00 | 13268.00 | 22115.00 | 331111.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Monika Bhadauria) | 149195.00 | 0.00 | 5984.00 | 0.00 | 155179.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Dr Nishant Jain | 324992.00 | 0.00 | 7427.00 | 198750.00 | 133669.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Dr Partha Pratim Roy | 75289.00 | 0.00 | 3020.00 | 0.00 | 78309.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Dr Rajesh Ugale | 608771.00 | 0.00 | 24418.00 | 0.00 | 633188.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Startup Grant Dr Santosh Singh | 0.00 | 0.00 | 603682.00 | 0.00 | 603682.00 | 0.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Santosh Singh Thakur | 206064.00 | 0.00 | 8265.00 | 97132.00 | 117198.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Satendra Kumar Nirala) | 476895.00 | 0.00 | 13824.00 | 380417.00 | 110302.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Satya Shila Singh) | 395843.00 | 0.00 | 14879.00 | 181376.00 | 229347.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Seema Rai) | 184210.00 | 0.00 | 7365.00 | 23992.00 | 167583.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Subhash Banerjee) | 82654.00 | 0.00 | 3315.00 | 2095.00 | 83875.00 | 0.00 |
| | UGC BSR StartUP Grant(Dr. Sudhir Kumar Pandey) | 612144.00 | 0.00 | 24553.00 | 0.00 | 636697.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start UP Grant Dr Suresh Thareja | 226525.00 | 0.00 | 8143.00 | 56567.00 | 178101.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Santosh Kumar Prajapati | 518570.00 | 0.00 | 20353.00 | 24866.00 | 514057.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant(Shri Koti NVV Voraprasad) | 596690.00 | 0.00 | 23816.00 | 16387.00 | 604120.00 | 0.00 |
| | UGC BSR Start Up Grant Smt Aishwarya Baghel | 608771.00 | 0.00 | 24418.00 | 0.00 | 633188.00 | 0.00 |
| | UGC DAE CSR Dr Goverdhan Reddy | 224771.00 | 0.00 | 11036.00 | 180963.00 | 54844.00 | 0.00 |
| | UGC Emirates Fellowship | 0.00 | 2583.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 2583.00 |
| | UGC Grant for Women Hostel, 10th Plan | 1417000.00 | 0.00 | 56835.00 | 0.00 | 1473835.00 | 0.00 |
| | UGC Infrastructure Grant for Biotechnology | 1028563.00 | 0.00 | 41255.00 | 0.00 | 1069818.00 | 0.00 |
| | UGC Infrastructure Grant for Pharmacy | 1716005.00 | 0.00 | 68828.00 | 0.00 | 1784834.00 | 0.00 |
| | UGC Instrumentation Maintaince Facility Fin. Asst. | 88818.00 | 0.00 | 3562.00 | 0.00 | 92381.00 | 0.00 |
| | UGC JRF Fellow. Grant | 254304.00 | 0.00 | 10200.00 | 0.00 | 264504.00 | 0.00 |
| | U.G.C. JRF Fellowship | 485733.00 | 0.00 | 19483.00 | 141533.00 | 363682.00 | 0.00 |
| | U.G.C. JRF Fellowship (Biotechnology) | 0.00 | 4000.00 | 4000.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| | UGC JRF Grant -Ritesh Jain | 181620.00 | 0.00 | 7285.00 | 0.00 | 188905.00 | 0.00 |
| | UGC JRF Grant Santosh Kumar (Hindi ) | 0.00 | 0.00 | 243269.00 | 198000.00 | 45269.00 | 0.00 |
| | UGC JRF Mr.Raj Kumar Fellowship | 0.00 | 0.00 | 206730.00 | 0.00 | 206730.00 | 0.00 |
| | UGC JRF Ms.Jyoti Verma | 0.00 | 0.00 | 417085.00 | 319581.00 | 97504.00 | 0.00 |
| | UGC JRF Rahul Kumar Prasad | 0.00 | 0.00 | 262030.00 | 0.00 | 262030.00 | 0.00 |
| | UGC Life Long Learning & Ext. Fin. Asst. | 986232.00 | 0.00 | 39557.00 | 0.00 | 1025789.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr. Arti Shrivastava | 305343.00 | 0.00 | 14707.00 | 137014.00 | 183036.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr Asamanja Chattoraj | 509904.00 | 0.00 | 3055.00 | 493007.00 | 19952.00 | 0.00 |
| | UGC MRP(Dr. Bhuminath Tripathi) | 24501.00 | 0.00 | 983.00 | 0.00 | 25484.00 | 0.00 |
| | UGC MRP(Dr B.N.Tiwari) | 80119.00 | 0.00 | 2016.00 | 70754.00 | 11381.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr. Dilipkumar Pal | 46663.00 | 0.00 | 1872.00 | 0.00 | 48534.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr.Goverdhan Reddy Turpu Depa.Pure & App. P | 0.00 | 0.00 | 935037.00 | 0.00 | 935037.00 | 0.00 |
| | UGC MRP(Dr. Harish Rajak) | 88247.00 | 0.00 | 129849.00 | 218095.00 | 1.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr Harit Jha | 0.00 | 74540.00 | 339333.00 | 234246.00 | 30547.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (Dr. H S Hota) | 11730.00 | 0.00 | 470.00 | 0.00 | 12200.00 | 0.00 |
| | UGC MRPDr. Krishna Kumar Chandra | 440782.00 | 0.00 | 13841.00 | 240266.00 | 214357.00 | 0.00 |
| | UGC MRp (Dr.Madhvendra Nath Tripathi) | 133384.00 | 0.00 | 4489.00 | 68668.00 | 69205.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr.Manoj Kumar Dubey | 1053783.00 | 0.00 | 42267.00 | 0.00 | 1096050.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr.Manorama | 205116.00 | 0.00 | 7878.00 | 12305.00 | 200689.00 | 0.00 |
| | Ugc Mrp Dr Monika Bhaduria | 398750.00 | 0.00 | 30677.00 | 190415.00 | 239013.00 | 0.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Ugc Mrp Dr Mukesh Kumar Singh | 1010943.00 | 0.00 | 40548.00 | 0.00 | 1051491.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr.Parjat Thakur Pure & Applied Physics | 0.00 | 0.00 | 643951.00 | 20322.00 | 623629.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (Dr. P K Bajpai) | 903205.00 | 0.00 | 33753.00 | 92013.00 | 844944.00 | 0.00 |
| | UGC MRP DR. P.P. Murthy | 502902.00 | 0.00 | 16767.00 | 177437.00 | 342233.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (Dr. Pradeep Kumar Samal) | 73357.00 | 0.00 | 2819.00 | 38897.00 | 37279.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (DR Rakesh Kumar Pandey) | 63624.00 | 0.00 | 106070.00 | 23830.00 | 145864.00 | 0.00 |
| | UGC MRP(Dr Ravi Shanker Pandey) | 13642.00 | 0.00 | 188991.00 | 168637.00 | 33996.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr.R.P.Prajapati,Pure & Applied Physics | 0.00 | 0.00 | 1082274.00 | 64810.00 | 1017464.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr Sambit Padhi | 19231.00 | 0.00 | 39340.00 | 12009.00 | 46562.00 | 0.00 |
| | UGC MRP(Dr. Sanjay Kumar Lanjhiyana) | 0.00 | 17707.00 | 67707.00 | 48626.00 | 1374.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr Santosh Kumar Prajapati | 136384.00 | 0.00 | 5209.00 | 14647.00 | 126946.00 | 0.00 |
| | Ugc Mrp Dr Satendra Kumar Nirala | 466564.00 | 0.00 | 280321.00 | 472628.00 | 274257.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr Satya Shila Singh | 478073.00 | 0.00 | 14995.00 | 192999.00 | 300069.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (Dr. Seema Rai) | 67976.00 | 0.00 | 2726.00 | 0.00 | 70703.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr. Shailendra Kumar | 1114420.00 | 0.00 | 42209.00 | 445500.00 | 711129.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr. Soma Das | 706135.00 | 0.00 | 21986.00 | 449095.00 | 279026.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr Sudhir Kumar Pandey | 0.00 | 0.00 | 988603.00 | 0.00 | 988603.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Dr. Vinod D. Rangari | 233529.00 | 0.00 | 9367.00 | 0.00 | 242896.00 | 0.00 |
| | UGC MRP (Dr V.K. Rai) | 0.00 | 1142.00 | 10367.00 | 0.00 | 9225.00 | 0.00 |
| | Ugc Mrp Ms Alka Ekka | 70850.00 | 0.00 | 2842.00 | 0.00 | 73692.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Prof SN Saha | 246780.00 | 0.00 | 9826.00 | 5762.00 | 250844.00 | 0.00 |
| | UGC MRP Project (Dr. Harish Kumar) | 12177.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 12177.00 | 0.00 |
| | UGC Net Coaching for Sc/St Students | 788986.00 | 0.00 | 3861213.00 | 0.00 | 4650199.00 | 0.00 |
| | UGC NET Coaching Grant | 763724.00 | 0.00 | 30633.00 | 0.00 | 794357.00 | 0.00 |
| | UGC NET Exam December 2013 | 460730.00 | 0.00 | 18480.00 | 0.00 | 479210.00 | 0.00 |
| | UGC NET Exam December 2014 | 573870.00 | 0.00 | 13375.00 | 247316.00 | 339929.00 | 0.00 |
| | UGC One Time Grant for Merged Scheme | 6188833.00 | 0.00 | 248231.00 | 0.00 | 6437064.00 | 0.00 |
| | UGC One Time Grant for Merged Scheme | 6188833.00 | 0.00 | 248231.00 | 0.00 | 6437064.00 | 0.00 |
| | UGC SAP DRS-I (Pharmaceutical Science) | 449242.00 | 0.00 | 18019.00 | 0.00 | 467261.00 | 0.00 |
| | UGC SAP Physics ( P.K. Bajpai ) | 5399937.00 | 0.00 | 216589.00 | 0.00 | 5616526.00 | 0.00 |
| | UGC Start Up (Dr Manish Kumar Gupta) | 588060.00 | 0.00 | 23970.00 | 27043.00 | 584987.00 | 0.00 |
| | UGC Startup Grant (Dr. Bhaskar Chaurasia) | 415978.00 | 0.00 | 12903.00 | 286261.00 | 142620.00 | 0.00 |
| | **कुल योग** | **196075740.00** | **1524520.00** | **76036526.00** | **86814294.00** | **185158238.00** | **1384784.00** |

नोटः 1. अनुसूची की जमा शेष राशि प्रायोजित फेलोशिप व छात्रवृति के विरूद्व अनुसूची 3 प्राप्तियों को एवं ऋण शेष राशि, अग्रिम ऋण एवं जमा के अंतर्गत अनुसूची 8 को हस्तांतरित

नोटः 2. उक्त संदर्भित परियोजनाओं को आबंटित ब्याज रूपयें 3450872/– जमा लेनदेन में शामिल है।

## 4.6 अनुसूची : 3(सी): भारत सरकार, यूजीसी एवं राज्य सरकार से प्राप्त शेष अनुदान

| अ. योजना अनुदानः भारत सरकार | | |
|---|---|---|
| विवरण | वर्तमान वर्ष | पूर्व वर्ष |
| अ. योजना अनुदान : भारत सरकार | | |
| शेष लाया गया | – | – |
| जोड़ाः वर्ष के दौरान प्राप्ति | – | – |
| **योग (ए 1)** | **0.00** | **0.00** |
| घटाया : वापसी | – | – |
| घटाया : राजस्व व्यय के लिये उपयोग | – | – |
| घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग | – | – |
| **योग (ए 2)** | **0.00** | **0.00** |
| **अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (ए1–ए 2)** | **0.00** | **0.00** |
| **ब. यूजीसी अनुदान –11** | | |
| शेष लाया गया | 33887500.00 | 47068122.00 |
| जोड़ाः वर्ष के दौरान प्राप्ति | | |
| जोड़ाः निधि पर ब्याज | 2711000.00 | 3983273.00 |
| **योग (बी–1)** | **36598500.00** | **51051395.00** |
| घटाया : वापसी | | |
| घटाया : राजस्व व्यय के लिये उपयोग | | |
| घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग | – | 17163895.00 |
| **योग (बी–2)** | **0.00** | **17163895.00** |
| **अप्रयुक्त आगे बढ़ाया ( बी 1–बी 2 )** | **36598500.00** | **33887500.00** |
| **स. यूजीसी अनुदान 12** | | |
| शेष लाया गया | 366354769.00 | 327893187.00 |
| जोड़ाः वर्ष के दौरान प्राप्ति | 249000000.00 | 256000000.00 |
| जोड़ाः निधि पर ब्याज | 34615028.00 | 19471404.00 |
| **जोड़ा अन्य** | 2064512.00 | 622266.00 |
| **योग (बी1)** | **652034309.00** | **603986857.00** |
| घटाया : वापसी | 0.00 | |
| घटाया : राजस्व व्यय के लिये उपयोग | 7748156.00 | 153824046.00 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | घटायाः फैलोशिप के लिए उपयोग एवं अन्य (विलय योजना एवं यूजीसी फैलोशिप) | 12867348.00 | 14039968.00 |
| | घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग | 1552584.00 | 69768074.00 |
| | योग (बी2) | **22168088.00** | **237632088.00** |
| | **अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (बी 1–बी 2)** | **629866221.00** | **366354769.00** |
| **इ. यूजीसी अनुदान गैर योजना** | | | |
| | शेष लाया गया | 168939054.00 | 208594000.00 |
| | जोड़ाः वर्ष के दौरान प्राप्ति | 302154000.00 | 231656000.00 |
| | जोड़ाः निधि पर ब्याज | 20684971.00 | 18847093.00 |
| | जोड़ाः अन्य प्राप्तियां | 86644876.00 | |
| | **जोड़ा अन्य** | | |
| | योग (सी 1) | **578422901.00** | **459097093.00** |
| | घटाया : वापसी | 0.00 | – |
| | घटाया : राजस्व व्यय के लिये उपयोग | 535989833.00 | 290158039.00 |
| | घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग | 1687976.00 | – |
| | योग (सी 2) | **537677809.00** | **290158039.00** |
| | **अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (सी 1–सी 2) आय एवं व्यय खाते का अधिशेष** | **40745092.00** | **168939054.00** |
| **द राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान** | | | |
| | शेष लाया गया | – | – |
| | जोड़ाः वर्ष के दौरान प्राप्ति | – | – |
| | योग (डी 1) | **0.00** | **0.00** |
| | घटाया : वापसी | – | – |
| | घटाया : राजस्व व्यय के लिये उपयोग | – | – |
| | घटाया : पूंजी व्यय के लिये उपयोग | – | – |
| | योग (डी 2) | **0.00** | **0.00** |
| | **अप्रयुक्त आगे बढ़ाया (डी 1–डी 2)** | **0.00** | **0.00** |
| | **कुल योग (ए+बी+सी+डी)** | **707209813.00** | **569181323.00** |
| नोटः | | | |
| 1 | अप्रयुक्त अनुदान में अगले वर्ष के लिये अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है। | | |
| 2 | बैंक शेष की संपत्तियां, लघु अवधि जमा, व पूंजी खातें में अग्रिम के रूप में अप्रयुक्त अनुदान को प्रस्तुत किया जाता है। | | |

## 4.7 01 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 की अवधि हेतु प्राप्ति भुगतान खाता

| प्राप्तियां | | | वर्तमान वर्ष | पूर्ववर्ती वर्ष | भुगतान | | | वर्तमान वर्ष | पूर्व वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रारंभिक शेष | | | | 1. | व्यय | | | |
| | अ. | रोकड़ शेष | | | | अ | स्थापना व्यय | 470452145.00 | 273665208.00 |
| | ब. | बैक शेष | 304946901.00 | | | ब | अकादमिक व्यय | 4207485.00 | 11537838.00 |
| | | i. चालू खाता | | | | स | प्रशासनिक व्यय | 56092437.00 | 50556192.00 |
| | | ii. जमा खाता | | | | द | परिवहन व्यय | 2201855.00 | 2907750.00 |
| | | iii. बचत खाता | | | | य | सुधार एवं मरम्मत | 2813102.00 | 3678580.00 |
| | | | | | | र | पूर्व अवधि व्यय | | |
| 2. | प्राप्त अनुदान | | | | 2. | निर्दिष्ट/विन्यास निधि फंड के विरूद्व भुगतान | | 912884.00 | |
| | a) | भारत सरकार से | | | | | | | |
| | b) | राज्य सरकार से | | | | | | | |
| | c) | अन्य स्रोतो से | 543669000.00 | 398406000.00 | | | | | |
| | योजना अनुदान रू 244000000,5000000 गैर योजना अनुदान रू.265419000,29250000 | | | | | | | | |
| 3. | अकादमिक प्राप्तियां | | 86644877.00 | 88860594.00 | 3. | प्रायोजित परियोजनाओं/योजना के विरूद्व भुगतान | | 834194.00 | |
| 4. | निर्दिष्ट/विन्यास निधि फंड के विरूद्व प्राप्तियां | | 988577.00 | – | 4. | प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विरूद्व भुगतान | | 26126844.00 | 46578383.00 |
| 5. | प्रायोजित परियोजनाओ/योजना के विरूद्व प्राप्तियां | | 1197239.00 | – | 5. | निवेश एव जमा | | | |
| | | | | | | अ) | चिन्हित/विन्यास निधि से | | |
| | | | | | | ब) | स्वयं के कोष से बाहर (अन्य निवेश) | 816702759.00 | 1103049654.00 |
| 6. | प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विरूद्व प्राप्तियां | | 42142078.00 | 84304669.00 | 6. | अनुसूची बैकों सावधि जमा | | | |
| 7. | निवेश से आय | | | | 7. | स्थायी परिसम्पत्ति और चालू निर्माण कार्य व्यय | | | |
| | अ) | चिन्हित/विन्यास निधि | | | | अ) | स्थायी परिसम्पत्ति | 3240560.00 | 101199316.00 |
| | ब) | अन्य निधि | | | | ब) | चालू निर्माण कार्य | | |
| 8. | प्राप्त ब्याज | | | | 8 | वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान | | | 165539768.00 |
| | अ) | बैक जमा पर | 55920075.00 | 105089722.00 | | | | | |
| | ब) | ऋण, अग्रिम आदि पर | | | | | | | |
| | स) | बचत खाता | 3326531.00 | 3862965.00 | | | | | |
| 9. | निवेश भुनाया (शुद्व) | | 558296880.00 | 1145700296.00 | 9. | अनुदान की वापसी/भुगतान | | | |
| 10. | अनुसूची बैंकों की सावधि जमा–भुनायी | | | | 10. | जमा एवं अग्रिम | | 18985289.00 | |
| 11. | अन्य आय (पूर्ववर्ती आय के साथ) | | | | 11. | अन्य भुगतान | | | |
| 12. | जमा एवं अग्रिम | | 2591123.00 | 3014790.00 | 12. | अंतिम शेष | | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | अ) | रोकड़ शेष | | |
| | | | | | | ब) | बैंक शेष | | |
| | | | | | | | i. चालू खाता | | |
| | | | | | | | ii. जमा खाता | | |
| | | | | | | | iii. जमा खाता (शुद्ध) | 197153727.00 | 304946901.00 |
| 13. | वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां | | 0.00 | | | | | | |
| 14. | कोई अन्य राशि ब्योरा दीजिए | | 4683282.00 | | | | | | |
| | **योग** | **1599723281.00** | **2063659590.00** | **योग** | | | | **1599723281.00** | **2063659590.00** |
| **Note:- બેંક પ્રારંભિક શેષ રૂપયે 304946901/- (305053713-106812)** | | | | | | | | | |
| **બેંક પ્રારંભિક શેષ રૂપયે Rs.197153727/- (201084108-3930381)** | | | | | | | | | |

# छात्र
# सांख्यिकी एवं सुविधायें

# 5. छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएँ

## 5.1 छात्र संख्या

### 5.1.1 कुल छात्र

| विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग | छात्र | छात्राएँ | कुल |
|---|---|---|---|
| | 3984 | 2783 | **6767** |

### 5.1.2 नये नामांकन

| विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग | छात्र | छात्राएँ | कुल |
|---|---|---|---|
| | 1484 | 1097 | **2581** |

### 5.1.3 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग : छात्र संख्या

| क्र. | विभाग | पाठ्यक्रम | सीट सं. | कुल | | अजा | | अजजा | | अपवि | | अनारक्षित | | अल्पसंख्यक | | दिव्यांग | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | TOTAL | F | T | F | T | F | T | F | T | F | T | F | T | F |
| 1 | अंग्रेजी | Inte. UG/PG in English I Year | 60 | 23 | 14 | 4 | 2 | 3 | 0 | 7 | 7 | 9 | 5 | 1 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in English II Year | 60 | 16 | 16 | 2 | 2 | 0 | 0 | 2 | 2 | 12 | 12 | 1 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in English III Year | 60 | 3 | 2 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | | | | |
| | | P.G. in English (Pre) | 60 | 31 | 19 | 10 | 4 | 3 | 0 | 4 | 3 | 14 | 12 | | | | |
| | | P.G. in English (Final) | 60 | 9 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 1 | 7 | 4 | 3 | 1 | | |
| | | Ph.D. | | 13 | 6 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 11 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| 2 | हिन्दी | Inte. UG/PG in Hindi I Year | 60 | 28 | 15 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 28 | 15 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Hindi II Year | 60 | 9 | 8 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 9 | 8 | | | 1 | 1 |
| | | Inte. UG/PG in Hindi III Year | 60 | 10 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 10 | 2 | | | | |
| | | P.G. in Hindi (Pre) | 60 | 11 | 10 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 11 | 10 | | | | |
| | | P.G. in Hindi (Final) | 60 | 5 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 2 | | | | |
| | | Ph.D. | | 5 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान | Inte. UG/PG in Library &I.Sc. I Year | 60 | 9 | 3 | 0 | 0 | 2 | 0 | 2 | 1 | 5 | 2 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Library &I.Sc. II Year | 60 | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Library &I.Sc. III Year | 60 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | | | |
| | | B. Lib. &I.Sc | 60 | 33 | 19 | 14 | 8 | 2 | 1 | 10 | 5 | 26 | 5 | | | | |
| | | M. Lib. & Inf. Sc. | 50 | 34 | 23 | 10 | 7 | 5 | 2 | 11 | 7 | 8 | 7 | | | | |
| | | Ph.D. | | 6 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग | Inte. UG/PG in Journalism & MC I Year | 60 | 37 | 15 | 7 | 3 | 1 | 1 | 11 | 4 | | | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Journalism & MC II Year | 60 | 17 | 9 | 4 | 0 | 1 | 1 | 4 | 2 | 8 | 6 | 0 | 0 | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Inte. UG/PG in Journalism & MC III Year | 60 | 13 | 3 | 4 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 7 | 2 | 0 | 0 | | |
| | | MMCJ (Pre) | 30 | 7 | 3 | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 4 | 2 | 1 | 1 | | |
| | | MMCJ (Final) | 30 | 7 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | | |
| | | Ph.D. | | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | | |
| **5** | अर्थशास्त्र विभाग | Inte. UG/PG in Economics I Year | 60 | 33 | 16 | 3 | 1 | 6 | 2 | 12 | 4 | 12 | 9 | 2 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in Economics II Year | 60 | 21 | 10 | 5 | 3 | 8 | 2 | 4 | 2 | 4 | 3 | 1 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in Economics III year | 60 | 14 | 5 | 3 | 0 | 2 | 0 | 5 | 2 | 4 | 3 | 1 | 0 | | |
| | | PG in Economics (Pre) | 30 | 12 | 7 | 1 | 0 | 6 | 4 | 3 | 1 | 2 | 2 | 2 | 1 | | |
| | | PG in Economics (Final) | 30 | 3 | 2 | 0 | 0 | 1 | 1 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | | |
| | | Ph.D. | | 7 | 2 | 1 | 0 | 1 | 1 | 2 | 0 | 3 | 1 | 2 | 1 | 0 | 0 |
| **6** | इतिहास | Inte. UG/PG in History I Year | 60 | 25 | 6 | 7 | 1 | 8 | 4 | 6 | 0 | 21 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 |
| | | Inte. UG/PG in History II Year | 60 | 14 | 4 | 6 | 1 | 5 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in History III Year | 60 | 12 | 3 | 6 | 2 | 2 | 0 | 1 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | | |
| | | PG in History (Pre) | 30 | 9 | 5 | 4 | 2 | 0 | 0 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 | 1 | | |
| | | PG in History (Final) | 30 | 5 | 2 | 2 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | | |
| | | Ph.D. | | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| **7** | राजनीति शास्त्र | Inte. UG/PG in Pol. Sc. I Year | 60 | 29 | 13 | 5 | 1 | 5 | 1 | 9 | 5 | 10 | 6 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Pol. Sc. II Year | 60 | 9 | 5 | 0 | 0 | 2 | 1 | 1 | 0 | 6 | 4 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Pol. Sc. III Year | 60 | 18 | 5 | 5 | 0 | 1 | 0 | 6 | 2 | 6 | 3 | | | | |
| | | PG in Pol Sc. (Pre) | 30 | 4 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | | | | |
| | | PG in Pol Sc. (Final) | 30 | 8 | 3 | 2 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 0 | | | | |
| | | Ph.D. | | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **8** | समाज कार्य | BSW I Year | 30 | 5 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| | | BSW-II Year | 30 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | | | | |
| | | BSW III Year | 30 | 5 | 4 | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| | | MSW (Pre) | 60 | 15 | 9 | 6 | 3 | 1 | 1 | 2 | 2 | 6 | 3 | | | | |
| | | MSW (Final) | 60 | 27 | 18 | 5 | 3 | 3 | 3 | 8 | 4 | 11 | 8 | 2 | 0 | | |
| | | Ph.D. | | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **9** | शिक्षा शास्त्र | B.Ed. | 50 | 50 | 12 | 6 | 3 | 6 | 3 | 29 | 5 | 9 | 1 | | | 1 | 0 |
| | | B.Ed. Spl.Edu. HI | 30 | 30 | 10 | 9 | 0 | 2 | 2 | 14 | 6 | 3 | 2 | | | | |
| | | B.Ed. Spl.Edu. LD | 30 | 19 | 6 | 13 | 3 | 2 | 0 | 1 | 1 | 3 | 2 | | | | |
| | | M.Ed. | 50 | 50 | 11 | 12 | 3 | 4 | 3 | 27 | 4 | 7 | 1 | | | 1 | 0 |
| | | Ph.D. | | 18 | 6 | 4 | 1 | 1 | 1 | 7 | 0 | 6 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **10** | वाणिज्य | Inte. UG/PG in Commerce I Year | 120 | 120 | 52 | 26 | 8 | 13 | 5 | 45 | 20 | 36 | 19 | 3 | 1 | 2 | 1 |
| | | Inte. UG/PG in Commerce II Year | 500 | 435 | 190 | 63 | 28 | 53 | 16 | 113 | 45 | 206 | 101 | 10 | 4 | 1 | 0 |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Inte. UG/PG in Commerce III Year | 500 | 321 | 167 | 42 | 19 | 30 | 6 | 61 | 32 | 188 | 110 | 8 | 3 | 0 | 0 |
| | | M.Com (Pre) | 500 | 68 | 34 | 7 | 3 | 9 | 5 | 14 | 7 | 38 | 19 | 7 | 4 | 1 | 1 |
| | | M.Com. (Final) | 500 | 91 | 54 | 16 | 5 | 14 | 6 | 18 | 10 | 43 | 33 | 5 | 1 | 1 | 1 |
| **11** | प्रबंध अध्ययन | M.B.A. (Pre) | 60 | 62 | 32 | 10 | 4 | 1 | 0 | 18 | 4 | 33 | 23 | 1 | 1 | 0 | 0 |
| | | M.B.A. (Final) | 60 | 63 | 25 | 11 | 3 | 3 | 1 | 18 | 3 | 31 | 18 | | | | |
| | | Ph.D. | | 15 | 6 | 3 | 1 | 1 | 1 | 4 | 2 | 7 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| **12** | मानवशास्त्र | Inte. UG/PG in Anthropology I Year | 60 | 49 | 28 | 9 | 5 | 7 | 4 | 18 | 10 | 15 | 9 | 1 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in Anthropology II Year | 60 | 29 | 18 | 3 | 2 | 5 | 1 | 7 | 5 | 14 | 10 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Anthropology III Year | 60 | 7 | 3 | 1 | 0 | 3 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| | | PG in Anthropology (Pre) | 40 | 2 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | | | |
| | | PG in Anthropology (Final) | 40 | 4 | 3 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | | | | |
| | | Ph.D. | | 5 | 2 | 2 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **13** | जैव प्रौघोगिकी विभाग | Inte. UG/PG in Biotechnology I Year | 60 | 60 | 36 | 13 | 6 | 6 | 3 | 20 | 13 | 21 | 14 | 2 | 2 | | |
| | | Inte. UG/PG in Biotechnology II Year | 60 | 43 | 33 | 6 | 3 | 6 | 3 | 11 | 8 | 20 | 19 | 5 | 5 | | |
| | | Inte. UG/PG in Biotechnology III Year | 60 | 27 | 21 | 1 | 1 | 3 | 2 | 6 | 5 | 17 | 13 | 1 | 1 | | |
| | | PG in Biotechnology (Pre) | 60 | 60 | 47 | 8 | 3 | 7 | 5 | 19 | 15 | 26 | 24 | 2 | 1 | | |
| | | PG in Biotechnology (Final) | 60 | 30 | 19 | 2 | 0 | 2 | 1 | 9 | 3 | 17 | 15 | 1 | 1 | | |
| | | Ph.D. | | 17 | 13 | 4 | 2 | 1 | 1 | 5 | 4 | 7 | 6 | 1 | 1 | 0 | 0 |
| **14** | वनस्पति शास्त्र | Inte. UG/PG in Botany I Year | 60 | 59 | 37 | 7 | 3 | 16 | 12 | 25 | 14 | 11 | 8 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Botany II Year | 60 | 41 | 31 | 7 | 4 | 5 | 4 | 9 | 5 | 20 | 18 | 1 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Botany III Year | 60 | 23 | 15 | 2 | 2 | 9 | 5 | 6 | 6 | 6 | 2 | 1 | 1 | | |
| | | PG in Botany (Pre) | 40 | 40 | 13 | 6 | 2 | 11 | 6 | 11 | 2 | 12 | 3 | | | | |
| | | PG in Botany (Final) | 40 | 7 | 4 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 | 3 | 3 | 0 | | | | |
| | | Ph.D. | | 22 | 17 | 6 | 5 | 4 | 2 | 5 | 4 | 7 | 6 | 4 | 3 | 0 | 0 |
| **15** | प्राणी शास्त्र | Inte. UG/PG in Zoology I Year | 60 | 60 | 36 | 12 | 5 | 13 | 5 | 28 | 19 | 7 | 7 | | | 1 | 1 |
| | | Inte. UG/PG in Zoology II Year | 60 | 43 | 23 | 12 | 5 | 3 | 3 | 17 | 8 | 11 | 7 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Zoology III Year | 60 | 33 | 21 | 9 | 7 | 8 | 5 | 10 | 4 | 6 | 5 | | | | |
| | | PG in Zoology (Pre) | 40 | 40 | 19 | 9 | 6 | 4 | 2 | 27 | 11 | 0 | 0 | | | | |
| | | PG in Zoology (Final) | 40 | 18 | 9 | 2 | 1 | 4 | 2 | 4 | 3 | 8 | 3 | | | | |
| | | Ph.D. | | 18 | 4 | 3 | 0 | 0 | 0 | 6 | 2 | 9 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **16** | संगणक एवं सूचना प्रौघोगिकी | Inte. UG/PG in Com. Sc. I Year | 60 | 69 | 18 | 9 | 2 | 5 | 2 | 24 | 4 | 31 | 10 | 4 | 3 | | |
| | | Inte. UG/PG in Com. Sc. II Year | 60 | 51 | 20 | 11 | 4 | 5 | 3 | 15 | 4 | 20 | 9 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Com. Sc. III Year | 60 | 60 | 22 | 7 | 4 | 5 | 0 | 16 | 9 | 32 | 9 | | | | |
| | | PG in Comp. Sc. (Pre) | 60 | 61 | 38 | 4 | 1 | 5 | 3 | 22 | 11 | 30 | 23 | | | | |
| | | PG in Comp. Sc. (Final) | 60 | 46 | 27 | 2 | 1 | 6 | 6 | 13 | 3 | 25 | 17 | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | M.C.A. I Year | 60 | 60 | 22 | 12 | 4 | 2 | 1 | 16 | 7 | 30 | 10 | | | | |
| | | M.C.A. II Year | 60 | 56 | 19 | 10 | 1 | 4 | 1 | 13 | 5 | 29 | 12 | | | | |
| | | M.C.A. III Year | 60 | 51 | 18 | 8 | 3 | 2 | 1 | 13 | 3 | 28 | 11 | | | 1 | 0 |
| | | Ph.D. | | 5 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **17** | रसायन शास्त्र | Inte. UG/PG in Chemistry I Year | 60 | 60 | 34 | 9 | 5 | 5 | 4 | 16 | 8 | 30 | 17 | 2 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Chemistry II Year | 30 | 51 | 26 | 11 | 2 | 6 | 4 | 26 | 12 | 8 | 6 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Chemistry III Year | 30 | 56 | 29 | 2 | 0 | 4 | 2 | 30 | 16 | 20 | 11 | | | | |
| | | PG in Chemistry (Pre) | 60 | 60 | 27 | 9 | 4 | 5 | 2 | 18 | 8 | 28 | 13 | | | | |
| | | PG in Chemistry (Final) | 60 | 48 | 15 | 3 | 1 | 1 | 0 | 18 | 7 | 26 | 7 | | | | |
| | | Ph.D. | | 22 | 7 | 2 | 1 | 0 | 0 | 11 | 4 | 9 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 |
| **18** | वानिकी | B.Sc. (Forestry) I Year | 60 | 57 | 21 | 8 | 1 | 10 | 4 | 28 | 11 | 11 | 5 | 5 | 3 | | |
| | | B.Sc. (Forestry) II Year | 60 | 44 | 18 | 6 | 2 | 5 | 2 | 15 | 6 | 18 | 8 | 4 | 2 | | |
| | | B.Sc. (Forestry) III Year | 60 | 40 | 15 | 6 | 0 | 9 | 7 | 16 | 5 | 9 | 3 | 6 | 5 | | |
| | | B.Sc. (Forestry) IV Year | 60 | 33 | 12 | 2 | 0 | 8 | 1 | 9 | 4 | 14 | 7 | 3 | 1 | | |
| | | M.Sc. (Forestry) (Pre) | 60 | 28 | 16 | 3 | 2 | 4 | 3 | 7 | 4 | 14 | 7 | 1 | 0 | | |
| | | M.Sc. (Forestry) (Final) | 60 | 33 | 12 | 2 | 0 | 8 | 1 | 9 | 4 | 14 | 7 | 3 | 1 | | |
| | | Ph.D. | | 12 | 5 | 4 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 7 | 4 | 2 | 0 | 0 | 0 |
| **19** | गणित | Inte. UG/PG in Math I Year | 60 | 63 | 24 | 10 | 5 | 5 | 2 | 18 | 6 | 30 | 11 | 1 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in Math II Year | 60 | 58 | 35 | 8 | 4 | 7 | 4 | 31 | 19 | 12 | 8 | 1 | 0 | | |
| | | Inte. UG/PG in Math III year | 60 | 60 | 40 | 7 | 6 | 9 | 6 | 16 | 9 | 28 | 19 | | | | |
| | | PG in Math (Pre) | 60 | 57 | 31 | 5 | 4 | 6 | 5 | 24 | 8 | 22 | 14 | 1 | 1 | | |
| | | PG in Math (Final) | 60 | 33 | 11 | 4 | 0 | 2 | 1 | 9 | 2 | 18 | 8 | 1 | 1 | 1 | 0 |
| | | Ph.D. | | 5 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 1 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **20** | भौतिकी | Inte. UG/PG in Physics I Year | 60 | 60 | 31 | 4 | 3 | 5 | 3 | 21 | 10 | 30 | 15 | 2 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Physics II Year | 60 | 51 | 17 | 7 | 2 | 4 | 0 | 24 | 8 | 16 | 7 | 1 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Physics III Year | 60 | 59 | 38 | 2 | 0 | 7 | 4 | 23 | 13 | 27 | 21 | | | | |
| | | PG in Physics (Pre) | 60 | 60 | 25 | 9 | 2 | 5 | 0 | 14 | 5 | 28 | 18 | 1 | 1 | | |
| | | PG in Physics (Final) | 60 | 48 | 20 | 3 | 3 | 0 | 0 | 11 | 2 | 34 | 15 | 3 | 3 | | |
| | | Ph.D. | | 7 | 3 | 0 | 0 | 1 | 1 | 2 | 2 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **21** | इलेक्ट्रानिक्स | Inte. UG/PG in Electronics I Year | 60 | 60 | 16 | 9 | 1 | 5 | 2 | 16 | 5 | 30 | 8 | 2 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Electronics II Year | 60 | 48 | 21 | 6 | 3 | 0 | 0 | 24 | 8 | 18 | 10 | 1 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Electronics III Year | 60 | 20 | 8 | 3 | 2 | 0 | 0 | 3 | 1 | 14 | 5 | | | | |
| | | PG in Electronics (Pre) | 60 | 12 | 10 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 10 | 9 | 1 | 1 | | |
| | | PG in Electronics (Final) | 60 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| **22** | ग्रामीण प्रौद्योगिकी | Inte. UG/PG in Rural Technology I Year | 60 | 62 | 25 | 3 | 3 | 8 | 3 | 17 | 6 | 34 | 13 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Rural Technology II Year | 60 | 43 | 27 | 6 | 1 | 5 | 1 | 12 | 5 | 20 | 20 | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Inte. UG/PG in Rural Technology III Year | 60 | 40 | 17 | 7 | 2 | 5 | 2 | 14 | 4 | 14 | 9 | | | | |
| | | PG in Rural Technology (Pre) | 60 | 21 | 10 | 3 | 1 | 4 | 2 | 9 | 5 | 5 | 2 | | | | |
| | | PG in Rural Technology (Final) | 60 | 5 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | | | | |
| | | Ph.D. | | 7 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **23** | भैषजिक विज्ञान | B. Pharm. I Year | 60 | 59 | 27 | 11 | 4 | 8 | 6 | 25 | 9 | 15 | 8 | | | | |
| | | B. Pharm. II Year | 72 | 67 | 26 | 12 | 3 | 5 | 3 | 39 | 17 | 11 | 3 | | | | |
| | | B. Pharm. III Year | 72 | 65 | 15 | 15 | 3 | 4 | 0 | 28 | 7 | 18 | 5 | | | | |
| | | B. Pharm. IV Year | 72 | 55 | 22 | 11 | 3 | 6 | 2 | 23 | 11 | 15 | 6 | | | | |
| | | M.Pharm. (Pre) | 36 | 12 | 3 | 4 | 1 | 0 | 0 | 4 | 1 | 4 | 1 | | | | |
| | | M.Pharm. (Final) | 36 | 18 | 8 | 6 | 2 | 0 | 0 | 4 | 1 | 8 | 5 | | | | |
| | | D. Pharm. I Year | 60 | 57 | 21 | 12 | 3 | 11 | 4 | 22 | 9 | 12 | 5 | | | | |
| | | D. Pharm. II Year | 60 | 43 | 12 | 10 | 6 | 11 | 1 | 18 | 3 | 4 | 2 | | | | |
| | | Ph.D. | | 34 | 12 | 4 | 2 | 2 | 2 | 14 | 3 | 14 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| | | **Institute of Technology** | | | | | | | | | | | | | | | |
| **24** | रसायनिक अभियांत्रिकी | B. Tech. I Year | 60 | 32 | 5 | 4 | 0 | 4 | 1 | 11 | 0 | 13 | 4 | | | | |
| | | B. Tech. II Year | 60 | 43 | 10 | 06 | 01 | 02 | 00 | 19 | 06 | 16 | 03 | | | | |
| | | B. Tech. III Year | 60 | 41 | 10 | 03 | 01 | 03 | 01 | 17 | 05 | 18 | 03 | | | | |
| | | B. Tech. IV Year | 60 | 48 | 06 | 08 | 02 | 04 | 00 | 12 | 02 | 24 | 02 | | | | |
| | | M.Tech I Sem. | 18 | 01 | 00 | | | | | 01 | 00 | | | | | | |
| | | M.Tech III Sem. | 18 | | | | | | | | | | | | | | |
| **25** | सिविल अभियांत्रिकी | B. Tech. I Year | 40 | 29 | 3 | 5 | 1 | 3 | 1 | 7 | 0 | 14 | 1 | | | | |
| | | B. Tech. II Year | 40 | 37 | 3 | 5 | 0 | 2 | 0 | 12 | 2 | 20 | 1 | | | 1 | 0 |
| | | B. Tech. III Year | 40 | 33 | 4 | 4 | 1 | 2 | 0 | 11 | 2 | 16 | 1 | | | | |
| | | B. Tech. IV Year | 40 | 37 | 2 | 7 | 0 | 3 | 1 | 3 | 0 | 24 | 1 | | | | |
| | | Ph. D. | | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **26** | संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी | B. Tech. I Year | 60 | 34 | 10 | 8 | 1 | 3 | 2 | 14 | 3 | 9 | 5 | | | | |
| | | B. Tech. II Year | 60 | 47 | 13 | 6 | 3 | 3 | 1 | 16 | 5 | 22 | 4 | | | | |
| | | B. Tech. III Year | 60 | 51 | 15 | 8 | 3 | 1 | 0 | 19 | 4 | 23 | 8 | | | | |
| | | B. Tech. IV Year | 60 | 64 | 14 | 11 | 4 | 4 | 1 | 15 | 2 | 34 | 7 | | | | |
| | | Ph. D. | | 2 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **27** | इलेक्ट्रानिक एवं संचार अभियांत्रिकी | B. Tech. I Year | 60 | 35 | 3 | 7 | 0 | 2 | 0 | 15 | 2 | 11 | 1 | | | | |
| | | B. Tech. II Year | 60 | 52 | 21 | 5 | 1 | 3 | 0 | 26 | 9 | 18 | 11 | | | 1 | 1 |
| | | B. Tech. III Year | 60 | 40 | 14 | 3 | 1 | 3 | 0 | 19 | 11 | 15 | 2 | | | | |
| | | B. Tech. IV Year | 60 | 54 | 12 | 6 | 2 | 6 | 2 | 10 | 2 | 32 | 6 | | | | |
| | | Ph. D. | | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **28** | औद्योगिकी एवं उत्पादन | B. Tech. I Year | 60 | 24 | 3 | 4 | 0 | 3 | 0 | 11 | 2 | 6 | 1 | | | | |
| | | B. Tech. II Year | 60 | 48 | 4 | 7 | 0 | 2 | 0 | 29 | 0 | 10 | 4 | 1 | 0 | | |
| | | B. Tech. III Year | 60 | 45 | 4 | 8 | 0 | 6 | 0 | 15 | 2 | 16 | 2 | | | | |
| | | B. Tech. IV Year | 60 | 48 | 1 | 7 | 0 | 3 | 0 | 15 | 1 | 23 | 0 | 1 | 0 | | |
| **29** | सूचना प्रौघोगिकी | B. Tech. I Year | 60 | 33 | 3 | 7 | 0 | 3 | 0 | 7 | 2 | 16 | 1 | 1 | 0 | | |
| | | B. Tech. II Year | 60 | 37 | 10 | 5 | 2 | 3 | 1 | 10 | 3 | 19 | 4 | | | 1 | 0 |
| | | B. Tech. III Year | 60 | 33 | 6 | 7 | 3 | 2 | 0 | 4 | 0 | 20 | 3 | 1 | 0 | 1 | 0 |
| | | B. Tech. IV Year | 60 | 35 | 15 | 5 | 3 | 2 | 1 | 7 | 2 | 21 | 9 | | | | |
| **30** | यांत्रिक अभियांत्रिकी | B. Tech. I Year | 60 | 49 | 1 | 10 | 1 | 3 | 0 | 25 | 0 | 11 | 0 | | | | |
| | | B. Tech. II Year | 60 | 57 | 0 | 9 | 0 | 4 | 0 | 26 | 0 | 18 | 0 | | | | |
| | | B. Tech. III Year | 60 | 51 | 1 | 7 | 1 | 2 | 0 | 24 | 0 | 18 | 0 | | | | |
| | | B. Tech. IV Year | 60 | 53 | 2 | 6 | 0 | 4 | 0 | 7 | 1 | 36 | 1 | | | | |
| | | M.Tech I Sem. | 18 | 14 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 8 | 0 | 6 | 0 | | | | |
| | | M.Tech III Sem. | 18 | 17 | 1 | 3 | 0 | 1 | 1 | 8 | 0 | 5 | 0 | | | | |
| **31** | शारीरिक शिक्षा | B.P. Ed. | 50 | 50 | 11 | 4 | 1 | 16 | 3 | 14 | 4 | 16 | 3 | | | | |
| | | M.P.Ed. II Sem. | 40 | 40 | 9 | 7 | 3 | 3 | 0 | 21 | 4 | 9 | 2 | | | | |
| | | M.P.Ed. IV Sem. | 40 | 35 | 3 | 7 | 1 | 4 | 1 | 17 | 1 | 7 | 0 | | | | |
| | | Ph.D. | | 14 | 4 | 1 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 10 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **32** | न्यायालयिक विज्ञान | Inte. UG/PG in Forensic Sci. I Year | 30 | 27 | 17 | 0 | 0 | 1 | 1 | 8 | 5 | 18 | 11 | 1 | 1 | | |
| | | Inte. UG/PG in Forensic Sci. II Year | 30 | 27 | 19 | 5 | 3 | 2 | 2 | 9 | 4 | 11 | 10 | | | | |
| | | Inte. UG/PG in Forensic Sci. III Year | 30 | 24 | 13 | 5 | 4 | 5 | 3 | 3 | 2 | 11 | 4 | | | | |
| | | PG in Forensic Sci (Pre) | 20 | 13 | 6 | 2 | 1 | 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 1 | | | | |
| | | PG in Forensic Sci (Final) | 20 | 7 | 5 | 0 | 0 | 3 | 3 | 2 | 1 | 2 | 1 | | | | |
| **33** | विधि | Inte.B.A. LL.B. I Sem. | 60 | 58 | 27 | 8 | 4 | 4 | 1 | 20 | 7 | 26 | 15 | | | | |
| | | Inte.B.A. LL.B. III Sem. | 60 | 32 | 15 | 2 | 2 | 0 | 0 | 5 | 2 | 25 | 11 | | | | |
| | | Inte.B.A. LL.B. V Sem. | 60 | 42 | 21 | 3 | 2 | 1 | 1 | 5 | 2 | 33 | 16 | | | | |
| | | Inte.B.A. LL.B. VII Sem. | 60 | 26 | 10 | 2 | 0 | 0 | 0 | 6 | 1 | 18 | 9 | | | | |
| | | Inte.B.A. LL.B. IX Sem. | 60 | | | | | | | | | | | | | | |
| | | Inte.B.Com.LL.B. I Sem. | 60 | 63 | 33 | 3 | 2 | 4 | 3 | 19 | 11 | 37 | 17 | | | | |
| | | Inte.B.Com.LL.B. III Sem. | 60 | 33 | 20 | 0 | 0 | 5 | 5 | 5 | 2 | 23 | 13 | | | | |
| | | Inte.B.Com.LL.B. V Sem. | 60 | 39 | 20 | 0 | 0 | 1 | 1 | 3 | 1 | 35 | 18 | | | | |
| | | Inte.B.Com.LL.B. VII Sem. | 60 | 23 | 11 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 3 | 18 | 8 | | | | |
| | | Inte.B.Com.LL.B. IX Sem. | 60 | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | **10820** | **6767** | **2783** | **1015** | **354** | **706** | **290** | **2148** | **787** | **2911** | **1343** | **128** | **64** | **15** | **5** |

## 5.1.4 प्रतिवेदन वर्ष में विभिन्न विभागों में शोधार्थियों की संख्या

| क्र.सं. | विभाग का नाम | कुल | | | अजा | | | अजजा | | | अपिव | | | सामान्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | ग. | कुल | पु. | ग. | कुल | पु. | ग. | कुल | पु. | ग. | कुल | पु. | ग. | कुल |
| 1 | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | 01 | | 01 | | 01 | 01 | | | | | | | | | |
| 2 | जैव प्रौद्योगिकी विभाग | 02 | | 02 | | | | | | | 02 | | 02 | | | |
| 3 | रसायन शास्त्र विभाग | 01 | 01 | 02 | | | | | | | | 01 | 01 | 01 | | 01 |
| 4 | सिविल अभियांत्रिकी | 01 | | 01 | | | | | | | | | | 01 | | 01 |
| 5 | कम्प्यूटर विज्ञान एंव अभियांत्रिकी | 02 | | 02 | | | | | | | 01 | | 01 | 01 | | 01 |
| 6 | वाणिज्य विभाग | 01 | 01 | 02 | 01 | | 01 | | | | | 01 | 01 | | | |
| 7 | शिक्षा शास्त्र विभाग | 01 | | 01 | | | | | | | | | | 01 | | 01 |
| 8 | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | 01 | | 01 | | | | | | | | | | 01 | | 01 |
| 9 | आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग | 01 | | 01 | | | | | | | | | | 01 | | 01 |
| 10 | इतिहास विभाग | 01 | 01 | 02 | | | | 01 | | 01 | 01 | | 01 | | | |
| 11 | प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययन विभाग | 01 | | 01 | | | | | | | 01 | | 01 | | | |
| 12 | गणित विभाग | 01 | 01 | 02 | | 01 | 01 | | | | | | | 01 | | 01 |
| 13 | भैषजिक विज्ञान विभाग | 03 | 06 | 09 | | 03 | 03 | | | | 02 | 01 | 03 | 01 | 02 | 03 |
| 14 | शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद | 02 | | 02 | | | | | | | 02 | | 02 | | | |
| 15 | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | 13 | 04 | 17 | | | | | | | 04 | 01 | 05 | 09 | 03 | 12 |
| 16 | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | 01 | | 01 | | | | | | | 01 | | 01 | | | |
| 17 | समाजकार्य विभाग | 01 | | 01 | | | | | | | | | | 01 | | 01 |
| | **योग** | **34** | **14** | **48** | **01** | **05** | **06** | **01** | | **01** | **14** | **04** | **18** | **18** | **05** | **23** |

## 5.2 परीक्षा परिणाम, प्रदत्त उपाधि एवं पत्रोपाधि

### 5.2.1 विभिन्न परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम

| परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | |
| स्नातक | 717 | 398 | 1115 | स्नातक | 682 | 391 | 1073 | 96.23 |
| परास्नातक | 328 | 250 | 578 | परास्नातक | 324 | 245 | 569 | 98.44 |
| एम.फिल. | -- | -- | -- | एम.फिल. | -- | -- | -- | -- |
| पत्रोपाधि | 46 | 18 | 64 | पत्रोपाधि | 41 | 17 | 58 | 90.62 |
| योग | 1091 | 666 | 1757 | | 1047 | 653 | 1700 | 96.75 |

### 5.2.2. प्रदत्त उपाधि एवं पत्रोपाधि (अध्ययनशाला वार)

### 5.2.2.1 कला अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | स्नातक | 00 | 01 | 01 | 00 | 01 | 01 | 100.00 |
| | परास्नातक | 00 | 03 | 03 | 00 | 03 | 03 | 100.00 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग | पत्रोपाधि | 06 | 02 | 08 | 06 | 02 | 08 | 100.00 |
| | स्नातक | 01 | 07 | 08 | 01 | 07 | 08 | 100.00 |
| | परास्नातक | 06 | 06 | 12 | 06 | 06 | 12 | 100.00 |
| हिन्दी | स्नातक | 04 | 08 | 12 | 04 | 08 | 12 | 100.00 |
| | परास्नातक | 01 | 01 | 02 | 01 | 01 | 02 | 100.00 |
| पत्रकारिता एवं जनसंचार | स्नातक | 04 | 07 | 11 | 04 | 07 | 11 | 100.00 |
| | परास्नातक | 00 | 04 | 04 | 00 | 04 | 04 | 100.00 |
| पुस्तकालय एवं सूचना विभाग | स्नातक | 01+08 | 02+ 11 | 03+ 19 | 01+ 07 | 02+11 | 03+ 18 | 95.45 |
| | परास्नातक | 19 | 15 | 34 | 18 | 15 | 33 | 97.05 |
| शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद | स्नातक | 28 | 13 | 41 | 28 | 13 | 41 | 100.00 |
| | परास्नातक | 31 | 05 | 36 | 31 | 05 | 36 | 100.00 |
| **योग** | पत्रोपाधि | 06 | 02 | 08 | 06 | 02 | 08 | 100.00 |
| | स्नातक | 46 | 49 | 95 | 45 | 49 | 94 | 98.94 |
| | परास्नातक | 57 | 34 | 91 | 56 | 34 | 90 | 98.90 |

## 5.2.2.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| रसायन अभियांत्रिकी | स्नातक | 31 | 03 | 34 | 27 | 02 | 29 | 85.29 |
| | परास्नातक | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | |
| सिविल अभियांत्रिकी | स्नातक | 40 | 00 | 40 | 26 | 00 | 26 | 65.00 |
| | परास्नातक | -- | --- | -- | -- | -- | -- | |
| संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी | स्नातक | 37 | 13 | 50 | 36 | 13 | 49 | 98.00 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| इलेक्ट्रानिक्स एवं संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी | स्नातक | 41 | 09 | 55 | 42 | 08 | 50 | 90.90 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | स्नातक | 38 | 02 | 40 | 31 | 02 | 33 | 82.50 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| सूचना प्रौद्योगिकी | स्नातक | 39 | 05 | 44 | 34 | 05 | 39 | 88.64 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी | स्नातक | 48 | 05 | 53 | 44 | 05 | 49 | 92.45 |
| | परास्नातक | 12 | 00 | 00 | 12 | 00 | 12 | 100.00 |
| **योग** | स्नातक | 274 | 37 | 311 | 248 | 35 | 283 | 90.99 |
| | परास्नातक | 12 | 00 | 12 | 12 | 00 | 12 | 100.00 |

## 5.2.2.3 विधि अध्ययन शाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| विधि विभाग | स्नातक | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |

## 5.2.2.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | स्नातक बी.ए | 01 | 00 | 01 | 01 | 00 | 01 | 100.00 |
| | परास्नातक एम.ए. | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | स्नातक बी.एस.सी. | 06 | 22 | 28 | 05 | 21 | 26 | 92.85 |
| | परास्नातक एम.एस.सी. | 08 | 17 | 25 | 08 | 17 | 25 | 100.00 |
| वनस्पति विभाग | स्नातक बी.ए | 02 | 06 | 08 | 02 | 06 | 08 | 100.00 |
| | परास्नातक एम.ए. | 01 | 05 | 06 | 01 | 05 | 06 | 100.00 |
| न्यायालयिक विज्ञान | स्नातक बी.एस.सी. | 07 | 07 | 14 | 07 | 07 | 14 | 100.00 |
| | परास्नातक एम.एस.सी. | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| प्राणीशास्त्र विभाग | स्नातक बी.ए | 09 | 08 | 17 | 09 | 08 | 17 | 100.00 |
| | परास्नातक एम.ए. | 05 | 03 | 08 | 05 | 03 | 08 | 100.00 |
| योग | स्नातक | 25 | 43 | 68 | 24 | 42 | 66 | 97.05 |
| | परास्नातक | 14 | 25 | 39 | 14 | 25 | 39 | 100.00 |

## 5.2.2.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| वाणिज्य | स्नातक | 88 | 95 | 183 | 84 | 93 | 177 | 96.72 |
| | परास्नातक | 14 | 23 | 37 | 14 | 23 | 37 | 100.00 |
| प्रबंध अध्ययन विभाग | स्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| | परास्नातक | 23 | 26 | 49 | 20 | 22 | 42 | 85.71 |
| योग | स्नातक | 88 | 95 | 183 | 84 | 93 | 177 | 96.72 |
| | परास्नातक | 37 | 49 | 86 | 34 | 45 | 79 | 91.86 |

## 5.2.2.6 गणितीय एंव अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| संगणक विज्ञान विभाग | स्नातक | | 16 | 21 | 37 | 16 | 21 | 37 | 100 |
| | परास्नातक | एमसीए | 36 | 16 | 52 | 36 | 16 | 52 | 100 |
| | | एम.एस.सी | 15 | 36 | 51 | 15 | 36 | 51 | 100 |
| शुद्व एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग | स्नातक | | 22 | 35 | 57 | 21 | 34 | 55 | 96.51 |
| | परास्नातक | | 18 | 21 | 39 | 18 | 20 | 38 | 97.43 |
| योग | स्नातक | | 38 | 56 | 94 | 37 | 55 | 92 | 97.87 |
| | परास्नातक | | 69 | 73 | 142 | 69 | 72 | 141 | 99.29 |

## 5.2.2.7 प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| वाणिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | स्नातक | 13 | 05 | 18 | 13 | 05 | 18 | 100 |
| | परास्नातक | 01 | 10 | 11 | 01 | 10 | 11 | 100 |
| भैषजिक विज्ञान | पत्रोपाधि | 40 | 16 | 56 | 35 | 15 | 50 | 89.28 |
| | स्नातक | 40 | 19 | 59 | 38 | 18 | 56 | 94.91 |
| | स्नातक | 16 | 15 | 31 | 16 | 15 | 31 | 100 |
| ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | परास्नातक | 18 | 09 | 27 | 18 | 09 | 27 | 100 |
| | स्नातक | 04 | 02 | 06 | 04 | 02 | 06 | 100 |
| योग | पत्रोपाधि | 40 | 16 | 56 | 35 | 15 | 50 | 89.28 |
| | स्नातक | 71 | 33 | 104 | 69 | 32 | 101 | 97.11 |
| | परास्नातक | 21 | 27 | 48 | 21 | 27 | 48 | 100.00 |

## 5.2.2.8 भौतिक विज्ञान अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| रसायन शास्त्र विभाग | स्नातक | 18 | 20 | 38 | 18 | 20 | 38 | 100.00 |
| | परास्नातक | 26 | 11 | 37 | 26 | 11 | 37 | 100.00 |
| इलेक्ट्रानिक्स विभाग | स्नातक | 01 | 02 | 03 | 01 | 02 | 03 | 100.00 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | स्नातक | 26 | 20 | 46 | 26 | 20 | 46 | 100.00 |
| | परास्नातक | 39 | 10 | 49 | 39 | 10 | 49 | 100.00 |
| योग | स्नातक | 45 | 42 | 87 | 45 | 42 | 87 | 100.00 |
| | परास्नातक | 65 | 21 | 86 | 65 | 21 | 86 | 100.00 |

## 5.2.2.9 सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | | छात्र | छात्राएं | योग | छात्र | छात्राएं | योग | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| अर्थशास्त्र विभाग | स्नातक | | 12 | 07 | 19 | 12 | 07 | 19 | 100 |
| | परास्नातक | | 03 | 02 | 05 | 03 | 02 | 05 | 100 |
| शिक्षा शास्त्र विभाग | स्नातक | शिक्षा शास्त्र | 67 | 21 | 88 | 67 | 21 | 88 | 100 |
| | | B.Ed. LD | 16 | 07 | 23 | 16 | 07 | 23 | 100 |
| | | B.Ed. HI | 21 | 03 | 24 | 21 | 03 | 24 | 100 |
| | स्नातक | | 23 | 06 | 29 | 23 | 06 | 29 | 100 |
| इतिहास विभाग | परास्नातक | | 05 | 05 | 10 | 05 | 05 | 10 | 100 |
| | स्नातक | | 01 | 02 | 03 | 01 | 02 | 03 | 100.00 |
| राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन | परास्नातक | | 09 | 02 | 12 | 09 | 02 | 12 | 100.00 |
| | स्नातक | राजनीति | 00 | 01 | 01 | 00 | 01 | 01 | 100.00 |
| | | लोक प्रशासन | 03 | 01 | 04 | 03 | 01 | 04 | 100.00 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| समाजकार्य विभाग | स्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| | परास्नातक | 23 | 09 | 32 | 23 | 09 | 32 | 100.00 |
| योग | स्नातक | 130 | 43 | 173 | 130 | 43 | 173 | 100.00 |
| | परास्नातक | 53 | 21 | 74 | 53 | 21 | 74 | 100.00 |

## 5.2.2.10 चिकित्सा विज्ञान अध्ययनशाला

| विभाग का नाम | परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी | | | | उत्तीर्ण परीक्षार्थी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | छात्र | पाठ्यक्रम | छात्र | पाठ्यक्रम | छात्र | पाठ्यक्रम | छात्र |
| एम.बी.बी.एस | स्नातक | 07 | 02 | 09 | 05 | 02 | 07 | 77.77 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| बी.डी.एस | स्नातक | 02 | 02 | 04 | 01 | 00 | 01 | 25.00 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |
| योग | स्नातक | 09 | 04 | 13 | 06 | 02 | 08 | 61.53 |
| | परास्नातक | -- | -- | -- | -- | -- | -- | |

नोटः वर्तमान में यह अध्ययनशाला अस्तित्व में नही है। केवल पूर्व पंजीकृत छात्र ही परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं।

## 5.2.3 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात प्रदत्त उपाधियां

| पाठ्यक्रम | पत्रोपाधि | स्नातक | परास्नातक | कुल | योग |
|---|---|---|---|---|---|
| शिक्षण एवं महाविद्यालय | 37 | 2262 | 1662 | 3961 | 4019 |
| दूरवर्ती शिक्षा | 04 | 48 | 06 | 58 | |

## 5.2.4 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी द्वितीय प्रति अंकपत्रक

| पाठ्यक्रम | पत्रोपाधि | स्नातक | परास्नातक | कुल | योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | 00 | 138 | 15 | 153 | 493 |
| महाविद्यालय | 05 | 275 | 51 | 331 | |
| दूरवर्ती शिक्षा | 01 | 08 | 00 | 09 | |

## 5.2.5 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी ट्रांसक्रिप्ट

| पाठ्यक्रम | पत्रोपाधि | स्नातक | परास्नातक | कुल | योग |
|---|---|---|---|---|---|
| षिक्षण | 00 | 37 | 06 | 43 | 82 |
| महाविद्यालय | 02 | 20 | 05 | 27 | |
| दूरवर्ती शिक्षा | 00 | 10 | 02 | 12 | |

## 5.2.6 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी प्रव्रजन प्रमाण पत्र

| शिक्षण विभाग | महाविद्यालय | दूरवर्ती शिक्षा | योग |
|---|---|---|---|
| 1203 | 3752 | 79 | 5034 |

## 5.2.7 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात जारी अस्थायी उपाधि

| शिक्षण विभाग | महाविद्यालय | दुरवर्ती शिक्षा | योग | शिक्षण विभाग | महाविद्यालय |
|---|---|---|---|---|---|
| शिक्षण | 02 | 577 | 288 | 867 | 1382 |
| महाविद्यालय | 11 | 331 | 115 | 457 | |
| दूरवर्ती शिक्षा | 09 | 37 | 12 | 058 | |

## 5.2.8 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात अभिप्रमाणन

| शिक्षण विभाग | महाविद्यालय | दूरवर्ती शिक्षा | योग |
|---|---|---|---|
| 337 | 493 | 086 | 916 |

## 5.2.9 कुल प्रदत्त शोध उपाधि 2015–2016

| क्र. सं. | शोध छात्र | निर्देशक | विषय/संकाय | शीर्षक | पंजी. संख्या /तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कु0 एकता ताम्रकार | डॉ0 (श्रीमती) रश्मि साव | प्राणी शास्त्र/ जीव विज्ञान | स्टडीज ऑन इन्सेक्ट पेस्ट्स ऑफ जेट्रोफा (जेट्रोफा करकस) विथ स्पेशल रिफरेन्स टू द इन्फेसटेशन ऑफ ब्लू बग (काइसोकोरिस परप्यूरियस) एंड इट्स इफेक्ट ऑन सीड इल्ड एंड ऑइल कन्टेन्ट | 1977/ 22.04.2015 |
| 2 | श्री राजेश कुमार राय | डॉ0 व्ही0के0 गुप्ता | प्राणी शास्त्र/ जीव विज्ञान | कैरेक्टेराईजेशन ऑफ फोटोकेमिकली फार्मड नॉन – लिनियर सेल्फ–सस्टेनिंग प्रोटोसेल–लाईक माइक्रोस्ट्रक्चर्स " जीवाणु" इन एन इर्रेडिऐटड स्टरलाइज्ड ऐक्वस मिक्सचर | 1977/ 22.04.2015 |
| 3 | श्री मुरारी लाल सोनी | डॉ. के.पी. नामदेव | फार्मेसी/ प्राकृतिक संसाधन | डेवलपमेन्ट एण्ड केरेक्टराईजेशन ऑफ माडिफाइड स्पोरोपोलेनिन बेस्ड नोवल ड्रग डिलिवरी सिस्टम ऑफ सम बायोएक्टिव्स | 1977/ 22.04.2015 |
| 4 | कु. शारदा शुक्ला | डॉ. प्रकाशचन्द्र द्विवेदी | संस्कृत/कला | वाल्मीकि रामायण में राजधर्म | 1977/ 22.04.2015 |
| 5 | श्रीमती नीली रोस बेक | डॉ. कामता प्रसाद नामदेव | फार्मेसी/प्राकृतिक संसाधन | इथनॉफार्मा–कोगनोस्टीकल स्टडी ऑफ सम प्लान्टस् एंड देयर स्क्रीनिंग फॉर बायोलोजिकल एक्टीविटी | 65/ 25.05.2015 |
| 6 | श्री गिरीश केशकर | डॉ. धनेश सिंह | रसायन शास्त्र/ भौतिकीय विज्ञान | स्टडीज ऑन फिजिकोकेमिकल पैरामीटर्स एण्ड असेसमेंट ऑफ सम पोलूटेन्ट्स कंटामिनेसन ऑफ वेस्टवाटर ऑफ कोरबा सिटी छ0ग0 | 67/ 25.05.2015 |
| 7 | श्री अनिल कुमार चौबे | डॉ. आर. वी. शुक्ला | वनस्पति/जीव विज्ञान | स्टडीज ऑन लिटर डिग्रेडिंग इंडोफिटिक फंजाई एसोसियेटेड विथ सम फॉरेस्ट स्पीसीज | 69/ 25.05.2015 |
| 8 | कु. असीमा रानी मजूमदार | डॉ. के.बी. सिंह/ डॉ.निशी सिंह | समाजशास्त्र/सामाजिक विज्ञान | जनजाति महिलाओं में सामाजिक गतिशीलता एवं शासकीय योजनाओं का प्रभाव (बस्तर जिले के कोण्डागॉव तहसील की हल्बा जनजाति महिलाओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) | 71/ 25.05.2015 |
| 9 | श्री मनोज कुमार | डॉ. जे. एस. दांगी | फार्मेसी/प्राकृतिक संसाधन | डेवलपमेंट एंड केरेक्टराइजेशन ऑफ गेस्ट्रो–रेटेंटिव मल्टी–पर्टिकुलेट डेलिवरी सिस्टम्स फॉर दी मेनेजमेंट ऑफ डायबिटीज | 73/ 25.05.2015 |
| 10 | रश्मि | डॉ0 पी0पी0 मूर्ति | गणित/गणितीय एवं संगणक विज्ञान | सम प्रॉब्लम्स ऑफ फिक्सड–पॉईट थ्योरम्स इन डिफरेन्ट स्पेसेस | 225/ 10.07.2015 |
| 11 | श्री मनीष कालड़ा | डॉ0 आर0एस0 खेर | भौतिकशास्त्र/भौतिकीय विज्ञान | ल्यूमिनिसेंस कैरेक्टराइजेशन ऑफ रेअर अर्थ इम्प्यूरिटी डोप्ड एल्कली हैलाइड्स | 227/ 10.07.2015 |
| 12 | श्रीमती पुष्पा वस्त्रकार | डॉ0 यू0एन0 पाण्डेय | भूगोल/भौतिकीय विज्ञान | उड़ीसा में कृषि विकास के स्तर : एक भौगोलिक अध्ययन | 229/ 10.07.2015 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 13 | श्री पी0के0 राठौर | डॉ0 पी0एल0 चंद्राकर | भूगोल/भौतिकीय विज्ञान | छत्तीसगढ़ में मझवार जनजाति के परिस्थान, अर्थव्यवस्था एवं समाज : एक भौगोलिक अध्ययन | 231/ 10.07.2015 |
| 14 | श्री हरनारायण भारद्वाज | डॉ0 व्ही0के0 पाण्डेय | समाजशास्त्र/सामाजिक विज्ञान | जनजातियों में नेतृत्व के उभरते प्रतिमान : छत्तीसगढ़ के जॉजगीर–चॉपा जिले की जनजातियों का केन्द्रित अध्ययन | 290/ 11.08.2015 |
| 15 | श्री अजय कुमार साहू | डॉ0 पी0एस0 चौधरी | भौतिकशास्त्र/भौतिकीय विज्ञान | डेवलपमेंट ऑफ फॉस्फेट बेस्ड फॉसफर फॉर लायोलुमीनीसेन्स एण्ड मेकेनोलुमीनीसेन्स डूसीमेटरी ऑफ आयोनाइजींग रेडियेशून | 292/ 11.08.2015 |
| 16 | श्री मनोज कुमार महीश | डॉ0 आर.व्ही. शुक्ला | वनस्पतिशास्त्र/जीवविज्ञान | फिजियोलोजिकल एण्ड केमिकल स्टडीज आन इण्डोफिटिक फंजाई आइसोलेटेड फ्राम साल (सोरिया रोबस्टा) एण्ड बहेरा (टरमिनेलिया बिल्लेरिका) | 649/ 13.01.2016 |
| 17 | श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा | डॉ0 बी0एम0मुखर्जी | मानवशास्त्र/जीवविज्ञान | इंडीजिनस नॉलेज रिलेटेड टू मिटियोरोलॉजी, आर्किटेक्चर एण्ड नेचुरल रिसॉस एमांग द ट्राइब्स ऑफ साउथ छत्तीसगढ़ – एन एंथोपोलॉजिकल स्टडी | 651/ 13.01.2016 |
| 18 | सीता बरेठ | डॉ0 श्रीमती शची सप्रे | समाजशास्त्र/सामाजिक विज्ञान | एकाकी महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले की एकाकी महिलाओं पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन | 675/ 20.01.2016 |
| 19 | श्री परसराम टाण्डेकर | डॉ0(श्रीमती) शचि सप्रे | समाजशास्त्र/सामाजिक विज्ञान | जनजातीय महिलाओं में सामाजिक गतिशीलता –: एक समाजशास्त्रीय विवेचना :–(छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में ) | 817/ 23.02.2016 |
| 20 | मिस. गोधूलि वर्मा | डॉ0 बी0एम0 मुखर्जी | मानवशास्त्र/जीवविज्ञान | कॉमन प्रापर्टी रिसोर्स मेनेजमेंट : एन इंडीजिनस पर्सपेक्टिव विद स्पेशल रिफरेंस टू साउथ छत्तीसगढ़ | 864/ 09.03.2016 |

## 5.3 छात्र सुविधायें

### 5.3.1 अधिष्ठाता छात्र कल्याण

अधिष्ठाता छात्र कल्याण शाखा द्वारा वर्ष पर्यन्त विश्वविद्यालय से संपर्क स्थापित करने वाले छात्र–छात्राओं तथा अभिभावकों को दूरभाष एवं सहायता पटल पर वांछित जानकारी प्रदान की जाती है। शाखा प्रत्येक साहित्यिक,सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी एवं उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती है । विश्वविद्यालय परिसर में छात्र–छात्राओं की समस्याओं के समाधान हेतु त्वरित कार्यवाही करना तथा उनके प्रति सहयोगात्मक भाव रखना छात्र कल्याण शाखा का प्राथमिक उद्देश्य रहा है। वर्तमान में छात्र कल्याण शाखा में अधिष्ठाता के पद पर प्रो0 एस.वी.एस. चौहान पदस्थ हैं।

### शिक्षक दिवस का आयोजनः–

5 सितम्बर 2015 को डा. राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रो. सुनील वर्मा शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति सरगुजा विश्वविद्यालय अंबिकापुर के मुख्य आतिथ्य में एवं प्रो. अंजिला गुप्ता मा. कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर की अध्यक्षता एवं प्रो. जी. डी. शर्मा कुलपति बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर के विशिष्ट आतिथ्य मे भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता का विषय थाः–

विषयः–''समकालीन भारतीय समाज और हमारी नई शिक्षा नीति''

इस प्रतियोगिता का परिणाम निम्नानुसार थाः–

| स्थान | प्रतियोगी का नाम | कक्षा | विभाग |
|---|---|---|---|
| प्रथम | योगेष जिनगर | बी.टेक.7सेमे. | आई.टी |
| द्वितीय | सरिता सिंह | एम.एड. 1सेमस्टर | शिक्षा |
| तृतीय | राहुल नागवाल | एम.एस.सी. 1 सेमेस्टर | भौतिकी |

समस्त विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार स्वरूप प्रथम रू0 2500/–द्वितीय रू. 2000/– एवं तृतीय रू. 1500/– नगद एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

**मानव संसाधन विकास मंत्री महोदया के साथ विश्वविद्यालयीन छात्र की भेंट–**

संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्चत्तर शिक्षा विभाग नई दिल्ली के पत्र क्रमांक डी.ओ.नं. एफ. 20–102/2014–डेस्क–यू दिनांक 28 अगस्त 2015 के अंतर्गत माननीया मंत्री जी से मंत्रालय में समस्त केन्द्रीय विश्वविद्यालयों से चयनित एक छात्र से मिलने के दिनांक 16 सितम्बर 2015 को आयोजित समारोह में इस विश्वविद्यालय से छात्र योगेश जिनगर बी. टेक. 7 सेमेस्टर आई. पी. प्रौद्योगिकीय संस्थान को भेजा गया।

**एक संवाद आपके साथः–**

कुलपति महोदया द्वारा शिक्षण विभाग के छात्र–छात्राओं की समस्याओं से अवगत होने एवं उनके समाधान की चर्चा हेतु एक कार्यक्रम **"एक संवाद – आपके साथ' में** दिनांक 24 सितम्बर 2015 से प्रारंभ किया है। वे हर माह के प्रत्येक गुरूवार को छात्र छात्राओं से रजत जयंती सभागार में सायं 4 बजे निम्नानुसार चक्रानुक्रम में सीधा संवाद करेंगीः–

प्रथम चरणः–कला,समाज विज्ञान,विधि, प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशालायें।

द्वितीय चरणः–जीव विज्ञान,प्राकृतिक संसाधन,गणित एवं संगणक विज्ञान तथा भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशालायें

तृतीय चरणः–अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकीय अध्ययनशाला।

**गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोहः–**

2 अक्टूबर 2015 को महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर प्रबंध अध्ययन विभाग में लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर प्रो. अंजिला गुप्ता मा. कुलपति कुलसचिव एच. एन. चौबे एवं डॉ. बी.डी. मिश्रा, प्रभारी अधिष्ठाता छात्र कल्याण के द्वारा माल्यार्पण किया गया। इसके पूर्व विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के मध्य चित्रकला प्रतियागिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय निम्नानुसार थाः–

विषयः–'' सत्य और अहिंसा

प्रतियोगिता का परिणाम निम्नानुसार रहाः–

| स्थान | प्रतियोगी का नाम | कक्षा | विभाग |
|---|---|---|---|
| प्रथम | सुश्री लोपा मुद्रा दीक्षित | बी.एस.सी.5 सेमेस्टर | भौतिकी |
| द्वितीय | सुश्री येंखोम बिद्यापति देवी | बी.टेक. 2 वर्ष. | संगणक विज्ञान इंजी. |
| तृतीय | सुश्री कल्पना साहू | बी.ए. 1सेम. | अंग्रेजी |

समस्त विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार स्वरूप प्रथम रू0 2500/–द्वितीय रू. 2000/– एवं तृतीय रू. 1500/– नगद एवं प्रमाण पत्र एवं गांधी दर्शन पर आधारित पुस्तक प्रदान की गई।

**सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंतीः–**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 30 एवं 31 अक्टूबर 2015 को निम्नानुसार कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

**दिनांक 30 अक्टूबर 2015**

1 **राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों की पुनश्चर्या**

व्याख्यानः– डा. राजकुमार सचदेव,जि.सं.रा.से.यो.बिलासपुर

विषयः– ''राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय सेवा योजना''

समयः– 2 बजे से 4 बजे तक

स्थानः– रजत जयंती सभागार

2 **काव्य गोष्ठीः–**

विषयः– '' विविधता में एकता''

(छात्रों,अध्यापकों एवं कर्मचारियों से प्राप्त चुनी हुई 10 कविताओं का पाठ)

समयः– 4.30 सायं से 5.30 तक
स्थानः– रजत जयंती सभागार
अध्यक्षताः– माननीय कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

**दिनांक 31 अक्टूबर 2015 को आयोजित कार्यक्रमः–**

1. विद्यार्थी – अध्यापक बास्केट बाल प्रतियोगिता
   समय– 6.30–7.30 बजे प्रातः
   संयोजक–.प्रो. वी.एस.राठौर विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग
   स्थान–खेल प्रांगण
2. पौधारोपण–
   संयोजक–डॉ. प्रो. एस.एस.सिंह
   समय–8 बजे प्रातः
   स्थान– वानिकी विभाग द्वारा चिन्हांकित
   प्रभारी–1.डा. एस.सी.तिवारी, वानिकी
   2.डा. ए.के.चंद्रा वानिकी
   3.समस्त कार्यक्रम अधिकारी,रा.से.यो.

## युवा उत्सवः

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 19 से 23 नवम्बर 2015 में 31 वां अंतर्विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का आयोजन किया गया । जिसमें इस विश्वविद्यालय से शैलेश पांडे बी.काम., एल.एल.बी 3 सेमेस्टर विधि विभाग ने भाषण एवं सुनील सिंह बी.एस.सी. 3 सेमेस्टर ग्रामीण प्रौद्योगिकी ने फोटोग्राफी विधा में भाग लिया। इस प्रतियोगी दल के दल प्रभारी डा भास्कर चौरसिया थे।

## छात्र संघ निर्वाचन

विश्वविद्यालय द्वारा 2015 के प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत 8 अक्टूबर 2015 को निर्वाचन संपन्न हुआ। जिसमें निम्नानुसार पदाधिकारी एवं सदस्य निर्वाचित किये गयेः–

## पदाधिकारी

| | |
|---|---|
| 1.अध्यक्ष | सिद्धार्थ शुक्ला |
| 2 उपाध्यक्ष | मानु नारायण सारथी |
| 3.सचिव | लक्ष्य बड़जात्या |
| 4.सह सचिव | पंकज कुमार साहू |

## सदस्य

1.अभाष भोई 2.अजीत कुमार विश्वकर्मा 3.अमन ऋषि साहू 4.आशुतोष आनंद 5. बी. आई. उमिथ 6.भूपेन्द्र कुमार 7. बुद्धराम 8.धीरज कुमार गुप्ता 9. दीक्षा अनुरागी 10.ग्लेडिस एस. मेथ्यू 11.ज्ञानेश्वर कश्यप 12.हेमन्त यादव 13.हीरामती साहू 14.कुमदनी गर्ग 15. नितीश भारद्वाज 16. मेन्शापुरी गोस्वामी 17 प्रगति चौरसिया 18.प्रशांत कुमार सिंह 19.पुनीत प्रकाश यादव 20.राहुल कुमार साहु 21.राहुल शॉ 22.राम कुमार उत्तम 23. रमन पटेल 24. सम्राट रक्षित 25.समृद्धि केशरवानी 26.सुषमा तिवारी।

## छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

नव निर्वाचित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 12 जनवरी 2016 को रजत जयंती सभागार में श्री सोनमणि बोरा संभागायुक्त बिलासपुर का मुख्य आतिथ्य, प्रो. अंजिला गुप्ता मा. कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव, मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रो. एल.पी. पटेरिया एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एस. वी. एस. चौहान भी उपस्थित थे।

## गुरू घासीदास जयंती समारोह

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 18 दिसम्बर 2015 को आयोजित गुरु घासीदास जयंती पर विद्यार्थियों के लिये वाद–विवाद, निबंध एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

**वाद–विवाद प्रतियोगिता**

विषयः–''प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के उपरांत भी छत्तीसगढ़ एक पिछड़ा राज्य है।
विजेता–मारूति नंदन एम.एससी 1 सेम.भौतिकी
उपविजेता–गौतम कु. पांडे,बी.एड. स्पे. एल.डी.शिक्षा

**निबंध प्रतियोगिताः–**

गुरु घासीदास जी का व्यक्तित्व कृतित्व।''
विजेता–अश्विनी कु.अनंत बी.एड. स्पे.एल.डी.शिक्षा,
उपविजेता–अमन ऋषि साहू बी.ए.5 सेम.हिन्दी

**प्रश्न मंचः–**

प्रौद्योगिकी संस्थान का ई क्लास रूम समय –12 बजे।
विजेता–नीतीश भारद्वाज बी.टेक 6 सेम.सी.एस.ई.
विशाल सिंह, बी.टेक.6 सेम. सी.एस.ई.
उप विजेता :– मधुकर सिंह बी.टेक. 6 सेम.मेकेनिकल इंजीनियरिंग
शिवजी प्रसादबी.टेक. 6 सेम. मेके. इंजीनियरिंग

गुरु घासीदास जयंती के इस समारोह में मुख्य अतिथि डा. भूषण लाल जांगड़े, सांसद राज्य सभा, डॉ. एम.एम. हम्बर्डे, महानिदेशक छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की मा. कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में उपरोक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतियोगियों को क्रमशः रू. 2500/–रू. 2000/– एवं रू. 1500/–के द्वारा सम्मानित किया गया।

## छात्र कल्याण योजनाः–

विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए छात्र कल्याण योजना प्रारंभ की गई इसके अंतर्गत छात्र–छात्राओं को विभिन्न संवर्गों के अंतर्गत सर्वोच्च अंक एवं खेलकूद में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने पर पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर डा. भूषण लाल जांगड़े, सांसद राज्य सभा, डा. एम.एम. हम्बर्डे महानिदेशक छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं मा. कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता अध्यक्ष एवं कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव कुलसचिव की उपस्थिति में मंच से इस वर्ष निम्नानुसार यह पुरस्कार के द्वारा सम्मानित किया गया :–

| | नाम | रोगेरटर | विभाग | अध्ययनशाला |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अजीत कुमार विश्वकर्मा | बी.टेक. तृतीय सेमेस्टर | मेकेनिकल विभाग | अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी |
| 2 | मेंसा पुरी गोस्वामी | बी.एस.सी. तृतीय सेम. | ग्रामीण प्रौद्योगिकी | प्राकृतिक संसाधन |
| 3 | शाहीना सिद्दीकी | एम.एस.सी. पंचम सेम. | रसायन विभाग | भौतिकीय |
| 4 | राहुल शॉ | एम.एस.सी. तृतीयसेमेस्टर | जूलॉजी विभाग | जीव विज्ञान |
| 5 | इंद्राणी मरकाम | एम.ए. तृतीय सेमेस्टर | अर्थशास्त्र विभाग | समाज विज्ञान |
| 6 | दीक्षा अनुरागी | बी.काम. पंचम सेमेस्टर | वाणिज्य विभाग | प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य अध्ययनशाला |
| 7 | अक्षय सिंह | एम.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर | गणित विभाग | गणित एवं संगणक विज्ञान |
| 8 | शिवानी पटनायक | बी.काम. विधि तृतीय सेम. | विधि | विधि |
| 9 | निर्मलेन्दु मैती | एम.ए. तृतीय सेमेस्टर | अंग्रेजी | कला |

## खेलकूद में चयनित विद्यार्थियों की सूची

| | नाम | सेमेस्टर | विभाग | अध्ययन शाला |
|---|---|---|---|---|
| 1 | हीरामती साहू | एम.एड. 1 सेमेस्टर | शारीरिक शिक्षा | कला |
| 2 | कु0 सुमन कुशवाहा | एम.एड. 1 सेमेस्टर | शारीरिक शिक्षा | कला |

योजना के किसी भी दूसरे स्तर पर कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ

### इस अवसर पर निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित किये गयेः–

### 1. स्वामी विवकानंद जयंती

स्वामी विवेकानंद जी जयंती पर 12 जनवरी 2016 को रक्तदान शिविर,छात्र परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह एवं स्वामी विवेकानंद जी के जीवन दर्शन पर पुस्तक एवं चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन रजत जयंती सभागार में किया गया । इस कार्यक्रम में श्री सोनमणि बोरा संभागीय आयुक्त मुख्य अतिथि,प्रो. अंजिला गुप्ता कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यक्रम की अध्यक्ष रहीं। इस समारोह में प्रो0 मनीष श्रीवास्तव कुलसचिव गुरु घासीदास विश्वविद्यालय भी उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम के समन्वयक डा. अमित खासकलम थे।

योजना के किसी दूसरे स्तर पर कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

### 2. रक्तदान शिविरः–

इसी अवसर पर **रक्तदान शिविर का उद्घाटन** रजत जयंती सभागार में किया गया जिसमें अंबलगन पी. शा.प्र.से. जिलाध्यक्ष मुख्य अतिथि श्री ब्रजेन्द्र शुक्ला निदेशक गुरूकुल आई.सी.एस., प्रो. अंजिला गुप्ता कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर कार्यक्रम की अध्यक्ष रहीं। कार्यक्रम में प्रो. मनीष श्रीवास्तव कुलसचिव गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. वी.डी. रंगारी जी थे।

### 3. स्थापना दिवस

स्थापना दिवस को केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना सप्ताह के रूप में मनाया गया।जिसमें दिनांक 15.1.16 ''वैश्विक परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा की बदलती चुनौतियां एवं विश्वविद्यालयों की भूमिका'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन रजत जयंती सभागार में समय 11 बजे किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डा. (श्रीमती) पुष्पा दीक्षित निदेशक पाणिनी शोध संस्थान, बिलासपुर प्रो. एस.पी. सिंह प्रभारी कुलपति कार्यक्रम के अध्यक्ष, एवं निदेशक गुरूकुल आई.सी.एस मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहें। समारोह में प्रो. मनीष श्रीवास्तव कुलसचिव गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के समन्वयक डा. बी.डी. मिश्रा थे। स्थापना दिवस पर आयोजित समस्त कार्यक्रमों के संयोजक प्रो. एस.वी.एस.चौहान अधिष्ठाता छात्र कल्याण रहे।

### 4. स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात कुलपति जी ने अपना उद्बोधन उपस्थित शिक्षक, अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं के बीच दिया। कार्यक्रम पश्चात प्रसाद वितरित किया गया।

### 5. राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन

संसदीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार दिनांक 7 अप्रैल 2016 को रजत जयंती सभागार में राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं निर्णायक के रूप में श्री गोपाल जी व्यास माननीय पूर्व राज्य सभा सांसद, के साथ ही कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता कार्यक्रम की अध्यक्ष,प्रो. जी.डी. शर्मा कुलपति बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर, कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.एस.वी.एस. चौहान एवं डा. मनीष श्रीवास्तव संयोजक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 55 प्रतियोगियों ने भाग लिया। सभी प्रतियोगियों को संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा निर्देशित प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

### 6. रेलवे रियायत

विश्वविद्यालय में न केवल स्थानीय अपितु प्रादेशिक एवं देश के विभिन्न प्रांतों से छात्र–छात्राएं आकर अध्ययन करते हैं। विभिन्न प्रांतो से आये छात्र–छात्राओं को अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार घोषित अवकाश में उन्हें उनके गृह नगर जाने के लिए एवं शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले छात्र–छात्राओं को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से भी भ्रमण हेतु रेलवे रियायत पन्नी प्रदान प्रदाय की जाती है। इसके अतिरिक्त मासिक रियायत पन्नी की सुविधा छात्र–छात्राओं को गृह नगर से प्रतिदिन आने–जाने के लिए प्रदान की जाती है।

### 7. बस संचालन सुविधा

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं तथा कर्मचारियों के शहर से आने–जाने के लिये पांच विश्वविद्यालयीन बसों के संचालन संबंधी कार्य में इस विभाग की भी सहभागिता रही हैं साथ ही जिला प्रशासन के सहयोग से भी नगर बस का संचालन नगर के रेल्वे स्टेशन से विश्वविद्यालय परिसर तक किया जा रहा है।

### 8. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही छात्रों को साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अभिरूचियों की अभिव्यक्ति हेतु समुचित अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से समस्त अध्ययनषालाओं में पृथक–पृथक सांस्कृतिक/साहित्यिक समन्वयकों की नियुक्ति की गयी। समस्त समन्वयकगणों द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण के संयोजकत्व में किया गया।

### 9. छात्र क्रिया–कलाप केन्द्र

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के मोनरंजन हेतु रजत जयंती सभागार के प्रथम तल में छात्र क्रिया कलाप केन्द्र की स्थापना की गई है। जिसमें वृहद आकार का टी.वी. साउंड सिस्टम, कैरम, षतरंज, इत्यादि की व्यवस्था की गई है। प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर संचालित संस्थाओं से प्राप्त विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जानकारियों से विश्वविद्यालय के समस्त विभागों/सांस्कृतिक समन्वयकों एवं अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाताओं को अवगत कराया गया।

इसके अतिरिक्त अनेक संस्थाओं की जानकारी,प्रवेश संबंधी सूचनाएं प्रतियोगिता संबंधी जानकारी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उनके परिणामों की जानकारी विभाग के सूचना पटल पर छात्र–छात्राओं के लाभार्थ लगाई जाती रही है।

## 5.3.2 कुलानुशासक मंडल

किसी भी शिक्षण संस्थान के विकास में अनुशासन को महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य मानते हुए विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद् द्वारा अनुसंशित कुलानुशासक मंडल की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय में अनुशासन को बनाए रखने हेतु एवं कुलपति द्वारा की जानेवाली समस्त अनुशासनात्मक कार्यवाही में कुलानुशासक मण्डल एक सहायक की भूमिका निभाता है। कुलानुशासक मण्डल के सदस्यों के रूप में विश्वविद्यालय के प्रावधानों के अनुरूप कार्यपरिषद् द्वारा शिक्षकों (आचार्य एवं उपाचार्य) की नियुक्ति की जाती है।

विश्वविद्यालय में रैगिंग एवं अन्य अवांछनीय घटनाओं को रोकने के लिए प्रत्येक अध्ययनशाला में एक अनुशासन समिति एवं एंटी रैंगिंग कमेटी का गठन किया गया है। इन समितियों द्वारा किसी प्रकरण के संज्ञान में लाये जाने पर कुलानुशासक मंडल प्राथमिक जाँच के उपरांत उचित कार्यवाही की अनुशंसा करता है। छात्रावासों मे अनुशासन व्यवस्था की देखरेख के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रशासनिक संरक्षकों की नियुक्ति की गई है जो किसी भी प्रकरण को अग्रिम कार्यवाही हेतु कुलानुशासक मंडल को प्रेषित करता है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यद्यपि रैंगिंग रोकने के समस्त उपाय किए गए है, तथापि सभी विद्यार्थियों को प्रवेश के समय संबंधित विभागाध्यक्ष के समक्ष इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होता है कि वे किसी अनुचित आचरण में संलिप्त नहीं होंगे तथा रैगिंग नियमों का पालन करेंगें। एंटी रैगिंग कमेटी द्वारा रैगिंग से सबंधित किसी भी प्रकरण को संज्ञान में लाये जाने पर कुलानुशासक मंडल द्वारा जाँच के उपरांत नियमानुसार उचित दण्डात्मक कार्यवाही की अनुशंसा की जाती है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में स्थापित केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग की सहायता से कुलानुशासक मंडल द्वारा परिसर में आयोजित विभिन्न समारोहों जैसे स्थापना दिवस समारोह, गुरु घासीदास जयंती समारोह एवं अन्य ऐसे सभी अवसरों पर जहाँ विद्यार्थियों की बड़ी संख्या हो, अनुशासन की समुचित व्यवस्था की जाती है। सत्र 2015–16 के दौरान कुलानुशासक मंडल की निगरानी में विश्वविद्यालय के 6000 विद्यार्थियों को पहचान पत्र वितरित किये गये। विश्वविद्यालय द्वारा गठित कुलानुशासक मंडल में एक मुख्य कुलानुशासक एवं तीन उप कुलानुशासक होते हैं।

### 5.3.3 अध्येतावृत्तियां

सत्र 2015–16 के दौरान 144 शोधार्थियों ने निम्नलिखित शोधवृतियां प्राप्त की–

1. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय पीएच.डी. अध्येतावृत्ति
2. एआईसीटीई–गेट अध्येतावृत्ति
3. डीएसटी अध्येत्तावृत्ति
4. यूजीसी राजीव गांधी अध्येतावृत्ति
5. सीएसआईआर अध्येतावृत्ति
6. गेट–एम टेक. अध्येतावृत्ति
7. यूजीसी–जेआरएफ अध्येतावृत्ति
8. यूजीसी नान नेट/एमफिल/पीएचडी अध्येतावृत्ति

### 5.3.4 आवासीय सुविधाएं

#### विवेकानंद बालक छात्रावास

विवेकानंद बालक छात्रावास की स्थापना वर्ष 1989 में की गयी, जिसमें 228 कमरे, दो कॉमन हाल एवं मनोरंजन कक्ष हैं। छात्रावास में 475 विद्यार्थियों की आवास व्यवस्था है। कक्ष आबंटन के समय छात्रावास में आरक्षण नियमों का अनुपालन किया जाता है। छात्रावास के अंतःवासियों की सांख्यिकी अग्रलिखित हैः सामान्य–193, अनुसूचित जनजाति–25, अनुसूचित जाति–64, तथा अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 193 सीटें उपलब्ध हैं।

स्वामी विवेकानंद बालक छात्रावास

#### सुविधायें

- छात्रावास में तीन मेस सुविधा सहकारी आधार पर उपलब्ध है। एयर कूलर व्यवस्था के साथ भोजन कक्ष उपलब्ध है। छात्रावास में मनोरंजन कक्ष, कॉमन हाल एवं अध्ययन कक्ष की सुविधा है। अंतःवासियों हेतु बैडमिण्टन, टेबल टेनिस एवं कैरम बोर्ड की सुविधा उपलब्ध है। जल शुद्धीकरण यंत्र के साथ 5 जल प्रशीतक लगाये गये हैं। प्रथम तल पर भोजन कक्ष, टी.व्ही. कक्ष एवं टेबल टेनिस की सुविधा उपलब्ध है। वर्ष 2012 में 186 विद्यार्थियों की क्षमता से युक्त एक नया आवासीय बालक छात्रावास बनाया गया जिसमें आरक्षण नियमों के आधार पर सामान्य वर्ग हेतु 55, अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 36, अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु 15 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 80 सीटों का निर्धारण किया गया है। यह विशेष रूप से बी.टेक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध कराया गया है।
- छात्रावास में एक रसोई कक्ष का संचालन छात्र सहयोग राशि से किया जाता है। छात्रावास में साइकल स्टैण्ड, अध्ययन कक्ष, कॉमन हाल, मनोरंजन हाल तथा खेल सुविधाओं में कैरम बोर्ड, शतरंज इत्यादि उपलब्ध है। दो जल प्रशीतक तथा दो जल शोधक यंत्र लगाए गये हैं। इनके अलावा एक छात्रावास भी विशेष रूप से वानिकी विभाग के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध है जिसमें 24 विद्यार्थी (सामान्य–13, अनुसूचित जाति–01, अनुसूचित जन जाति–02 एवं अपिव–08) है।
- छात्रावास में विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु एक ऐसा भी पुस्तकालय है जिसमें छात्र एवं वि.वि. के शिक्षकों द्वारा दान की गई पुस्तकें संग्रहित की जाती हैं। इस पुस्तकालय हेतु पुस्तकों के दान लेने सम्बधी कैम्प (शिविर) का आयोजन किया जाता है, जिसे वि.वि. द्वारा ''प्रयास'' नाम दिया गया है।
- 10 मार्च 2016 को छात्रावास दिवस मनाया गया। जिसमें खेल गतिविधियाँ एवं संध्याकाल में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

छात्रावास दिवस पर सांगीतिक प्रस्तुति

## बालिका छात्रावास

छात्राओं को आवास की सुविधा उपलब्ध करने के लिए विश्वविद्यालय में बालिका छात्रावास की स्थापना वर्ष 1989 में की गई। तब से छात्रावास सुविधा में प्रतिवर्ष सुधार हो रहा है। हमारा उद्देश्य छात्राओं को शांत, सुरक्षित, शैक्षिक और पारिवारिक माहौल उपलब्ध कराना है ताकि वो अपने उज्ज्वल भविष्य के लिये जो करना चाहती हैं उसको पूरा कर सके। सत्र 2015–16 में 401 बालिकाओं ने छात्रावास में प्रवेश लिया। प्रतिवेदन वर्ष में अन्तःवासियों की संख्या संवर्ग के अनुसार है– सामान्य–169, पिछडा वर्ग–149, अनुसूचित जाति–57, और अनुसूचित जनजाति–26।

सांस्कृतिक प्रस्तुति छात्रावास दिवस

माननीय कुलपति महोदया के साथ स्वंतत्रता दिवस समारोह

## उपलब्ध सुविधाएं

- प्रतिवर्ष जरूरत के अनुसार छात्रावास की सुविधाओं को बढातें रहते हैं। साफ–सफाई एवं अन्य आधारभूत संसाधनों का रख–रखाव सुनिश्चित किया गया है। छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएं जैसे– मेस, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था, टी.वी. कक्ष, हिन्दी और इंग्लिश पेपर के अलावा इन्टरनेट और वाई फाई की सुविधा से भी छात्रावास को जोड़ दिया गया है। अन्तःवासियों के लिये दो फैक्स मशीन की सुविधा को पहले की तरह प्रदान किया गया है जिससे वो घर जाने और बाहर जाने के लिए अपने अभिभावक की अनुमति पत्र तथा अन्य जरूरी दस्तावेज को ग्रहण कर सकती हैं। सभी विंग में अलग–अलग वाटर फिल्टर से युक्त वाटर कूलर प्रदान किया गया है। सभी विंग में अलग–अलग इंडक्शन चूल्हा की सुविधा खाद्य सामग्रियों के पकाने हेतु तथा पेय पदार्थो के उबालने हेतु 24 घण्टे अन्तःवासियों के लिए प्रदान की गई है। जेनेरेटर की सुविधा भी छात्रावास में अन्तःवासियों के लिए उपलब्ध है। सुंदर बगीचे और हरियाली छात्रावास की मनमोहक सुंदरता को बढ़ा रहें हैं। खेलकूद के लिए छात्रावास में बैटमिन्टन, टेबल टेनिस, कैरम तथा षतरंज उपलब्ध है। छात्रावास में अन्तःवासियों की दैनिक जरूरतों के लिए छात्रावास परिसर में एक दुकान चलाई जाती है जिसमें और अधिक विभिन्न ब्रांडों के वस्तुओं को बढाया गया है। छात्रावास में छात्राओं की सुविधा एवं कार्य को और अधिक सुचारू रूप से संचालित करने के लिए एक नयी वार्डन की नियुक्ती की गई। दो महिला गार्ड छत्तीसगढ सरकार द्वारा छात्रावास में अन्तःवासियों की रात–दिन सुरक्षा के लिए रखी गई हैं।

## अन्य गतिविधियाँ

समय–समय पर छात्रावास में अन्तःवासियों के व्यक्तित्व विकास एवं सांस्कृतिक विकास के लिए अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया । छात्रावास में छात्राओं के बहुमुखी व्यक्तित्व के विकास हेतु साप्ताहिक प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं द्वारा मेंहदी, रंगोली, चित्रकला, कचरे से कला के तहत सुंदर कलाकृति बनायी गयी। जिसमें विजेता छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के प्रमाण–पत्र प्रदान किये गये।

### छात्रावास अन्तःवासियों की उपलब्धियाँ

| छात्रा का नाम | विभाग का नाम | उपलब्धियां |
|---|---|---|
| स्नेहा चौहान | बी.टेक चतुर्थ सेम. कम्प्यूटर सांइस | गेट उतीर्ण |
| निकिता श्रीवास्तव | बी.टेक चतुर्थ सेम. कम्प्यूटर सांइस | गेट उतीर्ण |
| आकृति | बी.टेक चतुर्थ सेम. कम्प्यूटर सांइस | एम. एच–सी.ई.टी. उतीर्ण |
| दीक्षा गुप्ता | बी.टेक चतुर्थ सेम. आई.टी. | गेट उतीर्ण |

| | | |
|---|---|---|
| मोनिका | बी.टेक चतुर्थ सेम. कम्प्यूटर सांइस | गेट उतीर्ण एवं टी.सी.एस. परसिसटेन्स, विप्रो, रिटेल ऑन कंपनी में चयनित |
| निवेदिता सिन्हा | बी.टेक चतुर्थ सेम. आई.टी. | विप्रो एवं कैपजैमिनी कंपनी में चयनित |
| एस. विशालाक्षी | बी.टेक चतुर्थ सेम. आई.पी. | सीईईडी उतीर्ण एवं नॉलेज पोडियम कंपनी में चयनित |
| दीपमाला | बी.टेक चतुर्थ सेम. कम्प्यूटर सांइस | परसिसटेन्स कंपनी में चयनित |
| साक्षी दूबे | बी.टेक चतुर्थ सेम. केमिकल सांइस | वे एंड कैपिटल कंपनी में चयनित |
| पूजा | बी.टेक चतुर्थ सेम. कम्प्यूटर सांइस | गेट उतीर्ण, विप्रो कंपनी में चयनित |
| पूनम पुरोहित | एम.पी.एड | राष्ट्रीय एथलीट खिलाड़ी |
| गायत्री लकड़ा | एम.एस.डब्ल्यू. | राष्ट्रीय बास्केट बॉल खिलाड़ी |
| शिवानी पटनायक | बी.काम. एल.एल.बी. | बी.काम. एल.एल.बी. सर्वाधिक अंक प्राप्त किया |
| मधुमाला | बी. एस.सी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी | निबंध प्रतियोगिका में शील्ड प्राप्त किया। |

| कर्मचारियों की उपलब्धियां | | |
|---|---|---|
| परमेश्वरी रजक | महिला खेलकूद, लेमन रेस | प्रथम स्थान प्राप्त किया |
| गेमती यादव | महिला खेलकूद, लेमन रेस | द्वितीय स्थान प्राप्त किया |

### 5.3.5 व्यायामशाला

विश्वविद्यालय के छात्रावासों में देश के विभिन्न भागों से आए विद्यार्थियों की एक बड़ी संख्या निवास करती है। अत्याधुनिक एवं पूर्ण सुसज्जित व्यायाम शालाएं बालिका एवं बालक छात्रावास में स्थापित हैं।

### 5.3.6 केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ

यह कार्यालय ऐसे विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों ,व्यावसायिक घरानों, विकास के क्षेत्र तथा सरकारी संस्थाओं आदि से सम्पर्क बनाए रखता है, जो सभी विषयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए परिसर साक्षात्कार आयोजित करतें हैं एवं उनका चयन करते हैं । प्रशिक्षण एवं संस्थापना प्रकोष्ठ दूसरे व्यवस्था के साथ–साथ, समूह चर्चा , लिखित परीक्षा, एवं साक्षात्कार आयोजित करने के लिए आधारभूत सुविधाए उपलब्ध कराता हैं

**सत्र 2015–2016 के दौरान विभिन्न संगठनों में चयनित विद्यार्थियों की संख्या**

| क्र. | कम्पनी का नाम | सम्मिलित छात्रो की संख्या | चयनित छात्रों की संख्या | दिनांक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वेज 2 कैपिटल | 12 | 05 | 10.04.2015 |
| 2. | आई.सी.आई.सी.आई. प्रूडेंसियल | 79 | 35 | 12.04.2015 |
| 3. | इन्फोएस ओपन कैम्पस ड्राइव एट संगटा (आर–1) भिलाई | 24 | 03 | 21.01.2015 |
| 4. | टी.सी.एस. ऑफ कैम्पस | –– | 07 | 20.04.2015 |
| 5. | अजीम प्रेमजी फाउंडेशन | 112 | 02 | 26.05.2015 |
| 6. | (कैजमिनी) हैदराबाद | 05 | 01 | 26.06.2015 |
| 7. | परसिसटेंट | –– | 01 | 30.07.2015 |
| 8. | एप्टेन | –– | 03 | 08.01.2015 |
| 9. | एलिटमस (ऑफ कैम्पस) | –– | 12 | 24.08.2015 |
| 10. | रिटेल ऑन आई.टी. कन्सलटिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड बैंगलुरू | 85 | 08 | 19.08.2015 |
| 11. | आई.सी.आई.सी.आई. बैंक लिमिटेड | –– | 03 | 31.08.2015 |
| 12. | यूनिसीस कैम्पस ड्राइव संगटा आर–1 भिलाई | –– | 02 | 05.10.2015 |
| 13. | वेक्टर इंण्डिया प्राइवेट लिमिटेड | –– | 01 | 05.10.2015 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 14. | परसिसटेंट | 147 | 13 | 13.10.2015 |
| 15. | कैजमिनी | –– | 07 | 02.11.2015 |
| 16. | भारती एयरटेल | 45 | 04 | 08.11.2015 |
| 17. | विप्रो टेक्नोलॉजीस | –– | 10 | 03.12.2015 |
| 18. | एथिक्स फार्मा, रायपुर (छत्तीसगढ़) | 14 | 01 | 08.12.2015 |
| 19. | आई.बी. कम्प्यूटेक (सी.एस.ई.) | –– | 03 | 21.10.2015 |
| 20. | एक्सीलोन सोफ्ट. नागपुर (बी.टेक) | –– | 01 | 27.01.2016 |
| 21. | एच.डी.एफ.सी. बैंक (एम.बी.ए) | –– | 03 | 03.02.2016 |
| 22. | टाटा कम्पनी (बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम) | –– | 07 | 09.02.2016 |
| 23. | वेब दुनिया (आई.टी.) | –– | 01 | 22.02.2016 |
| 24. | विप्रो टेकनोलॉजी (बी.टेक) | –– | 15 | 24.02.2016 |
| 25. | आई.सी.आई.सी. प्रूडेंसियल (बी.कॉम, एम.बी.ए.) | –– | 24 | 24.02.2016 |
| 26. | लरसेन एण्ड टूब्रो.कम्पनी (बी.एससी., बी.कॉम) | –– | 02 | 02.03.2016 |
| 27. | लरसेन एण्ड टूब्रो. कम्पनी (बी.एससी., बी.कॉम) | –– | 02 | 10.02.2016 |
| 28. | कैपिटेल हाईट कम्पनी (एम.बी.ए.) | –– | 05 | 21.03.2016 |
| 29. | केलेबेरा टेक्नोलॉजी (बी.टेक) | –– | 04 | 28.03.2016 |
| 30. | ओरिएंट पेपर मिल (एम.एससी. केमिस्ट्री) | –– | 01 | 29.03.2016 |
| | **कुल –** | | **186** | |

| क्र. | कम्पनी का नाम | चयनित छात्रो की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | टी.सी.एस. | 07 |
| 2 | कैप जेमीनी | 01 |
| 3 | परसिसटेंट | 01 |
| 4 | एलिटमस | 12 |
| 5 | रिटेलोनाईटी | 08 |
| 6 | वेक्टर इंडिया प्राईवेट लिमिटेड | 01 |
| 7 | एपटेन | 03 |

## 5.3.7 उड़ान (गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की कार्यालयीन पत्रिका)

सन् 2001 में शुरू की गयी विश्वविद्यालयीन विद्यार्थी पत्रिका उड़ान की शुरूआत पुनः 2010 में की गयी। यह सभी अर्थो में पूर्ण विकसित पत्रिका है। उड़ान पत्रिका में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों की भावनाएँ रचनात्मक कहानियों एवं रचनाओं को सम्मिलित किया गया है इस पत्रिका की सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के सभी विभागों से ऑडीशन के माध्यम से चयनित लगभग 60 विद्यार्थियों के टीम द्वारा संचालित होती है। यह समूह 7 विभिन्न बोर्ड तथा अंग्रेजी संपादकीय, हिंदी सम्पादकीय, तकनीकी, डिजाईन, फोटोग्राफी, वेबसाईट एवं नये परिचित मार्केटिग बोर्ड से मिलकर बना हैं। इस

पत्रिका की संरक्षक एवं मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता की उपस्थिति में इस वर्ष अगस्त माह में उड़ान समूह द्वारा पत्रिका के छठें अंक का विमोचन किया गया।

उड़ान पत्रिका का विमोचन

उड़ान टीम

# सामान्य सुविधाएं

## 6. सामान्य सुविधाएँ

विश्वविद्यालय की आंतरिक व्यवस्था के रूप में केन्द्रीय सुविधाएं यहां के शैक्षणिक वातावरण को उन्नत बनाने के महत्वपूर्ण कारक के रूप में योग देती हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के साथ ही विश्वविद्यालय ने विविध नयी सहायक सुविधाओं के विकास के साथ–साथ पहले से ही गई सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। प्रतिवेदन अवधि में इस संबंध में उठाये गये महत्वपूर्ण कदम अग्रांकित है –

### 6.1. आवासीय सुविधाएँ

**जवाहर अतिथि गृह**

हरियाली युक्त एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय अतिथिगृह में पूर्णतः सुसज्जित 16 कक्ष है विशिष्ट अतिथियों के ठहरने हेतु वातानुकूलित कमरे उचित दर पर उपलब्ध हैं और बैठक हेतु 01 वातानुकूलित कक्ष भी है। अतिथियों को उचित मूल्य पर शुद्ध एवं स्वादिष्ट शाकाहारी व्यंजनों की उपलब्धता हेतु परिसर में ही रसोई घर भी उपलब्ध है। विशिष्ट अतिथियों के 10 कक्षों में डीटीएच सिस्टम से युक्त एलसीडी टेलीविजन एवं रेफ्रिजरेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। चार अतिविशिष्ट कक्षों में डाइरेक्ट डायलिंग टेलीफोन की सुविधा भी है।

**वानिकी अतिथि गृह**

वानिकी अतिथि गृह, इंडियन काउन्सिल फॉर फॉरेस्ट्री रिसर्च एण्ड एजुकेशन (आईसीएफआरई) द्वारा प्राप्त अनुदान की सहायता से स्थापित /निर्मित हुआ। इसमें 31 कक्ष हैं। यह अतिथि गृह विभिन्न प्रकार के वृक्षों की प्रजातियों से घिरा हुआ है। अतिथि गृह अस्थायी तौर पर आने वाले अतिथियों, शोध छात्रों एवं विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध करता है। अतिथि गृह में पूर्ण रूप से सुसज्जित एक व्यायामशाला भी है। सभी कक्ष अत्यन्त ही सुसज्जित हैं।-बालिकाओं की बढ़ती संख्या एवं बालिका छात्रावास की आवश्यकताओं को देखते हुए वर्तमान में वानिकी अतिथि गृह को अस्थायी बालिका छात्रावास का रूप दे दिया गया है।

**कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधाएँ**

विश्वविद्यालय कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधा भी है। कर्मचारी कॉलोनी परिसर से अच्छी सड़क एवं अन्य सुविधाओं से जुड़ी है। यह कॉलोनी हरे–भरे प्रसन्नतापूर्ण वातावरण से घिरी है। विशेष सामाजिक उत्सवों एवं आध्यात्मिक शांति के लिए एक काली मंदिर का निर्माण कॉलोनी के पास किया गया है।

कर्मचारियों हेतु परिसर में आवासीय सुविधा इस प्रकार है :

| क्रमांक | आवास के प्रकार | आवासों की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | टाईप i | 02 |
| 2 | टाईप ii | 48 |
| 3 | टाईप iii | 48 |
| 4 | टाईप iv | 75 |
| 5 | टाईप D | 32 |
| 6 | टाईप G | 08 |
| 7 | टाईप I | 20 |

## 6.2. सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह

### रजत जयंती सभागार

विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष 2007 के उपलक्ष्य में, एक केन्द्रीकृत वायु प्रशीतक सुविधा से युक्त लगभग 800 व्यक्तियों की बैठक क्षमता वाले सभागार का निर्माण किया गया। यह सभागार सभी कुर्सियों को मंच की उत्कृष्ट दृश्यता प्रदान करती है। वार्षिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त इस सभागार में विविध कार्यक्रम यथा– दीक्षांत समारोह, गुरु घासीदास जयंती, केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षक दिवस तथा बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं एवं व्याख्यान भी आयोजित किये जाते हैं।

### कांफ्रेंस हॉल

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्थित कांफ्रेंस हॉल पूर्ण रूप से वातानुकूलित एवं 100 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता से युक्त है। कांफ्रेंस हॉल बहुद्देशीय कार्यों–बैठकों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोधमौखिकी एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु प्रयुक्त होने वाला स्थान है, जो सभी प्रकार की आधुनिक दृश्य–श्रव्य सुविधाओं से युक्त है।

### मिनी कांफ्रेंस हॉल

कांफ्रेंस हॉल के साथ ही प्रशासनिक भवन में एक पूर्ण वातानुकूलित मिनी काफ्रेंस हॉल भी स्थित है जो लगभग 40 लोगों की बैठक क्षमता से युक्त है।

## 6.3 केन्द्रीय ग्रंथालय

केन्द्रीय ग्रंथालय की स्थापना 26 अक्टूबर सन् 1987 को की गई। यह विश्वविद्यालय परिसर के लगभग सात हजार विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अकादमिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। यह विशाल भवन में स्थित है जिसमें एक लाख तैतीस हजार तीन सौ नौ (1,33,309) पुस्तकों और 500 लोगों के बैठने की सुविधा है। ऑन लाइन पत्रिकाओं के साथ–साथ अतिरिक्त पाठ्य–सामग्री की उपलब्धता हेतु उपयोगकर्ताओं को संगणकों की सुविधा निःशुल्क मुहैया कराई गई है।

सेवा और सुविधाएं :–

- ऋृण
- संदर्भ एवं संदर्भित दोनों
- अन्तर्पुस्तकालयी ऋृण
- इंटरनेट
- अनुवाद (माँग के आधार पर)
- ओ.पी.ए.सी. (ऑन लाइन एक्सेस केटलाग)
- रेप्रोग्राफी
- वाई–फाई (विश्वविद्यालय परिसर में)

## वार्षिक उपलब्धियाँ

- आर.एफ.आई.डी. तकनीकी का प्रावधान और सुचारु संचालन।
- विज्ञान, कला तथा सामाजिक विज्ञान के प्राध्यापकों के आग्रह पर "इन्फ्लिबनेट" की सहायता से "नेचर", "एसआईएम" एवं "जेएसटीओआर" पत्रिकाओं की ऑन लाइन उपलब्धता।
- शोध–गंगा परियोजना में "इन्फ्लिबनेट" की भागीदारी।

## उपलब्ध संसाधन :–

| पुस्तकें | | | |
|---|---|---|---|
| सामान | विगत वर्ष 2014–15 | वार्षिक वृद्धि 2015–16 | कुल |
| पुस्तकें | 1,33,343 | 0 | 1,33,309 |
| संदर्भ ग्रन्थ | 6078 | 0 | 6078 |
| सीडीआरओएम | 1009 | 0 | 1009 |

### पत्रिकाएँ (मुद्रित/ऑन लाइन)

| | | | |
|---|---|---|---|
| पिछले अंक (मुद्रित) | 4552 | 4552 | 0 |
| पत्रिकाएं उपभोग की हुई (मुद्रित) | 403 | 403 | 0 |
| यूजीसी इन्फोटेक ( "इन्फ्लिबनेट") के माध्यम से ऑन लाइन पत्रिकाएं | 10962 | अनवरत–7441 | अनवरत–7441 |
| बिब्लियोग्राफी डाटाबेस (इन्फ्लिबनेट") | 02 | अनवरत – 02 | अनवरत – 02 |
| बिजनेस सोर्स एलीट (ईबीएससीओ–पब्लिकेशन) | 1802 | अनवरत – 1100 | अनवरत – 1100 |
| फारमेकोलॉजी, टेक्सकोलॉजी एवं फार्मास्यूटिकल | 0 | 82 | 82 |

## अन्य संचयन

| | | | |
|---|---|---|---|
| लघु शोध प्रबंध (एम.फिल.) | 650 | – | 650 |
| शोध प्रबंध (पीएच.डी.) | 1438 | 0 | 1438 |
| समाचार पत्र (हिन्दी–अंग्रेजी, क्षेत्रीय) | 16 | 16 अनवरत | 16 |
| पत्रिकाएँ (हिन्दी–अंग्रेजी, क्षेत्रीय) | 8 | 07 अनवरत | 07 |

## सदस्यता विवरण –

| सदस्यता कोटि | सदस्यों की संख्या | सदस्य वृद्धि प्रतिवेदन वर्ष 2015–16 में | सदस्यता छोड़ने वाले छात्र वर्ष 2015–16 में | कुल योग |
|---|---|---|---|---|
| विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के छात्र | 5200 | 2126 | 1316 | 6010 |
| विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के अध्यापक | 219 | 18 | 0 | 237 |
| शोध छात्र | 342 | 08 | 0 | 350 |
| कर्मचारी | 316 | 03 | 0 | 319 |

साइंस डायरेक्ट, बिलेब्लेकवेल, टैलर एवं फ्रांसिस, स्प्रिंगर लिंक, कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी प्रेस, इकोनामिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली, एमरल्ड–लाइब्रेरी साइंस, इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स, नेचर, एस.आई.ए.एम. जर्नल एण्ड जे.एस.टी.ओ.आर. (इन्फ्लिबनेट के माध्यम से पूरे पाठ उपलब्ध हैं)

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नमेसिट परियोजना की स्थापना

वैश्विक ज्ञान के आधार पर समाज के निर्माण में आई.सी.टी. की भूमिका को महसूस करते हुये भारत सरकार तथा "निमसेट" परियोजना ने वाई–फाई तथा इंटरनेट सेवा को विश्वविद्यालय की आधारभूत आवश्यकता के रुप में प्रदान किया। 640 नोड्स तथा एक जी.बी. प्रति सेकण्ड की क्षमता के साथ विश्वविद्यालय में यह परियोजना विश्वविद्यालय की जरुरतों, प्रशासनिक आवश्यकताओं तथा अन्य अकादमिक बैठकों में यह परियोजना कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त चयनित पांच जगहों पर इंटरनेट सुविधा के साथ वाई–फाई की यह सेवा प्रदान की जाती है। नामांकित सेवाओं के अतिरिक्त हम भी भारत के माननीय प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के विशिष्ट उद्बोधनों का समय–समय पर सीधा प्रसारण करते हैं।

## भविष्य की योजनाएं

- ग्रंथालय की सेवाओं को और अधिक मैत्रीपूर्ण बनाना।
- अरनेट की सहायता से विश्वविद्यालय परिसर में वाई–फाई सुविधाओं की उपलब्धता कराना।

  विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागीय गतिविधियों का हर रोज के विकास और देख रेख को निर्देशित करने के लिए प्रतिवेदन वर्ष में आन्तरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई।

## 6.4. कैफेटेरिया

विश्वविद्यालय कैफेटेरिया समर्पित शिक्षकों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों एवं छात्रों के समूह द्वारा चालित है जो लाभ–हानि मुक्त आधार पर चलता है। यह 27 जून 2009 को आरंभ हुआ जिसके द्वारा विश्वविद्यालय समुदाय की खान–पान संबंधी दैनिक आवश्यकताएं सफलतापूर्वक पूरी की जाती हैं। कैफेटेरिया सभी कार्यदिवसों में प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक तथा विशेष अवसरों पर अवकाश के दिन भी खुला रहता है।

## 6.5. केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग

विश्वविद्यालय लगभग 656 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जिसमें बड़ी संख्या में आवास, भवन, प्रयोगशालायें, आवासीय परिसर, अतिथिगृह, छात्रावास के साथ–साथ बहुमूल्य वृक्षों की प्रजातियाँ एवं जलराशि स्थित है। इस विस्तृत परिसर की सुरक्षा हेतु क्षमता सम्पन्न एवं सशस्त्र सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। इस अनुभाग में एक कार्यवाहक नियंत्रक, एक सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं 5 सुरक्षा पर्यवेक्षक हैं। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय प्रशासन के अधीनस्थ है और परिसर की सुरक्षा के प्रति उत्तरदायी है। इसके लिये परिसर को चार भागों – उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी भाग में विभक्त किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र की देख–रेख सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं सुरक्षा पर्यवेक्षक द्वारा की जाती है और मुख्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा समय–समय पर चारों भागों का निरीक्षण किया जाता है। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय प्रशासन और अनुबंधित सुरक्षा एजेंसी के बीच कार्य करता है। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग के दायित्वों में विश्वविद्यालय परिसर में यातायात परिचालन को नियंत्रित करना, पार्किंग की व्यवस्था को देखना एवं परिसर में अनुशासन को बनाये रखने में कुलानुशासक मण्डल की सहायता करना भी सम्मिलित है।

## 6.6 स्वास्थ्य केन्द्र

स्वास्थ्य केन्द्र विश्वविद्यालय परिसर के केन्द्र में स्थित है । जहाँ पुरूष और महिला वार्ड की पैथोलॉजिकल लैब्स की व्यवस्था है, तथा जो विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, परिसरवासियों, विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। एक मेडिकल आफिसर की सहायता के लिए कम्पाउंडर, ए.एन.एम. (महिला) और एम्बुलेंस चालक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्त हैं । इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अग्रिम उपचार के लिए रोगी को मेडिकल कॉलेज (सिम्स) अथवा अपोलो हॉस्पिटल भेजने की भी व्यवस्था है । वर्ष 2015–16 की अवधि में स्वास्थ्य केन्द्र में कुल 10400 मरीजों की जांच एवं उपचार निःशुल्क किया गया। स्वास्थ्य केन्द्र में एक इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) मशीन एवं केमिकल ब्लड एनालाईजर की सुविधा उपलब्ध है, जिससे खून की विभिन्न प्रकार की जांच की जाती है। स्वास्थ्य केन्द्र में 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा एवं आमंत्रण पर चिकित्सक को बुलाने की सुविधा केन्द्र द्वारा मुहैया करायी जाती है।

## 6.7 आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली में सुधार के निरीक्षण के लिए प्रतिवेदन अवधि में आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय की विकासात्मक गतिविधियों के उन्नयन हेतु विभिन्न आवश्यक कदम यथा– निरीक्षण, सुझाव, नये विचारों को लागू करना इत्यादि उठाता है।

## 6.8 मीडिया प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय मीडिया प्रकोष्ठ अक्टूबर 2009 से कार्य कर रहा है। यह समाज के लिये विश्वविद्यालय के झरोखे के रुप में कार्यरत है। इस प्रकोष्ठ का प्रमुख उद्देश्य मीडिया एवं समाज के साथ सम्पर्क अभिकर्ता के रुप में कार्य करना है। विश्वविद्यालय के अभिकरण के रुप में मीडिया को सामाचार भेजना इसके प्रमुख कार्यों में से एक है। समाचार एवं सूचनाओं के प्रेषण के साथ–साथ यह प्रकोष्ठ परिसर में होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं विभिन्न विभागों में होने वाले कार्यक्रमों की रिपोर्ट करता है। इन कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग के अतिरिक्त मीडिया सेल विश्वविद्यालय की प्रकाशित खबरों का संग्रह भी करता है। इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत दस्तावेजीकरण केन्द्र भी है, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विडियो व मुद्रित चित्र एवं डिजिटल स्वरुप में उपलब्ध है। यह प्रकोष्ठ आवश्कतानुसार हार्ड एवं साफ्ट कापी में समाचार एवं चित्र उपलब्ध कराता है।

## 6.9 राजभाषा प्रकोष्ठ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना वर्ष 2009 में हुई । वर्तमान में स्वतंत्र इकाई के रूप में कार्यरत यह प्रकोष्ठ प्रारंम्भिक तौर पर विकास शाखा के अन्तर्गत कार्य कर रहा है । राजभाषा प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य राजभाषा अधिनियम

1963,1976 नियम एवं राजभाषा नीति का विश्वविद्यालय में अनुपालन है । इसके लिये माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा क्रियान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाती है। प्रकोष्ठ द्वारा त्रैमासिक प्रतिवेदन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग को नियमित तौर पर प्रेषित किया जाता है। विश्वविद्यालय में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन हेतु हिन्दी अधिकारी की नियुक्ति की गई है। राजभाषा प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में राजभाषा नीति के पालन के लिए प्रतिबद्ध है। राजभाषा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय के सभी नाम एवं सूचना पट्‌िकाओं को द्विभाषी किया गया है। विश्वविद्यालय के सभी पत्र–प्रपत्रों एवं दस्तावेजों को द्विभाषी किया जा रहा है ।

### प्रतिवेदन वर्ष की उपलब्धियाँ –

राजभाषा-प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से 25 जून एवं 15 अगस्त 2015 को विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए राजभाषा संबंधी एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें क्रमशः 35 एवं 25 कर्मचारी शामिल हुए । प्रतिवेदन वर्ष में राजभाषा प्रकोष्ठ ने भर्ती पदोन्नति नियम 2011 (गैर शैक्षणिक पदों हेतु ) का हिन्दी अनुवाद अंग्रेजी से किया। चिकित्सा परिचर्चा नियम एवं गणवेश आबंटन नियम का हिन्दी अनुवाद पहले से ही पूरा किया जा चुका है। ये नियम मूल रूप से अंग्रेजी में थे । राजभाषा प्रकोष्ठ ने 14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस के अवसर पर ''समकालिन हिन्दीः दशा और दिशा'' विषयक गोष्ठी का आयोजन किया ।

प्रतिवेदन वर्ष में राजभाषा प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित 'प्रशासनिक शब्दावली का वितरण किया । वहीं विश्वविद्यालय में राजभाषा क्रियान्वयन समिति की चार बैठकों का आयोजन किया गया।

## 6.10. डाकघर एवं बैंक

परिसर में रहने वाले लोगों एवं विद्यार्थियों के लिए संचार व्यवस्था एवं बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन सेवाओं की पूर्ति डाकघर एवं पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से होती है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डाकघर 'स्पीड पोस्ट' टेलीफोन बिल जमा करने एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति करता है। एक नवीन इलेक्ट्रॉनिक टेलीफोन एक्सचेंज भी परिसर में स्थापित किया गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम परिसर में स्थित है जो 24 घंटे सेवा प्रदान करते हैं।

## 6.11. सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (आरटीआई )

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का मुख्य उद्‌देश्य लोक निकायों में पारदर्शिता एवं उत्तर दायित्व बोध में अभिवृद्धि करना है।

विश्वविद्यालय के सूचना के अधिकार से जुड़े मुद्‌दों के प्रभावी निराकरण हेतु सूचना प्रकोष्ठ केन्द्र बिन्दु के रुप में कार्य कर रहा है।

वर्ष 2015–16 (अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक) में सूचना के अधिकार के अंतर्गत 229 आवेदन पत्र प्राप्त हुये हैं। आवेदकों से प्राप्त आवेदनों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानान्तर्गत वांछित जानकारी आवेदकों को प्रदान करने हेतु संबंधित लोक सूचना अधिकारी को भेजा जाता है।

वर्ष 2015–16 में 57 प्रथम अपील पत्रों को प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रथम अपीलीय अधिकारी अपील की सुनवाई के माध्यम से अधिनियम के प्रावधानानुसार इनका निराकरण करते हैं।

यह प्रकोष्ठ मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं केन्द्रीय सूचना आयोग को नियमित रूप से प्रतिमाह अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करता रहता है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा – 4 (बी) के अनुपालन में प्रत्येक वर्ष जानकारी को अद्यतन कर विश्वविद्यालय की बेवसाइट में अपलोड करता है।

## 6.12 खेलकूद सुविधाएं

शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा परिसर में खेल सुविधाएं एवं इनकी देख–रेख का कार्य किया जाता है। वर्तमान में उपलब्ध खेल सुविधाओं में दो दूधिया रोशनीयुक्त बास्केट बाल कोर्ट, 400 मीटर ट्रैक, दो वॉलीबाल कोर्ट, दूधिया रोशनी युक्त जिमनास्टिक फ्लोर, चार खो–खो एवं कबड्डी मैदान, आधुनिक व्यायामशाला, टेबल टेनिस हॉल, हैंड बाल ग्राउंड, क्रिकेट एवं फुटबाल के मैदान तथा बालक एवं बालिका छात्रावासों में बैडमिंटन कोर्ट सम्मिलित हैं। इन खेल सुविधाओं का विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा नियमित अभ्यास के साथ–साथ विभिन्न स्तरों को विशेष प्रशिक्षकों द्वारा खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। रूपये 1,00,00000 (एक करोड़) की लागत से स्वीमींग पुल का निर्माण प्रगति पर है। 400 मीटर ट्रैक एवं स्वीमिंग पुल निर्माण संबंधी टेंडर का प्रस्ताव प्रगति पर है।

## 6.13. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर 1988 में अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ स्थापित किया गया। यह प्रकोष्ठ एक इंचार्ज एवं चार अन्य सदस्यों के माध्यम से कार्य करता है। यह प्रकोष्ठ अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की समस्याओं के समाधान एवं यूजीसी /सरकार के नियमों अनुरूप छात्रवृत्ति दिलाने में सहायता करता है। यह प्रकोष्ठ विभिन्न शैक्षणिक विभागों में अपनायी जाने वाली प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत आरक्षण नीति का निरीक्षण करता है। इस प्रकोष्ठ के प्रमुख उद्देश्य निम्न हैं –

- अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्ति में सहायता।
- अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों की जानकारी का दस्तावेजीकरण।
- जिला एवं राज्यस्तरीय अधिकारियों से छात्रवृत्ति के संबंध में संपर्क।
- परामर्श के लिए विद्यार्थियों की सहायता एवं मार्ग–निर्देशन।

### प्रवेश प्रक्रिया में आरक्षण एवं छूट

भारत सरकार की नीतियों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय ने प्रत्येक पाठ्यक्रम में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 15 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए 7.5 प्रतिशत सीटें इन वर्गों के मध्य अंतर–परिवर्तन की सुविधा (यदि आवश्यक हो) के साथ आरक्षित की है। अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित अभ्यर्थियों के लिए 27 प्रतिशत सीट के आरक्षण का प्रावधान है। इसके लिए उपयुक्त अधिकारी से अन्य पिछड़ा वर्ग संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इन सीटों पर अभ्यर्थियों द्वारा योग्यता प्रवेश परीक्षा (वीईटी) उत्तीर्ण होने के उपरांत ही प्रवेश दिया जाएगा।

### भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियाँ

विश्वविद्यालय द्वारा योग्यताधारी एवं पात्र अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति की प्राप्ति हेतु सुविधा प्रदान की गयी है। आवासीय विद्यार्थियों की फीस, प्रवेश, ट्यूशन, परीक्षा आदि सभी वार्षिक व्यय इनमें सम्मिलित हैं।

छात्र/छात्राओं का विवरण

| क्र | वर्ष | श्रेणी | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | 2015–16 | अन्य पिछड़ा वर्ग | 973 |
| 2 | 2015–16 | अनुसूचित जाति | 527 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3 | 2015–16 | अनुसूचित जनजाति | 329 |
| | | **कुल** | **1829** |

## 6.14 एस.टी.डी. /पी.सी.ओ./फोटोकापी कार्नर

विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध इन सुविधाओं में से एक प्रशासनिक भवन परिसर में स्थित है, तथा दूसरी सुविधा केन्द्रीय ग्रंथालय भवन में उपलब्ध है। फोटोकॉपी केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एवं संशोधित दर पर छायाप्रति की सुविधा उपलब्ध कराता है। छायाप्रति के साथ–साथ टेलीफोन एवं फैक्स की सुविधा भी उपलब्ध है। ये केन्द्र लेखन सामग्री भी उचित दरों पर उपलब्ध कराते हैं।

## 6.15 यातायात सुविधाएं

नये पाठ्यक्रम संचालित होने के कारण विद्यार्थियों की सख्या में होने वाली क्रमशः वृद्धि से आवागमन की सुदृढ़ सुविधा की आवश्यकता महसूस की गई। विश्वविद्यालय की बसें नियमित रूप से पूरे दिन नगर के प्रमुख स्थलों से विश्वविद्यालय के बीच चलती है।

## 6.16 उपकरणों के रख–रखाव से संबंधित सुविधाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से विश्वविद्यालय में 'आइएमएफ' की स्थापना की गई है। जिसका मुख्य उद्देश्य रख–रखाव संबंधी प्रशिक्षण, विश्वविद्यालय में सामान्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की देख–रेख एवं स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की प्रयोगशालाओं के रख–रखाव तथा उन्हें बनाने में सहायता प्रदान करना है।

## 6.17 एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (आई.यू.एम.एस.)

विश्वविद्यालय परिसर के वातावरण को पारंपरिक से सक्षम स्मार्ट आई.सी.टी. ऑनलाईन डिजीटल कैम्पस के रूप में व्यवस्थित क्रम में बदलने के लिए एक्सपेडियन के सहयोग से भारतीय टेलिफोन इंडस्ट्रीज (आई.टी.आई.) द्वारा विश्वविद्यालय के लिए एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन तंत्र (प्रणाली) विकसित किया गया है। शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को स्मार्ट क्लास रूम सहित आनलाईन एवं स्वचालित बनाने के लिए तंत्र निष्पादित किया गया है। इसके लिए भारतीय टेलिफोन इंडस्ट्रीज ने एक्सपेंडियन्स के साथ साझेदारी में अनुबंध का निर्णय लिया तथा सिस्टम रिक्वायरमेंट स्पेसिफिकेशन (एस.आर.एस.) लेवल माड्यूल डिजाईन के अनुमोदनोपरान्त पहले चरण के कार्यान्वयन के लिए 2013 में काम पूरा किया गया। इसे वर्तमान में वित्त, लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (आई.यू.एम.एस.) की स्थापना के लिए विनिर्देशों के अनुसार डेटा/सर्वर रूम की निर्मिति के बाद इन माड्यूल का क्रियान्वयन किया गया। आई.यू.एम.एस. का उपयोग कर परीक्षा परिणाम तथा सत्रीय प्रवेश प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। आई.यू.एम.एस. के माध्यम से विश्वविद्यालय के लिए ऑनलाईन भुगतान सेवाएं कार्यान्वित की जाती है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वेतन भी आई.यू.एम.एस. के माध्यम से वितरित किया जाता है।

### आई.यू.एम.एस. के तहत निम्नलिखित माड्यूल वर्तमान में क्रियाशील हैं।

01. वित्तीय लेखांकन :– यह हमारे विश्वविद्यालय के सभी वित्तीय लेखांकन से संबंधित काम का ख्याल रखता है।
02. अकादमिक मॉडयूल :– इसके अंतर्गत प्रवेश, नामांकन, छात्र डाटाबेस, पाठ्यक्रम संरचना आदि की ऑनलाईन सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
03. परीक्षा मॉड्यूल :– इसके अंतर्गत सभी नामांकित छात्रों का डेटाबेस उनके अभिलेख, परीक्षा परिणाम की प्रक्रिया आदि तैयार किए जाते हैं।

04. गोपनीयता :– इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के गोपनीय विभाग से संबंधित कार्य का ख्याल रखा जाता है।

05. एच.आर.एम.एस. माड्यूल :– स्थापना विभाग के लिए कर्मचारियों से संबंधित समस्त प्रक्रियाएं।

06. कर्मचारी पोर्टल :– इसके अंतर्गत कर्मचारियों से संबंधित सेवाएं जैसे– वेतन, वेतन पत्रक, सेवापुस्तिका एवं सेवा सुविधाएं जैसे कि अवकाश आवेदन, ऋण, अतिरिक्त लाभ आदि तक ऑनलाईन पहुंच प्रदान की जाती है।

07. डाक माड्यूल :– एक विभाग/भाग से दूसरे विभाग के बीच ऑनलाईन संचार एवं अभिलेखों का हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना।

08. फाइल मॉनिटरिंग सिस्टम मॉड्यूल :– विभाग अनुभागों एवं विभागों से संबंधित फाइलों, उनकी स्थिति एवं कार्यवाही का ऑनलाईन विवरण।

09. कुलपति माड्यूल :– इसके अंतर्गत कुलपति कार्यालय से संबंधित समस्त कार्यालयीन कार्य, कुलपति के यात्रा कार्यक्रम एवं डेली डायरी का ध्यान रखा जाता है।

10. विद्यार्थी पोर्टल :– यह विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए पृथक पोर्टल है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों की सभी सुविधाओं जैसे– विद्यार्थियों की प्रोफाइल, विषय पंजीकरण, विषय कार्ड, परीक्षा परिणाम, अध्यापकों के पृष्ठपोषण, ऑनलाईन चालान/शुल्क भुगतान आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है।

11. लीगल (कानूनी) माड्यूल :– विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त विधिक मामलों एवं उनकी स्थिति से संबंधित जानकारी आनलाईन प्रदान की जाती है।

12. अतिथि गृह :–इसके अंतर्गत अतिथि गृह में कक्षों के आबंटन, कक्ष उपलब्धता, एवं संबंधित कार्य का ख्याल रखते हैं।

13. सूचना का अधिकार माड्यूलः– इसके अंतर्गत सभी कानूनी मामलों के लिए ऑनलाईन पहुंच एवं विश्वविद्यालय से संबंधित प्रत्येक मामले की जानकारी उपलब्ध करायी जाती है।

14. छात्रावास :– इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रावास आबंटन संबंधी कार्य जैसे उपलब्धता, आबंटन, शुल्क, विद्यार्थियों की जानकारी आदि का ख्याल रखा जाता है।

15. कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम (लिगल) :– इसके अंतर्गत सभी कानूनी मामले, ऐतिहासिक अभिलेख एवं संबंधित एम.आई.एस. भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

16. वाहन (परिवहन) :– यह वाहन रिकार्ड प्रविष्टि एवं उसके आबंटन की सुविधा प्रदान करते हैं।

17. इवेन्ट/कार्यशाला/संगोष्ठी :– इस माड्यूल में हम इवेन्ट संबंधित प्रक्रिया का प्रबंध करते हैं।

18. बिल प्रबंधन :– इसके अंतर्गत संग्रह एवं वित अनुभाग के बिल भुगतान संबंधित कार्य तथा संबंधित एम.आई.एस. की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

19. इनवेटरी (वस्तुसूची) :– इसके अंतर्गत संग्रह अनुभाग संबंधित कार्य की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

20. प्री–एडमिशन (पूर्व प्रवेश) :– इसके अंतर्गत पृथक पोर्टल में नए छात्रों (वी.ई.टी. एण्ड वी.आर.ई.टी.) की प्रवेश प्रक्रिया, अधिसूचना अनुसार सभी प्रकार की प्रवेश संबंधी जानकारी जैसे– विवरणिका, विज्ञापन, सूचना, सीट की उपलब्धता, पॉलिसी (नीति), एंव विद्यार्थियों का पंजीयन, ऑन लाईन भुगतान सुविधा सहित आनलाईन फार्म जमा करना, पाठ्यक्रमानुसार पंजीयन क्रमांक बनाना, सभी प्रकार की रिपोर्ट संबंधित जानकारी उपलब्धता, आदि का ध्यान रखा जाता है।

## ज्ञान प्रबंधन प्रणाली तंत्र

### मेडिकल बिल प्रोसेस

इसके अंतर्गत मेडिकल बिल के भुगतान संबंधी प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय में आई.यू.एम.एस. का चरणबद्ध क्रियान्वयन निम्नानुसार किया जा रहा है :–

यह प्रणाली (तंत्र) आई.यू.एम.एस. कोर समिति द्वारा संचालित हो रही है।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान आई.यू.एम.एस. कोर समिति की चार बैठकें आयोजित की गई और माड्यूल के क्रियान्वयन एवं उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय का एक नम्बर ले लिया गया। विभिन्न माड्यूल्स की समस्याओं से निपटने के लिए उनकी समीक्षा की गयी एवं समाधान भी सुझाए गए। आई.सी.टी. के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से लेन सर्वर के पुनर्विन्यास की आवश्यकता है, किन्तु इसमें विशेष रूप से $Z_2$ एवं $Z_3$ परत के साथ ही नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित कुशल जनशक्ति को बड़ी समस्या के रूप में चिन्हित की गई है। कुछ माड्यूल में डेटा के अद्यतन एवं सुरक्षा में संबंधित माड्यूल मालिकों द्वारा भी विश्वसनीयता की समस्या की पहचान की गई। कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता तथा उन्हें इस प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर भी इन बैठकों में प्रकाश डाला गया। इस सत्र में आई.यू.एम.एस. कोर समिति 29.06.2015, 19.08.2015, 29.02.2016, 25.04.2016 को बुलाई गई थी। माननीय कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता ने विश्वविद्यालय के

| क्र. | माड्यूल का नाम | वितरण चरण | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 01. | वित्तीय लेखांकन | प्रथम चरण | सजीव |
| 02. | अकादमी एवं प्रशासन | प्रथम चरण | सजीव |
| 03. | परीक्षा एवं प्रगति रिपोर्ट | प्रथम चरण | सजीव |
| 04. | गोपनीयता | प्रथम चरण | सजीव |
| 05. | मानव संसाधन प्रबंधन, पे–रोल एवं पेंषन | प्रथम चरण | सजीव |
| 06. | कर्मचारी पोर्टल | प्रथम चरण | सजीव |
| 07. | डाक/कूरियर प्रबंधन | प्रथम चरण | सजीव |
| 08. | डाक्यूमेंट/फाईल ट्रेकिंग | प्रथम चरण | सजीव |
| 09. | कुलपति कार्यालय प्रबंधन | प्रथम चरण | सजीव |
| 10. | अतिथि आवास | प्रथम चरण | सजीव |
| 11. | विद्यार्थी पोर्टल | प्रथम चरण | सजीव |
| 12. | सूचना का अधिकार | प्रथम चरण | सजीव |
| 13. | छात्रावास | प्रथम चरण | सजीव |
| 14. | न्यायालयीन मामलों की निगरानी प्रणाली विधिक | प्रथम चरण | सजीव |
| 15. | वाहन (परिवहन) | प्रथम चरण | सजीव |
| 16. | कार्यक्रम/कार्यषाला/संगोष्ठी | प्रथम चरण | सजीव |
| 17. | बिल प्रबंधन | प्रथम चरण | सजीव |
| 18. | खोजबीन | प्रथम चरण | सजीव |
| 19. | बिल प्रबंधन | द्वितीय चरण | सजीव |
| 20. | पूर्व प्रवेश | प्रथम चरण | सजीव |
| 21. | ज्ञान प्रबंधन प्रणाली (तंत्र) | प्रथम चरण | सजीव |
| 22. | मेडिकल बिल कार्य | द्वितीय चरण | प्रस्तावित |

शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों सहित सभी हितधारको को एम.आई.एस. के लिए आई.यू.एम.एस. के उपयोग एवं यथाशीघ्र कागज रहित विश्वविद्यालय के लक्ष्य को साकार करने के लिए दृढ़तापूर्वक निर्देश दिए। आई.टी.आई. लिमिटेड के एम/एस विक्रेताओं एवं एक्सपेडियन अधिकारियों ने भी माड्यूल में आने वाली कमियों को प्रदर्शित करने एवं दूर करने के लिए कहा है।

## 6.18 विश्वविद्यालय मुद्रणालय

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की प्रयोगशाला के रूप में विश्वविद्यालय प्रेस की स्थापना वर्ष 1989 में की गई। वर्तमान में उत्तर–पुस्तिकाओं की छपाई को छोड़कर (जो ट्रेडल मशीन से की जाती है) सभी प्रकार की छपाई का कार्य ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन द्वारा किया जाता है। प्रेस में छपाई संबंधित विभिन्न कार्य संपन्न किए जाते हैं जिनमें मुख्य एवं पूरक परीक्षाओं के लिए आवेदन पत्र एवं परीक्षा पत्र सम्मिलित हैं। विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षाओं हेतु उत्तर पुस्तिकाओं की छपाई की जाती है। इसके साथ–साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों एवं विभाग से जुड़े पत्रकों तथा परीक्षा केन्द्रों पर उपयोग में लाए जाने वाले विभिन्न पत्रकों के मुद्रण का कार्य भी प्रेस द्वारा किया जाता है।

# परिसर की जैव विविधता

# विभिन्न मानव संसाधन विकास मंत्रालय यूजीसी / भारत सरकार योजनाओं के कियान्वयन

## 1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय निर्देशित विभिन्न योजनाएँ/परियोजनाएँ/प्रकोष्ठ

### 7.1 अकादमिक पीठ का सृजन (निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की साझेदारी उपकम के अंतर्गत)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, पीपीसी प्रणाली के तहत गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में शोध पीठ की स्थापना के लिए नोडल प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रणाली को विभिन्न क्षेत्रों में बहुत ज्यादा महत्व मिल रहा है। केन्द्र/राज्य सरकार के सीमित वित्तीय संसाधनों के बीच उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गो तक पहुँचाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नीजी क्षेत्र की सहभागिता वाली नई व्यवस्था को सुस्पष्ट नीतियों, सरल मानकों एवं देखरेख की क्रिया विधि के साथ विकसित किए जाने की व्यवस्था है। इसका ध्यान रखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार उक्त योजना को क्रियान्वित करने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने नोडल प्रकोष्ठ का गठन किया है।

इस समिति की अध्यक्ष कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता व नोडल अधिकारी प्रो. ए. के. सक्सेना है। समिति के उद्देश्य की पूर्ति के लिए शिक्षाविदो एवं उघोग/शासकीय क्षेत्र के लोगों को इसमें शामिल किया गया है, ताकि उनकी विशेषता का लाभ लिया जा सके। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय और उद्योगों के बीच पीपीपी सहलग्नता के लिए समिति के सदस्य उद्योगों के साथ लगातार सम्पर्क में है।

### 7.2 गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का पूर्वछात्र सम्मेलन (जीजीवी – एलुमनी)

प्रबंध अध्ययन विभाग के पूर्व छात्रों ने सत्र 2015–16 के लिए एमबीए प्रवेश प्रक्रिया में अपना योगदान दिया। प्रौद्योगिकी संस्थान (आई0टी0) के पूर्वछात्र श्री जयशंकर तरूण, निदेशक उत्पादन विकास, नॉलेज पोडियम सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे ने विश्वविद्यालय का दौरा किया एवं 19 से 21 अप्रैल, 2016 के दौरान बिलासपुर के सभी इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के मैकेनिकल एवं आई0पी0 इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए स्थानन (प्लेसमेंट) गतिविधियाँ का संचालन किया। श्री प्रो. बल सिन्हा, महाप्रबंधक, श्री शरद मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री मनोज प्रोडक्शन लीड, श्री अभिषेक वरिष्ठ विकास इंजीनियर एवं श्री अजित मल्टी मीडिया लीड इस स्थानन दल (प्लेसमेंट टीम) के सदस्य थे । इस परिसर से कुल 09 छात्र चयनित हुए। इसमें से 07 छात्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान (आई0टी0) के थे। जे.के. इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, बिलासपुर एवं सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी के 1–1 छात्र का चयन किया गया । इंस्टीट्यूट के पूर्वछात्र श्री जयशंकर तरूण कुलपति, निदेशक, प्रौद्योगिकी संस्थान, अधिष्ठाता, इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी और सभी विभागाध्यक्षों के साथ हुई बैठक में शामिल हुए । बैठक में चर्चा हुई कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के विकास में किस तरह योगदान दे सकते हैं । श्री तरूण ने आश्वस्त किया, कि वे इस कार्य में पूरा सहयोग देंगे ।

### 7.3 ग्लोबल इनीशिएटिव ऑफ एकेडेमिक नेटवर्क (जीआइएएन)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली ने ग्लोबल इनीशिएटिव ऑफ एकेडेमिक नेटवर्क्स (GIAN) प्रारम्भ किया है। इस कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए 06 प्रस्ताव राष्ट्रीय समन्वयक, गीआन को प्रेषित किया है। इनमें से निम्न प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। इस पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 8.16 लाख रूपए स्वीकृत कर राशि जारी कर दी है।

### 7.4 ऊष्मा नियंत्रक प्रकोष्ठ (इनक्यूवेटर सेल)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 2015 में इन्क्यूवेटर प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। पेटेन्ट, प्रयोगशाला से धरातल एवं प्रयोगशाला से उद्योग तक तकनीकी के स्थानान्तरण के लिए इसकी स्थापना की गई। नोडल अधिकारी डॉ0 वी.डी. रंगारी के नेतृत्व में दस सदस्यीय समिति का गठन इस प्रकोष्ठ की देखरेख के लिए किया गया है। समिति द्वारा किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :–

01. इन्क्यूवेटर प्रकोष्ठ ने इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मस्यूटिकल साइंसेज, जीजीवी के सहयोग से दिनांक 10–11 अप्रैल, 2015 को ''इक्नोमेडिसीन EOS न्यू ड्रग डिस्कवरी, अवसर एवं चुनौतियॉ'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का प्रायोजन किया। इस सेमिनार में पेटेन्ट एवं औद्योगिक सहभागिता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।
02. इन्क्यूवेटर प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से पेटेन्ट/तकनीकी स्थानान्तरण से संबंधित शोध परियोजनाओं का एकत्र किया, जिसमें प्रयोगशाला से उद्योग को मिलने वाला परिणाम भी शामिल है।

03. विश्वविद्यालय में पेटेन्ट व तकनीकी स्थानान्तरण की योजना बनाने, क्रियान्वित करने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए 19 अगस्त, 2015 को ''रिसर्च रिलेटेड आई.पी.आर. EOS पेटेन्ट इशू'' विषय पर सीकाष्ट के वैज्ञानिक डॉ0 अमित कुमार दुबे के अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं शोध छात्र इस व्याख्यान से लाभान्वित हुए।
04. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीकास्ट) रायपुर ने संयुक्त रूप से 26 से 27 फरवरी, 2016 को ''इन्टेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स, आईपी कमर्शियलाइजेशन एण्ड प्रीवेन्शन ऑफ प्लेगारिज्म'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का संक्षिप्त सार इस प्रकार है –

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर कार्यषाला का उद्घाटन समारोह

कार्यशाला का उद्घाटन बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो0 जी. डी. शर्मा ने किया। वे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 अंजिला गुप्ता ने की। 550 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। इनमें से अधिकांश गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं शहर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के स्नातकोत्तर छात्र, पीएच.डी. फेलो एवं शिक्षक थे।

विषय विशेषज्ञों ने चार तकनीकी सत्रों में व्याख्यान दिये विषय विशेषज्ञों के नाम, पदनाम एवं व्याख्यान का विषय इस प्रकार है :–

1. डॉ. वाय डी पॅवार निदेशक, टी. आई. एफ. एस. सी., डी. एस. टी., भारत सरकार नई दिल्ली
   विषयः– आई. पी. आर. एवं इसका प्रबंधन
2. डॉ. बी. के. साहू, प्रबंधक, आई.पी.आर., एन.आर.डी.सी. नई दिल्ली
   विषयः–रोल ऑफ आई. पी. इन कॉमर्सिलाईजेशन ऑफ नावेल प्रोडक्ट्स
3. कु. नीति बिलसन, आनंद एंड आनंद एसोसिएट्स नई दिल्ली
   विषयः– इन्टेलेक्च्युअल प्रॉपर्टी राईट्स एंड इट्स रोल इन हरबल मेडिसिन
4. डॉ. अमित कुमार दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी आई.पी.आर.सी., सी.जी. कास्ट, रायपुर
   विषयः– आई. पी. पॉलिसी फॉर यूनिवर्सिटीज एंड अकेडमिक इन्स्टीट्यूशन्स टू असरटेन नीड ड्रायवेन एंड एप्लीकेशन ओरियेन्टेड रिसर्च
5. डॉ. व्ही. डी. रंगारी, प्राध्यापक, फ्रॉर्मेसी संस्थान, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर
   विषयः– केस स्टडी न्यू ड्रग डिस्कवरी फॉर सीकल सेल डिसीजः फ्राम इथ्नोफार्मेकोलॉजिकल क्लेम्स टू कमर्सियलाइजेशन
6. डॉ. अश्वनी सिवाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, डी. यू., नई दिल्ली
   विषयः– प्लेगीरिजमः लॉ एवं मारेलिटीज
7. डॉ. डब्ल्यू. एम. धुमाने, डिप्टी कन्ट्रोलर जनरल पेटेन्ट डिजायनिंग एवं ट्रेड मार्क, मुम्बई
   विषयः– पेटेन्टस एवं पेटेन्टिंग प्रोसीजर्स

समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 अंजिला गुप्ता ने की। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ0 एम. एम. हम्बर्डे विशेष रूप से उपस्थित थे।

### 7.5 मैसिव ओपन ऑनलाईन पाठ्यक्रम (MOOCS)

विश्वविद्यालय ने मूक के तहत संचालित करने के लिए निम्न पाठ्यक्रमों का विवरण दिनांक 01 अक्टूबर, 2015 को एन.एम.ई.आई.सी.टी. के वरिष्ठ कन्सल्टेंट श्री प्रदीप कौल को प्रेषित किया है।

| क्र. सं. | शिक्षक का नाम | विषय | विशेषज्ञता क्षेत्र/डोमेन | मूक्स पाठ्यक्रम का प्रस्तावित शीर्षक | स्तर | सेमेस्टर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. बी. एन. तिवारी | बायो–टेक | माइक्रोबॉयल एण्ड मालीक्यूलर जेनेटिक्स, माइक्रोबॉयल बायोडायवर्सिटी एण्ड बॉयोटेक्नोलॉजी, इन्वायरमेंटल बायोटेक्नोलॉजी | ए जर्नी फ्राम जीन टू जिनॉमिक्स | परास्नातक | प्रथम |
| 2. | डॉ. बी. डी. मिश्रा | मेनेजमेन्ट | कैपीटल मार्केट, फाइनेंसियल इन्स्टीट्यशन्स, फाइनेंसियल सिस्टम, फाइनेंसियल मेनेजमेंट | फाइनेंसिंग ऑफ इनफ्रास्ट्रक्चर | परास्नातक | प्रथम |
| 3. | डॉ. एम. चक्रधर राय | सिविल इंजीनियरिंग | स्ट्रक्चल इंजीनियरिंग | डिजाइन ऑफ कंक्रीट स्ट्रक्चरस/ स्ट्रक्चरल एनालिसिस | स्नातक | छस्टम |
| 4. | डॉ. भास्कर मुखर्जी | लाइब्रेरी एण्ड इन्फार्मेशन साइंस | बीबो मीट्रिक्स, नालेज आर्गेनाईजेशन, डिजिटल लाइब्रेरी | आर्गनाईजिंग एण्ड मैपिंग ऑफ नॉलेज/ बिबलियो मैट्रिक्स टू बीबोमीट्रिक्स | परास्नातक | प्रथम |
| 5. | डॉ. सुभाष बनर्जी | केमेस्ट्री | आर्गेनिक केमेस्ट्री | आर्गेनिक रिएक्शन एण्ड मैकेनिज्म | स्नातक | द्वितीय |
| 6. | डॉ. प्रसेनजीत पंडा | इंग्लिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज | लिट्रेरी थ्यूरी एण्ड क्रिट्रिसिज्म | मॉडर्न ट्रेन्डस इन लिट्रेरी क्रिटिसिज्म | परास्नातक | द्वितीय |
| 7. | डॉ. एस. के. प्रजापति | वनस्पति विज्ञान | बॉयोडायवर्सिटी | क्लाइमेट चेन्ज एण्ड बॉयोडायवर्सिटी | परास्नातक | द्वितीय |
| 8. | डॉ. पायल बनर्जी | एजूकेशन | साइंस एजूकेशन,करीकुलम स्टडीज, टीचिंग इवाल्यूशन | साइंस, सोसाइटी एण्ड ह्यूमन / क्वानटीटेटिव स्टेटिक्स इन सोशल साइंसेज | परास्नातक | प्रथम |

"हालाँकि, कार्यान्वयन एजेन्सी से इस सम्बन्ध में कोई दूसरी सूचना नहीं मिल पाई है।"

## 7.6 ऑनलाईन छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ–

1. छात्रों की शिकायत के त्वरित निराकरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण पोर्टल उपलब्ध कराया है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय अपने छात्रों की समस्याएं हल करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। इस हेतु यू.जी.सी. की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त छात्रों की समस्याओं के

निवारण के लिए विश्वविद्यालय ने पत्र क्र0–621.विकास.2015 दिनांक–11.02.15 द्वारा एक समिति गठित की है, जिसके सदस्य निम्नानुसार हैं:–

1. प्रो0 डा0 एस0 व्ही0 एस0 चौहान – सदस्य
   अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं
   प्रोफेसर प्रबंध अध्ययन

2. डॉ. बी.डी. मिश्रा – अध्यक्ष
   सह प्राध्यापक
   प्रबंध अध्ययन विभाग व
   सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण

3. डॉ. अमित खासकलम – सदस्य
   विभागाध्यक्ष आई.टी. व सहायक
   अधिष्ठाता छात्र कल्याण।
4. श्री संतोष त्रिपाठी – सदस्य
   सहायक कुलसचिव, प्रशासन

दिनांक 01.04.2015 से 31.03.2016 के मध्य ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण पोर्टल को कुल 16 शिकायतें मिली। विश्वविद्यालय ने सभी शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए उनका निवारण किया। वर्तमान में छात्रों की एक भी शिकायत लम्बित नहीं है।

## 7.7 अच्छे कार्यों की साझेदारी

दिनांक 4–5 फरवरी, 2015 को कुलपति सम्मेलन के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में माननीय राष्ट्रपति महोदय एवं माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा किए गए अवलोकन के निष्कर्ष का क्रियान्वयन करते हुए समन्वयक हैदराबाद विश्वविद्यालय ने एक वेबसाइट (Connect.uohyd.ac.in/c4-vcs-discussion-page) का विस्तार किया। यह वेबसाइट विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों एवं अनुभवों को पोस्ट करने एवं साझा करने के लिए मंच प्रदान करेगी।

### इस दिशा में विश्वविद्यालय के द्वारा किए गए कार्य इस प्रकार हैं :–

1. विश्वविद्यालय में किए गए अच्छे कार्यों एवं अनुभवों को बताने एवं साझा करने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति ।
2. अपनी गतिविधियों की जानकारी हैदराबाद विश्वविद्यालय को देने के उद्देश्य से मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति ।
3. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य चार ग्राम पंचायतों को गोद लिया इस कार्य को हैदराबाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट से साझा किया ।

## 7.8 कौशल विकास प्रकोष्ठ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में दिनांक 31.12.2015 को कौशल विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। नोडल अधिकारी के नेतृत्व वाले इस प्रकोष्ठ में नौ प्रतिनिधि हैं। 9 अध्ययनशालाओं के 32 विभिन्न विभागों के 6700 से अधिक छात्र अपनी पढ़ाई में इसका लाभ ले रहे हैं।

जैविक खाद् कार्यशाला का उद्घाटन

### कौशल विकास प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ

कौशल विकास प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के छात्रों की बढ़ती आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए काम कर रहा है। इसकी आंशिक पूर्ति ऐसे कौशल की उन्नति पर जोर देकर

होगी, जो उदीयमान आर्थिक वातावरण के अनुरूप हो। यह केवल कौशल प्रशिक्षण सुविधा के परिणात्मक विस्तार की चुनौती नहीं, बल्कि समान रूप से उसकी गुणवत्ता बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य है। सत्र 2015–16 के दौरान प्रकोष्ठ की मुख्य गतिविधियाँ इस प्रकार हैं–

इन्टरनेट कार्यशाला

1. विभिन्न अध्ययन शालाओं के सहयोग से कौशल विकास कार्यशालाओं का आयोजन ।
2. सरकार की विभिन्न कौशल विकास योजनाओं की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराना ।
3. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के लिए छात्रों का पंजीयन प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत कई तरह के रोजगार के लिए छात्रों का पंजीयन किया गया। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा अनुमोदित केन्द्रों में छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समापन के बाद छात्रों को प्रमाण पत्र एवं पारितोशिक प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के लिए छात्र अपनी संबंधित अध्ययनशाला में कौशल विकास प्रकोष्ठ के सदस्य के पास अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।
4. ग्रीष्म एवं शीत ऋतु अवकाश के दौरान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न इन्टर्नशिप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूचना समय–समय पर छात्रों को दी जाती है।

**कौशल विकास प्रकोष्ठ एवं विभिन्न अध्ययनशालाओं / विभागों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम :–**

1. 22–24 फरवरी, 2016 को माइक्रोवियल तकनीकी (बायोफर्टिलाईजर्स व बायोपेस्टीसाइड्स) में करियर के अवसर पर जीव विज्ञान कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला–समन्वयक डॉ0 एस.के. शाही सह–प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग।
2. 29 फरवरी से 11 मार्च, 2016 टेली अकाउंटिंग पर प्रशिक्षण का आयोजन– समन्वयक डॉ0 अमित कुमार खासकलम, सहायक प्राध्यापक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग।
3. 7–9 मार्च, 2016 कीट खाद उत्पादन तकनीकी पर कार्यशाला, समन्वयक श्री दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग।
4. 7–14 मार्च, 2016 काष्ठ कला पर कार्यशाला– डॉ0 पुष्पराज सिंह, सहायक प्राध्यापक, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग।
5. 14–15 मार्च, 2016 बेसिक नेटवर्किंग टूल्स एवं संकल्पना पर कार्यशाला, डॉ0 ए.के. सक्सेना, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सी.एस.आई.टी.
6. 30–31 मार्च, 2016 बांस हस्तशिल्प पर कार्यशाला, डॉ0 भावना दीक्षित, सहायक प्राध्यापक, वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग

काष्ठकला प्रशिक्षण में प्रतिभागिता

टेली कार्यशाला

## प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से छात्रों को जोड़ने के लिये प्रोत्साहन कार्यक्रम

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से जुड़े छात्रों को अभिप्रेरण नौ अध्ययनशालाओं में कौशल विकास प्रकोष्ठ के सदस्य द्वारा विभिन्न विभागों के छात्रों के लिए क्रियात्मक सत्र का आयोजित किया गया। परिणामस्वरूप 128 छात्रों ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत विभिन्न कार्यों के लिए आवेदन पत्र जमा किया।

## अन्य संस्थानों में कौशल विकास पाठ्यक्रम

सभी अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों एवं उनके छात्रों को पूरे देश में संचालित कौशल विकास के 35 विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

## 7.9 स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान के तहत निम्न कार्यक्रम आयोजित किए गए –

1. 17 मार्च, 2016 एक दिवसीय कार्यक्रम
2. 22 जून, 2015 सात दिवसीय कार्यक्रम
3. 24 जुलाई, 2015 सात दिवसीय कार्यक्रम
4. 07 दिसम्बर, 2015 एक दिवसीय कार्यक्रम
5. 02 मार्च, 2016 एक दिवसीय कार्यक्रम
6. 26–31 जनवरी, 2016 सात दिवसीय कार्यक्रम

14 अगस्त स्वच्छ भारत अभियान

## स्वच्छ भारत अभियान के दौरान विभिन्न विभागों में संचालित की गई गतिविधियाँ

1. यह सुनिश्चित किया गया कि विभागों में सफाई एवं स्वच्छता सहित काम करने की संस्कृति एवं वातावरण विकसित हो।
2. इंजीनियरिंग विभाग के साथ समन्वय कर समिति ने विभिन्न भवनों की समुचित स्वच्छता एवं सफाई के लिए प्रस्ताव तैयार किया।
3. आवश्यकतानुसार बिजली के खराब उपकरणों को बदला एवं मरम्मत किया गया।
4. विभागों की अनुप्रयोगी, अप्रयुक्त व अब तक उपयोग नहीं की गई स्टेशनरी व ई–कचरा को नष्ट किया गया।
5. सभी कार्य स्थलों एवं कार्यालयों में गृह व्यवस्था देखने वाले कर्मचारियों द्वारा सफाई अभियान।
6. सफाई व स्वच्छता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विचारों का प्रचार व विनियम किया गया।
7. आवासीय कॉलोनी, शिक्षण व प्रशासनिक भवन सहित सम्पूर्ण परिसर की सफाई के लिए योजना बनाई गई।

14 अगस्त स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छता अभियान में कार्यकर्ताओ की सहभागिता

## 7.10 उन्नत भारत अभियान –

1. उन्नत भारत अभियान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिसे 4 व 5 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन में प्रारम्भ किया गया। इस सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि

सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए प्रत्येक केन्द्रीय विश्वविद्यालय को पांच गांव गोद लेना है।

पंचायत बैठक की पहचान एंव मूल्याकन

2. कुलपति सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति महोदय द्वारा की गई समीक्षा के सार का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय ने 2 मार्च 2015 को सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ का गठन किया। वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरणीय विज्ञान के सह प्राध्यापक डॉ. के. के. चन्द्रा एवं वनस्पति विज्ञान के सह प्राध्यापक डॉ. एस. के. साही को नोडल अधिकारी नियुक्त किया।
3. प्रारम्भ में विश्वविद्यालय ने बिल्हा विकासखण्ड के गाँव कोनी, बिरकोना, भरारी, बसिया व हरदीकला को सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत गोद लिया और इन गांवो में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित कई कार्यक्रम प्रारम्भ किए। दसवीं व बारहवीं के छात्रों के लिए ग्यारह प्रेरणादायी व करियर काउंसिलिंग कक्षाएँ संचालित की गई, जिसमें 350 छात्र लाभान्वित हुए। चुनिंदा गांवों के 11 स्कूलों में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें 750 विद्यार्थी शामिल हुए। वन विभाग एवं विद्यालय प्रशासन के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया। सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की पहल पर आंवला, आम, नीम, खमेर के पौधे भरारा, बसिया (50), हरदीकला (50), एवं सरस्वती शिशु मंदिर बिरकोना (50) में लगाए गए। संसाधनों के सर्वे एवं ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाएँ, स्वास्थ्य व वनों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए बीएससी सातवें सेमेस्टर के छात्र ने करीब डेढ़ माह तक इन गांवों में काम किया।
4. मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 24 अगस्त, 2015 के पत्र व यूजीसी के अर्ध शासकीय पत्र क्र. एफ–13–13–2015 (सीयू) दिनांक 04.09.2015 में उन्नत भारत अभियान में कुछ मापदण्डों एवं सूचकों के साथ ग्राम पंचायतों की पहचान के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। इन मापदण्डों के अनुसार पहले गोद लिए गए गांवो के स्थान पर कोटा विकासखण्ड के चार ग्राम पंचायतों को पुनः गोद लिया गया।

| क्रमांक | ग्राम पंचायत का नाम | कुल जनसंख्या | अनुसूचित जनजाति (%) |
|---|---|---|---|
| 1. | पुडु | 2100 | 72.90 |
| 2. | रिंगवार | 1950 | 85.00 |
| 3. | तेंदुभाटा | 2286 | 76.00 |
| 4. | उमरियादादर | 2441 | 84.00 |
| | **कुल / औसत** | **8777** | **79.47** |

गोद लिए गए गाँव में कौषल विकास योजना के तहत महिलाओं की बैठक

5. ग्राम पंचायतों की पहचान के बाद, उन्नत भारत अभियान का दल हर शुक्रवार को इन पंचायतों का दौरा कर, वहां समूह में बैठक आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चा करता है। गोद लिए गए गांवो की व्यापक सामाजिक आर्थिक रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसमें भू–उपयोग प्रणाली, सामाजिक ढांचा, आर्थिक, स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा की स्थिति शामिल है। यह रिपोर्ट जिला प्रशासन, राज्य सरकार, यूजीसी व मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, को अवलोकनार्थ व आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दी गई है।
6. गोद लिए गए पंचायतों में विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए उन्नत भारत अभियान का दल लगातार जिला दण्डाधिकारी, सीईओ जिला पंचायत, सीईओ कोटा ब्लॉक, मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग, उप संचालक कृषि, समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य आजीविका महाविद्यालय बिल्हा मिलता है। हम जिले के संबंधित विभाग में ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करते हैं।
7. ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार व उनकी समस्याओं के हल, करने के लिए उन्नत भारत अभियान के दल ने सभी गोद लिए गए गांवों में विभिन्न स्त्रोतों से पानी के सौ नमूनों का संग्रहण किया। प्रयोगशाला में पानी का विश्लेषण प्रगति पर है। अब, दल ने ग्रामीणों को सुरक्षित जल संग्रहण की तकनीक व बीमारी की रोकथाम में इसके महत्व को रेखांकित करने के लिए कार्यक्रम प्रारम्भ किया है।
8. पूर्व माध्यमिक विद्यालय रिंगवार और पुडु व उमरियादादर हाई स्कूल के कक्षा आठवीं, नवमीं व दसवीं के 120 छात्रों के लिए तीन प्रेरणादायी व करियर काउंसिलिंग कक्षाएं संचालित की गई। इन कक्षाओं में छात्रों को उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन किया गया।
9. इन सभी ग्राम पंचायतों में कृषि सम्बन्धी समस्याओं के समाधान के लिए एक शोध परियोजना तैयार कर निधि (फंड) हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भेजी गई है। इस परियोजना का शीर्षक है –"कार्बिंग पेस्ट मेनैस इन कॉप प्रोडक्शन थ्रू इफेक्टिव ग्रीन सलुशन फालोड बाई पायलट स्टडी एण्ड केपेसिटी बिल्डिंग फॉर पोटेन्शियल यूजर्स'
(मुख्य अन्वेशक – डॉ. पी. मण्डल, सह अन्वेशक – डॉ. के. के. चन्द्रा)
10. पुडु, उमरियादादर, तेन्दुभाटा व रिंगवार स्थित प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के स्वास्थ्य व पोषण के स्तर का मापन किया गया। इन स्कूलों के 450 विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य परीक्षण में भाग लिया। अब दल इन स्कूलों में पौष्टिक आहार व स्वच्छता के लिए छात्रों को जागरूक कर रहा है।
11. ज्यादा पैदावार व मिट्टी की उत्पादकता बनाए रखने के उद्देश्य से सरकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने पर जोर दे रही है। उन्नत भारत अभियान के तहत किसानों को मृदा परीक्षण फसलों में एकीकृत पोषण प्रबंधन व मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। इस उद्देश्य को लेकर लालमाटीपारा, तेन्दुभाटा व रिंगवार गांव में मिट्टी के नमूने एकत्र करने की विधि का पांच बार प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया।
12. उन्नत भारत अभियान के दल ने गोद लिए गए इन सभी गांवों में खुले में शौच जाने की व्यवस्था खत्म करने का प्रयास किया। परिणाम स्वरूप, स्वच्छ भारत अभियान की सूची में शामिल सभी चार ग्राम पंचायतों में जैव–शौचालय के निर्माण का निर्णय लिया गया। रिंगवार ग्राम पंचायत के लालमाटीपारा में रहने वाले गरीब आदिवासी परिवार एवं अन्य गांवों में 15 जैव–शौचालयों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इस कार्य में प्रगति जोरों पर है। शौचालय के निर्माण एवं उपयोग के लिए समझाने व प्रेरित करने के लिए महिलाओं के समूह की पांच बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।
13. गोद लिए गांवो में शिविर लगाने एवं विभिन्न कार्यो में योगदान देने के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी छह इकाइयों को उन्नत भारत अभियान से जोड़ दिया गया है।
14. उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए ग्राम पंचायतों में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने कई कार्यक्रम प्रारम्भ किए, जो अब इन गांवों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

# परिसर की जैव विविधता

# भाग–2
## अनुबंध

## वैधानिक निकाय
## अधिकारीगण
## विश्वविद्यालय के संकाय
## शैक्षणिक योगदान

**केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा –25 के अंतर्गत भारत के माननीय राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं।**

## परिशिष्ट – 1

# विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

## (अ) विश्वविद्यालय का कोर्ट

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) की प्रथम कोर्ट का गठन 'उच्च शिक्षा' एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के सेक्शन 44 (सी) के अंतर्गत (विश्वविद्यालय अधिसूचना क्रमांक 310/बैठक प्रकोष्ठ/2014 बिलासपुर, दिनांक 08 फरवरी, 2014) किया गया।

**सभा के सदस्यगण**
**कार्यकाल 01.04.2015 से 31.03.2016 तक**

| रामिति रादरय | अन्य |
|---|---|
| पद्मश्री डॉ0 एन.आर. माधव मेनन<br>कुलाधिपति,<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)<br>देवी प्रिया, साईराम रोड, परीक्षा भवन के पीछे,<br>पूजा पुरा, तिरूअनन्तपुरम, केरल–695012 | |
| प्रो0 एस.पी. सिंह<br>कुलपति (कार्यवाहक)<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | 01.04.2015 से 06.08.2015 तक |
| प्रो0 अंजिला गुप्ता<br>कुलपति<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | 07.08.2015 से 31.03.2016 तक |
| डॉ0 डब्ल्यू सेल्वामूर्ति<br>विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक, आर एण्ड डी<br>(आईएस एवं एचआर) जे–3, खंड, पहली मंजिल,<br>कमरा–114 एमिटी विश्वविद्यालय,<br>सेक्टर–125, नोएडा | |
| प्रो0 भास्कर बोसे<br>सलाहकार, स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय<br>नार्थ पार्क एवेन्यू, सेक्टर–8, भिलाई (छ.ग.) भारत | |
| डॉ0 (श्रीमति) कविता ए. शर्मा<br>निदेशक, भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र<br>40, मैक्समूलर मार्ग, नई दिल्ली–110003 | |
| डॉ0 रंगानान्याकुलु बोदावाल (बोरवाल)<br>प्रबंधन निदेशक एवं अध्यक्ष<br>थ्रीव सोलर एनर्जी प्रा.लि. प्लाट नं.1121/3/ईस्ट.<br>फेस–2 सेक्टर–1, लेन–9 आई.डी.ए. चार्लपल्ली<br>हैदराबाद– 5000051 | |
| डॉ0 विवेल लाल<br>अध्यक्ष एवं सी.ई.ओ., रिलायंस उद्योग लिमिटेड,<br>मेकर्स चेम्बर्स–4, नरीमन प्वाइंट<br>मुम्बई – 400021 (भारत) | |

| | |
|---|---|
| श्री ललित सुरजन<br>मुख्य संपादक, दैनिक देशबंधु<br>राम सागरपारा, रायपुर 492009 | |
| डॉ. सुशील त्रिवेदी<br>आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त,<br>क्यू–3, श्री राम नगर, फेस–2,<br>शंकर नगर, रायपुर 492007 | |
| डॉ. विजय कुमार अग्रवाल<br>निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग<br>एण्ड रिसर्च, शांति मार्ग,<br>श्यामला हिल्स, भोपाल 462002 | |
| श्री राजीव माथुर<br>पूर्व डीजी, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद<br>कमरा नं.6, क्लब बिल्डिंग, पुराना जेएनयू परिसर<br>नई दिल्ली–110067 | |
| डॉ. यास्मीन सुल्ताना नकबी<br>पूर्व आचार्य, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान | |
| डॉ. (श्रीमती) सुरेन्द्र कौर वार्ष्णेय<br>सेवानिवृत्त आचार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय<br>सी–218, चारन्स गेस्ट हाऊस–1<br>लखनऊ उ.प्र. 226020 | |
| श्री राहुल बरूआ<br>महासचिव, साऊथ एशिया फाउण्डेशन | |
| डॉ0 अशोक दत्ता<br>संस्थापक निदेशक, आई.आई.एम. शिलांग, सदस्य,<br>पूर्वोत्तर परिषद, गोल 50, जतिन दास रोड<br>कलकत्ता–700029 पं.बं. | |
| श्री के.बी. श्रीधर<br>अधिवक्ता, लक्ष्मी देवी निलयम<br>कमरा नं.2, न्यू एम.एल.ए. क्वार्टर्स, आदर्श नगर, हैदराबाद | |
| डॉ0 जे.एन.पी. रेड्डी<br>सेवानिवृत्त आचार्य, आंध्रा विश्वविद्यालय,<br>प्लाट नं.57, रोड नं. 4, ललिता नगर कालोनी,<br>काकीनाड़ा, आंध्रप्रदेश | |
| प्रो0 सुखपाल सिंह<br>कुलपति<br>हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय,<br>एनएचएलयू न्यू कैम्पस, ऊपरवारा, पी.ओ. अधानपुर<br>नया रायपुर (छ.ग.) 493661 | |
| प्रो0 शिव कुमार पाण्डेय<br>कुलपति<br>पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) | |
| प्रो0 बी.एस. सहाय<br>निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान,<br>जीईसी कैम्पस, सेजबहार, रायपुर 492015 | |
| डॉ0 उमा सी. वैद्य<br>कुलपति,<br>कवि कुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय<br>मौडा रोड, रामटेक, जिला नागपुर महाराष्ट्र 441106 | |

| | |
|---|---|
| डॉ0 अरूण त्रयम्बक दाबके<br>पूर्व कुलपति, आयुष एवं स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय<br>चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल<br>सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.) | |
| डॉ0 ए.आर. चन्द्राकर<br>पूर्व कुलपति, पं0 सुन्दरलाल शर्मा (ओपन)<br>विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | |
| प्रो0 नितिन एम. नागरकर<br>निदेशक, अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान<br>टाटीबन्ध, रायपुर (छ.ग.) | |
| श्री मुकु सत्यवानथुडू<br>अधिवक्ता (उच्चतम न्यायालय) 1–2–118 जे,<br>प्रकासम रोड, लैंड मार्क, जीआईटी, आभूषण दुकान के पीछे<br>तिरूपति (आ.प्र.) | |
| डॉ0 मुथांगी सुब्रमण्यम<br>वरिष्ठ आचार्य, अध्यक्ष–जीव विज्ञान विभाग<br>जेबी कैम्पस, बैंगलोर विश्वविद्यालय बैंगलोर 560056 | |
| प्रो0 विश्वजीत पट्टनायक,<br>निदेशक, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट<br>शिक्षा विहार, बारंगा, खुरदा रोड, चान्डाक<br>भुवनेश्वर, उड़ीसा 754012 | |
| श्रीमती फूलबसन बाई यादव<br>सामाजिक उद्यमी एवं कार्यकर्ता–96 डी,<br>अपोजिट सर्वेश्वर, मन्दिर रामनगर, नागपुर 440033 | |
| डॉ0 ए.के. शुक्ला<br>प्राचार्य, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय,<br>बिलासपुर (छ.ग.) | |
| प्रो0 अनिल कुमार भौमिक<br>निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,<br>नवीन शासकीय पॉलिटेक्नीक कैम्पस, पाटलीपुत्र कालोनी<br>पटना 800013 | |
| प्रो0 मिलन के. सान्याल<br>निदेशक, साहा परमाणु भौतिक संस्थान (एस.आई.एन.पी.)<br>1/एएफ, विधान नगर, कलकत्ता 700064 | |
| डॉ0 एम.के. मिश्रा<br>कुलपति, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान<br>पी.ओ. मेसरा नगर, रांची 835215 | |
| न्यायाधीश फखरूद्दीन (सेवानिवृत्त)<br>छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर (छ.ग.) | |
| श्री एच.एन. चौबे,<br>कुलसचिव (कार्यवाहक)<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | 01.04.15 से 06.10.15 तक |
| डॉ0 मनीष श्रीवास्तव<br>कुलसचिव (कार्यवाहक)<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | 06.10.15 से 31.03.16 तक |

## (ब) कार्यपरिषद्

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 21 (2) के अंतर्गत किया गया।

**कार्यपरिषद के सदस्य**
**1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **01.** | **11(1)(I)** | **कुलपति** | |
| | | I) प्रो.एस.पी.सिंह (कार्यवाहक) | 01-04-2015 से 06-08-2015 तक |
| | | ii) प्रो. अंजिला गुप्ता | 07-08-2015 से 31-03-2016 तक |
| **02.** | **11(1)(ii)** | **सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार या उसका नामित प्रतिनिधि** | |
| **03.** | **11(1)(iii)** | **अध्यक्ष यूजीसी या उसका प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव के पद से निम्न न हो** | |
| **04.** | **11(1)(iv)** | **राज्य शासन के मुख्य सचिव, या उसका प्रतिनिधि, प्राथमिकता में उच्च शिक्षा के मामले से संबंधित, जो सचिव के पद से निम्न पद का न हो** | |
| **05.** | **11(1)(v)** | **प्रतिकुलपति** | |
| | | रिक्त | |
| **06.** | **11(1) (vi)** | **कुलपति द्वारा नामित अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाताओं में से दो सदस्य** | |
| | | i) प्रो. एस.एस. सिंह, आचार्य | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | ii) प्रो. शैलेन्द्र कुमार, आचार्य | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | iii) प्रो. पी.के. बाजपेयी, आचार्य | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| | | iv) प्रो. वी.एस. राठौड़, आचार्य | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| **07.** | **11(1)(vii)** | **कुलपति द्वारा नामित एक आचार्य जो अधिष्ठाता न हो** | |
| | | i) प्रो. वी.डी. रंगारी, आचार्य | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | ii) प्रो. बी.एन. तिवारी, आचार्य | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| **08.** | **11(1)(viii)** | **कुलपति द्वारा नामित एक सह आचार्य** | |
| | | i) डॉ. एच.एस. तिवारी, सह आचार्य, भौतिक विभाग | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | ii) डॉ. के.के. चंद्रा, सह आचार्य | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| **09.** | **11(1)(ix)** | **कुलपति द्वारा नामित एक सहायक प्राध्यापक** | |
| | | i) डॉ. एम.के. गुप्ता, सहायक प्राध्यापक | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | ii) डॉ. राकेश पांडेय, सहायक प्राध्यापक | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| **10.** | **11(1)(x)** | कुलाध्यक्ष (राष्ट्रपति) द्वारा नामित विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट) के दो सदस्य जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबद्ध या मान्यता प्राप्त संस्थान का छात्र या कर्मचारी न हो | |
| | | i) डॉ. उमा वैद्या | 01-04-2015 से 31-03-2016 तक |
| | | ii) डॉ. ए.टी. दाबके | 01-04-2015 से 31-03-2016 तक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **11.** | **11(1)(xi)** | कुलाध्यक्ष (राष्ट्रपति) द्वारा नामित 04 ऐसे व्यक्ति जो, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक जीवन में ख्याति प्राप्त हो | |
| | | i) प्रो. जी.के. मेहता,<br>पूर्व निदेशक,<br>इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलेरेटर सेंटर एवं<br>पूर्व कुलपति, इलाहाबाद यूर्निवसिटी , | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | ii) प्रो. प्रदीप माथुर<br>निदेशक, आईआईटी इंदौर | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | iii) श्री आशीष सिंह ठाकुर<br>नेहरू नगर, बिलासपुर | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | iv) प्रो.एस.व्ही. सुधाकर, आचार्य<br>समाजकार्य विभाग, आंध्रा यूर्निवसिटी,<br>विशाखापट्टनम | 01-04-2015 से 18-12-2015 तक |
| | | v) डॉ. विद्या गुप्ता,<br>सीनियर साइंटिस्ट सीएसआईआर | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| | | vi) प्रो. जोयंती सुतिया<br>राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की सदस्य | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| | | vii) सुश्री जे. मंजुला,<br>महानिदेशक (ई.सी.एस)डीआरडीओ | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| | | viii) श्री राम वीर सुतर,<br>पद्म भूषण सम्मान 2016 | 16-03-2016 से 31-03-2016 तक |
| **12.** | **6(6)** | सचिव | |
| | | i) श्री एच.एन. चौबे, कुलसचिव (कार्यवाहक) | 01-04-2015 से 06-10-2015 तक |
| | | ii) डॉ. मनीष श्रीवास्तव, कुलसचिव (कार्यवाहक) | 06-10-2015 से 31-03-2016 तक |

## स. विद्यापरिषद के सदस्य

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद् का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 22 (2) के अंतर्गत किया गया।

**1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | **13(1)(I)** | **कुलपति** | अध्यक्ष |
| | | प्रो.एस.पी.सिंह (कार्यवाहक) 01-04-15 से 06-08-15 तक<br>प्रो. अंजिला गुप्ता 07-08-15 से 31-03-16 तक | |
| 2 | 13(1)(ii) | **प्रतिकुलपति** | सदस्य |
| | | रिक्त | |
| 3 | 13(1)(iii) | **अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण** | सदस्य |
| | | **1) गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान**<br>प्रो. ए.के. सक्सेना, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>प्रो. ए.एस. रणदिवे, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 15-09-15 से 31-03-16 तक | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | **2) प्राकृतिक संसाधन**<br>प्रो. एस.एस. सिंह, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>प्रो. जे.एस. दांगी, आचार्य 15-09-15 से 31-03-16 तक<br>**3) समाज विज्ञान**<br>प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 23-11-15 तक<br>**4) जीव विज्ञान**<br>डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 31-03-16 तक<br>**5) भौतिक विज्ञान**<br>प्रो. जी.के. पात्रा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 04-12-15 तक<br>**6) कला**<br>प्रो. वी.एस. राठौड, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 31-03-16 तक<br>**7) प्रबंध एवं वाणिज्य**<br>प्रो. एल.पी. पटैरिया, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 04-12-15 तक<br>**8) अभियांत्रिकी एवं तकनीकी**<br>प्रो. शैलेन्द्र कुमार, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 01-04-15 से 02-05-15 तक<br>प्रो. एम.के. सिंह, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष 03-05-15 से 31-03-16 तक<br>**9) विधि**<br>डॉ. मनीष श्रीवास्तव, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) 01-04-15 से 31-03-16 तक | |
| **4** | **13(1)(iv)** | **शैक्षणिक विभाग / केन्द्रों के अध्यक्ष** | **सदस्य** |
| | | **1) मानवशास्त्र -** डॉ.पी.के. दास, आचार्य<br>**2) वाणिज्य** रिक्त<br>**3) जैव प्रौद्योगिकी** डॉ. बी.एन. तिवारी, आचार्य<br>**4) संगणक एवं सूचना विज्ञान** प्रो. ए.के. सक्सेना, आचार्य<br>**5) वानिकी** डॉ. रश्मि अग्रवाल, आचार्य<br>**6) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित** प्रो. ए.एस. रणदिवे, आचार्य<br>**7) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी** प्रो. पी.के. बाजपेयी, आचार्य<br>**8) ग्रामीण प्रौद्योगिकी** डॉ. राजेन्द्र मेहता, सह आचार्य<br>**9) प्रबंध अध्ययन** प्रो. एल.पी. पटैरिया, आचार्य<br>**10) इतिहास** प्रो. प्रदीप शुक्ला, आचार्य<br>**11) शारीरिक शिक्षा** प्रो. व्ही.एस. राठौड, आचार्य.<br>**12) समाज कार्य** प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा, आचार्य<br>**13) ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान** डॉ. भास्कर मुखर्जी, सह आचार्य<br>**14) पत्रकारिता एवं जनसंचार** डॉ. मनीष श्रीवास्तव, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) 01-04-15 से 29-10-15 तक<br>डॉ. गोपा बागची, सह आचार्य 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>**15) फार्मेसी** डॉ. व्ही.डी. रंगारी, आचार्य<br>**16) अर्थशास्त्र** डॉ. मनीषा दुबे, आचार्य<br>**17) अंग्रेजी** डॉ. मनीष श्रीवास्तव, आचार्य<br>प्रो. आई.डी. तिवारी, आचार्य<br>18) **शिक्षा विभाग** डॉ. सी.एस. वझलवार, सह आचार्य | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | **19) राजनीति शास्त्र** डॉ. अनुपमा सक्सेना, आचार्य<br>**20) हिन्दी** रिक्त<br>**21) रसायन** प्रो. जी.के. पात्रा, आचार्य<br>**22) वनस्पति विज्ञान** डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, आचार्य<br>**23) प्राणिशास्त्र विज्ञान** डॉ. सीमा राय, सह आचार्य<br>**24) विधि** रिक्त<br>**25) केमिकल इंजी** रिक्त<br>**26) अभिकलन विज्ञान एवं अभियांत्रिकी** रिक्त<br>**27) सूचना प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी** रिक्त<br>**28) तकनीकि एवं संचार अभियांत्रिकी** रिक्त<br>**29) मशीनी अभियांत्रिकी** डॉ. राजेश भूषण, सह आचार्य<br>**30) औद्योगिक उत्पादन अभियांत्रिकी** प्रो. एम.के. सिंह, आचार्य<br>**31) सिविल इंजी.** प्रो. शैलेन्द्र कुमार, आचार्य<br>**32) फारेंसिक साइंस** रिक्त | |
| 5 | 13(1)(v) | **विभिन्न अध्ययनशालाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए कुलपति द्वारा नामित 05 प्रोफेसर (जो अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता या विभाग /केन्द्र के अध्यक्ष न हो )** | **सदस्य** |
| | | 1) डॉ.एस.पी.सिंह, आचार्य, गणित विभाग<br>2) डॉ. हरीश कुमार, आचार्य, प्रबंधन विभाग<br>3) डॉ. बी.एन. तिवारी, आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>प्रो. एस.एन.साहा, आचार्य 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>4) प्रो. व्ही.डी. रंगारी, आचार्य, फार्मेसी विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>प्रो. एस.एस. सिंह, आचार्य 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>5) प्रो. आई.डी. तिवारी, आचार्य, अंग्रेजी विभाग 01-04-15 से 14-04-15 तक<br>प्रो. जे.एस. दांगी, आचार्य 15-04-15 से 29-10-15 तक<br>डॉ. मनीष श्रीवास्तव, आचार्य 30-10-15 से 31-03-16 तक | |
| 6 | 13(1)(vi) | **कुलपति द्वारा नामित 5 सह आचार्य, जो शैक्षणिक विभाग के अध्यक्ष न हो** | **सदस्य** |
| | | 1) डॉ. भारती अहिरवार, फार्मेसी विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>डॉ. पी.पी. मूर्ति, गणित विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>2) डॉ. रश्मि अग्रवाल, वानिकी विभाग 01-04-15 से 14-04-15 तक<br>डॉ. अल्पना राम, फार्मेसी विभाग 15-04-15 से 14-09-15 तक<br>डॉ. एस.एस. धुरिया, वानिकी विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>3) डॉ. बी.डी. मिश्रा, प्रबंध अध्ययन विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही, मानवशास्त्र विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>4) डॉ. रेणू भट्ट, बायोटेक्नालॉजी विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>डॉ. एच.एस. बोड़खे, फार्मेसी विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>5) डॉ. सी.आर. मेसला, सिविल इंजी विभाग 01-04-15 से 31-03-16 तक | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7 | 13(1)(vii) | **कुलपति द्वारा नामित 5 सहायक प्राध्यापक** | **सदस्य** |
| | | 1) डॉ. घनश्याम दुबे, इतिहास विभाग 01-04-15 से 31-03-16 तक<br>2) डॉ. मनीष श्रीवास्तव, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी.विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>डॉ. राकेश पांडेय, भौतिकी विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>3) डॉ. मोनिका भदोरिया, जंतुविज्ञान विभाग 01-04-15 से 14-04-15 तक<br>श्री बलराम उरांव, मानवशास्त्र विभाग 15-04-15 से 14-09-15 तक<br>डॉ. बॉबी ब्रम्हे पांडेय, प्रबंध अध्ययन विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>4) डॉ. देवेन्द्र पटेल, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>सुश्री शालिनी मेनन, शारीरिक शिक्षा विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक<br>5) डॉ. प्रवेश दलेई, सहा.प्राध्यापक, विधि विभाग 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>श्री निशांत बेहार, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी. विभाग 30-10-15 से 31-03-16 तक | |
| 8 | 13(1)(viii) | **ग्रंथपाल** | **पदेन** |
| | | डॉ. यू.एन. सिंह | |
| 9 | 13(1)( ix) | **विद्यापरिषद् द्वारा सहयोजित शैक्षणिक प्रगति एवं विकास का विशेष ज्ञान रखने वाले 05 व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हो** | **सदस्य** |
| | | 1) प्रो. के.एस. रेडडी, आईआईटी, खड़गपुर 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>2) प्रो. ए.के. भटनागर, दिल्ली विश्वविद्यालय 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>3) प्रो. एस.सी. पंचोली, एमेरिटस प्रोफे.,आईयूएसी 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>4) प्रो. के.एस. मिश्रा, इलाहाबाद यूर्निवसिटी 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>5) प्रो. एम.पी. दुबे, इलाहाबाद यूर्निवसिटी 01-04-15 से 14-09-15 तक<br>6) डॉ. जोराम बेगी, अरूणाचलप्रदेश 18-02-16 से 31-03-16 तक<br>7) डॉ. एस.बी. कोनाल, मैसूर 18-02-16 से 31-03-16 तक<br>8) श्री प्रदीप देशपांडे, बिलासपुर 18-02-16 से 31-03-16 तक<br>9) श्री सत्यनारायण अग्रवाल, रायपुर 18-02-16 से 31-03-16 तक<br>10) प्रो. अरूण कमल, पटना यूर्निवसिटी 18-02-16 से 31 03-16 तक | |
| 10 | 13(2) | **अधिष्ठाता, छात्रकल्याण एवं कुलानुशासक** | **सदस्य** |
| 11 | **सचिव** | श्री एच.एन. चौबे, कुलसचिव (कार्यवाहक) 10-04-15 से 06-10-15 तक<br>डॉ. मनीष श्रीवास्तव कुलसचिव (कार्यवाहक) 06-10-15 से 31-03-16 तक | |

## द. वित्त समिति

| क. | नाम | पद | विवरण | परिनियम | नामित करने की तिथि | अवधि पूर्ण होने की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रो0 अंजिला गुप्ता<br>कुलपति<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,<br>बिलासपुर (छ.ग.) | अध्यक्ष | पदेन | 17 (1) (i) | | |
| 2 | सम–कुलपति | **रिक्त** | पदेन | 17 (1) (ii) | | |
| 3 | सभा नामित | **रिक्त** | | 17 (1) (iii) | | |
| 4 | डॉ. यू.एस.रावत,<br>कुलपति, श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीटोल<br>टिहरी, उत्तराखण्ड<br>(कार्यालय) 01376-254065<br>फैक्स 01376-254065,109<br>(मो.) 9411335555<br>ई–मेल sdsuv123@gmail.com | सदस्य | कार्यपरिषद नामित (कार्यपरिषद सदस्य) | 17 (1) (iv) | 27/01/2016 | 26/01/2019 |
| 5 | प्रो. बी.एन.तिवारी,<br>आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,<br>बिलासपुर (छ.ग.) | सदस्य | कार्यपरिषद नामित | 17 (1) (iv) | 13/04/2016 | 12/04/2019 |
| 6 | श्री ए.जेना,<br>वित्ताधिकारी,<br>इंदिरा गांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) | सदस्य | कार्यपरिषद नामित | 17 (1) (iv) | 13/04/2016 | 12/04/2019 |
| 7 | संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,<br>मानव संसाधन विकास मंत्रालय,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001 | सदस्य | पदेन (कुलाधिपति द्वारा नामित) | 17 (1) (v) | 31/03/2014 | |
| 8 | संयुक्त सचिव (सीयू),<br>विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,<br>बहादुर शाह जफर मार्ग,<br>नई दिल्ली– 110002 | सदस्य | पदेन (कुलाधिपति द्वारा नामित) | 17 (1) (v) | 31/03/2014 | |
| 9 | संयुक्त सचिव (सीयू एवं एल)<br>मानव संसाधन विकास मंत्रालय,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001 | सदस्य | पदेन (कुलाधिपति द्वारा नामित) | 17 (1) (v) | 31/03/2014 | |
| 10 | श्री आर.के.सोनी,<br>वित्ताधिकारी (कार्यवाहक)<br>गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,<br>बिलासपुर (छ.ग.) | सचिव | पदेन | 7(5) | | |

## य. सत्र (01-04-2015 से 31-03-2016) के दौरान आहूत बैठक

### कार्यपरिषद

| क. | दिनांक | अन्य |
|---|---|---|
| 01. | 01-05-2015 | आपातकालीन बैठक |
| 02. | 15-07-2015 | आपातकालीन बैठक |

### विद्यापरिषद

| क. | दिनांक | अन्य |
|---|---|---|
| 01. | 23-11-2015 | 10वीं बैठक |

### विद्यापरिषद की स्थायी समिति की बैठक

| क. | दिनांक |
|---|---|
| 01. | 20-04-2015 |
| 02 | 24-04-2015 |
| 03 | 25-06-2015 |
| 04 | 27-08-2015 |
| 05 | 16-10-2015 |
| 06 | 21-03-2016 |

# विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

## परिशिष्ट – 2

### A. विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

| क. | पद | नाम |
|---|---|---|
| 1. | कुलाधिपति | प्रो0 (डॉ0) एन.आर. माधव मेनन |
| 2. | कुलपति | प्रो0 (डॉ0) अंजिला गुप्ता |
| 3. | सम–कुलपति | रिक्त |
| 4. | कुलसचिव | रिक्त<br>श्री एच.एन.चौबे (कार्यवाहक)<br>(01–04–2015 से 06–10–2015)<br>प्रो0 मनीष श्रीवास्तव (कार्यवाहक)<br>(06–10–2015 से 31–03–2016) |
| 5. | वित्ताधिकारी | रिक्त<br>आर.के. सोनी (प्रभारी) |
| 6. | परीक्षा नियंत्रक | रिक्त<br>प्रो0 ए.एस. रणदिवे (कार्यवाहक) |
| 7. | ग्रंथपाल | प्रो0 यू.एन. सिंह |

### ब. अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण

| .क | अध्ययनशाला | नाम |
|---|---|---|
| 1 | अध्ययनशाला कला | प्रो0 विशन सिंह राठौर |
| 2 | अध्ययनशाला अभियांत्रिकी एवं तकनीकी | प्रो0 शैलेन्द्र कुमार<br>(01–04–2015 से 02–05–2015)<br>प्रो0 मुकेश कुमार सिंह<br>(03–05–2015 से 31–03–2016) |
| 3 | अध्ययनशाला विधि | प्रो0 मनीष श्रीवास्तव |
| 4 | अध्ययनशाला जीव विज्ञान | प्रो0 एस.के.चतुर्वेदी<br>(01–04–2015 से 17–11–2015)<br>प्रो0 बी.एन.तिवारी<br>(18–11–2015 से 31–03–2016) |

| | | |
|---|---|---|
| 5 | अध्ययनशाला प्रबंध एवं वाणिज्य | प्रो0 एल.पी.पटेरिया<br>(01–04–2015 से 04–12–2015)<br>प्रो0 विशन सिंह राठौर<br>(29–02–2016 से 31–03–2016) |
| 6 | अध्ययनशाला गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान | प्रो0 ए.के.सक्सेना<br>(01–04–2015 से 14–09–2015)<br>प्रो0 ए.एस. रणदिवे<br>(15–09–2015 से 31–03–2016) |
| 7 | अध्ययनशाला प्राकृतिक संसाधन | प्रो0 एस.एस.सिंह<br>(01–04–2015 से 14–09–2015)<br>प्रो0 जे.एस. दांगी<br>(15–09–2015 से 31–03–2016) |
| 8 | अध्ययनशाला भौतिकी विज्ञान | प्रो0 जी.के.पात्रा<br>(01–04–2015 से 06–12–2015)<br>प्रो0 पी.के. बाजपेयी<br>(07–12–2015 से 31–03–2016) |
| 9 | अध्ययनशाला समाज विज्ञान | प्रो0 पी.जे.मिश्रा<br>(01–04–2015 से 23–11–2015)<br>प्रो0 अनुपमा सक्सेना<br>(24–11–2015 से 31–03–2016) |

## अस. विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण

| क्रमांक | नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1. | प्रो0 एस.व्ही.एस. चौहान | अधिष्ठाता छात्रकल्याण |
| 2. | प्रो0 प्रदीप शुक्ला | मुख्य कुलानुशासक |
| 3. | श्री हरिनारायण चौबे | संयुक्त कुलसचिव (विकास एवं भण्डार विभाग) |
| 4. | श्री रविन्द्र कुमार सोनी | उप–कुलसचिव (वित्त एवं प्रषासन विभाग) |
| 5. | डॉ0 सम्पूर्णानंद झा | उप–कुलसचिव (परीक्षा विभाग) |
| 6. | श्री सूरज कुमार मेहर | उप–कुलसचिव (आंतरिक अंकेक्षण विभाग) |
| 7. | श्री संतोष कुमार त्रिपाठी | सहायक कुलसचिव (वित्त एवं भण्डार विभाग) |
| 8. | श्री अभिदीप तिवारी | सहायक कुलसचिव (वित्त विभाग) |
| 9. | श्री टिकेन्द्र प्रताप सिंह | सहायक कुलसचिव (अकादमिक एवं सूचना प्रकोष्ठ) |
| 10. | श्री सुधाकर लोनारे | सहायक कुलसचिव (कुलपति कार्यालय) |
| 11. | श्री श्रीकांत करडेकर | सहायक कुलसचिव (गोपनीय एवं प्रशासन विभाग) |

## द. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्षगण (31.03.2016 की स्थिति में)

| क. | विभाग का नाम | विभागाध्यक्ष का नाम | पद |
|---|---|---|---|
| 01. | अंग्रेजी एवं आंग्ल भाषा | डॉ. आई.डी.तिवारी | प्राध्यापक |
| 02. | हिंदी | श्री मुरली मनोहर सिंह | सहायक प्राध्यापक |
| 03. | पत्रकारिता एवं जनसंचार | डॉ. गोपा बागची | सह प्राध्यापक |
| 04. | पत्रकारिता एवं सूचना विज्ञान | डॉ. ब्रजेश तिवारी | सह प्राध्यापक |
| 05. | शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद | डॉ. व्ही. एस.राठौर | प्राध्यापक |
| 06. | केमिकल इंजीनियरिंग | डॉ. एस.एन.साहा | प्राध्यापक |
| 07. | सिविल इंजीनियरिंग | डॉ. शैलेन्द्र कुमार | प्राध्यापक |
| 08. | कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग | डॉ. मनीष श्रीवास्तव | सहायक प्राध्यापक |
| 09. | इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग | श्री पी.एस.श्रीवास्तव | सहायक प्राध्यापक |
| 10. | इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन इंजीनियरिंग | डॉ. मुकेश कुमार सिंह | प्राध्यापक |
| 11. | इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी | डॉ. अमित खासकलम | सहायक प्राध्यापक |
| 12. | मेकेनिकल इंजीनियरिंग | डॉ. राजेश भूषण | सहायक प्राध्यापक |
| 13. | विधि | श्री प्रवेश दलेई | सहायक प्राध्यापक |
| 14. | मानवशास्त्र एवं आदिवासी विकास | डॉ. पी.के.दास | प्राध्यापक |
| 15 | जैव प्रौद्योगिकी | डॉ. बी.एन.तिवारी | प्राध्यापक |
| 16. | वनस्पतिशास्त्र | डॉ. ए.के.दीक्षित | सह प्राध्यापक |
| 17. | जीवविज्ञान | डॉ. सीमा राय | सह प्राध्यापक |
| 18 | न्यायालयिक विज्ञान | डॉ. ए.के.दीक्षित | सह प्राध्यापक |
| 19. | वाणिज्य | डॉ. अमित मंगलानी | सहायक प्राध्यापक |
| 20. | प्रबंध अध्ययन | प्रो. एल.पी.पटेरिया | प्राध्यापक |
| 21. | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | प्रो. ए.के.सक्सेना | प्राध्यापक |
| 22. | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | प्रो. एस.पी.सिंह | प्राध्यापक |
| 23. | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | डॉ. रश्मि अग्रवाल | सह प्राध्यापक |
| 24. | भैषजिक विज्ञान | प्रो व्ही.डी.रंगारी | प्राध्यापक |
| 25. | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | डॉ. राजेन्द्र मेहता | सह प्राध्यापक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 26. | रसायनशास्त्र | प्रो. गौतम कुमार पात्रा | प्राध्यापक |
| 27. | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | प्रो. पी.के.बाजपेयी | प्राध्यापक |
| 28. | अर्थशास्त्र | प्रो. मनीषा दुबे | प्राध्यापक |
| 29. | शिक्षा | डॉ. सी.एस.वझलवार | सह प्राध्यापक |
| 30. | इतिहास | प्रो. प्रदीप शुक्ला | प्राध्यापक |
| 31. | राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन | प्रो. अनुपमा सक्सेना | प्राध्यापक |
| 32. | समाजकार्य | प्रो. प्रतिभा मिश्रा | प्राध्यापक |

परिशिष्ट – 3

# विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

(31.03.2016 की स्थिति में)

| क्र | नाम | विभाग का नाम | पद | विशेषज्ञता |
|---|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. मंजू तिवारी (धारणाधिकार पर) | शैक्षणिक कर्मचारी | सहायक प्राध्यापक | आप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स |
| 2 | डॉ. आरती सिंह | मानव संसाधन विकास केन्द्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 3 | डॉ. प्रदीप्ता किशोर दास | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | मानव अनुवांशिकी |
| 4 | डॉ. नीलकण्ठ पाणिग्राही | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहआचार्य | सामाजिक मानवशास्त्र |
| 5 | श्री बलराम उरांव | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहायक प्राध्यापक | सामाजिक मानवशास्त्र |
| 6 | डॉ. सुबल दास | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहायक प्राध्यापक | फिजिकल /बॉयोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी |
| 7 | डॉ. एम.एस.के. भारती | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहायक प्राध्यापक(तदर्थ) | |
| 8 | डॉ. हुइद्रोम सूरज सिंह | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहायक प्राध्यापक(तदर्थ) | |
| 9 | सुश्री दीपा शर्मा | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 10 | सुचित्रा त्रिपाठी | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 11 | प्रो. बी.एन. तिवारी | जैव प्रौद्योगिकी | आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी |
| 12 | डॉ. रेनु भटट् | जैव प्रौद्योगिकी | सह आचार्य | नैनोटेक्नालॉजी एण्ड कैंसर |
| 13 | डॉ. हरित झा | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी |
| 14 | सुश्री अलका एक्का | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी |
| 15 | डॉ. डी.के. परिहार | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | माइक्रोबियल एंजाइम एण्ड फरमेंटेशन टेक्नालॉजी |
| 16 | डॉ. धनंजय शुक्ला | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | जन्तु जैव प्रौद्योगिकी |
| 17 | डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | इंम्यूनोलॉजी, सेल्यूलर बॉयोलॉजी, ओंकोलॉजी, एनीमल सेल कल्चर सेल टेक्नोलॉजी |
| 18 | वनिता उपाडा | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 19 | श्री अरविन्द कुमार | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 20 | सुश्री अर्चना भास्कर | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 21 | श्री राजेश आनन्द | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 22 | सुश्री अंजली माहिलकर | जैव प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 23 | डॉ. अश्विनी कुमार दीक्षित | वनस्पतिशास्त्र | सह प्राध्यापक | फॉर्माकोग्नॉजी बायो नैनोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिकल बॉटनी |
| 24 | डॉ. सुशील कुमार शाही | वनस्पतिशास्त्र | सह प्राध्यापक | |
| 25 | डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | इन्वायरमेंटल केमिस्ट्री एण्ड पाल्यूशन इकोलॉजी |
| 26 | डॉ. एस.के.प्रजापति | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एयर पाल्यूशन एण्ड स्ट्रेस इकोलॉजी |
| 27 | डॉ. सत्यशिला सिंह | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | स्ट्रेस बायोलॉजी एण्ड मालिक्यूलर माइक्रोबायोलॉजी |
| 28 | डॉ. विभयनाथ त्रिपाठी | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | होस्ट पैथोजेन इंटरेक्शन |
| 29 | श्री पंकज कुमार साहू | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 30 | श्री आनन्द बारापात्रे | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 31 | डॉ. शमी कंसेर | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 32 | डॉ. एम.पी. शाही | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 33 | डॉ. ज्योती पाण्डेय | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 34 | वंदना कश्यप | वनस्पतिशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 35 | डॉ. एस.एन.साहा | रसायन अभियांत्रिकी | आचार्य | फ्लूइडाजेशन इंजीनियरिंग |
| 36 | श्री अमित जैन | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | थर्मल |
| 37 | डॉ. अनिल चन्द्राकर | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | कैटालिसिस |
| 38 | सुश्री अनुराधा नेनेवार जोशी | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इन्वायरमेंटल मैनेजमेंट |
| 39 | श्री गौतम प्रसाद देवांगन | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | कम्प्यूटर एडेड प्रॉसेस एण्ड इक्विपमेंट डिजाइन |
| 40 | श्री नीरज चन्द्राकर | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | केमिकल प्रॉसेस डिजाइन |
| 41 | डॉ. राघवेन्द्र सिंह ठाकुर | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | एडजॉर्प्शन |
| 42 | श्री सौरभ मेश्राम | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | केमिकल प्रॉसेस डिजाइन |
| 43 | श्री विष्णु प्रसाद यादव | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | केटेलिसिस |
| 44 | श्रीमती विभा वर्मा देशमुख | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक अध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 45 | श्री आलोक तिवारी | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 46 | श्री प्रकाश वस्त्रकार | रसायन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 47 | प्रो. जी.के पात्रा | रसायनशास्त्र | आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, मेटल ऑर्गेनिक, फ्रेमवर्क, क्रिस्टल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री |
| 48 | डॉ. सुनील कुमार सिंह | रसायनशास्त्र | सह आचार्य | |
| 49 | डॉ. चारू अरोरा | रसायनशास्त्र | सह आचार्य | |
| 50 | डॉ. विजय कुमार राय | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | फिजिकल केमिस्ट्री एण्ड पॉलिमर केमिस्ट्री |
| 51 | डॉ. कमलेष श्रीवास | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एनालिटिकल केमिस्ट्री एण्ड नैनोकेमिस्ट्री |
| 52 | डॉ. के.वी.एस.रंगनाथ | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | आर्गेनिक सिथेसिस, असाइमेट्रिक कैटेलिसिस |
| 53 | डॉ. संतोष सिंह ठाकुर | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, चिरल केमेस्टील्ड हाइड्रोलिसिस |
| 54 | डॉ. सुभाष बनर्जी | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | ऑर्गेनिक केमिस्ट्री एण्ड नैनोकैटालिसिस एण्ड ग्रीन सिंथेसिस |
| 55 | सुश्री मनोरमा | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | |
| 56 | डॉ. भास्कर शर्मा | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | |
| 57 | डॉ. आरती श्रीवास्तव | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | फिजिकल केमेस्ट्री एण्ड पालीमर केमेस्ट्री |
| 58 | श्री रजत साहा | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 59 | डॉ. एस. भट्टाचार्या | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 60 | सुश्री दिपंविता मैती | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | आर्गेनिक केमेस्ट्री |
| 61 | डॉ. श्रद्धा शुक्ला | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 62 | डॉ. के.मैती | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 63 | डॉ. पथिक मांझी | रसायनशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 64 | प्रो. शैलेंद्र कुमार | सिविल अभियांत्रिकी | आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग |
| 65 | डॉ. एम चक्रधर राव | सिविल अभियांत्रिकी | सह आचार्य | स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग |
| 66 | श्री आशीष कुमार पाराशर | सिविल अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | वाटर रिसोर्सेज इंजीनियरिंग |
| 67 | श्री निखिल कुमार वर्मा | सिविल अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | कंस्ट्रक्शन प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट |
| 68 | श्री राजेन्द्र कुमार चौबे | सिविल अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग |
| 69 | डॉ. वी वी एस के दाढ़ी | सिविल अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | स्ट्रक्चरल डायनॉमिक्स इंजीनियंरिंग |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 70 | श्री मंगल सिंह मरावी | सिविल अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 71 | श्री प्रतीक तिवारी | सिविल अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 72 | श्री अमित मंगलानी | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक | फाइनांस |
| 73 | श्री बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक | एकाउंटिंग एण्ड फाइनांस |
| 74 | श्री विनीत सिंह | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक | मार्केटिंग |
| 75 | श्री ज्ञान रंजन बल | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 76 | श्री अभिन्न श्रीवास्तव | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | मार्केटिंग |
| 77 | श्री अनुज अग्रवाल | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 78 | श्री प्रिंस के. सलूजा | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 79 | सुश्री प्रियंका सिंह | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 80 | श्री विवेक शर्मा | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 81 | सुश्री पूजा शर्मा | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 82 | श्री अरुण वैद्यक | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 83 | श्री विकास जायसवाल | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 84 | सुश्री दीपिका दर्शन | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 85 | सुश्री कल्पना कंवर | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 86 | सुश्री स्वाती तिवारी | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 87 | श्री मुकेश अग्रवाल | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 88 | श्री संजय कुमार पटेल | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 89 | श्री मुरलीधर साहू | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 90 | श्री विजय कुमार दीक्षित | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 91 | सुश्री सुचित्रा रंगलानी | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 92 | श्री किरण कौर राणा | वाणिज्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 93 | डॉ. ए.आर. कृष्णा | वाणिज्य | अतिथि शिक्षक | मार्केटिंग एवं फाइनेंस |
| 94 | डॉ. मनीष श्रीवास्तव | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | नेटवर्क सिक्युरिटी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 95 | श्री अमित बघेल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क |
| 96 | श्री देवेन्द्र कुमार सिंह | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | कम्प्यूटर सिक्यूरिटी, |
| 97 | श्री मंजीत जायसवाल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | पैरलल कम्प्यूटिंग |
| 98 | श्री निशांत बेहार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | नेटवर्क सिक्युरिटी, डिजिटल एविडेंस |
| 99 | सुश्री निशी यादव | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क |
| 100 | श्री पुष्पेंन्द्र कुमार चंद्रा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | ऑप्टिकल नेटवर्क |
| 101 | सुश्री रक्षा शर्मा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | ग्रीड कम्प्यूटिंग |
| 102 | श्री सतीश कुमार नेगी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | वेहीकुलर एड हॉक नेटवर्क |
| 103 | श्री वैभव कांत सिंह | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | डाटामाइनिंग |
| 104 | प्रो. ए.के. सक्सेना | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, डाटा माइनिंग, |
| 105 | श्री अमितेश कुमार झा | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | डाटा माइनिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज |
| 106 | डॉ. बी मांझी | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | डाटा माइनिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग |
| 107 | डॉ. एच.एस. होता (धारणाधिकार पर) | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | फजी लॉजिक, न्यूरल नेटवर्क |
| 108 | श्रीमती पुष्पलता पुजारी | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | सॉफ्ट कम्प्यूटिंग क्लासीफिकेशन |
| 109 | श्री रजवंत सिंह राव | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | टी.ओ.सी., आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स |
| 110 | सुश्री सुषमा जायसवाल | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | डिजिटल इमेज प्रॉसेसिंग |
| 111 | दिलीप कुमार पटेल | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 112 | गार्गी शुक्ला | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 113 | श्री सुमन लाहा | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 114 | श्री प्रवीण सिंह यादव | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 115 | श्री राकेश कुमार मेश्राम | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 116 | श्री विश्वनाथ ताम्रकार | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 117 | डॉ. मनीषा दुबे | अर्थशास्त्र | आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | पब्लिक फाइनेंस, गांधीयन इकोनॉमिक्स |
| 118 | डॉ. नमिता शर्मा | अर्थशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | माइक्रो इकोनॉमिक्स, इंडियन इकोनॉमी मनी एण्ड बैंकिंग |
| 119 | डॉ. सिराफिनूस किस्पोट्टा | अर्थशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | माइक्रो इकोनॉमिक्स, स्टेट्स्टिक, डेमोग्राफी, इंडस्ट्रीयल इकोनॉमिक्स |
| 120 | श्री ठाकुर राम रात्रे | अर्थशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | पब्लिक फाइनेंस, माइक्रोइकोनॉमिक्स, इकोनॉमिक डेवलपमेंट एण्ड प्लांनिंग |
| 121 | श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा | अर्थशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स |
| 122 | श्री दिलीप झा | अर्थशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | मोनेटरी इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, क्वानटेटीव टेक्नीक्स, बैंकिंग |
| 123 | डॉ. सी.एस. वझलवार | शिक्षाशास्त्र | सह– प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | एडमिनिस्ट्रेशन सुपरविजन एण्ड मैनेजमेंट एजुकेशनल सायकालॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश |
| 124 | डॉ सुजीत मिश्रा | शिक्षाशास्त्र | सह– प्राध्यापक | रिसर्च मेथडोलॉजी, लर्नर एण्ड लर्निंग प्रॉसेस, एजुकेशनल गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशनल असेंसमेंट एण्ड इवैल्युएशन, टीचिंग ऑफ हिस्ट्री |
| 125 | डॉ. कौशल किशोर | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (धारणाधिकार पर) | एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, रिसर्च मैथडोलॉजी एण्ड स्टेट्स्टिक टीचिंग ऑफ फिजिकल साइंस |
| 126 | डॉ. पायल बनर्जी | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैल्युएशन, साइंस एजुकेशन, करिकुलम स्टडीज, स्कूल एडमिनिस्ट्रशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी |
| 127 | डॉ. संबित कुमार पाढ़ी | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड एवाल्यूशन, रिसर्च मैथडोलॉजी एण्ड स्टेटिक्स |
| 128 | डॉ. सोनिया स्थापक | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एलिमेंट्री टीचर एजुकेशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी, अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन, मेथड्स ऑफ टीचिंग साइंस |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 129 | श्री सुधीर सुदाम कावरे | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सोशियोलॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश एण्ड सिविक्स |
| 130 | डॉ. सुनील कुमार सेन | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सोशियोलॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैलुएशन, टीचिंग ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड सिविक्स |
| 131 | सुश्री विंदेश्वरी पवार | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशनल टेक्नालॉजी, टीचिंग ऑफ सोशल साइंस |
| 132 | श्री अजय समीर कुजूर | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | सोशियोलॉजी ऑफ एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेशन |
| 133 | डॉ0 मुकेश कुमार चन्द्राकर | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक | कम्प्यूटर एजुकेशन |
| 134 | श्री शिव कुमार | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 135 | श्री अवनी ा कुमार पांडेय | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | क्लीनिकल साइकोलॉजी, स्पेशल एजुकेशन, हिन्दी मेथडोलॉजी |
| 136 | श्री कृष्ण कुमार पाठक | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 137 | श्रद्धा सिंह | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 138 | जयप्रकाश सिंह | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 139 | श्री रामनिवास | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 140 | श्री बंसत कुमार | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 141 | सुश्री मीना कुमारी | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 142 | श्री मारुति चंदू गवलवार | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 143 | श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता | शिक्षाशास्त्र | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 144 | श्री पी.एस. श्रीवास्तव | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | माइक्रोवेव कम्यूनिकेशन |
| 145 | श्रीमती भावना शुक्ला | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष | कम्यूनिकेशन |
| 146 | श्री अभिषेक अवस्थी | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन |
| 147 | श्रीमती ब्युला नाथ | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन |
| 148 | श्री दीपक राठौर | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | कम्यूनिकेशन |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 149 | श्री निपुण कुमार मिश्रा | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | कम्यूनिकेशन |
| 150 | सुश्री प्रगति पथारिया | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक्स |
| 151 | श्री एस.के. पटेल | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकॉम इंजीनियरिंग |
| 152 | डॉ. सोमा दास | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | मैटेरियल्स, थिन फिल्म मल्टीफेरोइक्स, एक्सपेरिमेंटल फिजिक्स |
| 153 | श्रीमती प्रवीणा राजपूत | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | कम्यूनिकेशन |
| 154 | श्री उपेन्द्र कुमार अग्रवाल | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 155 | डॉ. अनिता खन्ना | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी |
| 156 | श्री सुमित कुमार गुप्ता | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | पावर इलेक्ट्रानिक्स एण्ड बेसिक डिजाईनिंग |
| 157 | श्री अभिषेक मिश्रा | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 158 | डॉ. मनीष श्रीवास्तव | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | ब्रिटिश फिक्शन |
| 159 | प्रो. आई.डी. तिवारी | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | प्राध्यापक | इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश |
| 160 | डॉ. अनुराग चौहान | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक | कैनेडियन फिक्शन, ब्रिटिश लिट्रेचर |
| 161 | डॉ. अर्चना कुमारी | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक | लिंग्विस्टिक्स |
| 162 | डॉ. प्रसेनजीत पाण्डा | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक | लिटररी थियरीज |
| 163 | डॉ. शबाना यास्मिन खान | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक | इंडो–एंगलियन लिटरेचर |
| 164 | श्री आशुतोष सिंह | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 165 | सुश्री प्रज्ञा शुक्ला | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 166 | श्री अभय रंजन | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | फ्रेंच |
| 167 | डॉ. कमलजीत सिन्हा | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 168 | डॉ. मीता अजय खन्ना | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 169 | श्री मलयकुमार महाकाल | आंग्ल एवं विदेशी भाषा | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 170 | सुश्री एकता जायसवाल | न्यायालयिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 171 | डॉ. राकेष कुमार राय | न्यायालयिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 172 | सुश्री मंजू साहू | न्यायालयिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 173 | श्री आई. अर्जुन राव | न्यायालयिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 174 | श्री सुधीर यादव | न्यायालयिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 175 | प्रो. एस.एस सिंह | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | फॉरेस्ट ट्रीज इम्प्रूवमेंट एण्ड ट्री म्यूटोजेनेसिस |
| 176 | डॉ. रश्मि अग्रवाल | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सह प्राध्यापक | फॉरेस्ट पैथोलॉजी एण्ड रीस्टोरेशन इकोलॉजी |
| 177 | डॉ. एस.सी. तिवारी | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सह प्राध्यापक | स्वायल साइंस एण्ड इथनोफॉरेस्ट्री |
| 178 | डॉ. एस.एस धुरिया | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सह प्राध्यापक | ट्री इम्प्रूवमेंट एण्ड बायोसिस्टमेटिक्स |
| 179 | डा. के.के. चंद्रा | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सह प्राध्यापक | फारेस्ट्री एक्सटेंशन एण्ड एग्रोफॉरेस्ट्री |
| 180 | डॉ. गरिमा तिवारी | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फॉरेस्ट मैनेजमेंट |
| 181 | सुश्री गुंजन पाटिल | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | इनवायरमेंटल साइंस |
| 182 | डा. एम.के. दुबे | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | वुड साइंस एण्ड टैक्नालॉजी |
| 183 | डॉ. भावना दीक्षित | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फॉरेस्ट पैथोलॉजी |
| 184 | श्री शेख इकबाल | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 185 | डॉ. अशोक विजय मिंज | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 186 | श्री आलोक कुमार चन्द्राकर | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 187 | मो. रफी वानी | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 188 | डॉ. अरविंद प्रजापति | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 189 | सुश्री रेशमा एक्का | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 190 | श्री मुरली मनोहर सिंह | हिंदी | सहायक प्राध्यापक | काव्यशास्त्र और तुलनात्मक साहित्य |
| 191 | डॉ. रमेश कुमार गोहे | हिंदी | सहायक प्राध्यापक | हिंदी आलोचना |
| 192 | डॉ. राजेश मिश्र | हिंदी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 193 | डॉ. वंदना तिवारी | हिंदी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 194 | डॉ. सुरेश कुमार | हिंदी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 195 | श्री नीलेश कुमार | हिंदी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 196 | श्री कालू लाल कुलमी | हिंदी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 197 | प्रो. प्रदीप शुक्ला | इतिहास | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | मध्यकालीन भारत का इतिहास |
| 198 | डॉ. सीमा पांडे | इतिहास | सहायक प्राध्यापक | आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास एवं सामाजिक इतिहास |
| 199 | डॉ. घनश्याम दुबे | इतिहास | सहायक प्राध्यापक | आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास एवं विकास का अध्ययन |
| 200 | श्री. महेश कुमार शुक्ला | इतिहास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | मध्यकालीन भारत का इतिहास |
| 201 | डॉ. विपिन तिर्की | इतिहास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 202 | डॉ. मुकेश कुमार सिंह | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | सीएडी/सीएएम/रोबोटिक्स |
| 203 | श्री सी पी देवांगन | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सह प्राध्यापक | इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग एण्ड मैंनेजमेंट |
| 204 | श्रीमती अर्पिता राय चौधरी | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (शोध हेतु अध्ययन अवकाश पर) | प्रोडक्शन इंजीनियरिंग |
| 205 | श्री अतुल साहू | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | प्रोडक्शन इंजीनियरिंग |
| 206 | श्री गणेश प्रसाद शुक्ला | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट |
| 207 | श्री कोट्टाला श्रीयोगी | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट |
| 208 | सुश्री दिशा देवांगन | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | ऐनर्जी सिस्टम एण्ड पाल्युषन |
| 209 | श्री लीलाधर राजपूत | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | मेकेनिकल सिस्टम डिजाईन |
| 210 | श्री नितिन कुमार साहू | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | इन्ट्रोडक्षन (मेकेनिकल इंजीनियरिंग) |
| 211 | श्री गौरव दुबे | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 212 | श्री सौरभ शर्मा | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 213 | श्री नाथूलाल सिंगरौल | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 214 | डॉ. अमित खासकलम | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | एम्बेडेड सिस्टम एण्ड मटेरियल साइंस, डाटा माइनिंग |
| 215 | श्री अभिषेक जैन | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक (अध्ययन अवकाश पर) | जीआईएस |
| 216 | श्री अग्निवेश पाण्डे | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 217 | सुश्री आकांक्षा गुप्ता | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क |
| 218 | श्री आनंद प्रकाश रावल | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी |
| 219 | श्री दीपक कांत नेताम | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | क्रिप्टोग्राफी |
| 220 | श्री पंकज चंद्रा | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | वायरलेस सेंसर नेटवर्क |
| 221 | श्री राजेश माहुले | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | डाटा माइनिंग |
| 222 | श्री संतोष सोनी | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | डब्ल्यू एस एन |
| 223 | श्री सुहेल अहमद | सूचना प्रौद्योगिकी | सहायक प्राध्यापक | इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी |
| 224 | डॉ. गोपा बागची | पत्रकारिता एवं जनसंचार | सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | – |
| 225 | श्रीमति अमिता | पत्रकारिता एवं जनसंचार | सहायक प्राध्यापक | |
| 226 | श्री गुरुसरन लाल | पत्रकारिता एवं जनसंचार | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कम्यूनिकेशन थियरी |
| 227 | श्री सुधीर कुमार | पत्रकारिता एवं जनसंचार | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 228 | श्री तेलाराम | पत्रकारिता एवं जनसंचार | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 229 | श्री विनय भूषण | पत्रकारिता एवं जनसंचार | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 230 | श्री प्रवेश दलेई | विधि | सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | बिजनेस लॉ |
| 231 | श्री मुकेश कुमार | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 232 | सुश्री पपिया गोल्देर | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 233 | श्री प्रमोद रंजन | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 234 | सुश्री एम. वी. राजकुमारी | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 235 | श्री नावेद अख्तर | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 236 | मो. शमशाद अंसारी | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 237 | श्री आशीष कुमार मिश्रा | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 238 | श्री पवन चौरसिया | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 239 | सुश्री रीता सिंह | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 240 | डॉ. विपिन कुमार तिवारी | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 241 | श्री अंकित भोजवानी | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 242 | सुश्री सोनाली पोद्दार | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 243 | श्री अजय सिंह | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 244 | डॉ. अनिल कुमार दुबे | विधि | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 245 | डॉ भास्कर मुखर्जी | ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान | सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (धारणाधिकार पर) | |
| 246 | डॉ. ब्रजेश तिवारी | ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान | सह प्राध्यापक | रिसर्च मेथड्स, नॉलेज आर्गनाइजेशन |
| 247 | श्री जितेन्द्र कुमार गौतम | ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | इम्फार्मेशन रिट्राइवल एण्ड इनफार्मेशन प्रोसेसिंग |
| 248 | डॉ. संदीपा यादव | ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 249 | श्री सुनील कुमार गौतम | ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 250 | प्रो. ललित प्रकाष पटैरिया | प्रबंध अध्ययन | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | क्वान्टिटेटिव टेक्नीक्स एण्ड आपरेशन रिसर्च, मार्केटिंग ओ. आर. क्यूटी मैनेजमेंट, बिजनेस लॉ |
| 251 | प्रो. हरीश कुमार | प्रबंध अध्ययन | प्राध्यापक | ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट, आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर |
| 252 | प्रो.एस.वी.एस. चौहान | प्रबंध अध्ययन | प्राध्यापक | हयूमैन रिर्सोस मैनेजमेंट, रिसर्च मैथडोलॉजी, आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर |
| 253 | डॉ. बी.डी. मिश्रा | प्रबंध अध्ययन | सह प्राध्यापक | फाइनेंसियल मैनेजमेंट, बिजनेस पॉलिसी, स्ट्रेजिक्स मैनेजमेंट |
| 254 | डॉ. (श्रीमती) बॉबी बी. पाण्डेय | प्रबंध अध्ययन | सहायक प्राध्यापक | बिजनेस इकानामिक्स, मार्केटिंग मैनेजमेंट |
| 255 | डॉ. रमेश कुमार चतुर्वेदी | प्रबंध अध्ययन | सहायक प्राध्यापक (धारणाधिकार पर) | स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट एण्ड मार्केटिंग मैनेजमेंट |
| 256 | सुश्री हर्षा साहू | प्रबंध अध्ययन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 257 | श्री तेजू कुजूर | प्रबंध अध्ययन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 258 | डॉ. राजेश कुमार भूषण | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | |
| 259 | श्री शैलेन्द्र सिंह | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | मशीन डिजाइनिंग |
| 260 | श्रीमती जसनिता पूनम एक्का | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (अध्ययन अवकाष पर) | एनर्जी इजीनियरिंग |
| 261 | प्रशांत जांगड़े | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | थर्मल इंजीनियरिंग |
| 262 | सुश्री श्वेता सिंह | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक | मैनुफैक्चरिंग |
| 263 | श्री गौरीशंकर खांडे | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 264 | श्री पवन कुमार साहू | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 265 | श्री श्याम सिंह कंवर | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 266 | श्री लुकेश कुमार | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 267 | श्री मनोज कुमार यादव | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 268 | मो0 शाहिद अंसारी | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 269 | मो0 आफताभ | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 270 | श्री ताकेश कुमार | यांत्रिकी अभियांत्रिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 271 | प्रो. विशन सिंह राठौड़ | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | स्पोर्ट्स मेडिसीन, वॉलीबाल |
| 272 | डॉ. संजीत सरदार | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सह प्राध्यापक | मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, फुटबाल |
| 273 | डॉ. रत्नेश सिंह | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सह प्राध्यापक | स्पोर्ट्स बॉयोमेकेनिक्स |
| 274 | श्री बी.आर.रावटे | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक प्राध्यापक | स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, कबड्डी |
| 275 | डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह | शरीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक प्राध्यापक | स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, बॉस्केटबॉल |
| 276 | डॉ. महेश सिंह ढपोला | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक प्राध्यापक | रिसर्च मेथडोलॉजी, क्रिकेट |
| 277 | सुश्री शालिनी मेनन | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक प्राध्यापक | एक्सरसाइज सायकोलॉजी एण्ड बैडमिंटन |
| 278 | श्री ओम प्रकाश गंगे | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक अध्यापक (तदर्थ) | |
| 279 | श्री तिलकराम मीना | शरीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक अध्यापक (तदर्थ) | |
| 280 | डॉ. जसवंत सिंह ठाकुर | शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | एक्सरसाइज फिजियोलॉजी कबड्डी |
| 281 | प्रो. अनुपमा सक्सेना | राजनीति एवं लोक प्रशासन | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | पॉलिसी स्टडीज, जेंडर स्टडीज् |
| 282 | डॉ. ए.एन. पण्डा | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सह प्राध्यापक | इंडियन–गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, पॉलिटिकल सोशियोलॉजी |
| 283 | सुश्री सांत्वना पांडे | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सहायक प्राध्यापक | इंडियन गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, रिजनल पॉलिटिक्स |
| 284 | डॉ. विवेक कुमार हिन्द | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | राजनीतिक सिद्धान्त |
| 285 | श्री उदयभान | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 286 | डॉ. सुरेंद्र मिश्रा | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | पब्लिक पॉलिसी एण्ड लोकल गवर्नमेंट |
| 287 | डॉ. राजकुमार खोसला | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 288 | श्री रामाराव बोनागानी | राजनीति एवं लोक प्रशासन | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | इंटरनेषनल रिलेषन एण ड पॉलिटिकल थ्योरी |
| 289 | प्रो. ए.एस रणदिवे | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | मैथमेटिक्स ऑफ फजी सेट |
| 290 | प्रो. एस.पी. सिंह | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | प्राध्यापक | एप्राक्सिमेशन थियरी |
| 291 | डॉ. पी.पी. मूर्ति | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सह प्राध्यापक | नान–लिनियर फंक्शनल एनालिसिस (फिक्सड् प्वांइट थियरी) |
| 292 | डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक | डिफरेंशियल ज्योमेट्री ऑफ मेनीफोल्डस |
| 293 | डॉ. के.एन.वी.वी वी प्रसाद | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक | नान–लिनियर फक्शनल एनालसिस (फिक्स्ड प्वाइंट थियरी) |
| 294 | डॉ. मनीष कुमार गुप्ता | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक | फिन्सलर जियोमेट्री |
| 295 | डॉ. संदीप सिंह | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक | |
| 296 | श्री चन्द्रप्रकाश धुरी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक | |
| 297 | डॉ. अभय सिंह | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | फिन्सलर जियोमेट्री |
| 298 | डॉ. डी.एस. सिंह | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | अलजेबरा |
| 299 | डॉ. षिवालिका सक्सेना | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 300 | श्री सुरेश कुमार शुक्ला | शुद्ध एंव अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 301 | श्री सुरेश कुमार चौबे | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 302 | प्रो. पी.के. बाजपेयी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | एक्सपेरिमेंटल कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, मैटेरियल साइंस एण्ड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी |
| 303 | डॉ. एच.एस. तिवारी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सह– प्राध्यापक | मैटेरियल साइंस, नैनो साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी |
| 304 | डॉ. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सह– प्राध्यापक | कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स/कम्प्यूटेशनल मैटेरियल साइंस |
| 305 | डॉ. परिजात ठाकुर | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सह– प्राध्यापक | एस्ट्रोनामी एण्ड एस्ट्रो फिजिक्स |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 306 | डॉ. ए. के. गुप्ता | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | एक्सपेरिमेंट कंडेस्ट मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेम्परेचर फिजिक्स |
| 307 | डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपु | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | एक्सपेरिमेंटल कंडेस्ट मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेक्परेचर फिजिक्स |
| 308 | श्री पचनीला राम बाबू | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | नैनोस्ट्रक्चर्स |
| 309 | डॉ. प्रदीप दास | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | एक्सपेरीमेण्टल कान्डेन्सेड मैटर फिजिक्स |
| 310 | डॉ. आर.पी. प्रजापति | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | स्टैबिलिटी, एनालिसिस इन डस्टी प्लाज्मा, क्वांटम प्लाज्मा, स्ट्रांगली कपल्ड एण्ड फ्यूजन थियरी |
| 311 | डॉ. शिवपूजन पटेल | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | एक्सपेरिमेण्टल मैटेरियल फीजिक्स |
| 312 | डॉ सुनील कुमार श्रीवास्तव | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, अंटर/इंट्रा मॉलिक्यूलर इंटरैक्शन, सरफेस इन्हैस्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एसइआरएस) |
| 313 | डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फीजिक्स इन बीम गामा रे–स्पेक्ट्रोस्कोपी, न्यूक्लियर रिएक्शन, न्यूक्लियर इन्स्ट्रूमेंटेशन |
| 314 | डॉ. राकेश पाण्डे | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | डिजिटल इलेक्ट्रानिक्स एण्ड माईक्रोप्रोसेसिंग |
| 315 | डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | सॉलिड स्टेट फिजिक्स |
| 316 | डॉ. अमरनाथ सिल | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक | एटामिक एण्ड मॉलिकूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी |
| 317 | डॉ हर्षा डहरिया | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 318 | श्री सत्यप्रकाश त्रिवेदी | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 319 | श्री अरुण कुमार सिंह | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 320 | श्री एस. के. सुमन | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 321 | डॉ. राजेन्द्र मेहता | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष | माइक्रोबॉयल बायोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिसिनल प्लांट |
| 322 | डॉ. पुष्पराज सिंह | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक | एग्रीकल्चर एक्सटेंशन |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 323 | डॉ. एस. के निराला | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक | अप्लायड टॉक्सिकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी |
| 324 | डॉ. भास्कर चौरसिया | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक | प्लांट पैथोलॉजी, माइकोरिजल बायोटेक्नालॉजी, प्लांट माइक्रोव इंटरैक्शन |
| 325 | डॉ. देवेंद्र कुमार पटेल | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक | प्लांट इकोलॉजी |
| 326 | डॉ. अल्का मिश्रा | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक | एग्रोफारेस्ट्री |
| 327 | श्री दिलीप कुमार | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक | एग्रीकल्चर एक्सटेंशन |
| 328 | डॉ. एन सी अग्रवाल | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | लिमनोलॉजी इंटोमोलॉजी |
| 329 | डॉ. अजय सिंह | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 330 | श्री पास्ते व्ही. विजय कुमार | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 331 | प्रो. जे.एस दांगी | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | फार्मास्युटिकल |
| 332 | डॉ. विनोद डी. रंगारी | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | प्राध्यापक | फार्माकोग्नॉजी |
| 333 | डॉ. श्रीमती अल्पना राम | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सह– प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 334 | डॉ सन्मति के. जैन | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सह– प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 335 | डॉ. एस.एच बोड़खे | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सह– प्राध्यापक | फार्माकोलॉजी |
| 336 | डॉ. के.पी. नामदेव | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सह– प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 337 | डॉ. श्रीमती भारती अहिरवार | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सह– प्राध्यापक | फार्माकोगोनॉजी |
| 338 | डॉ. दिलीप पॉल | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सह– प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 339 | डॉ. ए. जैन | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 340 | डॉ. अर्जुन पात्रा | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्माकोगोनॉजी |
| 341 | डॉ. हरीश रजक | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 342 | डॉ. जगदीश सिंह | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 343 | श्री के केशवन | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 344 | श्री के.पी. मीना | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 345 | श्री मनोज कुमार | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 346 | सुश्री मीनाक्षी जायसवाल | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 347 | सुश्री नीलि रोज बेक एक्का | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्माकोगोनॉजी |
| 348 | डॉ. एन. एस जैन | एसएलटी भैषाजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्माकोलॉजी |
| 349 | डॉ. पार्था प्रतीम राय | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 350 | श्री प्रदीप सामल | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्माकोलॉजी |
| 351 | डॉ. रविशंकर पांडे | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मा बायोटेक |
| 352 | श्री एस. भारती | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 353 | डॉ. एस. जैन | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 354 | डॉ. एस.के. लांझियाना | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 355 | डॉ. शिवानी राय पालीवाल | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिक्स |
| 356 | डॉ. सुरेश थरेजा | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री |
| 357 | डॉ. विवेकानंद मंडल | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फार्माकोगोनॉजी |
| 358 | कु. लक्ष्मी | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 359 | श्री पराग जैन | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 360 | श्री विजय कुमार एम.आर. | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 361 | सुश्री पारूल सिंह | एसएलटी भैषजिक विज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 362 | प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा | समाजकार्य | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | लेवर वेलफेयर एण्ड ह्यूमैन रिलेशन्स, वूमैन एम्पावरमेंट/जेण्डर स्टडीज एजूकेशन, रिसर्च मेथड्स, वर्किंग विथ एल्डरली, कम्युनिटी डेवलपमेंट, रूरल डेवलपमेंट, सोशल वर्क प्रैक्टिस स्किल डेवलपमेंट, हेल्थ सेक्टर |
| 363 | डॉ. अर्चना यादव | समाजकार्य | सहायक प्राध्यापक | कम्युनिटी डेवलपमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट, एनजीओ मैनेजमेंट एण्ड् सस्टनेबल रूरल डेवलपमेंट |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 364 | डॉ. संज्ञा त्रिपाठी | समाजकार्य | सहायक प्राध्यापक | फैमिली एण्ड चाइल्ड वेलफेयर |
| 365 | श्री विक्रम सिंह | समाजकार्य | सहायक प्राध्यापक | सोशल डेवलपमेंट, सोशल एक्सक्लूजन एण्ड गवर्नेन्स |
| 366 | श्री शिवानन्द शुक्ला | समाजकार्य | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 367 | डॉ. सीमा राय | जन्तुविज्ञान | सह–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | पिनियल –मेलाटोनिनफिजियोलॉजी, न्यूरो इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड इम्यूनोलॉजी |
| 368 | डॉ. मोनिका भदौरिया | जन्तुविज्ञान | सह–प्राध्यापक | टॉक्सीकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी |
| 369 | डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी | जन्तुविज्ञान | सहायक प्राध्यापक | इम्यूनो–इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड फिश बायोलॉजी |
| 370 | डॉ. संतोष सिंह | जन्तुविज्ञान | सहायक प्राध्यापक | बॉयोकेमेस्ट्री माल्यूकुलर बॉयोलाजी एण्ड फिश बायोलॉजी |
| 371 | डॉ. सुशांत कुमार वर्मा | जन्तुविज्ञान | सहायक प्राध्यापक | फिश बायोलॉजी एण्ड बायोडायर्सिटी |
| 372 | श्री वरुण कुमार प्रभात | जन्तुविज्ञान | सहायक प्राध्यापक(तदर्थ) | |
| 373 | श्री विनित प्रकाश सिंह | जन्तुविज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 374 | श्री रणधीर कुमार | जन्तुविज्ञान | सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) | |
| 375 | श्री प्रेमनाथ कमलेश | प्रशिक्षण एवं स्थानन प्रकोष्ठ | प्रशिक्षण एवं स्थानन अधिकारी (सहायक प्राध्यापक पद के विरूद्ध) | |
| 376 | श्री आर.के.गुप्ता | रेडियेशन विभाग | रेडियेशन अधिकारी (सह प्राध्यापक पद के विरूद्ध) | |

# परिशिष्ट – 4

## शिक्षकों का अकादमिक योगदान

### अ. प्रकाशन (केवल संख्या)

| क्र. | संस्थान/अध्ययनशाला/विभाग का नाम | शोध पत्र | | लेख | | पुस्तक/अध्याय | मोनोग्राफ | पुस्तिकायें/अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अंतर्राष्ट्रीय | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | राष्ट्रीय | | | |
| 1. | **कला अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| 1.1 | अंग्रेजी एवं आंग्ल भाषा विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. मनीष श्रीवास्तव | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अनुराग चौहान | 01 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. प्रसेनजीत पांडा | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अर्चना कुमारी | 03 | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. मीता अजय खन्ना | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. प्रज्ञा शुक्ला | 05 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. कमलजीत सिंहा | 01 | 01 | - | - | - | - | - |
| 1.2 | हिंदी विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. रमेश कुमार गोहे | - | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. राजेश मिश्रा | - | 04 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. वंदना तिवारी | 01 | - | - | - | 01 | 01 | - |
| 1.3 | पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. गोपा बागची | - | 01 | - | - | 02 | - | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | डॉ. अमिता | - | - | - | 02 | - | - | - |
| | श्री गुरूसरण लाल | - | 02 | - | 00 | 02 | - | - |
| | श्री सुधीर कुमार | 04 | - | - | - | - | - | - |
| | श्री तेलाराम मेहेर | - | - | - | - | 01 | - | - |
| **1.4** | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. ब्रजेश तिवारी | 01 | - | - | 01 | - | - | - |
| | संदीपा यादव | 01 | - | - | - | - | - | - |
| **1.5** | शारीरिक शिक्षा एवं खेककूद विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. व्ही.एस.राठौड़ | 20 | 20 | -- | -- | -- | -- | -- |
| | डॉ. संजीत सरदार | 20 | 20 | -- | -- | -- | -- | -- |
| | डॉ. रत्नेश सिंह | 20 | 20 | -- | -- | -- | -- | -- |
| | डॉ. बी.आर.रावटे | 20 | 20 | -- | -- | -- | -- | -- |
| | सुश्री शालिनी मेनन | 20 | 20 | -- | -- | -- | -- | -- |
| | डॉ. एम.एस.ढपोला | 20 | 20 | -- | -- | -- | -- | -- |
| | डॉ. एम.के.सिंह | 20 | 20 | -- | 20 | 20 | - | - |
| **2.** | **अभियांत्रिकीय एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| **2.1** | रसायन अभियांत्रिकी विभाग | | | | | | | |
| | अनिल चन्द्राकर | 05 | - | - | - | - | - | - |
| | गौतम देवांगन | 05 | - | - | - | - | - | - |
| | नीरज चन्द्राकर | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अमिता | - | - | - | 02 | - | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | आर.एस.ठाकुर | 05 | - | - | - | - | - | - |
| | एस.एन.साहा | 05 | - | - | - | - | - | - |
| **2.2** | सिविल अभियांत्रिकी विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. शैलेन्द्र कुमार | 04 | -- | -- | --- | -- | -- | -- |
| | डॉ. एम.सी.राव | 02 | -- | -- | --- | -- | -- | -- |
| | श्री आर.के.चौबे | 02 | -- | -- | --- | -- | -- | -- |
| | डॉ. व्ही.व्ही.एस.एस.के.दाडी | 02 | -- | -- | --- | -- | -- | -- |
| | श्री ए.के.परिहार | 01 | -- | -- | --- | -- | -- | -- |
| **2.3** | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. मनीष श्रीवास्तव | 02 | - | -- | -- | -- | -- | -- |
| | डॉ. डी.के.सिंह | 02 | - | -- | -- | -- | -- | -- |
| | वैभव कुमार सिंह | 06 | - | -- | -- | -- | -- | -- |
| | सुश्री निषी यादव | 03 | - | -- | -- | -- | -- | -- |
| **2.4** | इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग | | | | | | | |
| | श्रीमती अनिता खन्ना | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. पी.एस.श्रीवास्तव | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | श्री निपुण कुमार मिश्रा | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | श्री श्रवण के. पटेल | - | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. सोमा दास | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| | श्री सुमीत के. गुप्ता | - | - | - | - | - | - | - |
| **2.5** | औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. मुकेश कुमार सिंह | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | श्री श्रीयोगी के. | 03 | - | - | - | - | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | श्री अतुल कुमार साहू | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | सुश्री अर्पिता राय चौधरी | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | श्री नितिन कुमार साहू | 03 | - | - | - | - | - | - |
| 2.6 | सूचना प्रौद्योगिकी विभाग | | | | | | | |
| | श्री संतोष सोनी | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | श्री आनंद प्रकाश रावल | 01 | - | - | - | - | - | - |
| 2.7 | यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. राजेश भूषण | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | सुश्री श्वेता सिंह | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | लुकेश कुमार | 01 | - | - | - | - | - | - |
| 3. | **विधि अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| 3.1 | विधि विभाग | | | | | | | |
| | श्रीमती एम.वी.राजकुमारी | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अनिल कुमार दुबे | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | श्री आशीष कुमार मिश्रा | 02 | - | - | - | - | - | - |
| 4 | **जीव विज्ञान अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| 4.1 | मानव विज्ञान एवं आदिवासी विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. प्रदीप्ता किशोर दास | - | 1 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही | 1 | 3 | - | - | 3 | - | - |
| | डॉ. सुबल दास | 2 | 2 | - | - | 1 | - | - |
| | डॉ. सुचिता त्रिपाठी | 1 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. के. भारती | 3 | - | - | - | 2 | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **4.2** | जैव प्रौद्योगिकी | | | | | | | |
| | डॉ. बी.एन.तिवारी | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. रेणु भट्ट | 08 | - | 01 | - | - | - | - |
| | डॉ. हरित झा | 06 | 02 | - | - | 02 | - | - |
| | डॉ. डी.के.परिहार | 04 | - | - | - | - | - | - |
| | सुश्री अल्का एक्का | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. धनंजय शुक्ला | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एन.के.विश्वकर्मा | 01 | - | - | - | 01 | - | - |
| **4.3** | वनस्पतिशास्त्र विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. अश्विनी कुमार दीक्षित | 03 | - | 01 | - | 02 | - | - |
| | डॉ. एस.के.शाही | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एस.के.पाण्डेय | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. सत्ययिशला सिंह | 02 | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. ज्योति पाण्डेय | - | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. शमी कौशर | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. पंकज कुमार साहू | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. ममता पात्रा शाही | 02 | - | - | - | - | - | - |
| **4.4** | न्यायालयिक विज्ञान विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. अश्विनी कुमार दीक्षित | 2 | - | 01 | - | 01 | - | - |
| | डॉ. अर्जुन राव आई. | - | - | - | - | - | - | - |
| **4.5** | प्राणीविज्ञान विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. सीमा राय | 05 | - | 01 | - | - | - | - |
| | डॉ. सुशांत वर्मा | 02 | - | - | - | - | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | डॉ. मनीष त्रिपाठी | 01 | - | - | - | - | - | - |
| 5 | **प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| 5.1 | वाणिज्य विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. अमित मंगलानी | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल | 06 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. विनीत सिंह | 09 | 01 | - | - | - | - | - |
| | अभिन्न श्रीवास्तव | 04 | - | - | - | - | - | - |
| | अरूण वैद्यक | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | ज्ञानरंजन बल | 01 | 01 | - | - | - | - | - |
| | मुकेश अग्रवाल | 03 | 01 | - | - | 02 | - | - |
| | सुश्री प्रियंका सिंह | 01 | 01 | - | - | - | - | - |
| | स्वाति तिवारी | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | विवेक शर्मा | 01 | - | - | - | 01 | - | - |
| 5.2 | प्रबंध अध्ययन विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. बॉबी बी. पाण्डेय | 02 | 04 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. बी.डी.मिश्रा | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एल.पी.पटेरिया | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एस.व्ही.एस.चौहान | 02 | - | - | - | - | - | - |
| 6 | **गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| 6.1 | संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. ए.के.सक्सेना | 04 | 0 | - | - | - | - | - |
| | बबिता माझी | 05 | 02 | | | 02 | - | - |
| | पुष्पलता पुजारी | 03 | 01 | - | - | - | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सुषमा जायसवाल | - | - | - | - | 02 | - | - |
| **6.2** | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. ए.एस.रणदिवे | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. बी.बी.चतुर्वेदी | 04 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. डी.एस.सिंह | 00 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एम.के.गुप्ता | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. पी.पी.मूर्ति | 12 | - | - | - | - | - | - |
| **7** | **प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| **7.1** | वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. एस.एस.सिंह | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. रश्मि अग्रवाल | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एस.सी.तिवारी | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. के.के.चन्द्रा | 02 | - | 01 | | 01 | - | 01 |
| | डॉ. गरिमा तिवारी | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. भावना दीक्षित | 01 | - | - | - | - | - | 01 |
| | शेख इकबाल | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अरविंद प्रजापति | 01 | 01 | - | - | - | - | - |
| **7.2** | एसएलटी भैषजिक विज्ञान विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. जे.एस. दांगी | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. व्ही.डी.रंगारी | 04 | 02 | - | - | 02 | - | - |
| | डॉ. अल्पना राम | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. भारती अहिरवार | 03 | - | 01 | - | | - | - |
| | डॉ. के.पी.नामदेव | 03 | - | - | - | 01 | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | डॉ. सन्मति जैन | 02 | 02 | - | - | | -- | - |
| | डॉ. एस.एच.बोड़खे | 04 | - | - | - | 02 | - | - |
| | डॉ. दिलीप कुमार पाल | 06 | 01 | - | 01 | 01 | - | - |
| | डॉ. मनोज कुमार | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. प्रदीप सामल | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. के.पी.मीना | 01 | - | - | 01 | - | - | - |
| | डॉ. हरीश रजक | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. आर.एस.पाण्डेय | 03 | -- | 01 | - | - | - | - |
| | डॉ. सुनील जैन | 04 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अर्जुन पात्रा | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. व्ही.मंडल | - | 01 | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. एस.के.भारती | 03 | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. के. केशवन | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. जे. सिंह | 02 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. पी.पी.राय | 02 | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. एस.थरेजा | 03 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एन. जैन | 05 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. ए.के.जैन | 01 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. शिवानी पालीवाल | 01 | - | 02 | - | - | - | - |
| **7.3** | ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. आर.मेहता | 02 | 04 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. पी.आर.सिंह | 03 | - | - | - | 02 | - | - |
| | डॉ. एस.के.निराला | 01 | - | - | - | - | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | डॉ. डी.के.पटेल | 06 | - | 02 | - | - | - | - |
| | डॉ. भास्कर चौरसिया | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अल्का मिश्रा | 01 | 03 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. दिलीप कुमार | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. अजय सिंह | - | 03 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. पास्थे व्हीव्ही कुमार | 02 | 03 | 01 | 02 | - | - | - |
| **8** | **भौतिकी विज्ञान अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| 8.1 | रसायनशास्त्र विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. जी.के.पात्रा | 10 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एस.के.सिंह | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. चारू अरोरा | 02 | - | 01 | - | - | - | - |
| | डॉ. बी.शर्मा | 01 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एस.एस.ठाकुर | 03 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. ए.श्रीवास्तव | 03 | - | - | - | 02 | - | - |
| | डॉ. एस.बेनर्जी | 05 | - | 01 | - | - | - | - |
| | डॉ. व्ही.के.राय | 04 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. मनोरमा | 01 | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. के.श्रीवास | 07 | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. के.व्ही.एस.रंगनाथ | 04 | - | - | - | - | - | - |
| **8.2** | शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. पी.के.बाजपेयी | 07 | - | - | | - | - | 01 |
| | डॉ. प्रदीप दास | 03 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. अजय के. गुप्ता | 02 | - | - | | - | - | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | डॉ. आर.के.पाण्डेय | 04 | - | - | | - | - | |
| | डॉ.एस.पी.पटेल | 05 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. आर.पी.प्रजापति | 05 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. पी. रामबाबू | 03 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. टी.जी. रेड्डी | 05 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. एम.पी. शर्मा | 04 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. एस.के.श्रीवास्तव | 03 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. एच.एस.तिवारी | 06 | | | | | | |
| | डॉ. पारिजात ठाकुर | 04 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. एम.एन.त्रिपाठी | 04 | - | - | | - | - | |
| | डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी | 05 | - | - | | - | - | |
| **9** | **समाज विज्ञान अध्ययनशाला** | | | | | | | |
| **9.1** | अर्थशास्त्र विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. दिलीप झा | 01 | - | - | - | 01 | - | - |
| | डॉ. मनीशा दुबे | 02 | 04 | - | - | - | - | - |
| | आर.के.शर्मा | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. एस.किस्पोट्टा | 05 | 11 | - | - | - | - | - |
| | टी.आर.रात्रे | 02 | - | - | - | - | - | - |
| **9.2** | शिक्षाशास्त्र विभाग | | | | | | | |
| | सी.एस.वझलवार | - | 01 | - | - | 01 | - | - |
| | एम. चन्द्राकर | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | पी. बेनर्जी | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | एस.के.पाढ़ी | - | 02 | - | - | - | - | - |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | एस.के.सेन | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | एस.एस.कावरे | - | 02 | - | - | 01 | - | - |
| | सुजीत मिश्रा | - | 04 | - | - | - | - | - |
| 9.3 | इतिहास विभाग | | | | | | | |
| | डॉ. घनश्याम दुबे | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. महेश कुमार शुक्ला | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. सीमा पाण्डेय | - | 03 | - | - | - | - | - |
| | श्री विपिन तिर्की | - | 02 | - | - | - | - | - |
| 9.4 | राजनीति विज्ञान विभाग | | | | | | | |
| | प्रो. अनुपमा सक्सेना | - | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. ए.एन. पंडा | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| | डॉ. सांत्वना पांडे | - | - | - | - | - | - | - |
| | डॉ. सुरेन्द्र मिश्रा | 02 | 01 | - | - | - | - | - |
| 9.5 | समाज कार्य विभाग | | | | | | | |
| | सुश्री संज्ञा त्रिपाठी | 03 | - | - | 02 | - | - | - |
| | डॉ. अर्चना यादव | - | 06 | - | - | 01 | - | - |
| | श्री विक्रम सिंह | - | 01 | - | 01 | - | - | - |
| | प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा | 01 | 01 | 01 | 01 | - | - | - |

## ब. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं में शिक्षकों की सहभागिता

| क्र. | अध्ययनशाला/शिक्षक/विभाग का नाम | अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी | राष्ट्रीय संगोष्ठी | कार्यशाला |
|---|---|---|---|---|
| 1 | **कला अध्ययनशाला** | | | |
| 1.1 | **अंग्रेजी विभाग** | | | |
| | डॉ0 अनुराग चौहान | 01 | 01 | - |
| | डॉ0 प्रसेनजीत पंडा | 02 | 03 | - |
| | डॉ0 अर्चना कुमारी | 02 | 03 | - |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | डॉ0 मीता अजय खन्ना | 01 | - | - |
| | डॉ0 प्रज्ञा शुक्ला | 01 | 01 | - |
| | डॉ0 कमलजीत सिन्हा | - | 01 | - |
| 1.2 | **हिन्दी विभाग** | | | |
| | डॉ0 रमेश कुमार गोहे | - | 01 | - |
| 1.3 | **पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग** | | | |
| | डॉ0 गोपा बागची | 05 | 01 | - |
| | श्री गुरुसरण लाल | 01 | 01 | - |
| | डॉ0 विनय भूषण | 01 | - | 01 |
| | श्री सुधीर कुमार | 06 | - | 01 |
| | श्री तेलाराम मेहेर | - | 02 | 01 |
| 1.4 | **पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग** | | | |
| | डॉ0 भास्कर मुखर्जी | - | - | 01 |
| | श्री जितेन्द्र कुमार गौतम | - | - | 01 |
| | श्री रूश्मनसाब गौरिकर्स | - | - | 01 |
| | डॉ0 संदीपा यादव | - | - | 01 |
| | श्री सुनिल कुमार गौतम | - | - | 01 |
| 1.5 | **शारीरिक शिक्षा विभाग** | | | |
| | प्रो0 व्ही.एस. राठौड़ | -- | 20 | -- |
| | डॉ0 संजीत सरदार | -- | 20 | -- |
| | डॉ0 रत्नेश सिंह | -- | 20 | -- |
| | डॉ0 बी.आर. रावटे | -- | 20 | 20 |
| | श्रीमती शालिनी मेनन | 20 | 20 | 20 |
| | डॉ0 एम.एस. ढपोला | -- | 20 | 20 |
| | डॉ0 एम.के. सिंह | 20 | 20 | 20 |
| 2 | **अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला** | | | |
| 2.1 | **रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग** | | | |
| | अनिल चंद्राकर | - | - | 01 |
| | अनुराधा जोशी | - | - | 01 |
| | गौतम देवांगन | - | - | 01 |
| | विष्णु यादव | - | - | 02 |
| | राघवेन्द्र सिंह ठाकुर | 01 | - | 02 |
| | एस.एन. साहा | - | - | 01 |
| 2.2 | **सिविल अभियांत्रिकी विभाग** | - | - | - |
| 2.3 | **संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग** | | | |
| | डॉ0 मनीष श्रीवास्तव | 01 | - | - |
| | डी.के. सिंह | 02 | 01 | - |
| | वैभव कांत सिंह | 06 | 03 | - |
| 2.4 | **इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग** | | | |
| | श्री अभिषेक अवस्थी | - | - | 04 |
| | श्रीमती ब्युला नाथ | - | - | 01 |
| | श्री दीपक के. राठौड़ | - | - | 02 |
| | श्रीमती प्रगति पठारिया | - | - | 02 |
| | डॉ0 पी.एस. श्रीवास्तव | - | - | 01 |
| | श्री निपुन कुमार मिश्रा | - | - | 03 |
| | श्री श्रवण के पटेल | - | - | 02 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | डॉ0 सोमा दास | - | - | 02 |
| | श्री सुमित के. गुप्ता | - | - | 01 |
| 2.5 | **औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग** | | | |
| | डॉ0 मुकेश कुमार सिंह | 01 | - | - |
| | श्री अतुल कुमार साहू | - | 02 | 02 |
| | श्री नितीन कुमार साहू | - | 02 | 03 |
| | श्री सी.पी. देवांगन | - | - | 01 |
| 2.6 | **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग** | | | |
| | श्रीमती आकांक्षा गुप्ता | - | - | 02 |
| | श्री पंकज चंद्रा | - | - | 02 |
| | श्री आनंद प्रकाश रावल | - | - | 01 |
| 2.7 | **यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग** | | | |
| | डॉ0 राजेश कुमार भुषण | 01 | 03 | 01 |
| | श्रीमती श्वेता सिंह | - | - | 01 |
| | प्रशांत कुमार जांगड़े | - | - | 02 |
| | लुकेश कुमार | - | - | 01 |
| | मनोज कुमार यादव | - | - | 01 |
| | आफताब | - | - | 01 |
| | श्याम सिंह कंवर | - | - | 01 |
| | गौरी शंकर खाण्डे | - | - | 01 |
| | मो0 शाहिद अंसारी | 01 | - | 01 |
| 03 | **विधि अध्ययनशाला** | | | |
| 3.1 | **विधि विभाग** | | | |
| | श्री प्रवेश दलेई | - | 05 | - |
| | डॉ0 शमशाद अंसारी | - | 01 | 01 |
| | डॉ0 बिपिन कुमार तिवारी | - | 01 | - |
| | श्री प्रमोद रंजन | - | 01 | - |
| | सुश्री एम.व्ही. राजकुमारी | - | 01 | - |
| | सुश्री रीता सिंह | - | 01 | - |
| | श्री आशीष कुमार मिश्रा | 03 | 03 | - |
| 04 | **जीव विज्ञान अध्ययनशाला** | | | |
| 4.1 | **मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग** | | | |
| | प्रो0 पी.के. दास | - | - | 01 |
| | डॉ0 नीलकण्ठ पाणिग्राही | 04 | 01 | - |
| | डॉ0 सुबल दास | - | 02 | - |
| | डॉ0 सुचिता त्रिपाठी | - | - | 01 |
| | डॉ0 के. भारती | - | 01 | 01 |
| 4.2 | **जैव प्रौद्योगिकी विभाग** | | | |
| | प्रो0 बी.एन. तिवारी | 03 | - | - |
| | डॉ0 रेणु भट्ट | 01 | - | - |
| | डॉ0 हरित झा | - | 01 | - |
| | डॉ0 डी.के. परिहार | - | 01 | - |
| | सुश्री अलका एक्का | - | - | 01 |
| | डॉ0 धनंजय शुक्ला | - | 01 | - |
| | डॉ0 नवीन विश्वकर्मा | - | 02 | 01 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4.3 | **वनस्पति विज्ञान विभाग** | | | |
| | डॉ0 अश्विनी कुमार दीक्षित | - | 03 | - |
| | डॉ0 एस.के. शाही | - | 02 | - |
| | डॉ0 एस.के. प्रजापति | - | 01 | - |
| | डॉ0 सत्य शिला सिंह | 01 | 01 | - |
| 4.4 | **न्यायालयिक विज्ञान विभाग** | | | |
| | डॉ0 अश्विनी कुमार दीक्षित | - | 03 | - |
| | डॉ0 अर्जुन राव | - | - | 01 |
| 4.5 | **प्राणीशास्त्र विभाग** | | | |
| | डॉ0 सीमा राय | 02 | 03 | - |
| | डॉ0 मोनिका भदौरिया | 01 | 02 | - |
| | डॉ0 संतोष सिंह | - | 01 | 0 |
| | डॉ0 सुशांत कुमार वर्मा | 02 | - | - |
| | डॉ0 मनीष त्रिपाठी | 01 | 01 | - |
| 05 | **प्रबंधन एवं वाणिज्य अध्ययनशाला** | | | |
| 5.1 | **वाणिज्य विभाग** | | | |
| | अमित मंगलानी | 02 | 04 | - |
| | बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल | - | 08 | 01 |
| | विनीत सिंह | - | 01 | - |
| | अभिन्न श्रीवास्तव | - | 03 | - |
| | अरूण वैद्यक | - | 02 | - |
| | दीपिका दर्शन | - | 02 | - |
| | ज्ञानरंजन बल | - | 02 | - |
| | मुकेश अग्रवाल | 01 | 05 | 01 |
| | पूजा शर्मा | - | 01 | - |
| | सुचिता रंगलानी | - | 01 | - |
| | विकास जायसवाल | - | 01 | - |
| | विवेक शर्मा | - | 02 | 01 |
| 5.2 | **प्रबंध अध्ययन विभाग** | | | |
| | डॉ0 बॉबी बी. पाण्डेय | - | 02 | - |
| | डॉ0 बी.डी. मिश्रा | 01 | 01 | - |
| | डॉ0 एच. कुमार | - | 02 | - |
| | डॉ0 एल.पी. पटैरिया | 02 | - | - |
| 06 | **गणित एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला** | | | |
| 6.1 | **संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग** | | | |
| | ए.के. सक्सेना | 01 | - | - |
| | डॉ0 बबिता माझी | 03 | - | 01 |
| | पुष्पलता पुजारी | 01 | 01 | - |
| 6.2 | **शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग** | | | |
| | डॉ0 अभय सिंह | - | 02 | - |
| | डॉ0 बी.बी.चतुर्वेदी | - | 02 | - |
| | डॉ0 डी.एस. सिंह | - | 03 | - |
| | डॉ0 केएनवीवी वारा प्रसाद | - | 03 | - |
| | डॉ0 एम.के. गुप्ता | 01 | 04 | - |
| | डॉ0 पी.पी. मूर्ति | 03 | 01 | - |
| | डॉ0 सुरेश शुक्ला | - | 02 | - |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 07 | **प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला** | | | |
| 7.1 | **वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग** | | | |
| | प्रो0 एस.एस. सिंह | - | 01 | - |
| | डॉ0 एस.सी. तिवारी | - | 1 | - |
| | डॉ0 के.के. चंद्रा | 01 | 02 | 01 |
| | डॉ0 गरिमा तिवारी | - | 02 | 01 |
| | डॉ0 भावना दीक्षित | - | 02 | 01 |
| | शेख इकबाल | 01 | 01 | 01 |
| | अशोक मिंज | - | 01 | 01 |
| | डॉ0 अरविन्द प्रजापति | 01 | 01 | 01 |
| | सुश्री रेशमा एक्का | - | 02 | 01 |
| | आलोक चंद्राकर | - | 02 | 01 |
| 7.2 | **फार्मेसी विभाग** | | | |
| | प्रो. व्ही.डी. रंगारी | 02 | 03 | 01 |
| | डॉ0 अल्पना राम | 01 | 02 | - |
| | डॉ0 भारती अहिरवार | 03 | 03 | - |
| | डॉ0 के.पी. नामदेव | 01 | 04 | - |
| | डॉ0 सन्मति जैन | - | 03 | - |
| | डॉ0 एस.एच. बोड़खे | 01 | 02 | - |
| | डॉ0 दिलीप कुमार पाल | - | 02 | - |
| | डॉ0 मनोज कुमार | - | 01 | - |
| | डॉ0 संजय लांझियाना | 02 | - | - |
| | डॉ0 के.पी. मीना | - | 03 | - |
| | डॉ0 हरिश रजक | - | 02 | - |
| | डॉ0 आर.एस. पाण्डेय | - | 01 | - |
| | श्रीमती एम. जायसवाल | 05 | - | - |
| | डॉ0 सुनिल जैन | - | 01 | - |
| | डॉ0 अर्जुन पात्रा | 01 | - | - |
| | डॉ0 व्ही. मण्डल | - | 01 | - |
| | डॉ0 एस.के. भारती | - | 01 | - |
| | डॉ0 के. केसवन | 01 | 01 | - |
| | डॉ0 जे. सिंह | - | 02 | - |
| | डॉ0 पी.पी. रॉय | - | 02 | - |
| | डॉ0 एस. थारेजा | 01 | - | 01 |
| | डॉ0 एन. जैन | - | 01 | - |
| | डॉ0 ए.के. जैन | - | 01 | - |
| | डॉ0 शिवानी पालिवाल | 01 | 02 | - |
| 7.3 | **ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग** | | | |
| | डॉ0 आर. मेहता | 01 | 01 | 01 |
| | डॉ0 पी.आर. सिंह | 01 | 00 | 01 |
| | डॉ0 एस.के. निराला | 02 | 02 | 01 |
| | डॉ0 डी.के. पटेल | 00 | 01 | 02 |
| | डॉ0 भास्कर चौरसिया | 01 | 02 | - |
| | डॉ0 अलका मिश्रा | 00 | 01 | 01 |
| | श्री दिलीप कुमार | 00 | 00 | 04 |
| | डॉ0 एन सी अग्रवाल | 01 | | 01 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 08 | **भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला** | | | |
| 8.1 | **रसायन विभाग** | | | |
| | प्रो0 जी.के. पात्रा | 01 | 01 | 01 |
| | डॉ0 एस.के. सिंह | 03 | 0 | 0 |
| | डॉ0 चारू अरोरा | 02 | 01 | 0 |
| | डॉ0 बी. शर्मा | 01 | 01 | 01 |
| | डॉ0 एस.एस. ठाकुर | 01 | 01 | 01 |
| | डॉ0 ए. श्रीवास्तव | 02 | 01 | 0 |
| | डॉ0 एस. बनर्जी | 00 | 01 | 01 |
| | डॉ0 व्ही.के. राय | 01 | 01 | 0 |
| | डॉ0 मनोरमा | 01 | 01 | 0 |
| | डॉ0 के. श्रीवास | 01 | 05 | 0 |
| | डॉ0 के.व्ही.एस. रंगनाथ | 02 | 01 | 0 |
| 8.2 | **शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग** | | | |
| | प्रो. पी.के. बाजपेयी | 04 | 03 | - |
| | डॉ0 प्रदीप दास | 01 | - | - |
| | अजय के. गुप्ता | 02 | - | - |
| | डॉ0 आर.के. पाण्डेय | - | 01 | - |
| | एस.पी. पटेल | 02 | - | - |
| | आर.पी. प्रजापति | 01 | 01 | - |
| | पी. रामबाबू | 01 | 01 | - |
| | टी.जी. रेड्डी | 01 | 01 | - |
| | एम.पी. शर्मा | - | 01 | - |
| | एस.के. श्रीवास्तव | 01 | | - |
| | डॉ0 एच.एस. तिवारी | 02 | 01 | - |
| | डॉ0 पारिजात ठाकुर | 01 | - | - |
| | डॉ0 एम.एन. त्रिपाठी | 02 | 01 | - |
| | डॉ0 तारकेश्वर त्रिवेदी | 02 | - | - |
| 09 | **समाज विज्ञान अध्ययनशाला** | | | |
| 9.1 | **अर्थशास्त्र विभाग** | | | |
| | डॉ. दिलीप झा | 01 | 01 | - |
| | प्रो.मनीषा दुबे | - | 03 | - |
| | डॉ. नमिता शर्मा | - | 03 | 02 |
| | डॉ. आर.के. शर्मा | - | 02 | 01 |
| | डॉ. एस. किसपोट्टा | - | 02 | 02 |
| 9.2 | **शिक्षा विभाग** | | | |
| | डॉ. सी.एस. वझलवार | - | 02 | - |
| | डॉ. एम. चंद्राकर | - | 03 | 01 |
| | डॉ. पी. बनर्जी | - | - | 01 |
| | डॉ. एस.के. पाढी | - | 03 | - |
| | डॉ. एस.के. सेन | - | 01 | - |
| | डॉ. एस.एस. कवर | - | - | 01 |
| | डॉ. सुजीत मिश्रा | - | 02 | - |
| 9.3 | **इतिहास विभाग** | | | |
| | डॉ0 घनश्याम दुबे | - | 02 | - |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | डॉ0 महेष कुमार शुक्ला | - | 03 | - |
| | डॉ0 सीमा पाण्डेय | - | 03 | - |
| | श्री विपिन तिर्की | - | 04 | - |
| | | | | |
| 9.4 | **राजनीति विज्ञान विभाग** | | | |
| | डॉ0 ए.एन. पांडा | 04 | - | - |
| | डॉ0 सुरेन्द्र मिश्रा | 01 | - | - |
| 9.5 | **समाज कार्य विभाग** | | | |
| | डॉ. अर्चना यादव | - | 03 | - |
| | श्री विक्रम सिंह | - | 02 | 01 |
| | प्रो. पी.जे. मिश्रा | - | 01 | - |

## स. शोध परियोजनायें

### (i) संचालित शोध परियोजनायें (01.04.2015 से 31.03.2016 तक)

| क्र. | योजना का शीर्षक | मुख्य शोधकर्ता | अनुदान संस्था | स्वीकृत राशि (लाख में) | स्वीकृति पत्र क्रमांक (तिथि सहित) | परियोजना अवधि | प्राप्त अनुदान राशि (लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Lectin conjugated multiparticulate delivery systems for the effective treatment of *H. pylori* | डॉ0 सुनील कुमार जैन | ए.आई.सी.टी.ई. | 12 | 20/AICTE/RIFD/RPS | 3 वर्ष | 9.66 |
| 2. | Development of targeted nanovector systems for intracellular delivery of cytotoxic agents. | डॉ0 शिवानी आर. पालिवाल | एस.ई.आर.बी.–डी.एस.टी. | 28 | No. SB/YS/LS-33312013 | | 14 |
| 3. | Phytochemical investigation and anti sickling activity studies of Indian medicinal plants. | डॉ0 व्ही.डी. रंगारी | ए.आई.सी.टी.ई. | 19.4 | 05-08-2014 | | |
| 4 | Phytochemical investigation and fracture healing activity studies of Indian medicinal plants. | डॉ0 व्ही.डी. रंगारी | यू.जी.सी. | 12.8 | 25-03-2013 | | |
| 5 | Isolation of secondary metabolites and evaluation of antisteroidaogenic activity of Indian medicinal plants | डॉ0 एस.सी. पाल | यू.जी.सी. | 13.2 | 25-03-2013 | | |
| 6 | Design and synthesis of novel histone deacetylase inhibitors for their potential anti neoplastic activity. | डॉ0 हरिश रजक | एस.ई.आर.बी.–डी.एस.टी. | 22.5 | SB/YS/LS-335/2013 | 3 वर्ष | 3.50 |
| 7 | Search for novel anti cataract agents: Phytochemical investigation of unexplained medicinal plants of Chhattisgarh | डॉ0 एस.एच. बोडखे | आयुध | 27.0 | Z/28015/107/2014-HPC(EMR) 12/01/2015 | 3 वर्ष | 10.99 |
| 8. | A search for natural anticataract drug from Achanalemar forest area of Chhattisgarh. | डॉ0 एस.एच. बोडखे | सीकॉस्ट | 1.4 | 1093/CCOST/MRP/04/09/2015 | 2 वर्ष | 0.70 |
| 9. | Evaluation of ethanomedicinal plants of Chhattisgarh against breast cancer | डॉ0 भारती अहिरवार | सीकॉस्ट | 2.0 | 1098/CCOST/MRP/2015 | | 1 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10. | Approaches for exploring some medicinal plants from Chhattisgarh for management of liver disorder and oxidative free radicals for in vivo and in vitro experimental models | डॉ0 भारती अहिरवार | सीकॉस्ट | 5.5 | SB/EMER-5/5/2014 | 1 वर्ष | 5.50 |
| 11. | Development and characterization of targeted delivery of purified active phytopharmaceuticals for Crohn's disease | डॉ0 के.पी. नामदेव | ए.आई.सी.टी.ई. | 13.2 | 8/160/AICTE/RIFD/RPS-4/3/14 | 3 वर्ष | 12.07 |
| 12. | Synthesis and biological evaluation of some compounds for Antiparkinson activity | डॉ0 के.पी. नामदेव | यू.जी.सी. | 10.34 | UGC?MRP/93-488/2014/SR | 3 वर्ष | 7.91 |
| 13. | Setting up of —National Centre for Accelerator Based Research (NCAR) at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur | प्रो0 पी.के. बाजपेयी | बी.आर.एन.एस. | 500 (First Phase) | No. 2013/34/18/BRNS/865 dated 19.06.2013 | Ist phase 2013-2017 | |
| 14. | Relaxor behaviour and dielectric relaxation in Bismuth sodium Niobate based non-lead relaxors: solid solutions with perovskites, columbite and tungstenbronze phases | प्रो0 पी.के. बाजपेयी | यू.जी.सी. | 9.82 | No. 41-884/2012 (SR) dated 23 July 2012 | 2012-2015 | 9.82 |
| 15. | Studies of Swift Heavy Ion Irradiation on ceramic Perovskites BaSnO3, SrSnO3 and Ba/SrSnO3 for specific gas sensing applications | प्रो0 पी.के. बाजपेयी | आई.यू.ए.सी. | 5.79 | No. IUAC/XIII.7/UFR-54308 | 2014-2017 | 5.79 |
| 16. | (i) UGC Special Assistance Program (SAP) Departmental Research Support (DRS-I)<br>(ii) BSR Infrastructure support<br>(iii) BSR Fellowship (05) | प्रो0 पी.के. बाजपेयी | यू.जी.सी. | (i)75.00<br>(ii)20.00 | No. F.530/2/DRS/2012 (SAP-I) | 2012-2017 | (i)75.00<br>(ii)20.00 |
| 17. | FIST program to strengthen the post –graduate teaching and research facilities in the Department, Department of Science & Technology, Govt. of India | प्रो0 पी.के. बाजपेयी | डी.एस.टी. | 85.00 | No. SR/FIST/PSI-180/2012 dated 29.07.2013 | 2013-2018 | 85.00 |
| 18. | Synthesis and development of double mixed perovskite oxide based lead free Piezo-ceramics | डॉ0 एच.एस तिवारी | यू.जी.सी. | 11.28 | No. F. 41-954/2012(SR) dated 25.07.2012 | 2012-2015 | 11.28 |
| 19. | Density functional study of magneto-opto-electronic properties of transparent conducting oxides | डॉ0 एम.एन. त्रिपाठी | यू.जी.सी. | 3.55 | F.No.: 41-1009/2012 | 2012-2015 | 3.55 |
| 20. | Synthesis and characterization of doped and undoped ZnO Thin Films using Sol-Gel Spin Coating Method | डॉ0 आर.के. पाण्डेय | यू.जी.सी. | 9.59 | F.No:. No. 41-930/2012 (SR) | 2012-2015 | 9.59 |
| 21. | Systematic Investigations of Octupole Correlations in 150-153Eu N = 87-90 Nuclei | डॉ0 तारकेश्वर त्रिवेदी | आई.यू.ए.सी. | 5.79 | Project No. UFR-55313 | 2014-2017 | 1.79 |
| 22. | Synthesis of topological insulators and investigation of their topological properties by transport, magnetization, Hall Measurements | डॉ0 प्रदीप दास | डीएसटी–एसईआरबी | 22.56 | project No.SR/FTP/PS-197/2012 | 2014-2017 | 22.56 |
| 23. | Linear and nonlinear instabilities in dusty and quantum plasmas | डॉ0 आर.पी. प्रजापति | डीएसटी–एसईआरबी एफटीवाईएस स्किम | 11.67 | SR/FTP/PS-191/2011 | 2013-2016 | 11.67 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 24. | Studies on terrestrial ecology and aquatic ecology at NTPC Sipat STPP area, Bilaspur (CG). | डॉ0 ए.के. दीक्षित (आई.पी.) को–इनवेस्टिगेटर डॉ0 आर. मेहता | एन.टी.पी.सी. | 13.06 | 4000116174-37-1019 | 2 year | 13.06 |
| 25. | Tunneling nanotubes: Exploration of possible target for anti-cancer therapies | डॉ0 एस.के. निराला | डीएसटी–एसईआरबी | रूपया 17,08,000/- | SR/FT/LS-166/2010, 13th Aug, 2012 | अगस्त 2012- अग. 2015 | 5 |
| 26. | Influence of Phytochemicals on resurgence of acrylamide induced hepato, nephro and encephalopathy | डॉ0 एस.के. निराला | यू.जी.सी. | रूपया 13,29,000/- | (42-550/2013 –SR) 23-03-2013 | अप्रैल 2013-मार्च 2017 | 8.91 |
| 27. | *Ex situ* – Conservation of Medicinal and Aromatic Plants resources from Chhattisgarh in Guru Ghasidas Vishwavidyalaya (A Central University) Bilaspur (C. G.) | डॉ0 एस.के. निराला | यू.जी.सी. | रूपया 600000/= | F.20-17(3)/2012(BSR) 8 March 13 | मार्च 2013 से मार्च 2015 | 5.40 |
| 28. | Assesment of arbascular micorrhyzal diversity in wet-land (control athogen and flooded athogen system) paddy crops in Bilaspur, Chhattisgarh | डॉ0 भास्कर चौरसिया | यू.जी.सी. | रूपया 600000/= | [No: F.20-31 (3)/2013 (BSR) dated 6th Nov, 2013 | 2013-2015 | 6 |
| 29. | Application of Remote Sensing and GIS techniques in Monitoring and Mapping of Medicinal Plant Resources of Achnakmar Amarkantak Biosphere Reserve. | डॉ0 अल्का मिश्रा | यू.जी.सी. | रूपया 600000/= | [No: F.20-31 (3)/2013 (BSR) dated 6th Nov, 2013 | सित. 2014-2016 | 6 |
| 30. | Studies on impact of primary and secondary pollutants on crops growing around NTPC, Sipat | डॉ0 ए.के. दीक्षित पी.आई. डॉ0 एस.के. शाही को–पी.आई. डॉ0एस.के. प्रजापति को–पी.आई. डॉ0 एस.के.पाण्डेय को–पी.आई. | एन.टी.पी.सी. | 24.10 | No. 8200134262 | | 11 |
| 31. | —Plant specific athogen pattern of volatile organic compounds (VOCs) with respect to global carbon balance‖ | डॉ0 एस.के पाण्डेय | डी.एस.टी. | 23.0 | SB/YS/LS-277/2013 | 3 वर्ष | |
| 32. | —Foliar transfer of airborne toxic heavy metals: Implication for heavy metal pollution management in air‖ | डॉ0 एस.के पाण्डेय | यू.जी.सी.–एमआरपी | 14.70 | F. No.-43-3ll/2014 (SR) | 3 वर्ष | 9.70 |
| 33. | Assesment of salt responsive physiological and biochemical modifications in *Frankia* strains | डॉ0 सत्य शिला सिंह | यू.जी.सी.–एम.आर.पी. | 10.95 | 41-413/2012 (SR) 16.07.2012 | 3 वर्ष | 7.31 |
| 34. | Identification and characterization of cyanobacteria inhabiting paddy fields of Chattisgarh | डॉ0 सत्य शिला सिंह | यूजीसी स्टार्टअप | 6.00 | 20-1/2012 (BSR)/20-7(3)/2012 (BSR) 30.10.2012 | 2 वर्ष | 5.40 |
| 35. | Diversity analysis and documentation of unexplored diazotrophic cyanobacteria of Chattisgarh | डॉ0 सत्य शिला सिंह | सी.एस.आई.आर | 24.00 | 38(1333)/12/EMR-II 16.10.2012 | 3 वर्ष | 13.54 |
| 36. | Molecular evaluation of biofilm formation by an opportunistic intracellular athogen- Rhodococcus | डॉ0 व्ही.एन. त्रिपाठी | यूजीसी स्टार्टअप | 6.00 | F.30-96/2015(BSR) 30.03.2015 | 2 वर्ष | 6.00 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 37. | Multi-functional Metal Organic Frameworks and Green Organic Synthesis, Natural Products, Asymmetric Catalysis and Nanochemistry | प्रो0 गौतम कुमार पात्रा (विभागाध्यक्ष रसायन) | डीएसटी–एफ.आई.एस.टी. | 70 | SR/FST/CSI-264 | 5 वर्ष | Nil |
| 38. | Design and Development of Nanoparticles as Biochemical Probes and Sensors for the Detection of Biomolecules and Organic Toxicants | डॉ0 के.के. श्रीवास | डीएसटी–एसईआरबी | 23.7 | SB/FT/CS 128/2012 | 3 वर्ष | 12.0 |
| 39. | Novel Mesoporous Ru-MCM-48 materials for the Development of Green Synthetic Methodologies | डॉ0 सुभाष बनर्जी | डीएसटी–एसईआरबी | 23.0 | SB/FT-CS 023/2012 | 3 वर्ष | 12.5 |
| 40. | NHC-/enamine-iminium catalysis in stereocontrolled construction of bioactive scaffolds | डॉ0 विजय के. राय | डीएसटी–एसईआरबी | 26.7 | | | |
| 41. | —Synthesis and Characterization of smart polymeric hydrogel by free radical polymerization process‖ (F. No. 42-387/2013 (SR) | डॉ0 आरती श्रीवास्तव | यू.जी.सी., नई दिल्ली | 9.87 | F. No. 42/387(2013) SR , 25-03 2013 | | 6.3 |
| 42. | Green enzymatic routes to liquid polyols as precursor for polyurethane manufacturing: Towards a sustainable development | डॉ0 भास्कर शर्मा | यू.जी.सी. | 05.4 | F.20-13(3)/2012(BSR) | 3 वर्ष | |
| 43. | A novel amperometric pesticide biosensor for organophosphates/ carbamates based on acetyl cholinesterase immobilized on bnormal_gold nanoparticles (AuNPs) composite | डॉ0 मनोरमा | यू.जी.सी. | 12.41 | | | |
| 44. | Entrapment of nanoparticles in MOF Bridging the bnormali gap | डॉ0 के.व्ही.एस. रंगनाथ | एस.ई.आर.बी., नई दिल्ली | 39 | | | |
| 45. | Asymmetric nano catalysis and electrocatalysis using functionalized materials | डॉ0 के.व्ही.एस. रंगनाथ | एस.ई.आर.बी., नई दिल्ली | 41.5 | | | |
| 46. | —A Study on the Problems and Prospects of Silk Industry in Chhattisgarh‖, | डॉ0 मनीषा दुबे | स्पॉन्सर बाई आईसीएसएसआर, नई दिल्ली | 6.5 | | 2 वर्ष | 6.5 |
| 47. | Assessment of air pollutants in tropical forests of Northern Chhattisgarh | प्रो0 एस.एस. सिंह | एमओईएफसी, नई दिल्ली | 57.19 | | | |
| 48. | Application of RS &GIS for Integrated management of Hasdeo River watershed (A tributary of Mahanadi River) in Chhattisgarh. | प्रो0 एस.पी. सिंह को–पी.आई. प्रो0 एस.एस. सिंह | एमओईएफसी, नई दिल्ली | 50.03 | | 3 वर्ष | 50.03 |
| 49. | *Vesicular ArbuscularMycorrhizal* fungi in important forest species planted in Entisol soil of eastern Chhattisgarh and its exploitation for the production of quality nursery | डॉ0 के.के. चंद्रा | यू.जी.सी. | 13.88 | Fno F. 42-740/2013(SR) | 3 वर्ष | 8.85 |
| 50. | Role Of Peoples Participation For Forest Protection and Sustainable Ecosystem Management In Janjgeer Champa District Of Chhattisgarh‖ | डॉ0 गरिमा तिवारी | यू.जी.सी. स्टार्ट अप | 6.00 | F.20-25(3)/2012BSR date 30 March 2013 | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 51. | Influence of different inoculums and nutrients on formation and growth of ectomycorrhiza in Sal (*Shorea robusta* Gaertn) | डॉ0 भावना दीक्षित | यू.जी.सी. स्टार्ट अप | 6.00 | F-30-96/2015 (BSR) Date 30-03-15 | | |
| 52. | DBT Boost to Guru Ghasidas Vishwavidyalaya Interdispiplinary Education & Reachers Life Sciences Department | डॉ0 बी.एन. तिवारी | डीबीटी–बिल्डर प्रोजेक्ट | 369.80 | BT/PR7020/INF/22/172/2012 | 2013-contd.. | 178.95 |
| 53. | Role of GPNMB in Pathogenesis of Brochopulmonary Dysplasia | डॉ0 धनंजय शुक्ला | डीएसटी | 20.20 | LS-251 | 2014-17 | 1.00 |
| 54. | Application of Acacia and rice husk lignin in the Synthesis of Biopolymers & resins | डॉ0 हरित झा | यू.जी.सी. | 10.26 | 41-543(2012) (SR) | 2012-2015 | 10.26 |
| 55. | Evaluation of Curumin as Modulator of Tumor Metabolism Implication in Antineoplastic Therapy | डॉ0 नवीन विश्वकर्मा | यू.जी.सी. | 6.00 | F 30-71/2014/BSR dt.22 Jan. 2015 | 2016-2017 | 6.00 |
| 56. | Phytochemical Investigation of Plants in Cisplatin Induced Nephrotoxicity | डॉ0 रेणु भट्ट | सीकॉस्ट, रायपुर | 4.60 | 1110/CCOST/MRP/2015 dt.04.09.15 | 2015-2017 | 4.60 |
| 57. | Size effect and characterisation of fracture parameters for crack propagation in concrete | डॉ0 शैलेन्द्र कुमार | यू.जी.सी. | 13.868 | F.No.42-162 /2013(SR) | 4 वर्ष | 10.82 |
| 58. | Normal and medium strength concrete with 100%recycled coarse aggregate | डॉ0 एम.सी. राव पी.आई. | सी.एस. आई.आर. | 13.700 | No.70(0069)/11/EMR-II Dated 11.01.2013 | 3 वर्ष | 5.86 |
| 59. | Sustainable and cost effective housing using recycled aggregate based concrete | डॉ0 शैलेन्द्र कुमार को–पीआई, सिविल इंजी., आईआईटी, खड़गपुर में मंजुरी | एमएचआर डी (उच्च शिक्षा विभाग) | 50.12 | IIT/SRIC/CE/AHU/2013-14/253 (REVISED), Dated:28-04-2014 | | - |
| 60. | DBT under Boost to University Interdisciplinary Life science (Biotechnology, Botany and Zoology) epartments for Education and Research BUILDER | डॉ0 सीमा राय ऐनीमल साईंस प्रोजेक्ट लिडर/को–पीआई. | डी.बी.टी., नई दिल्ली | 386.0 (for all three gps) | BT/PR 7020/INF/22/172/2012 | | |
| 61. | Neuroendocrine modulation of lymphocyte function in albino rat Rattus norvegicus: Role of endogenous melatonin and catecholamine | डॉ0 सीमा राय | यू.जी.सी., नई दिल्ली | | 41/-94/2012 Extended upto 31.Dec 2015) | 3 yrs extended for six month more | 7.30 |
| 62. | Antituberculosis drug induced hepatic bnormalities and its prevention by propolis. | डॉ0 मोनिका भदौरिया | यू.जी.सी., नई दिल्ली | रूपया 13,10,8000 | 42/520/2013/ (SR) | 3 वर्ष | 8.96 |
| 63. | Molecular evaluation of nitrosative stress in rat brain during hyperammonia | डॉ0 संतोष सिंह | यूजीसी–बी एसआर, स्टार्ट अप | 6 | F. 30-60.2014 (BSR) | | 6 |
| 64. | Evaluation of reproductive, Biochemiocal and histopathological response of C betrachus after acute exposure to atrazine herbicide | डॉ0 सुशांत के. वर्मा | यूजीसी–बी एसआर, स्टार्ट अप | 6 | F. 30-96/ 2015 (BSR (30.03.15) | | 6 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 65. | Modulation of innate immune response mediated by cells of head kidney and its hormonal coorelates (sex steroids) in fresh water teleost, Channa punctatus | डॉ0 मनीष त्रिपाठी | यूजीसी–बी एसआर, स्टार्ट अप | 6 | F. 30-96/2015 | | 6 |
| 66. | Investigation on the properties and optimization of the materials for room temperature magnetic refrigeration applications | डॉ0 सोमा दास | यू.जी.सी. | 12.033 | 42-908/2013 (SR) (25.03.2013) | 4 वर्ष | 8.14 |
| 67. | Prevalence of Under nutrition and Morbidity Among Hill Korwa Tribal Preschoolers of Jashpur, Chhattisgarh, India | डॉ0 सुबल दास | यू.जी.सी. | 6.00 | F.30-96/2015(BSR) | | 6 |
| 68. | Some Fixed Point Problems in Different Spaces and their Possible Application | डॉ0 पी.पी. मुर्ति | यू.जी.सी. | 10.44 | F.No. 42-32/2013 (Sr.) | 3 वर्ष | 10.44 |
| 69. | Some Problems on Finsler Geometry and its application | डॉ0 एम.के. गुप्ता | यू.जी.सी. | 6.00 | F-20-30 (3) 2013 (BSR) | 2 वर्ष | 6.00 |
| 70. | A Study on convergence and stability results of fixed fixed point iteration procedures in various spaces | डॉ0 कोटी एन.वी. वी.वारा प्रसाद | यू.जी.सी. | 6.00 | F-20—30 (3)/2013 (BSR) | 2 वर्ष | 6.00 |

## (ii) स्वीकृत शोध परियोजनायें (01.04.2015 से 31.03.2016 तक)

| क्र. | योजना का शीर्षक | मुख्य शोधकर्ता | अनुदान संस्था | स्वीकृत राशि (लाख में) | स्वीकृति पत्र क्रमांक (तिथि सहित) | परियोजना अवधि | प्राप्त अनुदान राशि (लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | A search for natural anticataract drug from Achanalemar forest area of Chhattisgarh. | डॉ एस एच बोड़खे | सीकॉस्ट | 1.4 | 1093/CCOST/ MRP/04/09/20 15 | 2 वर्ष | 0.70 |
| 2. | Evaluation of ethanomedicinal plants of Chhattisgarh against breast cancer | डॉ0 भारती अहिरवार | सीकॉस्ट | 2.0 | 1098/CCOST/ MRP/2015 | 2 वर्ष | 1 |
| 3. | Metal induced crystallization of amorphous semiconductor under swift heavy ion irradiation UFUP project No. UFR-58308; 2015-2018 | डॉ0 शिव पूजन पटेल | आईयूएसी, नई दिल्ली | 5.79 | | | |
| 4. | Hydro magnetic Instabilities in Strongly Coupled Complex Plasmas | डॉ0 आर.पी. प्रजापति | यूजीसी | 15.00 | [F.No.-43-514/2014(SR ) | | |
| 5. | Fabricaiton and Characterization of Reduced Graphene Oxide Field Effect Transistors (RGO-FET) for sensor applications‖ | डॉ0 टी जी. रेड्डी | यूजीसी | 10.20 | | | |
| 6. | Investigating Close in Extra solar Planets through Photometric Follow-up of their Transits | डॉ0 पारिजात ठाकुर | यूजीसी | 10.02 | F. No. – 43-521/2014 (SR) | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7. | Nanostructuredorgano-functionalized mesoporous silica materials: Synthesis and catalytic applications‖ | डॉ0 संतोष एस. ठाकुर | सीकॉस्ट | 5.0 | | | |
| 8. | Characterization of conidial antigens isolated form aeromycoflora of Chhattisgarh | डॉ0 बी.एन. तिवारी | सीकॉस्ट, रायपुर | 5.00 | | | |
| 9. | Lignocellulosic-polylactic acid based composites for multifaceted application | डॉ0 हरित झा | सीकॉस्ट, रायपुर | 5.00 | | | |
| 10. | Targeting Tumor Metabolism by Curcumin as a novel Antineoplastic Approach | डॉ0 नवीन विश्वकर्मा | यूजीसी | 14.50 | | | |
| 11. | Molecular evaluation of gulatamate MO cGMP cascade modulated by AMPA receptor in brain in rat with acute liver failure | डॉ0 संतोष सिंह | एस.ई.आर.बी. डी.एस.टी. | 25.20 | | | |
| 12. | Study of Structure and Function of Different Agroforestry Practices Existing In Chhatisgarh Plain Zone | डॉ0 के.के. चंद्रा | सीकॉस्ट, रायपुर | 4.90 | | | |

## (iii) प्रस्तुत परियोजनायें

| क्र. | प्रस्तुति दिनांक | शिक्षक का नाम | परियोजना के प्रकार | संस्थान | अनुदान राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 08-02-2016 | डॉ0 डी.के. पटेल | मेजर | Chhatisgarh Council of Science and Technology, Raipur, India | 600000 = 00 |
| 2. | 31.01.2016 | डॉ0 व्ही.एन. त्रिपाठी | मेजर | डीएसटी | 46.87 |
| 3. | 01/04/2016 | प्रो0 गौतम कुमार पात्रा | मिनी | सीकॉस्ट | 5 lakh |
| 4. | 13/04/2016 | डॉ0 कमलेश श्रीवास | मिनी | सीकॉस्ट | 5 lakh |
| 5. | May 2015 | बी.एन तिवारी | SAP (DRS-I) | यूजीसी | Sanction of Rs.87.50 received |
| 6. | 15.12.2016 | नवीन विश्वकर्मा | DBT-IYBA | डीबीटी | 38.92 |
| 7. | August 2015 | शालिनी मेनन | माईनर रिसर्च प्रोजेक्ट | यूजीसी | 1.5 |
| 8. | 09.10.2015 | डॉ0 सीमा राय | माईनर | सीकॉस्ट | 5.00 |
| 9. | 07.01.2016 | डॉ0 सोमा दास | मिनी रिसर्च प्रोजेक्ट | सीकॉस्ट | 6 |
| 10. | 07.01.2016 | श्री निपुण के मिश्रा | मिनी रिसर्च प्रोजेक्ट | सीकॉस्ट | 6 |

WELCOMES
YOU

# गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
# उत्कृष्टता की ओर कदम

प्रस्तुत प्रतिवेदन का उद्देश्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से संबंधित सूचनाएं प्रदान करना है। विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति के बिना इस प्रतिवेदन की सामग्री या छायाचित्रों का पुनर्प्रकाशन नहीं किया जा सकता है।

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) 495009
के द्वारा प्रकाशित
दूरभाष : 07752-260209, फैक्स : 07752-260148
वेबसाईट :- www.ggu.ac.in